हरियाणा विधान सभा

की

कार्यवाही

4 नवम्बर, 2016

खण्ड–3, अंक–1

अधिकृत विवरण

विषय सूची

शुक्रवार, 4 नवम्बर 2016

	पृष्ठ संख्या
शोक प्रस्ताव	4
सांसद तथा हरियाणा विधान सभा के भूतपूर्व सदस्यों का अभिनन्दन	19
घोषणाएं–	20
(क) अध्यक्ष महोदय द्वारा चेयरपर्सन्ज के नामों की सूची	
(ख) सचिव द्वारा राष्ट्रपति/राज्यपाल द्वारा अनुमति दिए गए बिलों संबंधी	
कार्य सलाहकार समिति की पहली रिपोर्ट	22
नियम 15 के अधीन प्रस्ताव	24

नियम 16 के अधीन प्रस्ताव	24
स्थगन प्रस्ताव की सूचना	25
पूर्व मंत्री का अभिनन्दन	33
स्थगन प्रस्ताव की सूचना (पुनरारम्भ)	33
एस.वाई.एल नहर के मुद्दे पर मुख्यमंत्री, पंजाब द्वारा दिए गए वक्तव्य का मामला उठाना	34
इंडियन नेशनल लोकदल के सदस्यों का नाम लेना/बैठक का स्थगन	67
इंडियन नेशनल लोकदल के सदस्यों का नाम लेने के निर्णय को रद्द करना	69
इंडियन नेशनल लोकदल के सदस्यों द्वारा पंजाब सरकार से ली जा रही सुविधाओं सम्बन्धी मामला उठाना	69
सदन की कार्यवाही से आपत्तिजनक शब्दों का हटाना	71
मुख्यमंत्री, पंजाब के विरुद्ध निंदा प्रस्ताव	72
हरियाणा विधान सभा के भूतपूर्व सदस्यों का अभिनन्दन	74
नियम 84 के अधीन प्रस्ताव	75
बैठक का स्थगन	140
नियम 84 के अधीन प्रस्ताव पर चर्चा (पुनरारम्भ)	141
वॉक आउट	272
नियम 84 के अधीन प्रस्ताव पर चर्चा (पुनरारम्भ)	275
अध्यक्ष महोदय द्वारा धन्यवाद	294

हरियाणा विधान सभा

शुक्रवार,4 नवम्बर 2016

विधान सभा की बैठक, हरियाणा विधान सभा हाल, विधान भवन, सैक्टर–1, चण्डीगढ़ में प्रातः 10:00 बजे हुई। अध्यक्ष (श्री कंवर पाल) ने अध्यक्षता की।

शोक प्रस्ताव

श्री अध्यक्षः माननीय सदस्यगण, अब माननीय मुख्यमंत्री महोदय शोक प्रस्ताव रखेंगे।

मुख्यमंत्री(श्री मनोहर लाल): अध्यक्ष महोदय, पिछले विधान सभा के सत्र और इस सत्र के बीच बहुत सारे साथी, सहयोगी, स्वतंत्रता सेनानी और शहीद हमारे को छोड़कर चले गए हैं । मैं इनके बारे में शोक प्रस्ताव सदन के पटल पर रखता हूं–

श्री धर्मवीर यादव, हरियाणा के भूतपूर्व मंत्री

यह सदन हरियाणा के भूतपूर्व मंत्री श्री धर्मवीर यादव के 8 सितम्बर, 2016 को हुए दुःखद निधन पर गहरा शोक प्रकट करता है।

उनका जन्म 30 जून, 1951 को हुआ। वे 1996 में हरियाणा विधान सभा के सदस्य चुने गये तथा 1997–99 के दौरान मंत्री रहे। वे एक निष्ठावान सामाजिक कार्यकर्ता थे।

उनके निधन से राज्य एक योग्य विधायक एवं कुशल प्रशासक की सेवाओं से वंचित हो गया है। यह सदन दिवंगत के शोक–संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

हरियाणा के स्वतन्त्रता सेनानी

यह सदन उन सभी श्रद्धेय स्वतन्त्रता सेनानियों के निधन पर गहरा शोक प्रकट करता है, जिन्होंने हमारे देश की आज़ादी के संघर्ष में अपना बहुमूल्य योगदान दिया।

इन महान स्वतन्त्रता सेनानियों के नाम इस प्रकार हैं :–

1. श्री हरनारायण, गांव मोहदीनपुर, जिला रेवाड़ी।

2. सरदार दर्शन सिंह, करनाल।

यह सदन इन महान स्वतन्त्रता सेनानियों को शत्–शत् नमन करता है और इनके शोक–संतप्त परिवारों के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

———

हरियाणा के शहीद

यह सदन उन सभी वीर सैनिकों को अपना अश्रुपूर्ण नमन करता है, जिन्होंने हमारी मातृभूमि की एकता और अखण्डता की रक्षा के लिए अदम्य साहस और वीरता का परिचय देते हुए अपने जीवन का बलिदान कर दिया।

इन महान वीर सैनिकों के नाम इस प्रकार हैं :–

1. कैप्टन अमित चौहान, गांव बधौली, जिला अंबाला।

2. हवलदार रामबीर सिंह, गांव पाथेड़ा, जिला महेन्द्रगढ़।

3. हवलदार सुशील कुमार, पिहोवा, जिला कुरुक्षेत्र।

4. हवलदार अशोक जाखड़, गांव अकहेड़ी मदनपुर, जिला झज्जर।

5. सिपाही मुकेश, गांव डालनवास, जिला महेन्द्रगढ़।

6. सिपाही अनिल, गांव खायरा, जिला महेन्द्रगढ़।

7. सिपाही कुलवंत सिंह, बरवाला, जिला हिसार।

8. सिपाही मंदीप सिंह, गांव अंटेड़ी, जिला कुरुक्षेत्र।

9. सिपाही दीपक, गांव खातीवास, जिला झज्जर।

यह सदन इन महान वीरों की शहादत पर इन्हें शत्–शत् नमन करता है और इनके शोक–संतप्त परिवारों के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

————

जम्मू–कश्मीर में आतंकवादी हमला

यह सदन 18 सितम्बर, 2016 को जम्मू–कश्मीर के उड़ी में सेना के शिविर पर हुए आतंकवादी हमले में शहीद हुए वीर सैनिकों के दुःखद एवं असामयिक निधन पर गहरा शोक प्रकट करता है।

यह सदन आतंकवादी हमलों की कड़ी निन्दा करता है और महान वीरों की शहादत पर शत्–शत् नमन करता है तथा शोक–संतप्त परिवारों के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

यह सदन

राज्य मंत्री श्री मनीष कुमार ग्रोवर की माता **श्रीमती सीता देवी** तथा मामा **श्री नारायण दास आहूजा;**

विधायक श्री सुभाष बराला के भतीजे **श्री बुधगिर बराला;**

पूर्व मंत्री राव नरेंद्र सिंह की माता **श्रीमती बिमला देवी;**

पूर्व विधायक श्री सुभाष चौधरी के भाई **श्री नरेन्द्र सिंह;**

तथा

पूर्व विधायक श्री साहब सिंह सैनी की पत्नी **श्रीमती जयंत्री देवी** के दुखद निधन पर गहरा शोक प्रकट करता है।

यह सदन दिवंगतों के शोक–संतप्त परिवारों के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

श्री अभय सिंह चौटाला (ऐलनाबाद) : अध्यक्ष महोदय, पिछले सैशन और इस सैशन के दौरान हमारे बीच से बहुत से ऐसे महानुभाव चले गये जिन्होंने प्रदेश के लिए अपनी अच्छी भूमिका निभाई । सदन के नेता ने हमारे बीच में उनके बारे में शोक प्रस्ताव रखा है मैं भी अपनी तरफ से तथा अपनी पार्टी की तरफ से उसका समर्थन करता हूं ।

मैं हरियाणा के भूतपूर्व मंत्री श्री धर्मवीर यादव के 8 सितम्बर, 2016 को हुए दुःखद निधन पर गहरा शोक प्रकट करता हूं । उनका जन्म 30 जून, 1951 को हुआ । वे 1996 में हरियाणा विधान सभा के सदस्य चुने गये तथा 1997–99 के दौरान मंत्री रहे । वे एक निष्ठावान सामाजिक कार्यकर्ता थे । उनके निधन से राज्य एक योग्य विधायक एवं कुशल प्रशासक की सेवाओं से वंचित हो गया है । मैं दिवंगत के शोक–संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी तरफ से तथा अपनी पार्टी की तरफ से हार्दिक संवेदना प्रकट करता हूं ।

इसी तरह से मैं उन सभी श्रद्धेय स्वतन्त्रता सेनानियों के निधन पर गहरा शोक प्रकट करता हूं, जिन्होंने हमारे देश की आजादी के संघर्ष में अपना बहुमूल्य योगदान दिया । इन महान स्वतन्त्रता सेनानियों के नाम इस प्रकार हैं:–

1. श्री हरनारायण, गांव मोहदीनपुर, जिला रेवाड़ी ।

2. सरदार दर्शन सिंह, करनाल ।

मैं इन महान स्वतन्त्रता सेनानियों को शत्–शत् नमन करता हूं और मैं दिवंगतों के शोक–संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी तरफ से तथा अपनी पार्टी की तरफ से हार्दिक संवेदना प्रकट करता हूं ।

इसी तरह से मैं उन वीर सैनिकों को अपना अश्रुपूर्ण नमन करता हूं जिन्होंने हमारी मातृभूमि की एकता और अखण्डता की रक्षा के लिए अदम्य साहस और वीरता का परिचय देते हुए अपने जीवन का बलिदान कर दिया । इन महान वीर सैनिकों के नाम इस प्रकार हैंः–

1. कैप्टन अमित चौहान, गांव बधौली, जिला अंबाला ।

2. हवलदार रामबीर सिंह, गांव पाथेड़ा, जिला महेन्द्रगढ़ ।

3. हवलदार सुशील कुमार, पिहोवा, जिला कुरूक्षेत्र ।

4. हवलदार अशोक जाखड़, गांव अकहेड़ी मदनपुर, जिला झज्जर ।

5. सिपाही मुकेश, गांव डालनवास, जिला महेन्द्रगढ़ ।

6. सिपाही अनिल, गांव खायरा, जिला महेन्द्रगढ़ ।

7. सिपाही कुलवंत सिंह, बरवाला, जिला हिसार ।

8. सिपाही मंदीप सिंह, गांव अंटेड़ी, जिला झज्जर ।

9. सिपाही दीपक, गांव खातीवास, जिला झज्जर ।

मैं इन महान वीरों की शहादत पर इन्हें शत्–शत् नमन करता हूं और मैं दिवंगतों के शोक–संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी तरफ से तथा अपनी पार्टी की तरफ से हार्दिक संवेदना प्रकट करता हूं ।

इसी तरह से मैं 18 सितम्बर, 2016 को जम्मू–कश्मीर के उड़ी में सेना के शिविर पर हुए आतंकवादी हमले में शहीद हुए वीर सैनिकों के दुःखद एवं असामयिक निधन पर गहरा शोक प्रकट करता हूं ।

मैं इस तरह के आतंकवादी हमलों की कड़ी निंदा करता हूं और महान वीरों की शहादत पर शत्–शत् नमन करता हूं तथा मैं दिवंगतों के शोक–संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी तरफ से तथा अपनी पार्टी की तरफ से हार्दिक संवेदना प्रकट करता हूं ।

इसी तरह से हमारे बीच से हमारे कुछ ऐसे साथी चले गये जिनका नाता हमारे विधान सभा के सदस्यों के साथ रहा है । इनके नाम इस प्रकार से हैं कि राज्य मंत्री श्री मनीष कुमार ग्रोवर की माता श्रीमती सीता देवी तथा मामा श्री

नारायण दास आहूजा, विधायक श्री सुभाष बराला के भतीजे श्री बुधगिर बराला, पूर्व मंत्री राव नरेंद्र सिंह की माता श्रीमती बिमला देवी, पूर्व विधायक श्री सुभाष चौधरी के भाई श्री नरेन्द्र सिंह, पूर्व विधायक श्री साहब सिंह सैनी की पत्नी श्रीमती जयंत्री देवी के निधन पर गहरा शोक प्रकट करता हूं । इसके अतिरिक्त हमारे विधायक श्री नसीम अहमद के बहनोई श्री तयब हुसैन का भी निधन हो गया है उनका नाम भी इस सूची में जोड़ लिया जाये । मैं दिवंगतों के शोक–संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी तरफ से तथा अपनी पार्टी की तरफ से हार्दिक संवेदना प्रकट करता हूं ।

Smt. Kiran Choudhary: This House places on record its deep sense of sorrow on the sad demise of Shri Dharamvir Yadav, former Minister of Haryana, on September 08, 2016. He was born on June 30, 1951.

He was elected to the Haryana Legislative Assembly in 1996 and remained a Minister during 1997-1999. He was a committed social worker.

In his death, the State has lost an able legislator and administrator. This House resolves to convey its heartfelt condolences to the members of the bereaved family.

This House also places on record its deep sense of sorrow on the sad demise of our revered freedom fighters who played a significant role in achieving the freedom of our country and these great freedom fighters are :-

1. Shri Harnarayan, village Mohdinpur, District Rewari.
2. Sardar Darshan Singh, Karnal.

This House salutes these great freedom fighters and resolves to convey its heartfelt condolences to the members of the bereaved families.

Martyrs of Haryana also gave their supreme sacrifice of their lives and this House bids tearful adieu to those brave soldiers who showed indomitable courage and made the supreme sacrifice of

their lives while safeguarding the unity and integrity of our motherland. These great martyrs are:-

1. Captain Amit Chauhan, village Badhauli, District Ambala.
2. Havildar Rambir Singh, village Pathera, District Mahendragarh.
3. Havildar Sushil Kumar, Pehowa, District Kurukshetra.
4. Havildar Ashok Jakhar, village Akehri Madanpur, District Jhajjar.
5. Sepoy Mukesh, village Dalenwas, District Mahendragarh.
6. Sepoy Anil, village Khaira, District Mahendragarh.
7. Sepoy Kulwant Singh, Barwala, District Hisar.
8. Sepoy Mandeep Singh, village Antheri, District Kurukshetra.
9. Sepoy Deepak, village Khatiwas, District Jhajjar.

This House salutes these great soldiers for their supreme sacrifice of laying down their lives for the nation and resolves to convey its heartfelt condolences to the members of the bereaved families.

I would also like to add that we have another martyr between us day before yesterday who gave his life and should also

mention his name Havildar Ram Kishan Grewal Ji who also hails from village Bamla District Bhiwani.

This House places on record its deep sense of sorrow on the sad and untimely demise of those brave soldiers, who lost their lives in the terrorist attack on Army Camp at Uri in Jammu & Kashmir on September 18, 2016.

This House strongly condemns the terrorist activities and salutes these great soldiers for their supreme sacrifice of laying down their lives for the nation and resolves to convey its heartfelt condolences to the members of the bereaved families.

This House places on record its deep sense of sorrow on the said demise of :-

Smt. Sita Devi, mother and Shri Narayan Das Ahuja, uncle of Shri Manish Kumar Grover, Minister of State;

Shri Budhgir Barala, nephew of Shri Subhash Barala, MLA;

Smt. Bimla Devi, mother of Rao Narender Singh, Ex-Minister;

Shri Narender Singh, brother of Shri Subhash Chaudhary, Ex-MLA; and

Smt. Jayantri Devi, wife of Shri Sahab Singh Saini, Ex-MLA.

I would also like to add the name of brother of Shri Naseem Ahmed, MLA whose name our opposition member had mentioned.

This House resolves to convey its heartfelt condolences to the members of the bereaved families.

मुख्यमंत्री (श्री मनोहर लाल) : स्पीकर सर, श्रीमती किरण चौधरी कांग्रेस पार्टी की विधायक दल की नेता ने जो दिल्ली में आत्महत्या करने वाले पूर्व सैनिक का नाम शहीद के तौर पर लिया है मैं समझता हूं कि यह सही नहीं है क्योंकि उसने आत्महत्या की है न कि वह शहीद हुआ है। अगर हम ऐसा करते हैं तो यह एक गलत परम्परा की शुरूआत हो जायेगी। वैसे हमारी सरकार की पूरी सहानुभूति आत्महत्या करने वाले पूर्व सैनिक के साथ है लेकिन हम इस पक्ष में नहीं है कि उसका नाम शहीदों की सूची में शामिल किया जाये।

श्री अभय सिंह चौटाला : अध्यक्ष महोदय, श्रीमती किरण चौधरी जी ने एक भूतपूर्व सैनिक का नाम शोक प्रस्ताव में जोड़ने के लिए कहा है और मुख्यमंत्री जी ने उस पर एतराज किया है और कहा है कि उसने सुसाइड किया है इसलिए उसका नाम शहीदों की लिस्ट में न जोड़ा जाए । मैं आपके माध्यम से माननीय मुख्यमंत्री जी से अनुरोध करूंगा कि वे इस बारे में सदन को अवगत करवायें कि उन्होंने उस भूतपूर्व सैनिक के परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी और 10 लाख रूपये किस आधार पर दिये हैं?

मुख्यमंत्री (श्री मनोहर लाल) : अध्यक्ष महोदय, मैंने एक वाक्य प्रयोग किया है कि उस दिवंगत परिवार के सदस्यों के प्रति हमारी सहानुभूति है । उस परिवार की पारिवारिक परिस्थितियों को देखते हुये उसको आर्थिक सहायता प्रदान की गई है । इस प्रकार की आर्थिक सहायता कई बार प्रदेश के पैट्रन के नाते हम दुर्घटनाओं में मरने वाले परिवारों को भी देते हैं । कई बार 5–5 लाख या 10–10 लाख रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है । इस मामले में मेरा एतराज यह है कि इस प्रकार की मौत को शहीद की श्रेणी में रखना उचित नहीं होगा । एक नॉर्म के मुताबिक ही किसी को शहीद का दर्जा दिया जा सकता है ।

श्री अभय सिंह चौटाला : अध्यक्ष महोदय, मुख्यमंत्री जी ने कहा है कि उनकी आर्थिक परिस्थितियों को देखते हुये उनको 10 लाख रूपये की आर्थिक सहायता दी गई है । (विघ्न)

शिक्षा मंत्री (श्री राम बिलास शर्मा) : अध्यक्ष महोदय, मैं श्री अभय सिंह चौटाला जी से दरख्वास्त करता हूं कि शोक प्रस्ताव में सभी दलों ने शोक संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट की है और सभी की सहानुभूति उस परिवार के प्रति है लेकिन इस विषय को विवाद का विषय नहीं बनाया जाना चाहिए ।

श्री अभय सिंह चौटाला : अध्यक्ष महोदय, हम उसको विवाद का विषय नहीं बना रहे हैं । जब उसको शहीद का दर्जा ही नहीं दिया जा रहा है तो फिर उनको 10 लाख रूपये की आर्थिक सहायता और परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी देने की बात क्यों की जा रही है? अगर दिवंगत के परिवार के सदस्यों के प्रति सहानुभूति रखते हुये आर्थिक सहायता दी जा रही है तो आज सदन को यह फैसला भी कर लेना चाहिए कि भविष्य में दुर्घटनाओं में मरने वाले नौजवानों के परिवारों को भी इस प्रकार की आर्थिक सहायता प्रदान की जाये तथा परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी भी दी जाये ।

श्री अध्यक्ष : अभय जी, क्या यह सदन किसी आत्महत्या करने वाले व्यक्ति को शहीद का दर्जा दे सकता है? इस प्रकार से तो आगे चल कर इसमें बहुत बड़ी समस्या खड़ी हो जायेगी । मैंने निर्णय ले लिया है कि श्री अभय सिंह चौटाला ने जो सन्दर्भ रखा है उसको सदन की कार्यवाही से निकाल दिया जाये और इस प्रकार से आत्महत्या करने वाले को शहीद का दर्जा नहीं दिया जा सकता ।

श्री ज्ञान चन्द गुप्ता : अध्यक्ष महोदय, कोई भी सदस्य इस प्रकार से सदन को गलोरीफाई नहीं कर सकता ।

श्री अभय सिंह चौटाला : अध्यक्ष महोदय, मुख्यमंत्री जी ने कहा है कि मेरी सहानुभूति उनके साथ है । इस प्रदेश में एक्सीडैंट्स में बहुत से लोग मरते हैं तो फिर उनको भी 10–10 लाख रुपये की सरकार की तरफ से सहायता दी जानी चाहिए ।

डॉ. रघुवीर सिंह कादियान : अध्यक्ष महोदय, यह आत्महत्या नहीं है यह तो एक भूतपूर्व सैनिक ने किसी कॉज के लिए अपने जीवन का सैक्रीफाइस किया है ।(विघ्न)

श्री अध्यक्ष : यह कोई सैक्रीफाइस नहीं है ।

श्री अध्यक्ष : माननीय सदस्यगण, माननीय मुख्यमंत्री ने जो शोक प्रस्ताव सदन में रखा है और सभी दलों ने अपने आपको उनके साथ जोड़ा है तो मैं भी अपने आपको उनकी भावनाओं के साथ जोड़ता हूं और इन सभी के दुखद निधन पर मैं शोक प्रकट करता हूं । मैं परमपिता परमात्मा से प्रार्थना करता हूं कि वह दिवंगत परिवारों को इस दुख को सहन करने की शक्ति प्रदान करे । मैं सदन की भावनाओं को शोक संतप्त परिवारों के पास पहुंचा दूंगा । अब मैं सभी माननीय सदस्यों से विनती करूंगा कि वे दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए खड़े हो कर दो मिनट का मौन रखें ।

(इस समय सदन ने दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए खड़े हो कर दो मिनट का मौन धारण किया।)

सांसद तथा हरियाणा विधान सभा के भूतपूर्व सदस्यों का अभिनन्दन

शिक्षा मंत्री (श्री राम बिलास शर्मा) : स्पीकर सर, श्री दुष्यंत चौटाला, सांसद, हिसार लोकसभा क्षेत्र, डॉ. सीता राम, भूतपूर्व विधायक एवं श्री दुर्गा दत्त अत्री, भूतपूर्व विधायक वी.आई.पीज. गैलरी में सदन की कार्यवाही देखने के लिए उपस्थित हैं। मैं सरकार की तरफ से उनका यहां आने पर स्वागत करता हूं और उनके अच्छे स्वास्थ्य व उज्जवल भविष्य की कामना करता हूं।

———————————

घोषणाएं

(क) अध्यक्ष महोदय द्वारा

चेयरपर्सन्ज के नामों की सूची

श्री अध्यक्ष : माननीय सदस्यगण, हरियाणा विधान सभा की प्रक्रिया एवं कार्य संचालन संबंधी नियमों के नियम–13(1) के अधीन मैं निम्नलिखित सदस्यों को सभापतियों के नामों की सूची में सभापति के रूप में कार्य करने के लिये नामांकित करता हूं –

1. श्री ज्ञान चन्द गुप्ता, विधायक
2. श्रीमती संतोष चौहान सारवान, विधायक
3. श्री आनन्द सिंह दांगी, विधायक
4. श्री जाकिर हुसैन, विधायक

(ख) सचिव द्वारा

राष्ट्रपति/राज्यपाल द्वारा अनुमति दिए गए बिलों संबंधी

श्री अध्यक्ष : अब सचिव महोदय घोषणा करेंगे ।

श्री सचिव : महोदय, मैं उन विधायकों को दर्शाने वाला विवरण जो हरियाणा विधान सभा ने अपने मार्च, 2016 तथा अगस्त, 2016 में हुए सत्रों में पारित किये थे तथा

जिन पर *राष्ट्रपति/राज्यपाल महोदय ने अपनी अनुमति दे दी है, सादर सदन की मेज पर रखता हूं ।

मार्च सत्र, 2016

* मजदूर संदाय (हरियाणा संशोधन) विधेयक, 2016.

अगस्त सत्र, 2016

1. हरियाणा सेवा का अधिकार (संशोधन) विधेयक, 2016.
2. हरियाणा क्रीड़ा परिषद् विधेयक, 2016.
3. न्यायालय फीस (हरियाणा संशोधन) विधेयक, 2016.
4. हरियाणा विनियोग (संख्या–3) विधेयक, 2016.
5. हरियाणा विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय विधेयक, 2016.
6. हरियाणा विधान सभा (सदस्य सुविधा)संशोधन विधेयक, 2016.
7. हरियाणा राज्य विधानमण्डल (निरर्हता निवारण) संशोधन विधेयक, 2016.
8. हरियाणा विधि अधिकारी (विनियोजन)विधेयक, 2016.
9. हरियाणा नगरीय क्षेत्र विकास तथा विनियमन (द्वितीय संशोधन) विधेयक, 2016.
10. हरियाणा मोटर यान कराधान विधेयक, 2016.
11. स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय, करनाल विधेयक, 2016.

12. हरियाणा सुख–साधन कर (संशोधन) विधेयक, 2016.

13. हरियाणा विधान सभा (सदस्य वेतन, भत्ता तथा पैंशन) संशोधन विधेयक, 2016.

———

कार्य सलाहकार समिति की पहली रिपोर्ट

श्री अध्यक्ष : माननीय सदस्यगण अब मैं कार्य सलाहकार समिति द्वारा तय किये गये, विभिन्न कार्यों की समय सारिणी प्रस्तुत करता हूँ :–

समिति ने सिफारिश की है कि जब तक अध्यक्ष महोदय अन्यथा निदेश नहीं देते, सत्र के दौरान, विधान सभा की बैठक शुक्रवार, 4 नवम्बर, 2016 को 10.00 बजे प्रातः आरम्भ होगी तथा उस दिन की कार्यसूची मे दिए गए कार्य की समाप्ति के पश्चात् बिना प्रश्न रखे स्थगित होगी ।

कुछ चर्चा के पश्चात्, समिति ने आगे सिफारिश की है कि 4 नवम्बर, 2016 को सभा द्वारा निम्नानुसार कार्य किया जाएगा :–

शुक्रवार 4 नवम्बर, 2016	
(10.00 प्रातः)	1. शोक प्रस्ताव ।
	2. कार्य सलाहकार समिति की प्रथम रिपोर्ट प्रस्तुत करना तथा स्वीकार करना।

3. निरन्तर बैठक संबंधी नियम 15 के अधीन प्रस्ताव ।
4. अनिश्चित काल तक सभा के स्थगन संबंधी नियम 16 के अधीन प्रस्ताव।
5. नियम 84 के अधीन प्रस्ताव।
6. कोई अन्य कार्य।

श्री अध्यक्ष : अब संसदीय कार्यमंत्री प्रस्ताव प्रस्तुत करेंगे कि यह सदन कार्य सलाहकार समिति की पहली रिपोर्ट में दी गई सिफारिशें स्वीकार करता है ।

शिक्षा मंत्री (श्री राम बिलास शर्मा) : अध्यक्ष महोदय, मैं प्रस्ताव करता हूँ:–

कि यह सदन कार्य सलाहकार समिति की पहली रिपोर्ट में दी गई सिफारिशें स्वीकार करता है।

श्री अध्यक्ष : प्रसताव प्रस्तुत हुआ–

कि यह सदन कार्य सलाहकार समिति की पहली रिपोर्ट में दी गई सिफारिशें स्वीकार करता है।

श्री अध्यक्ष : प्रश्न है–

कि यह सदन कार्य सलाहकार समिति की पहली रिपोर्ट में दी गई सिफारिशें स्वीकार करता है।

प्रस्ताव पारित हुआ ।

नियम 15 के अधीन प्रस्ताव

श्री अध्यक्ष : माननीय सदस्यगण, अब संसदीय कार्य मंत्री नियम 15 के अधीन प्रस्ताव प्रस्तुत करेंगे ।

शिक्षा मंत्री (श्री राम बिलास शर्मा) : अध्यक्ष महादय, मैं प्रस्ताव करता हूँ:–

कि आज के लिये निश्चित की गई कार्य की मदों पर की कार्यवाही को आज की बैठक में अनिश्चित काल तक नियम '' सभा की बैठकें'' के उपबन्धों से मुक्त किया जाए ।

श्री अध्यक्ष : प्रस्ताव प्रस्तुत हुआ–

कि आज के लिये निश्चित की गई कार्य की मदों पर की कार्यवाही को आज की बैठक में अनिश्चित काल तक नियम '' सभा की बैठकें'' के उपबन्धों से मुक्त किया जाए ।

श्री अध्यक्ष : प्रश्न है–

कि आज के लिये निश्चित की गई कार्य की मदों पर की कार्यवाही को आज की बैठक में अनिश्चित काल तक नियम '' सभा की बैठकें'' के उपबन्धों से मुक्त किया जाए ।

प्रस्ताव पारित हुआ ।

नियम 16 के अधीन प्रस्ताव

श्री अध्यक्षः माननीय सदस्यगण, अब संसदीय कार्य मंत्री नियम–16 के अधीन प्रस्ताव प्रस्तुत करेंगे।

शिक्षा मंत्री (श्री राम बिलास शर्मा): अध्यक्ष महोदय, मैं प्रस्ताव करता हूँ

कि सभा अपनी आज की बैठक से उठने पर अनिश्चित काल तक के लिए स्थगित रहेगी।

श्री अध्यक्षः प्रस्ताव पेश हुआ–

कि सभा अपनी आज की बैठक से उठने पर अनिश्चित काल तक के लिए स्थगित रहेगी।

श्री अध्यक्षः प्रश्न है–

कि सभा अपनी आज की बैठक से उठने पर अनिश्चित काल तक के लिए स्थगित रहेगी।

प्रस्ताव पारित हुआ

स्थगन प्रस्ताव की सूचना

श्री नसीम अहमदः अध्यक्ष महोदय, हमने किसानों की पानी की समस्या के समाधान, सतलुज यमुना लिंक नहर का निर्माण, धान व बाजरे का समर्थन मूल्य न मिलने, पापुलर का रेट अत्यधिक कम हो जाने, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत किसानों से पैसे की जबरन कटौती करना, पराली की समस्या, कई इलाकों में अत्यधिक पानी से आई सेम तथा कईं इलाकों में नहरों के टूट जाने से संबंधित एक स्थगन प्रस्ताव दिया है, आप उसका फेट बता दें। यह सरकार किसान विरोधी है। कहीं बाजरे के नाम पर तो कहीं धान के नाम पर किसानों के साथ भेदभावपूर्ण रवैया अपनाया जा रहा है। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः नसीम जी, अभी आप बैठिए।

श्री अभय सिंह चौटालाः अध्यक्ष महोदय, आप हमारी पार्टी के सदस्यों द्वारा दिए गए स्थगन प्रस्ताव का फेट बता दें?

श्री अध्यक्षः देखिये, सभी भलीभांति जानते हैं कि कौन सी सरकार किसान विरोधी रही है और कौन सी सरकार किसान हितैषी है?(शोर एवं व्यवधान) आप प्लीज, बैठिए और सदन की कार्यवाही को चलने दीजिए। (शोर एवं व्यवधान)

श्री बलवान सिंह दौलतपुरियाः अध्यक्ष महोदय, हरियाणा सरकार द्वारा एस.वाई.एल. मुद्दे पर पंजाब के मुख्यमंत्री के विरोधी बयान के बावजूद कोई भी बयान जारी नहीं किया गया है, इससे साफ पता चलता है कि सरकार प्रदेश के हितों की रक्षा के लिए गम्भीर नहीं है। (शोर एवं व्यवधान)

(इस समय इंडियन नैशनल लोकदल पार्टी के कई सदस्य अपनी सीटों से उठकर नारेबाजी करने लगे।)

श्री रणबीर सिंह गंगवाः अध्यक्ष महोदय, (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः गंगवा जी, मुझे सदन की जानकारी के लिए एक महत्वपूर्ण सूचना देनी है। आप प्लीज बैठिये। माननीय सदस्यगण, मुझे श्री अभय सिंह चौटाला, विधायक तथा 11 अन्य विधायकों द्वारा किसानों की पानी की समस्या के समाधान, सतलुज

यमुना लिंक नहर का निर्माण, धान व बाजरे का समर्थन मूल्य न मिलने, पापुलर का रेट अत्यधिक कम हो जाने, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत किसानों से पैसे की जबरन कटौती करना, पराली की समस्या, कई इलाकों में अत्यधिक पानी से आई सेम तथा कईं इलाकों में नहरों के टूट जाने बारे स्थगन प्रस्ताव प्राप्त हुआ है। हरियाणा विधान सभा की प्रक्रिया तथा कार्य संचालन संबंधी नियमावली का नियम 68, स्थगन प्रस्ताव करने के अधिकार पर अनेक निर्बन्ध लगाता है। नियम 68 में वर्णित विभिन्न निर्बन्धों में से संबंधित स्थगन प्रस्ताव पर निम्न निर्बन्ध लागू होते हैं जैसे–

(i) एक ही प्रस्ताव में एक से अधिक विषय पर चर्चा नहीं की जाएगी

(ii) प्रस्ताव हाल ही की किसी घटना के विशेष विषय तक ही सीमित रहेगा,

संबंधित स्थगन प्रस्ताव उपरोक्त दोनों निर्बन्धों के स्तर पर खरा नहीं उतरता। इस स्थगन प्रस्ताव में एक साथ सात–आठ समस्याओं को इक्ट्ठा जोड़ दिया गया है तथा इसमें हाल ही की किसी घटना का कोई विषय शामिल नहीं है। अतः उपरोक्त निर्बन्धों के मद्देनज़र इस स्थगन प्रस्ताव को नामंजूर किया जाता है।

श्री अभय सिंह चौटालाः स्पीकर सर, आपने तो नियमों का हवाला देकर हमारे स्थगन प्रस्ताव को निरस्त कर दिया है लेकिन जो एस.वाई.एल. नहर का इश्यू है

उसे किसी भी तरह से नज़रअंदाज नहीं किया जा सकता। अभी 1 नवम्बर, 2016 को गुरूग्राम में जिस प्रकार हरियाणा सरकार द्वारा स्वर्ण जयंती समारोह का शुभारम्भ कार्यक्रम आयोजित किया गया था, ठीक उसी प्रकार का एक स्वर्ण जयंती कार्यक्रम पंजाब प्रदेश में भी आयोजित किया गया था उस कार्यक्रम में पंजाब के मुख्यमंत्री सरदार प्रकाश सिंह बादल जी ने भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष श्री अमित शाह तथा सीनियर लीडर और वित्त मंत्री श्री अरूण जेटली की मौजूदगी में यह बात कही थी कि वह एस.वाई.एल. नहर की पानी की एक बूंद भी किसी अन्य प्रदेश को नहीं देगा और इस बाबत किसी कानून को न मानने की भी बात उन्होंने कही थी। अध्यक्ष महोदय, जब भी कोई व्यक्ति किसी विधान सभा या लोकसभा का सदस्य बनता है तो उस वक्त वह कोई भी काम कानून के दायरे में रहकर करने की शपथ लेता है। सरकार का मुखिया इस किस्म का कोई निर्णय लेता है या कानून के विरूद्ध बयान देता है और कानून की शपथ लिया हुआ जनप्रतिनिधि वहां पर बैठकर चुपचाप इस प्रकार की बातें सुनकर आता है तो सहज रूप में अंदाजा लगाया जा सकता है कि उनका वहां पर कोई राजनीतिक लाभ और नुकसान होता होगा। इसके बावजूद हमारी प्रदेश सरकार की तो यह जिम्मेदारी बनती थी कि जब इस किस्म की बात कही गई है तो प्रदेश सरकार मूकदर्शक न बनकर कोई न कोई बयान जरूर देती? अफसोस है कि हमारी प्रदेश सरकार की तरफ से कोई भी

बयान जारी नहीं किया गया है? क्या हरियाणा सरकार प्रदेश के हितों को गिरवी रखने जा रही है? क्या केवल और केवल पंजाब के चुनाव को मद्देनज़र रखकर जहां भारतीय जनता पार्टी का अकाली दल के साथ समझौता है, केवल उन अकालियों की मदद करने के लिए हरियाणा प्रदेश के हितों के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है। (शोर एवं व्यवधान) पंजाब में भारतीय जनता पार्टी की सहयोगी अकाली दल को मदद पहुँचाने के लिए ऐसा हो रहा है। (शोर एवं व्यवधान) आज उन बातों को हुए चार दिन से ऊपर हो गए हैं लेकिन हरियाणा सरकार की तरफ से कोई भी टिप्पणी आज तक नहीं आई है। पंजाब सरकार ने बहुत सी बातें ऐसी कही हैं जिनका जवाब माननीय मुख्यमंत्री महोदय को देना चाहिए। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः अभय जी, आज आप हरियाणा विधान सभा के प्रक्रिया तथा कार्य संचालन सम्बन्धी नियमों के नियम–84 के तहत अपनी सभी बात रख सकते हैं। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अभय सिंह चौटालाः अध्यक्ष महोदय, मैंने बिजनैस एडवाइजरी कमेटी की मीटिंग में कहा था कि एक दिन के सैशन में बहुत सारी बातों पर चर्चा नहीं हो सकती है। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः अभय जी, आज का विशेष सत्र हरियाणा के स्वर्ण जयंती वर्ष मनाने के लिए बुलाया गया है ।

श्री अभय सिंह चौटालाः अध्यक्ष महोदय, बिजनैस एडवाइजरी कमेटी की मीटिंग में कैप्टन अभिमन्यु जी इस बात के साक्षी हैं कि मैंने खेतों में पराली के साथ–साथ किसान के धान की फसल को लेकर के, किसान की पॉपुलर की खेती को लेकर के और किसान की बाजरे की खेती को लेकर के सभी बातों का जिक्र किया था क्योंकि यह हरियाणा प्रदेश के किसानों से जुड़ा हुआ मुद्दा है। आज प्रदेश में किसानों की हालत बहुत ज्यादा खराब है। सरकार किसानों की समस्याओं की अनदेखी कर रही है। अध्यक्ष महोदय, इन सब मुद्दों पर चर्चा करने के लिए सत्र की अवधि बढ़ाई जानी जरूरी थी। अध्यक्ष महोदय, बिजनैस एडवाइजरी कमेटी की मीटिंग में सरकार की मैजोरिटी के सदस्य होते हैं और अंतिम फैसला भी आपने ही करना था । मैं तो केवल विरोध ही जता सकता था। मैंने कहा था कि सत्र की अवधि को बढ़ाया जाये ताकि हर माननीय सदस्य को हरियाणा के स्वर्ण जयंती के अवसर पर बोलने का मौका मिले।

श्री अध्यक्षः अभय जी, यह विशेष सत्र इसी उद्देश्य के लिए बुलाया गया है । हरियाणा की स्वर्ण जयंती के अवसर पर एक दिन पंचकुला के इन्द्रधनुष में सभागार

में पूर्व सांसदगण, पूर्व विधायकगण, सांसदगण एवं विधायकगण के सुझावों को लेने के लिए ही स्वर्ण जयंती सम्मेलन का आयोजन किया गया था। (शोर एवं व्यवधान)

वित्त (कैप्टन अभिमन्यु): अध्यक्ष महोदय, बिजनैस एडवाइजरी कमेटी की मीटिंग में भी तय हुआ था कि यह विशेष सत्र केवल हरियाणा की स्वर्ण जयंती वर्ष के अवसर पर माननीय सदस्यों के सुझाव लेने के लिए बुलाया गया है।

श्री अध्यक्षः अभय जी, बिजनैस एडवाइजरी कमेटी की मीटिंग में जो फैसला किया जाता है वह सभी सदस्यों की सहमति से ही किया जाता है। अभय जी, आपने जब कभी भी सत्र की अवधि बढ़ाने की बात कही थी तो माननीय मुख्यमंत्री महोदय ने बड़ी सहजता से आपकी बात को रखते हुए कई बार सत्र की अवधि को बढ़ाने का प्रस्ताव बिजनैस एडवाइजरी कमेटी की मीटिंग में रखा था और उसे स्वीकार भी कर लिया जाता था। आज बिजनैस एडवाइजरी कमेटी की मीटिंग में यह फैसला हुआ था कि केवल हरियाणा विधान सभा के प्रक्रिया तथा कार्य संचालन सम्बन्धी नियमों के नियम –84 के अधीन ही चर्चा होगी, जिसमें सभी सदस्य अलग–अलग विषयों पर अपने विचार रख सकते हैं।

कैप्टन अभिमन्युः अध्यक्ष महोदय, प्रतिपक्ष नेता ने बिजनैस एडवाइजरी कमेटी की मीटिंग में निश्चित तौर पर सत्र की अवधि बढ़ाये जाने की बात उठाई थी। अध्यक्ष

महोदय, लेकिन आपने बड़ी गरिमामय ढंग से इसे ऐतिहासिक सत्र का हवाला देते हुए कहा था कि यह साधारण सत्र नहीं बल्कि एक विशेष सत्र है। हरियाणा प्रदेश को बने हुए 50 वर्ष हो गए हैं। 50 साल के इतिहास में बहुत सारे अच्छे काम हुए हैं और कुछ कामों में कमियाँ भी रह गई हैं। आज सदन में उन कमियों पर चर्चा करने का अवसर है और आगे के संकल्प भी सामूहिक तौर पर हम हरियाणा की जनता के लिए ले सकते हैं। हरियाणा विधान सभा के प्रक्रिया तथा कार्य संचालन सम्बन्धी नियमों के नियम 84 के तहत जो चर्चा होगी, माननीय प्रतिपक्ष के नेता उन विषयों को चर्चा के तौर पर सदन में रख सकते हैं। अध्यक्ष महोदय, एस.वाई.एल. नहर का विषय बहुत ही महत्वपूर्ण विषय है । माननीय प्रतिपक्ष के नेता हरियाणा विधान सभा के प्रक्रिया तथा कार्य संचालन सम्बन्धी नियमों के नियम 84 के तहत इस मुद्दे को उठा सकते हैं । अध्यक्ष महोदय, मेरा आपके माध्यम से प्रतिपक्ष के नेता और समस्त माननीय सदस्यों से एक निवेदन है कि यह हरियाणा के 50 वर्ष के इतिहास का लेखा–जोखा पर चर्चा करने और आने वाले समय के लिए एक संकल्प करने का पवित्र, पावन और पुनीत अवसर है । हम इस शुभ अवसर की गरिमा और मर्यादा के स्तर तक अपने आप को उठायें और उस हिसाब से आज सदन में चर्चा करें। आज का दिन वाद–विवाद का नहीं है बल्कि मैं कहूँगा कि

आज का दिन बहुत महत्वपूर्ण है और इसको ध्यान में रखकर ही चर्चा करनी चाहिए।

पूर्व मंत्री का अभिनन्दन

शिक्षा मंत्री (श्री राम बिलास शर्मा): अध्यक्ष महोदय, मैं सदन की तरफ से चौधरी रण सिंह मान, पूर्व मंत्री जो वी.आई.पी. गैलरी में बैठे हुए हैं उनका हार्दिक अभिनन्दन करता हूँ।

स्थगन प्रस्ताव की सूचना (पुनरारम्भ)

श्री अध्यक्षः माननीय सदस्यगण, मैं आप सभी को बताना चाहता हूँ कि आज का विशेष सत्र हरियाणा विधान सभा की स्वर्ण जयंती के अवसर पर बुलाया गया है। यह सत्र विधान सभा के आम सत्रो से हटकर है। कार्य सलाहकार समिति के फैसले के अनुसार आज की सभा में प्रश्न काल, ध्यानाकर्षण प्रस्ताव, काम रोको प्रस्ताव और विभिन्न मामलों का उठाना इत्यादि विषयों को नहीं लिया जायेगा। हरियाणा विधान सभा के प्रक्रिया तथा कार्य संचालन सम्बन्धी नियमों के नियम–84 के तहत सभी माननीय सदस्यगण सदन में चर्चा करेंगे। अब संसदीय कार्य मंत्री हरियाणा विधान सभा के प्रक्रिया तथा कार्य संचालन सम्बन्धी नियमों के नियम 84 के तहत एक प्रस्ताव प्रस्तुत करेंगे।

पंजाब विधान सभा के अध्यक्ष तथा पंजाब अधीनस्थ सेवाएं चयन मण्डल के सभापति का अभिनन्दन

शिक्षा मंत्री (श्री राम बिलास शर्मा): अध्यक्ष महोदय, पंजाब विधान सभा के माननीय स्पीकर सरदार चरणजीत सिंह अटवाल जी तथा सरदार संता सिंह, चेयरमैन, पंजाब अधीनस्थ कर्मचारी चयन बोर्ड हरियाणा विधान सभा की वी.आई.पीज. गैलरी में बैठे हुए हैं। मैं पूरे सदन की तरफ से उनका यहाँ पधारने पर हार्दिक अभिनन्दन करता हूँ।

एस.वाई.एल. नहर के मुद्दे पर मुख्यमंत्री, पंजाब द्वारा दिए गए वक्तव्य का मामला उठाना

श्री अभय सिंह चौटाला : अध्यक्ष जी, नियम 84 के अधीन प्रस्ताव पर चर्चा से पहले मैं निवेदन करना चाहता हूं कि आज सुबह आपके चैम्बर में जो बी.ए.सी. की बैठक हुई उसमें मैंने इन सब बातों को आपके सामने रखा था और आपने हमसे कहा था कि प्रदेश के सभी विषयों पर आप इसी दौरान चर्चा कर सकते हो । आज जहां हरियाणा को लेकर 50 वर्ष पूरे हुए हैं वहीं इस अवसर पर स्वर्ण जयंती मनाई जा रही है । इस अवसर पर पूरे प्रदेश की गाथा को दिखाने और गुणगान करने का सरकार ने निर्णय लिया है । मैं केवल यह बात जानना चाहता हूं कि जिस तरीके से एक नवम्बर को पंजाब के मुख्य मंत्री ने एस.वाई.एल. नहर के इशू पर जो बात

कही क्या आप उससे सहमत हैं ? मैं केवल यह पूछना चाहता हूं कि अगर आप उससे सहमत नहीं हैं तो उस पर चर्चा क्यों नहीं होनी चाहिए ? इस विषय पर सदन में विस्तार से चर्चा होनी चाहिए और सभी सदस्यों को अपने विचार रखने का मौका मिलना चाहिए । इस विषय पर पूरे सदन का अभी तक जो स्टैण्ड रहा है आगे भी उसी तरह का स्टैण्ड होना चाहिए और हमें उसी तरीके से एक निन्दा प्रस्ताव यहां पर पास करना चाहिए । इसके अतिरिक्त इस विषय पर सदन की ओर से प्रधानमंत्री को पत्र लिखकर भेजा जाना चाहिए कि उस दिन जो व्यक्ति वहां मंच पर बैठे थे हम उस की निन्दा करते हैं । अगर एस.वाई.एल. नहर के इशू पर पंजाब के सी.एम. की ऐसी बात कहने के बाद भी आप मूकदर्शक होकर बैठे रहे तो यह ठीक नहीं है । आपको हरियाणा के हित में कोई बात कहने में कोई हर्ज नहीं होना चाहिए । (शोर एवं व्यवधान)

मुख्यमंत्री (श्री मनोहर लाल) : अध्यक्ष जी, मैं नेता प्रतिपक्ष को ध्यान कराना चाहता हूँ कि इन्होंने इस विषय को कल भी स्वर्ण जयंती समारोह के सम्मेलन में उठाया था । अच्छा होता यदि माननीय सदस्य कल अपनी बात कहने के बाद इस विषय पर दिये गए हमारे उत्तर को वहां बैठकर ठीक से सुनते । हमने वहां पर इनके द्वारा उठाए गए विषय का उत्तर दिया था लेकिन इन्होंने वहां केवल अपनी बात कही और उसका उत्तर लिये बिना ही वहां से चले गये । मैं आपको बताना चाहता

हूं कि एस.वाई.एल. नहर के मामले में हमारी सरकार से पहले प्रैजीडैंशियल रैफ्रैंस के इस पूरे विषय पर पिछले दस वर्षों (2004–05 से 2015 तक) में कोई सुनवाई नहीं हुई और यह विषय पैंडिंग रहा है । हमने इस विषय पर अपनी ओर से जो भी प्रयत्न कर सकते थे, वे किये हैं और इस केस की माननीय सुप्रीम कोर्ट में दोबारा सुनवाई शुरू करवाई है । जितनी बातें हमारे पक्ष की है हमने उन सब को माननीय सुप्रीम कोर्ट में रखा है और अपनी तरफ से इसकी जोरदार वकालत की है । मैं सदन को यह भी बताना चाहता हूं कि माननीय सुप्रीम कोर्ट में इस विषय पर किया गया निर्णय सुरक्षित रखा जा चुका है तथा माननीय सुप्रीम कोर्ट अपने फैसले को कभी भी सुना सकता है । ऐसा नहीं है कि कोई व्यक्ति किसी के बारे में कुछ भी बयान देगा तो उसकी बात सत्य हो जाएगी । हमारे यहां एक लोकतांत्रिक व्यवस्था है और संविधान की भी एक व्यवस्था है । सुप्रीम कोर्ट के निर्णय की एक अहमियत होती है और उसी अहमियत के आधार पर सुप्रीम कोर्ट यदि कोई निर्णय देता है तो कोई भी सरकार उसका विरोध नहीं कर सकती। सरकार संविधान के अनुसार चलती है और संविधान के अनुसार चलने वाली सरकार यदि सुप्रीम कोर्ट के निर्णय का विरोध करके कोई काम करेगी तो वह किसी को मान्य नहीं है । हम प्रदेश के हितों के साथ कोई समझौता नहीं करेंगे । सप्रीम कोर्ट का निर्णय आएगा तो निश्चित तौर से हम विश्वास के साथ कह सकते हैं कि वह निर्णय हमारे हक में

आएगा । एस.वाई.एल. नहर पर हमारा जो अधिकार है और जितना हमें पानी का आबंटन किया गया है उसको हरियाणा में लाना हमारा दायित्व है । इसके लिए हम पहले भी प्रस्ताव पारित कर चुके हैं और आगे भी कोई प्रस्ताव हमें इसके लिए पारित करना पड़ा तो उसमें भी हमें कोई कठिनाई नहीं है । हमें सुप्रीम कोर्ट के निर्णय आने की प्रतीक्षा करनी चाहिए । किसी प्रदेश का मुख्यमंत्री किसी दूसरे प्रदेश के बारे में कुछ कहे तो वह ब्रह्म वाक्य हो ऐसा नहीं है । सभी लोग समाचार पत्र उठाकर पढ़ सकते हैं और आज के अखबारों में भी छपा है और टेलीविजन के माध्यम से भी कहा गया है कि हम प्रदेश के हितों के साथ कोई समझौता नहीं करेंगे । एस.वाई.एल. नहर पर जो हमारा अधिकार है उसको निश्चित रूप से सुरक्षित करने का काम हम सब मिलकर करेंगे ऐसा मैं सदन को विश्वास दिलाता हूं । (शोर एवं व्यवधान)

श्री अभय सिंह चौटालाः अध्यक्ष महोदय, एस.वाई.एल. नहर के मामले में जो बात मुख्यमंत्री महोदय ने कही है हम उससे संतुष्ट नहीं हो सकते हैं । (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः अभय सिंह जी, मुख्यमंत्री जी ने एस.वाई.एल. नहर के बारे में बात क्लीयर कर दी है लेकिन आप फिर भी संतुष्ट नहीं हैं तो आपने अपना जो फैसला लेना है ले लें । (शोर एवं व्यवधान)अभय जी, इस प्रकार से हाउस नहीं चलेगा ।

(इस समय इंडियन नैशनल लोकदल पार्टी के कई सदस्य अपनी अपनी सीटों पर खड़े होकर नारेबाजी करने लगे ।)

श्री अभय सिंह चौटालाः अध्यक्ष महोदय, यदि आप इस विषय पर चर्चा नहीं करवाएंगे तो हम हाउस नहीं चलने देंगे ।(शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः मेरा आपसे निवेदन है कि आप लोग अपनी सीटों पर बैठ जाएं । मैं आपको वार्निंग देता हूं । मुझे आप मजबूर न करें कि मैं आपको बाहर निकालूं । प्रैस को भी पता है कि आप लोग मुझे मजबूर कर रहे हैं कि मैं आपको बाहर निकालूं । (शोर एवं व्यवधान) चौटाला साहब, जिस तरह से आप चर्चा कराना चाहते हैं इस तरह से सदन नहीं चल सकता कि आप ही बोलते रहें । आज स्वर्ण जयंती के विषय पर यह सैशन बुलाया गया है और इसमें भाग लेना है या नहीं लेना यह आपने निर्णय लेना है । आप अपनी पूरी बात रख चुके हैं और मुख्यमंत्री जी जवाब भी दे चुके हैं । आपकी पार्टी को स्वर्ण जयंती के विषय पर चर्चा करने के लिए एक घंटे का समय मिलेगा चाहे उस एक घंटे में आप अकेले बोल लेना और सरकार उसका जवाब देगी ।

श्री अभय सिंह चौटाला : अध्यक्ष महोदय, यह निर्णय आपने करना है कि हमें कितना समय बोलने के लिए देना है ? एस.वाई.एल.नहर के ईशू को लेकर हमने आपको काम रोको प्रस्ताव दिया लेकिन आपने नियम 84 का हवाला दे दिया कि

इस नियम के तहत केवल स्वर्ण जयंती के विषय पर ही चर्चा हो सकती है अध्यक्ष महोदय, एस.वाई.एल.नहर का इशू बहुत महत्वपूर्ण इशू है यदि इस पर हमारे मुख्यमंत्री जी यह कहें कि कोई भी व्यक्ति कुछ कहे तो ठीक नहीं है। मैं कहना चाहता हूं कि पंजाब का मुख्यमंत्री कोई भी व्यक्ति नहीं है। वह मंच पर खड़े होकर यदि यह कहें कि एक बूंद पानी हरियाणा को नहीं देंगे तो क्या यह छोटी बात है? उन्होंने यह भी कहा कि वे किसी कानून को भी नहीं मानेंगे। (विघ्न)

श्री ज्ञानचंद गुप्ता : अध्यक्ष महोदय, मेरे विपक्ष के साथी उनके साथ मिलकर चुनाव लड़ते हैं, इसलिए सबसे पहले ये अपना उनके साथ नाता तोड़ें । इनको पहले अपनी स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए । (शोर एवं व्यवधान)

श्री अभय सिंह चौटाला : अध्यक्ष महोदय, मैं इसका जवाब दूंगा, मेरी बात सुनी तो जाये । (शोर एवं व्यवधान) ये जो कह रहे हैं यह बात ठीक है, और मैं इस बात का जवाब दूंगा । (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : मेरा सभी सदस्यों से निवेदन है कि आज स्वर्ण जयंती के विषय पर चर्चा करने के लिए सैशन बुलाया गया है इसलिए दूसरी बात न की जाये । (शोर एवं व्यवधान)

श्री अभय सिंह चौटाला : अध्यक्ष महोदय, क्या एस.वाई.एल.नहर का विषय कोई मायना नहीं रखता ? (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : अभय सिंह जी, एस.वाई.एल.नहर का विषय भी बहुत मायने रखता है लेकिन आज स्वर्ण जयंती के विषय पर चर्चा करने के लिए यह सैशन बुलाया गया है ।

श्री अभय सिंह चौटाला : अध्यक्ष महोदय, सत्तापक्ष के साथी आरोप लगा रहे थे कि अकाली दल के साथ हमारा समझौता था । मैं कहना चाहूंगा कि 100 फीसदी हमने हरियाणा विधान सभा का चुनाव अकाली दल के साथ मिलकर लड़ा था लेकिन जिस दिन पंजाब की असैम्बली के अंदर एस.वाई.एल.नहर का पानी हरियाणा को न देने के बारे में प्रस्ताव पास किया गया था जिसमें कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी के सदस्य भी शामिल थे, हमने उसी दिन अकाली दल के साथ नाता तोड़ दिया था ।

श्री ज्ञानचंद गुप्ता : अध्यक्ष महोदय, उसके बाद भी इन्होंने उनके साथ मिलकर चुनाव लड़ा है । (शोर एवं व्यवधान)

श्री अभय सिंह चौटाला : अध्यक्ष महोदय, जिस दिन यह निर्णय हुआ, उस दिन हम अकेले थे जिन्होंने पंजाब की असैम्बली के बाहर जाकर विरोध प्रदर्शन किया था और कहा था कि अकाली दल के साथ हमारा कोई संबंध नहीं है ।

वित्त मंत्री (कैप्टन अभिमन्यु): अध्यक्ष महोदय, एस.वाई.एल.नहर का विषय महत्वपूर्ण विषय है और यह विषय आज का नहीं है । इस विषय पर अनेकों बार इस महान सदन में चर्चा हुई है और इसको लेकर कई प्रस्ताव सर्वसम्मति से हरियाणा प्रदेश की भावनाओं को इंगित करते हुए पारित भी किए गए हैं । इसको लेकर हरियाणा सरकार का प्रयास है कि कोर्ट का फैसला हरियाणा के पक्ष में आये । इस समय यह मामला कोर्ट में विचाराधीन है और हम उम्मीद कर रहे हैं कि हरियाणा के पक्ष में फैसला आयेगा । कई दफा इस महान सदन ने ऐसे सदस्यों के बारे में चर्चा की है जो इस सदन के सदस्य नहीं हैं। लेकिन फिर तय कर लिया गया कि वे सदन के सदस्य नहीं हैं इसलिए उस पर चर्चा नहीं करते। मेरा निवेदन यह है कि आज का जो पूरा विषय है उस पर गंभीरता से चर्चा करें । एस.वाई.एल.नहर के विषय पर भी संवाद के नाते से चर्चा लाई जा सकती है लेकिन इस पर आज हम कोई प्रस्ताव पारित करेंगे तो स्वर्ण जयंती के महत्वपूर्ण विषय की गरिमा को ठेस पहुंचाने का काम करेंगे । अध्यक्ष महोदय, मैं विपक्ष के नेता से सादर निवेदन करता हूं कि आपने अपनी बात को बहुत कहा है और पूरे सदन ने सुना है । ये सारी

बातें रिकार्ड पर हैं । लेकिन आज के विषय को ध्यान में रखते हुए सभी सदस्य चर्चा को आगे बढ़ाने में सहयोग करें, ऐसी मेरी आप सभी से अपेक्षा है ।

श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा : अध्यक्ष महोदय, आज का यह स्पैशल सैशन स्वर्ण जयंती मनाने के लिए बुलाया गया है। इसका अपना इतिहास है मैं इसकी चर्चा नहीं करूंगा। प्रतिपक्ष के नेता द्वारा एस.वाई.एल. नहर का मुद्दा उठाया गया है। मुख्यमंत्री जी ने भी इस बारे में अपना जवाब दिया। एस.वाई.एल. नहर का यह प्रश्न कोई नया नहीं है। एस.वाई.एल. नहर का मुद्दा बार–बार उठाया जाता रहा है और इस बारे में यहां पर अनेक बार प्रस्ताव भी पास किये जाते रहे हैं लेकिन आज एक नई परिस्थिति पैदा हुई है कि जिस प्रकार से पंजाब के माननीय मुख्यमंत्री श्री प्रकाश सिंह बादल ने यह कहा कि वे इस सम्बन्ध में किसी भी कानून को नहीं मानेंगे और यहां तक कि सुप्रीम कोर्ट के आदेशों को भी नहीं मानेंगे। मैं इस बारे में ज्यादा चर्चा नहीं करना चाहता लेकिन मैं यह जरूर कहना चाहूंगा कि उन्होंने कटैम्पट ऑफ कोर्ट किया है इसलिए इस सम्बन्ध में हमें एक निंदा प्रस्ताव यहां पर अवश्य लेकर आना चाहिए। (विघ्न) मैं यह समझता हूं कि अगर इस प्रकार का निंदा प्रस्ताव सत्ता पक्ष की ओर से आये तो ज्यादा अच्छा होगा। (विघ्न) इस सम्बन्ध में मैं एक बात और कहना चाहता हूं कि कुछ समय पहले जब पंजाब सरकार द्वारा पंजाब में खुदी हुई एस.वाई.एल. में मिट्टी डाली गई उस समय

भी वर्तमान हरियाणा सरकार मूकदर्शक बनी रही थी। हम यह चाहते हैं कि इस बार भी सरकार को मूकदर्शक नहीं बने रहना चाहिए और जो पंजाब सरकार द्वारा एस.वाई.एल. में मिट्टी डाली गई थी सरकार को उसकी खुदाई के लिए भी कोर्ट में जाना चाहिए था।

मुख्यमंत्री (श्री मनोहर लाल) : स्पीकर सर, जिस प्रकार से श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा जी द्वारा यह कहा गया है कि जब पंजाब सरकार के आदेशानुसार एस.वाई.एल. नहर के पंजाब में खुदे हुए हिस्से को मिट्टी डालकर भरा जा रहा था तो उस समय हमारी सरकार ने कुछ नहीं किया और वह मूकदर्शक बनी रही । मैं उनके साथ–साथ पूरे सदन की जानकारी के लिए बताना चाहूंगा कि उस समय भी हमारी सरकार माननीय सुप्रीम कोर्ट गई थी और हमारी सरकार के आग्रह पर माननीय सुप्रीम कोर्ट ने मुख्य सचिव और डी.जी.पी., पंजाब सरकार को ये डॉयरैक्शंज दी थी कि अगर इस प्रकार का कोई कार्य पंजाब सरकार द्वारा किया जायेगा तो फिर कोर्ट अपना काम करेगी अर्थात् कोर्ट एक्शन लेगी। हमारी सरकार ने इस सम्बन्ध में उस समय जो काम किया मैं श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा जी से यह कहना चाहता हूं कि उनको इस बात का भी जिक्र करना चाहिए। इस मामले में हमारी सरकार ने तुरंत एक्शन लिया था तभी जाकर वह काम रूका था।

श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा : अध्यक्ष महोदय, सरकार उस समय माननीय सुप्रीम कोर्ट में गई यह अच्छी बात है लेकिन मैं यह कहना चाहता हूं कि माननीय सुप्रीम कोर्ट की डॉयरैक्शन के बाद भी पंजाब सरकार ने इस बारे में कोई सकारात्मक कार्यवाही नहीं की। मैं यह कहना चाहता हूं कि ऐसा होने से कंटैम्पट ऑफ कोर्ट हुआ जिसके लिए हरियाणा सरकार को कोर्ट में जाना चाहिए था। इसी प्रकार से अब मुख्यमंत्री श्री प्रकाश सिंह बादल ने जो कार्य किया है उससे भी कंटैम्प्ट ऑफ कोर्ट हुई है इसके लिए भी हरियाणा सरकार को सुप्रीम कोर्ट में जाना चाहिए और इस सम्बन्ध में एक निंदा प्रस्ताव भी सरकार को यहां पर लाना ही चाहिए। मैं यह कहना चाहता हूं अगर हरियाणा प्रदेश के हितों पर कुठाराघात हो रहा हो तो हम चुप नहीं बैठ सकते, हम मूकदर्शक बने नहीं रह सकते। मैं यहां पर महज़ पक्ष और विपक्ष में नारे लगाने के लिए खड़ा नहीं हुआ हूं। आपने आज यहां पर एक दिन का स्पैशल सैशन बुलाया है। इस अवसर पर मेरा फिर से सरकार से अनुरोध है कि इस बारे में एक निंदा प्रस्ताव लाया जाये। अगर सरकार ऐसा करती है तो हमारी पार्टी सरकार का पूरा साथ देगी।

शिक्षा मंत्री (श्री राम बिलास शर्मा) : स्पीकर सर, विपक्ष के नेता चौधरी अभय सिंह चौटाला जी की एस.वाई.एल. नहर के ऊपर जो चिंता है वह जायज है। इसी प्रकार से पूर्व मुख्यमंत्री चौधरी भूपेन्द्र सिंह हुड्डा की चिंता भी वाजिब है। स्पीकर

सर, हरियाणा–पंजाब विभाजन से लेकर आज तक एस.वाई.एल. नहर का अपना इतिहास रहा है। पंजाब में जब वर्ष 2004 में हुड्डा साहब की पार्टी की सरकार थी और कैप्टन अमरेन्द्र सिंह जी मुख्यमंत्री थे तो उन्होंने उस समय इस बारे में एक असंवैधानिक रेज्योल्यूशन स्टेट की असैम्बली में पास किया था। इसी प्रकार से श्रीमती इंदिरा गांधी जी के प्रधानमंत्रित्व काल में ट्रिब्यूनल का फैसला और इराड़ी ट्रिब्यूनल का फैसला हुआ था। जब इस सम्बन्ध में हमारी सरकार ने आग्रह किया तो उसके बाद माननीय प्रधानमंत्री जी ने पंजाब विधान सभा की समस्त कार्यवाही को निरस्त किया है। एस.वाई.एल. नहर के मामले में बहुत बार इस प्रकार की मुसीबत से भरी परिस्थितियां पैदा होती रही हैं। हमारी सरकार ने तो जो गत 50 सालों में हरियाणा प्रदेश की गौरवगाथा है उसका गुणगान करने के लिए वर्तमान स्वर्ण जयंती सैशन का आयोजन किया है। हमारी पार्टी को हरियाणा की सत्ता सम्भाले अभी महज दो साल ही हुए हैं। यह बात भी सही है कि भारतीय जनता पार्टी की पूर्ण बहुमत वाली सरकार हरियाणा में पहली बार बनी है। इस प्रकार से अब तक दो साल और चार दिन ही हमारी सरकार की आयु हुई है। विपक्ष के साथियों को यह वहम हो गया है कि जो स्वर्ण जयंती मनाई जा रही है यह भारतीय जनता पार्टी की सरकार की मनाई जा रही है। इनको यह भी वहम हो गया है कि कहीं ऐसा भी न हो जाये कि भारतीय जनता पार्टी की यह सरकार

सदा–सदा के लिए ही न अपनी जगह लोगों के दिलों में पक्की कर ले। स्पीकर सर, हम गांव से सम्बन्ध रखते हैं और यह अच्छी प्रकार से जानते हैं कि गांव का आदमी टैंशन में नहीं रहना चाहता। अगर उन्हें किसी से कुछ अपने मन माफिक बुलवाना होता है तो उसकी जी भरके खुशामद की जाती है कि भाई आप तो 'एंडी' मानस हो। आप तो कहीं भी सच्ची बात कह सकते हो। वह आदमी बातों में आकर कुछ भी बोल देता है। स्पीकर सर, अगर विवाह मण्डप में शादी के गीत गाये जायें तो सभी को अच्छा लगता है लेकिन अगर कोई 'एंडी' मानस विवाह मण्डप में यह बोलना शुरू कर दे कि 'राम नाम सत है, सत बोले गत है' तो यह अपने आप में हास्यास्पद होगा। स्पीकर सर, सभी बातें अवसर पर ही अच्छी लगती है। किसी कवि ने भी कहा है कि नीकी पर फीकी लागे बेअवसर की बात इसलिए बिना अवसर की बात अच्छी नहीं लगती है । यह स्वर्ण जयंती भारतीय जनता पार्टी की नहीं है ।

श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा : अध्यक्ष महोदय, हम तो पहले ही मान चुके हैं कि श्री रामबिलास शर्मा ऐंडी आदमी हैं । (हंसी)

श्री राम बिलास शर्मा : अध्यक्ष महोदय, हमें तो हुड्डा साहब द्वारा 10 सालों में किये गये कार्यों का गुणगान करना है । पंडित भगवत द्याल 4 महीने 23 दिन मुख्यमंत्री

रहे पर वे बड़े आदमी थे, हमें उनका भी गुणगान करना है। वे स्वतंत्रता सेनानी थे । चौधरी देवीलाल 5 साल मुख्यमंत्री रहे और वे भी बड़े नेता थे इसलिए उनका भी गुणगान करना है। हमको उनके साथ रोहतक की जेल में बैरक नं 3 में रहने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है । वहां पर पंडित श्री राम शर्मा, संत हरद्वारी लाल, चौधरी देवीलाल, अशोक मेहता तथा पीलू मोदी को भी रखा गया था । मैं 11 दिन के पुलिस रिमांड के बाद मेडीकल कॉलेज पहुंचा था । हमने इस हरियाणा के लिए बहुत संघर्ष किया है । हम बड़ी मुश्किल से यह कस्ती निकाल कर लाये थे । अध्यक्ष महोदय, राजनीति हंगामा नहीं है । राजनीतिक महत्वाकांक्षा सभी की होती है मगर अगर कोई प्रजापत भाई अपनी गधी को हर रोज जलेबी खिलाना चाहे तो कहां से लाये । यह सम्भव नहीं है । राजनीति में सदा सर्वदा सत्ता श्री रामचन्द्र जी को भी नहीं मिली थी । हम सभी को अपनी–अपनी भूमिका निभानी है । हमारे खाते में वही लिखा जायेगा जो हम करेंगे । राजनीति एक सेवा है, राजनीति एक संतुलन है, राजनीति केवल महत्वाकांक्षा नहीं है । कुछ लोगों को यह वहम हो गया है कि हिमालय पर्वत भी हमने बनाया, ताजमहल भी हमने बनाया और स्त्री–पुरूष भी हमने ही बनाए हैं, तो यह गलत बात है । अध्यक्ष महोदय, यह स्वर्ण जयंती है और हरियाणा राज्य के गठन के 50 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष में यह सत्र बुलाया गया है । (विघ्न)

श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा : अध्यक्ष महोदय, श्री रामबिलास शर्मा जी जिस तरह की बात कर रहे हैं यह कोई तरीका नहीं है । यह एक बहुत ही गम्भीर मामला है । शर्मा जी ने कहा है कि कैप्टन अमरिंद्र सिंह के समय में यह पानी का समझौता रद्द हुआ है । उसका रेफ्रेंस कहां से हुआ? उस समय मैं कांग्रेस का सांसद था तथा हम सभी सांसद मिल कर राष्ट्रपति को मिल कर ज्ञापन सौंप कर आये थे और उस पर राष्ट्रपति का रेफ्रेंस हुआ था जिसके बारे में माननीय मुख्यमंत्री जी ने भी चर्चा की है। यह अच्छी बात है कि सरकार मजबूती के साथ अपना पक्ष रख रही है और मैं इसकी सराहना करता हूं । हमने भी प्रयास किये हैं । हरियाणा का जो भी जिम्मेदार व्यक्ति होगा वह इस बात के लिए जरूर प्रयास करेगा । सरदार प्रकाश सिंह बादल मेरे बुजुर्ग हैं और मैं उनकी इज्जत करता हूं लेकिन उन्होंने जो शब्द कहे हैं कि मैं हरियाणा के लिए एक बूंद पानी नहीं दूंगा । यह बात तो हमने भी कही थी और मुख्यमंत्री जी भी कह रहे हैं कि हम अपने हिस्से की एक–एक बूंद पानी की ले कर रहेंगे, यहां तक तो ठीक है लेकिन उन्होंने उस से भी आगे बढ़ कर कह दिया कि सुप्रीम कोर्ट कोई भी फैसला करे मैं मानूंगा ही नहीं । अगर इस बात के लिए भी निन्दा प्रस्ताव नहीं लाया जायेगा तो वह हरियाणा के हित की बात नहीं हो सकती । अध्यक्ष महोदय, मैं एक बात कहना चाहता हूं कि सरकार उनके खिलाफ निन्दा प्रस्ताव चाहे लाये या न लाये लेकिन मैं सरदार प्रकाश सिंह बादल

को यह चेतावनी देना चाहता हूं कि अगर वे ऐसी बात करेंगे तो हम पंजाब में बिजली और वाहन नहीं जाने देंगे । उनके खिलाफ निन्दा प्रस्ताव जरूर लाया जाना चाहिए । (विघ्न)

श्री राम बिलास शर्मा : अध्यक्ष महोदय, चौधरी भूपेन्द्र सिंह हुड्डा जी ने एक बात कही है कि इस केस में सुप्रीम कोर्ट में एक रेफ्रेंस है । हम देश के सर्वोच्च न्यायालय का बहुत आदर करते हैं । हुड्डा साहब इस सदन में 10 साल मुख्यमंत्री रहे हैं । यह स्वर्ण जयंती वर्ष है और मैं कहना चाहता हूं कि इसमें विपक्ष के नेता

11.00 बजे

की जिम्मेदारी भी हमसे कम नहीं है । चौधरी देवी लाल जी की तीसरी पीढ़ी इस सदन में है । हरियाणा की जनता के आशीर्वाद से वे इस सदन में मुख्यमंत्री रहे और बाद में अभय जी के अब्बा जान चौधरी ओमप्रकाश चौटाला भी इस सदन में मुख्यमंत्री रहे । स्पीकर सर, हमारे कुछ भाई लोगों को तकलीफ इस बात की है कि एक आदमी जो निदाना गांव में पैदा हुआ हो और जिसने बनियानी में एक छोटी सी सब्जी की दुकान की हो, वह कैसे मुख्यमंत्री बन गया ? हमारे ये भाई मुख्यमंत्री जी के बारे में इस तरह की भाषा बोलते हैं ? अध्यक्ष महोदय, चौधरी बंसी लाल जी भी मुख्यमंत्री रहे और हम उनकी कैबिनेट में रहे हैं । **(शोर एवं व्यवधान)**

श्रीमती किरण चौधरी : अध्यक्ष महोदय, चौधरी बंसीलाल जी का भी हरियाणा के विकास में बहुत योगदान रहा है .....**(शोर एवं व्यवधान)**

श्री अध्यक्ष : किरण जी, हम तो चौधरी देवी लाल जी के, चौधरी बंसी लाल जी के और चौधरी भजन लाल जी के कार्यों की ही चर्चा करना चाहते हैं लेकिन आप लोग हाऊस को चलने तो नहीं दे रहे हैं । **(शोर एवं व्यवधान)**

डॉ0 रघुवीर सिंह कादियान : अध्यक्ष महोदय, ...**(शोर एवं व्यवधान)**

श्री अध्यक्ष : कादियान साहब, आप प्लीज बैठिये । सदन का एक घण्टे का समय केवल इन्हीं बातों में खराब हो चुका है । आपको जब समय मिलेगा उस समय आप चाहे डिवैल्पमैंट की बात करना, चाहे एस.वाई.एल. नहर पर बात करना । आपको खुली छूट दी जाएगी उस समय आपको कोई नहीं रोकेगा ।

श्री रामबिलास शर्मा : अध्यक्ष महोदय, श्री अभय सिंह चौटाला ने एस.वाई.एल. नहर पर चर्चा की । यह मामला सुप्रीम कोर्ट में विचाराधीन है । हम इसको एक बार कानूनी पक्ष से देख लेते हैं । अगर सारे सदन की इस पर चर्चा करने की इच्छा है तो उसके हिसाब से इस पर विचार किया जा सकता है । अध्यक्ष महोदय, आप एक बार सभी को अपने चैंबर में बुलाकर बात कर लें ।

श्री अध्यक्ष : ठीक है ।

श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा : अध्यक्ष महोदय, इस हाउस में पहले भी इस तरह के प्रस्ताव पारित होते रहे हैं जबकि मामला कोर्ट में पैंडिंग था इसलिये यह निंदा प्रस्ताव पास करने में कोई कानूनी अड़चन नहीं है ।

श्री अभय सिंह चौटाला : अध्यक्ष महोदय, हमारे पार्लियामैंट्री एफेयर्ज मिनिस्टर जिस इश्यू को लेकर चर्चा पर विचार करने की बात कह रहे हैं उस संबंध में हम आपसे रिक्वैस्ट कर रहे थे कि आप एस.वाई.एल. नहर पर चर्चा करवाईये और इस पर सबको बोलने दिया जाए क्योंकि एस.वाई.एल. नहर हमारी जीवन रेखा है । सरकार के मेनीफैस्टो में भी एस.वाई.एल. नहर को लेकर कहा गया है कि हम एस.वाई.एल नहर का पानी लेकर आएंगे । सदन में यह भी कहा गया है कि पिछली सरकारों के कार्यकाल में भी कई बार पंजाब की तरफ से इस किस्म के निर्णय आए हैं । उस सम्बन्ध में मैं सदन को बताना चाहता हूँ कि जब कभी भी पंजाब सरकार की तरफ से कोई इस तरह का निर्णय आया है चाहे वह चण्डीगढ़ को लेकर कोई बात कही गई हो या एस.वाई.एल. नहर को लेकर यह कहा गया हो कि हम हरियाणा को उसके हिस्से का पानी नहीं देंगे तो इस सदन के नेता की तरफ से चाहे वह किसी पार्टी का भी हो तुरन्त विधान सभा के अन्दर निन्दा प्रस्ताव लाया गया है और सारे सदन की सहमति के बाद उस निन्दा प्रस्ताव को पास किया गया है। हमने आपसे यही कहा है कि आप एस.वाई.एल. नहर पर चर्चा करवाईये लेकिन

आप इस पर चर्चा नहीं करवाना चाहते हैं क्योंकि आप कहते हैं कि जब स्वर्ण जयंती का इश्यू आएगा तब आप उस पर चर्चा कर लेना । मैं आपकी इस बात पर भी सहमत हो जाता हूं कि जब स्वर्ण जयंती का इश्यू आएगा उस वक्त हम इस पर चर्चा कर लेंगे । पंजाब के मुख्यमंत्री जी की तरफ से यह बात कहे हुए आज चार दिन हो गये कि हम हरियाणा को एस.वाई.एल. नहर का पानी नहीं देंगे लेकिन अब तक उनके खिलाफ हरियाणा सरकार की तरफ से एक भी स्टेटमैंट नहीं आई । आज मुख्यमंत्री जी सदन में बैठे हैं क्या उनको पंजाब सरकार के खिलाफ निन्दा प्रस्ताव लाने में कोई दिक्कत है क्या ?

श्री अध्यक्ष : अभय जी, इस विषय पर पूरी चर्चा होगी क्योंकि स्वर्ण जयंती के साथ एस.वाई.एल. नहर का मुद्दा अपने आप में जुड़ा हुआ है । आप सब यह जानते हैं कि हरियाणा को प्रगति करनी है तो उसके लिये एस.वाई.एल. नहर का पानी हमें चाहिए । आप उस समय अपनी बात रख लेना, उसमें दिक्कत क्या है? स्वर्ण जयंती के साथ आप इस विषय को भी ले लेना ।

श्री अभय सिंह चौटाला : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से सदन के नेता से यह बात पूछना चाहता हूं कि क्या सदन के नेता को पंजाब सरकार के खिलाफ निन्दा प्रस्ताव लाने में कोई दिक्कत है । अगर तकलीफ नहीं है तो आप यह निन्दा प्रस्ताव हाउस में लेकर आएं ।

मुख्यमंत्री (श्री मनोहर लाल) : अध्यक्ष महोदय, पंजाब सरकार के खिलाफ एक लाईन का निन्दा प्रस्ताव लाया जाए ।

कृषि मंत्री (श्री ओम प्रकाश धनखड़) : आदरणीय अध्यक्ष जी, पहले भी इस विषय पर हम संकल्प पारित कर चुके हैं और निन्दा प्रस्ताव भी पारित कर चुके हैं । आदरणीय मुख्यमंत्री जी ने इस विषय पर कल भी बयान दिया था और आज भी सदन में बयान दिया है। अध्यक्ष महोदय, जिस विचार व विजन के साथ इस हाउस को बुलाया गया था वह यह था कि हम पिछले 50 सालों की समीक्षा करें और अगले 50 सालों में हमें कैसा हरियाणा बनाना है उसका भी संकल्प करें, विचार करें तथा विजन देखें और एस.वाई.एल. कैनाल का 19 लाख एकड़ फिट पानी भी उस संकल्प, विचार तथा विजन का एक हिस्सा है। इन तमाम विषयों पर सदन की एक ही समझ और भावना है लेकिन दुर्भाग्यपूर्ण बात यह है कि कुछ लोग पॉलिटिकल एजैंडा सैट करने के चक्कर में रहते हैं और यही वजह है कि कल भी कुछ लोग पॉलिटिकल एजैंडा सैट करने के चक्कर में इन्द्रधनुष सभागार में स्वर्ण जयंती समारोह के अवसर पर बुलाये गए सम्मेलन में अपना भाषण देकर चले गए थे। इंद्रधनुष सभागार समारोह में बुलाये गए सम्मेलन को दो दल छोड़कर के चले गए थे। मेरा आग्रह है कि इस सदन में उनके उस आचरण की भी निन्दा की जानी चाहिए। यह बहुत निन्दनीय कार्य था। स्वर्ण जयंती समारोह पूरे हरियाणा प्रदेश के

अढ़ाई करोड़ लोगों का सैलीब्रेशन है जिसके तहत हरियाणा प्रदेश से संबंध रखने वाले सभी पूर्व तथा वर्तमान विधायकों व सांसदों को बुलाया गया था। ऐसे लोग और दल जो पूरे हरियाणा की अढ़ाई करोड़ जनता की भावनाओं के विरूद्ध केवल अपने पॉलिटिकल एजैंडे को सैट करने के चक्कर में काम करते हैं। ऐसे लोगों की भी भरसक निंदा इस सदन में की जानी चाहिए। इन लोगों व दलों के लिए माननीय मुख्यमंत्री द्वारा दिए गए कल और आज के बयान का कोई महत्व नहीं है।

अपने पोलिटिकल एजैंडे को सैट करने के लिए यह लोग व दल जिद करके अपनी बात उपर रखना चाहते है। हरियाणा को अगले 50 सालों में क्या बनाना चाहिए, इस प्रकार के सपने से इनका कोई लेना देना नहीं है। इनका तो केवल मात्र उद्देश्य जिद करके अपने पॉलिटिकल एजैंडे को सैट करना है। हरियाणा का स्वर्ण जयंती सैलीब्रेशन हरियाणा की जनता का है। भारतीय जनता पार्टी की यह सरकार जनता द्वारा चुनी व बनाई गई सरकार है। जनता की भावना का आदर करना चाहिए और उसके साथ खड़ा होना चाहिए, इसलिए मैं कहता हूँ कि कल स्वर्ण जयंती समारोह के अवसर पर जो व्यवहार इंडियन नेशनल लोकदल पार्टी तथा कांग्रेस पार्टी के द्वारा किया गया था, उस व्यवहार को निन्दा प्रस्ताव के माध्यम से रिकॉर्ड पर लाया जाना चाहिए। स्वर्ण जयंती जैसे पवित्र समारोह की दृष्टि से यह

निंदनीय व्यवहार है। इसकी हरसंभव निन्दा की जानी चाहिए, इसलिए मैं निन्दा प्रस्ताव लाने के हक में हूँ। (शोर एवं व्यवधान)

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रीः (श्री कृष्ण कुमार बेदी): अध्यक्ष महोदय, अभय सिंह को प्रदेश के हितों की कोई चिंता नहीं बल्कि ये तो केवल राजनीतिक फायदा उठाने की कोशिश कर रहे हैं। अगर इनको प्रदेश के हितों की चिंता होती तो ये लोग कल स्वर्ण जयंती समारोह को छोड़कर नहीं जाते। (शोर एवं व्यवधान) अध्यक्ष महोदय, सच्चाई को कभी भी दबाया नहीं जा सकता है।(शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः अभय जी, आप इस सदन के एक सीनियर मैम्बर है। मैं समझता हूँ कि आपको सदन की मर्यादा का जरूर ध्यान रखना चाहिए। (शोर एवं व्यवधान)

श्री ओम प्रकाश धनखड़ः अध्यक्ष महोदय, स्वर्ण जयंती समारोह के विजन को रोकना, स्वर्ण जयंती समारोह के उत्सव को रोकना तथा स्वर्ण जयंती जैसे पवित्र समारोह के अवसर पर केवल अपनी जिद को बड़ी रखने जैसी भावना सामने की बैंचों से दिखाई दे रही है। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अभय सिंह चौटालाः अध्यक्ष महोदय, माननीय सदन के नेता ने एक लाईन का निन्दा प्रस्ताव लाने की बात की है। अतः निन्दा प्रस्ताव सदन में लाया जाये।(शोर एवं व्यवधान)

श्री राम बिलास शर्माः अध्यक्ष महोदय, मैं अभय जी को आश्वस्त करता हूँ कि जल्दी ही निन्दा प्रस्ताव सदन में लाया जायेगा।(शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः अभय जी, निन्दा प्रस्ताव की भाषा को तैयार करके अभी सदन में प्रस्तुत किया जायेगा। आप सदन की कार्यवाही को चलने दीजिए। क्या आप यह चाहते हैं कि सदन का सारा कार्य निन्दा प्रस्ताव तक ही सीमित रह जाये और अन्य किसी कार्यवाही को अंजाम ही न दिया जाए ? जब तक निन्दा प्रस्ताव का लिखित मसौदा तैयार होकर सदन में प्रस्तुत हो, तब तक सदन की अन्य कार्यवाही को अंजाम तो दिया ही जा सकता है। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अभय सिंह चौटालाः अध्यक्ष महोदय, आज सदन में केवल एक विषय पर ही निन्दा प्रस्ताव नहीं लाया जाना चाहिए बल्कि दो विषयों पर निन्दा प्रस्ताव लाया जाना जरूरी है। एक निन्दा प्रस्ताव पंजाब के मुख्यमंत्री के कल दिए गए वक्तव्य के खिलाफ और दूसरा वर्तमान सरकार के * के खिलाफ निन्दा प्रस्ताव लाया जाये। (शोर एवं व्यवधान) वर्तमान सरकार के * की वजह से हर रोज विपक्ष को खड़े होकर सरकार को चेताना पड़ रहा है। (शोर एवं व्यवधान)

---

* चेयर के आदेशानुसार रिकार्ड नहीं किया गया।

श्री अध्यक्षः अभय सिंह द्वारा प्रयोग किए गए * शब्द को सदन की कार्यवाही से निकाल दिया जाए।(शोर एवं व्यवधान)

श्री ज्ञान चंद गुप्ताः अध्यक्ष महोदय, अभय सिंह को अपने शब्द वापिस लेने चाहिए। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः अभय जी, * किसने किए हैं इस बात का सभी को पता है? (शोर एवं व्यवधान)

श्री ज्ञान चंद गुप्ताः अध्यक्ष महोदय, अभय सिंह को स्वर्ण जयंती के इस शुभ अवसर पर उनके द्वारा प्रयोग किए गए अपशब्दों पर शर्म आनी चाहिए? (शोर एवं व्यवधान)

श्री कृष्ण कुमार बेदीः अध्यक्ष महोदय, इनके खिलाफ निन्दा प्रस्ताव जरूर लाना चाहिए। (शोर एवं व्यवधान)

श्री ज्ञान चंद गुप्ताः अध्यक्ष महोदय, * तो ये लोग कर रहे हैं। (शोर एवं व्यवधान) इन लोगों ने जो * किए थे उनकी सजा भी भोग रहे हैं। (शोर एवं व्यवधान)

---

* चेयर के आदेशानुसार रिकार्ड नहीं किया गया।

मुख्य संसदीय सचिव (श्री श्याम सिंह राणा): अध्यक्ष महोदय, * तो इन लोगों ने ही किए हैं और उनका रिजल्ट भी इनके सामने है।(शोर एवं व्यवधान)

श्री असीम गोयलः अध्यक्ष महोदय, अभय जी को * शब्द को वापिस लेना चाहिए।(शोर एवं व्यवधान)

श्री कृष्ण कुमार बेदीः अध्यक्ष महोदय, कल अभय सिंह समारोह को छोड़कर भाग गए थे इसलिए इनके खिलाफ निन्दा प्रस्ताव लाना चाहिए। (शोर एवं व्यवधान)

श्री महीपाल ढांडाः अध्यक्ष महोदय, अभय सिंह को उनके द्वारा प्रयोग किए गए अपशब्दों के लिए माफी मांगनी चाहिए। (शोर एवं व्यवधान)

श्री ज्ञान चंद गुप्ताः अध्यक्ष महोदय, अभय सिंह को अपशब्द के लिए पूरे सदन के साथ–साथ, सदन के नेता से भी माफी मांगनी चाहिए। (शोर एवं व्यवधान)

श्री ओम प्रकाश धनखड़ः अध्यक्ष महोदय, यह भारतीय जनता पार्टी का सैलीब्रेशन नहीं है। यह हरियाणा की जनता का सैलीब्रेशन है। हरियाणा की जनता का सैलीब्रेशन छोड़कर कल अभय सिंह चौटाला चले गए। इनको हरियाणा की जनता

---

* चेयर के आदेशानुसार रिकार्ड नहीं किया गया।

देख रही है। (शोर एवं व्यवधान) ये लोग सैलीब्रेशन समारोह में निन्दा करके भाग जाते हैं। (शोर एवं व्यवधान) यह लोग हरियाणा के सौहार्द व भाईचारे के व्यवहार को बिगाड़ने वाले हैं।(शोर एवं व्यवधान) यह हरियाणा की अढ़ाई करोड़ जनता का सैलीब्रेशन है। (शोर एवं व्यवधान) अध्यक्ष महोदय, अभय सिंह चौटाला के इस कार्य की निन्दा की जानी चाहिए।(शोर एवं व्यवधान)

श्री अभय सिंह चौटालाः अध्यक्ष महोदय, क्या धनखड़ जी मुझे निन्दा प्रस्ताव की धमकी दे रहे हैं? (शोर एवं व्यवधान) मेरे खिलाफ निन्दा प्रस्ताव लाओ? किसने रोका है?(शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः अभय जी, देखिये आपने एस.वाई.एल. नहर के मुद्दे पर पंजाब सरकार के खिलाफ निन्दा प्रस्ताव लाने की बात कही और सदन के नेता ने तुरन्त उसको स्वीकार कर लिया, लेकिन बावजूद इसके आप सदन की कार्यवाही को बाधित कर रहे हैं। (शोर एवं व्यवधान) क्या आप सदन का सारा काम केवल निन्दा प्रस्ताव के लिए रूकवाना करवाना चाहते हैं? (शोर एवं व्यवधान)

श्री अभय सिंह चौटालाः अध्यक्ष महोदय, मैं सदन को बाधित नहीं कर रहा हूँ बल्कि धनखड़ जी जो मेरे खिलाफ निन्दा प्रस्ताव लाने की धमकी दे रहे हैं, मैं तो उसका जवाब दे रहा हूँ? (शोर एवं व्यवधान)

श्री कृष्ण कुमार बेदीः अध्यक्ष महोदय, अभय सिंह के खिलाफ निन्दा प्रस्ताव लाया जाना चाहिए। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः अभय जी, अमर्यादित व्यवहार करना ठीक बात नहीं है। सदन में कोई बात शालीनता के साथ भी कही जा सकती है। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अभय सिंह चौटालाः अध्यक्ष महोदय, हरियाणा किसी एक आदमी की देन नहीं है। हरियाणा प्रदेश अनेक लोगों का बनाया हुआ है। कल का जो समारोह था और सभागार के बाहर जो बोर्ड लगाया हुआ था उस पर केवल एक आदमी का फोटो लगाया गया था।(शोर एवं व्यवधान) हरियाणा किसी एक आदमी की देन नहीं है। (शोर एवं व्यवधान)

वित्त मंत्री (कैप्टन अभिमन्यु): अध्यक्ष महोदय, जो विषय अभी सदन में चल रहा है उस पर सदन के नेता ने भी अपनी सहमति दे दी है। यह विषय बहुत ही महत्वपूर्ण है। मैं इस संबंध में एक सुझाव देना चाहता हूँ। (शोर एवं विघ्न)

श्री जय प्रकाशः अध्यक्ष महोदय, जैसाकि सदन में निन्दा प्रस्ताव लाने की बात कही गई है। मेरा आपके माध्यम से अनुरोध है कि ऐसा ही निन्दा प्रस्ताव उन पार्टियों के खिलाफ भी लाया जाये जो पंजाब की अकाली सरकार से अपनी पर्सनल

सिक्योरिटी ले रहे हैं और पंजाब सरकार के सरकारी बंगलों में रहते हैं। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः जयप्रकाश जी, वित्त मंत्री जी खड़े हैं और कोई सुझाव देना चाह रहे हैं अतः प्लीज आप बैठिए। (शोर एवं व्यवधान)

कैप्टन अभिमन्युः अध्यक्ष महोदय, मैं एक सुझाव देना चाहता हूँ । (शोर एवं व्यवधान)

श्री ज्ञान चंद गुप्ताः अध्यक्ष महोदय, कल पंचकुला के इन्द्रधनुष सभागार में जिस तरह से प्रतिपक्ष के नेता ने स्वर्ण जयंती सम्मेलन का बायकॉट किया उसके लिए इनके खिलाफ भी निंदा प्रस्ताव लाया जाये। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अभय सिंह चौटालाः अध्यक्ष महोदय, हरियाणा की स्वर्ण जयंती सम्मेलन का सारा श्रेय केवल एक ही पार्टी ले रही है। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः अभय जी, प्लीज आप बैठ जाइये । वित्त मंत्री जी एक सुझाव देना चाहते हैं । (शोर एवं व्यवधान)

श्री अभय सिंह चौटालाः अध्यक्ष महोदय, आज सबसे पहले एस.वाई.एल. नहर के मुद्दे पर चर्चा होनी चाहिए। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः अभय जी, मैं आपसे कह रहा हूँ कि आप प्लीज बैठ जाइये। (शोर एवं व्यवधान)

श्री असीम गोयलः अध्यक्ष महोदय, इनेलो पार्टी के लोग अपने ' की सजा भुगत रहे हैं । (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः असीम जी, आप बैठ जाइये। (शोर एवं व्यवधान)

श्री ज्ञान चंद गुप्ताः अध्यक्ष महोदय, ' तो इनेलो पार्टी के सदस्यों ने किए हुए हैं जिसका फल आज ये लोग भुगत रहे हैं। (शोर एवं व्यवधान)

कैप्टन अभिमन्युः अध्यक्ष महोदय, मेरा एक सुझाव है कि नेता प्रतिपक्ष ने अपनी भावना रखी है। कांग्रेस पार्टी के नेताओं ने भी अपनी भावना रखी है। अध्यक्ष महोदय, सदन के नेता ने उसी भावना को स्वीकार करके एस.वाई.एल. नहर के विवाद पर पंजाब सरकार के खिलाफ निंदा प्रस्ताव सदन में लाने की अपनी स्वीकृति दे दी है। आज हरियाणा के स्वर्ण जयंती वर्ष के लिए विशेष सत्र बुलाया गया है। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से सदन से एक निवेदन करता हूँ कि सभी माननीय सदस्यगण इस विशेष सत्र पर अपने–अपने सुझाव सकारात्मक दिशा में देने का काम करें। हरियाणा को बने हुए 50 साल हो गए हैं। हमारे हरियाणा के अस्तित्व में आने से लेकर के आज तक के जितने भी लंबित मामले हैं, चाहे उसमें

नहर का मामला हो, चाहे हमारे कुछ क्षेत्र के मामले हों, चाहे राजधानी का मामला हो, चाहे उच्च न्यायालय का मामला हो आदि इन तमाम मामलों पर यह महान सदन फिर से संकल्प ले कि सदन के हम सभी सदस्य सर्वसम्मति से हरियाणा की अढ़ाई करोड़ जनता की भावना को प्रकट करते हुए इन सभी मुद्दों पर हरियाणा प्रदेश का हक लेकर रहेंगे।

श्री जय प्रकाशः अध्यक्ष महोदय, आप मुझे बोलने का मौका दीजिए।

श्री अध्यक्षः जय प्रकाश जी, आप प्लीज बैठ जाइये। आपको बोलने का समय जरूर दिया जायेगा।

स्वास्थ्य मंत्री (श्री अनिल विज): अध्यक्ष महोदय, आपने बहुत अच्छी भावना से विशेष सत्र बुलाया है ताकि सभी पार्टी के सदस्य सब चीजों से ऊपर उठकर हरियाणा स्वर्ण जयंती वर्ष मना सके। अध्यक्ष महोदय, हमने कल पंचकूला के इन्द्रधनुष सभागार में विपक्ष का रूख देखा और आज भी सदन में सुबह से विपक्ष का रूख देख रहे हैं। ये इस बात के ' नहीं है कि इनको साँझे स्वर्ण जयंती समारोह के कार्यक्रम में शामिल किया जाए । मैं दोबारा कह रहा हूं कि ये इसके ' नहीं हैं ।

(शोर एवं व्यवधान)

श्री अभय सिंह चौटालाः अध्यक्ष महोदय, * शब्द का क्या मतलब है। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः अभय जी, आप बैठ जाइये। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अनिल विजः अभय जी, आप बैठ जाईये। हर बात पर आपकी गुण्डागर्दी नहीं चलेगी। हरियाणा को किसी भी कीमत पर बिहार नहीं बनने देंगे । (शोर एवं व्यवधान) किसी भी बात की गलतफहमी में मत रहना। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अभय सिंह चौटालाः अध्यक्ष महोदय, इसमें गुण्डागर्दी वाली कौन सी बात है? (शोर एवं व्यवधान)

श्री अनिल विजः अध्यक्ष महोदय, प्रतिपक्ष के नेता अपनी दादागिरी चलाने के लिए हर बात पर खड़े हो जाते हैं । (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः अभय जी, आप बैठ जाईये। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अनिल विजः अध्यक्ष महोदय, यह सदन कोई राम लीला नहीं है। यह कोई बिहार राज्य नहीं है। यह हरियाणा प्रदेश है। (शोर एवं व्यवधान) अध्यक्ष महोदय, ये हर बात पर अपनी दादागिरी करते हैं। (शोर एवं व्यवधान)

———————————————————

* चेयर के आदेशानुसार रिकॉर्ड नहीं किया गया।

श्री अभय सिंह चौटालाः अध्यक्ष महोदय, इसमें दादागिरी वाली कौन सी बात है। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : चौटाला जी, आप एक बार अनिल विज जी की पूरी बात तो सुन लीजिए । (शोर एवं व्यवधान)

श्री अभय सिंह चौटालाः अध्यक्ष महोदय, आज हरियाणा प्रदेश के किसानों का शोषण हो रहा है। (शोर एवं व्यवधान)

(इस समय इण्डियन नैशनल लोक दल के उपस्थित सदस्यगण (श्रीमती नैना सिंह चौटाला, श्री हरि चंद मिड्ढा, श्री मक्खन लाल सिंगला एवं श्री नगेन्द्र भडाना को छोड़कर) सदन की वैल में आ गए और नारेबाजी करने लगे।)

श्री ज्ञान चंद गुप्ता : अध्यक्ष जी, इनकी दादागिरी तो जनता ने निकाल दी है । (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः अभय जी, मेरा आप लोगों से निवेदन है कि आप अपनी–अपनी सीटों पर जाकर बैठ जाइये। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अनिल विज : स्पीकर सर, आपने मुझे बोलने का समय दिया है इसलिए मैं इनको बताना चाहता हूँ कि मैं किस काबिल हूँ । (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : अभय जी, यदि इस तरह का माहौल रहा तो सदन की कार्यवाही चलाना मुश्किल हो जायेगा इसलिए आप एक बार अनिल विज जी की पूरी बात सुन तो लीजिए। अगर कोई बात सदन में गलत कही गई है तो उसे सदन की कार्यवाही से निकाल दिया जायेगा। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अनिल विज : स्पीकर सर, मुझे अपनी बात पूरी करने दी जाए । (शोर एवं व्यवधान) मैंने जो कहा है वह बिल्कुल ठीक कहा है । (शोर एवं व्यवधान) ये इस बात के * नहीं है कि इनको साँझे स्वर्ण जयंती समारोह के कार्यक्रम में शामिल किया जाए । मैं दोबारा कह रहा हूं कि ये इसके * नहीं हैं । (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः अभय जी, मेरा आप सभी से निवेदन है कि आप पहले अपनी–अपनी सीटों पर जाकर बैठ जाइये और अनिल विज जी की पूरी बात सुन लीजिए । (शोर एवं व्यवधान)

---

*चेयर के आदेशानुसार रिकॉर्ड नहीं किया गया ।

श्री अनिल विज : स्पीकर सर, इस सत्र को इस भावना के साथ बुलाया गया था कि सभी सदस्यगण मिल–जुलकर स्वर्ण जयंती वर्ष के कार्यक्रमों पर विचार करेंगे। (शोर एवं व्यवधान) इनका कल जो रवैया था और ये जिस ढंग से बिहेव कर रहे थे वह ठीक नहीं था इसलिए मैं कह रहा हूँ कि ये इस * नहीं है। (शोर एवं व्यवधान)

इंडियन नैशनल लोकदल के सदस्यों का नाम लेना/बैठक का स्थगन

श्री अध्यक्षः मैने पूरा प्रयास कर लिया है लेकिन फिर भी आप अपनी सीटों पर नहीं बैठने जा रहे हैं और न ही आप हाउस को चलने दे रहे हैं इसलिए मैं आपको वार्न करता हूं । (शोर एवं व्यवधान)

श्री अभय सिंह चौटालाः अध्यक्ष महोदय, आप हमारी बात तो सुन ले । (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः अभय जी, पहले आप सब अपनी सीटों पर जाएं ।(शोर एवं व्यवधान) मेरे बार बार कहने के बाद भी यदि आप अपनी सीटों पर नहीं जाते हैं तो मैं सर्वश्री

———————————————————————————————————

*चेयर के आदेशानुसार रिकॉर्ड नहीं किया गया ।

अभय सिंह चौटाला, अनूप धानक, बलवान सिंह दौलतपुरिया, केहर सिंह, नसीम अहमद, ओम प्रकाश बरवा, परमिन्द्र सिंह ढुल, पृथी सिंह, राजदीप सिंह फौगाट, रामचंद कम्बोज, रणबीर गंगवा, रविन्द्र बलियाला और वेद नारंग को नेम करता हूं । मैं नेम किए हुए सदस्यों से कहना चाहूंगा कि वे कृपया स्वयं हाउस से बाहर चले जाएं । (शोर एवं व्यवधान)

(इस समय नेम किए हुए सदस्य सदन से बाहर नहीं गए और नारेबाजी करते रहे।)

श्री अध्यक्षः अब मैं मार्शल से कहूंगा कि वे नेम किए गए सदस्यों को सदन से बाहर ले जाएं । (शोर एवं व्यवधान)

(इस समय सर्जेंट–एट–आर्म्स वाच एण्ड वार्ड स्टाफ की सहायता से नेम किए गए सदस्यों को सदन से बाहर ले गए ।)(शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः माननीय सदस्यगण, अब मैं सदन को 15 मिनट के लिए एडजर्न करता हूं ।

*** 11.22 (तत्पश्चात् सदन 15 मिनट के लिए *स्थगित हुआ तथा 11.37 पर रि–असैम्बल्ड हुआ ।)**

(जैसे ही सदन रि–असैम्बल्ड हुआ, उपाध्यक्ष महोदया चेयर पर आसीन हुई ।)

उपाध्यक्ष महोदया : माननीय सदस्यगण, सदन 15 मिनट के लिए और स्थगित किया जाता है ।

***11.37 (तत्पश्चात सदन 15 मिनट के लिए *स्थगित हुआ और 11.52 बजे रि–असैम्बल्ड हुआ।)**

इंडियन नैशनल लोकदल के सदस्यों का नाम लेने के निर्णय को रद्द करना

श्री अध्यक्ष : मार्शल्ज को यह आदेश दिया जाता है कि जिन माननीय सदस्यों को नेम किया गया था उन सभी को सदन के अंदर आने दिया जाये। जय प्रकाश जी, आप क्या कहना चाहते हैं?

इंडियन नैशनल लोकदल के कुछ सदस्यों द्वारा पंजाब सरकार से ली जा रही सुविधाओं सम्बन्धी मामला उठाना

श्री जय प्रकाश : स्पीकर सर, जैसे अभी कुछ समय पहले यहां पर एक निंदा प्रस्ताव की चर्चा हुई उसमें मैं पूरे सदन से एक निंदा प्रस्ताव और जुड़वाना चाहता हूं । जैसे पंजाब के माननीय मुख्यमंत्री श्री प्रकाश सिंह बादल ने एस.वाई.एल. कैनाल के बारे में कहा इस पर जिस प्रकार से इंडियन नैशनल लोकदल, भारतीय जनता पार्टी, कांग्रेस पार्टी और हम सभी निर्दलीय यह कहते हैं कि हमारा पंजाब से कोई सामाजिक सम्बन्ध नहीं है। मैं इस सम्बन्ध में एक निंदा प्रस्ताव यह जुड़वाना चाहता हूं कि इंडियन नैशनल लोकदल के जिन नेताओं के पास पंजाब पुलिस की सिक्योरिटी है, जो पंजाब के सरकारी मकानों में रहते हैं, जो उनके होटलों में रहते

हैं और उनके साथ मिलकर काम धंधा करते हैं उनके खिलाफ भी निंदा प्रस्ताव यहां पर लाया जाना चाहिए। ये लोग बाहर जाकर कहते हैं कि पंजाब से उनका कोई सम्बन्ध नहीं है और वास्तव में पंजाब से इनका सम्बन्ध है। जब करनाल में इंडियन नैशनल लोकदल की रैली थी और आदरणीय चौधरी देवी लाल जी का जन्म दिवस मनाया जा रहा था उस वक्त इंडियन नैशनल लोकदल के अध्यक्ष का ब्यान आया था कि हम पंजाब के मुख्यमंत्री श्री प्रकाश सिंह बादल को करनाल में बुलायेंगे। इस पर मैंने यह कहा था कि जिस प्रकाश सिंह बादल ने हरियाणा प्रदेश के सवा दो करोड़ लोगों के पानी, रोटी और रोजी को छीना है अगर वह करनाल में आयेगा तो जय प्रकाश और उसके साथी मिलकर उनका विरोध करेंगे। इंडियन नैशनल लोकदल के नेता एक तरफ तो उनको अपनी राजनीतिक और सामाजिक समारोह में बुलाते हैं, उनकी सरकारी कोठियों में निवास करते हैं और दूसरी तरफ यहां उनके खिलाफ निंदा प्रस्ताव लाने की बात करते हैं । इसलिए मैं यह कहना चाहता हूं कि यहां पर एक नहीं दो निंदा प्रस्ताव पास किये जायें । दूसरा निंदा प्रस्ताव इन लोगों के खिलाफ हो और सारा सदन उन दोनों निंदा प्रस्तावों को सर्वसम्मति से पास करे। अध्यक्ष महोदय, इसके साथ ही साथ मैंने जो जिक्र किया था कि इंडियन नैशनल लोकदल के हमारे साथी पंजाब से सहायता ले रहे हैं उनके खिलाफ भी निन्दा प्रस्ताव पारित किया जाये । इस बात का भी

फैसला किया जाये कि हम पंजाब से कोई सिक्योरिटी नहीं लेंगे तथा उनके मकान भी खाली कर देंगे तथा उनसे सम्बन्ध विच्छेद कर लेंगे । राजनैतिक तौर से संबंध की बात हुई है । सैक्टर–3 की वह कोठी इनके पास इसलिये है क्योंकि प्रकाश सिंह बादल पंजाब के मुख्यमंत्री हैं और वह कोठी पंजाब सरकार की है अगर इन्होंने उनसे अपने राजनैतिक सम्बन्ध विच्छेद कर लिये हैं तो इनको वह कोठी खाली करनी चाहिए। बल्कि मुख्यमंत्री जी मैं तो आपको यह कहना चाहूंगा कि कोई भी दूसरे प्रदेश की सिक्योरिटी अगर किसी अन्य प्रदेश में रहती है तो उसके लिये गृह मंत्रालय से इजाजत लेनी चाहिए । क्या इन्होंने इसके लिये गृह मंत्रालय से इजाजत ली है ? अगर इजाजत नहीं ली है तो इनके खिलाफ मामले दर्ज होने चाहिए क्योंकि यह गलत है । जब राजनैतिक संबंध विच्छेद ही करना है तो यह सुविधा नहीं लेनी चाहिए। जनता की आँखों में धूल झोंक करके लोकदल के मित्रों अब काम चलने वाला नहीं है क्योंकि वह समय अब आ चुका है । जनता चाहती है कि स्पष्टवादिता होनी चाहिए । (शोर)

सदन की कार्यवाही से आपत्तिजनक शब्दों का हटाना

श्री अध्यक्ष : सदन में पहले श्री अनिल विज एवं श्री अभय सिंह चौटाला द्वारा जो आपत्तिजनक शब्द कहे गये हैं उनको सदन की कार्यवाही से निकाल दिया जाए ।

मुख्यमंत्री, पंजाब के विरूद्ध निंदा प्रस्ताव

श्री अध्यक्ष : अब संसदीय कार्य मंत्री निन्दा प्रस्ताव प्रस्तुत करेंगे ।

शिक्षा मंत्री (श्री राम बिलास शर्मा) : अध्यक्ष महोदय, मैं आपको बधाई देता हूं कि आपने हरियाणा की स्वर्ण जयंती के अवसर पर 2 दिन का सत्र/सम्मेलन बुलाया है । कल पंचकुला में पूर्व विधायकों और पूर्व सांसदों का एक सम्मेलन बुलाया गया और उनको सम्मानित भी किया गया तथा एक बहुत ही गम्भीर मंत्रणा हुई । आज यहां पर भी यह सदन इस पर चर्चा के लिए बैठा है । माननीय नेता प्रतिपक्ष श्री अभय सिंह चौटाला जी ने पंजाब के मुख्यमंत्री सरदार प्रकाश सिंह बादल के खिलाफ निन्दा प्रस्ताव लाने की बात कही है । इसी प्रकार से पूर्व मुख्यमंत्री श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा ने भी निन्दा प्रस्ताव लाने की बात कही है । अध्यक्ष महोदय, यह बात सही है कि एस.वाई.एल. नहर हरियाणा की जीवन रेखा है । हम उस इलाके से आते हैं जहां पीने के पानी की समस्या है, सिंचाई के पानी की तो हमने कभी कल्पना भी नहीं की थी लेकिन अब भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनने के बाद 2 साल से अहीरवाल क्षेत्र में, बालू रेत में कुछ नहरी पानी आया है ।

श्रीमती किरण चौधरी : अध्यक्ष महोदय, शर्मा जी गलत बात कह रहे हैं । हमारी सरकार के समय में नांगल चौधरी, नारनौल, महेन्द्रगढ़ और अटेली के क्षेत्र में

करोड़ों रूपये के काम हुये हैं । हमारा नहीं कम से कम चौधरी बंसीलाल जी का नाम तो ले दिया करो ।

श्री अध्यक्ष : किरण जी, आप बैठिये । आपको भी बोलने का मौका दिया जायेगा ।

श्री राम बिलास शर्मा : अध्यक्ष महोदय, चौधरी बंसीलाल जी की चर्चा तो हम सिक्वेंसवाईज करेंगे । अध्यक्ष महोदय, पूरे महान सदन की भावनाओं को ध्यान में रखते हुये सदन के नेता माननीय श्री मनोहर लाल जी ने एक क्षण में ही दोनों पार्टियों के प्रमुखों की बात को ध्यान में रखते हुये निन्दा प्रस्ताव लाने की अनुमति प्रदान कर दी । एस.वाई.एल. नहर के मुद्दे पर पंजाब के मुख्यमंत्री सरदार प्रकाश सिंह बादल ने कहा था कि हम हरियाणा को एस.वाई.एल. नहर का एक बूंद पानी भी नहीं देंगे । उन्होंने ऐसा कह कर हरियाणा की अढ़ाई करोड़ लोगों की भावनाओं को ठेस पहुंचाई है । इसलिए आपकी अनुमति से मैं यह निन्दा प्रस्ताव प्रस्तुत करता हूं –

> "कि यह सदन श्री प्रकाश सिंह बादल, मुख्यमंत्री पंजाब द्वारा एस.वाई.एल. नहर के बारे में 1 नवम्बर, 2016 को जो बयान दिये गये हैं, उनकी भरपूर निंदा करे।"

श्री अध्यक्ष : प्रस्ताव प्रस्तुत हुआ –

"कि यह सदन श्री प्रकाश सिंह बादल, मुख्यमंत्री पंजाब द्वारा एस.वाई.एल. नहर के बारे में 1 नवम्बर, 2016 को जो बयान दिये गये हैं, उनकी भरपूर निंदा करे।"

12.00 बजे **श्री अध्यक्ष :** प्रश्न है–

''कि यह सदन श्री प्रकाश सिंह बादल मुख्यमंत्री पंजाब द्वारा एस.वाई. एल. नहर के बारे में 1 नवम्बर, 2016 को जो बयान दिये गये हैं उनकी भरपूर निन्दा करे ।''

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ और सर्व सम्मति से पारित हुआ ।

हरियाणा विधान सभा के भूतपूर्व सदस्यों का अभिनन्दन

श्री राम बिलास शर्माः अध्यक्ष महोदय, मैं सदन की तरफ से हरियाणा विधान सभा के पूर्व विधायक श्री सुभाष कत्याल व श्री दरियाव सिंह राजौरा जी जो सदन की वी.आई.पीज. गैलरी में बैठे हुए हैं, उनका हार्दिक अभिनन्दन करता हूँ।

नियम 84 के अधीन प्रस्ताव

श्री अध्यक्ष : माननीय सदस्यगण, आज का विशेष सत्र हरियाणा विधान सभा की स्वर्ण जयंती के अवसर पर बुलाया गया है । चूंकि यह सत्र विधान सभा के आम सत्रों से हटकर है । कार्य सलाहकार समिति के फैसले के अनुसार आज की सभा में प्रश्न काल, ध्यानाकर्षण प्रस्ताव, काम रोको प्रस्ताव और विभिन्न मामलों का उठाना इत्यादि विषयों को आज नहीं लिया जाएगा । मुझे संसदीय कार्य मंत्री से हरियाणा विधान सभा की प्रक्रिया तथा कार्य संचालन संबंधी नियमावली के अधीन नियम 84 के तहत प्रस्ताव प्राप्त हुआ है । जिस पर आज सारा सदन चर्चा करेगा । अब संसदीय कार्य मंत्री नियम–84 के अधीन प्रस्ताव प्रस्तुत करेंगे ।

श्री राम बिलास शर्मा : अध्यक्ष महोदय, मैं प्रस्ताव करता हूं –

> "कि हरियाणा विधान सभा की 50 वीं वर्षगांठ के अवसर पर बुलाए गए विशेष सत्र पर सभी विधायक अपने–अपने विधान सभा क्षेत्रों में अभी तक जो विकास के कार्य हुए हैं या जो विकास के कार्य आगे होने वाले हैं, उन पर अपने–अपने सुझाव दें ताकि उनके सुझावों के आधार पर नये कार्यक्रमों को क्रियान्वित किया जा सके जिससे आने वाले समय में हरियाणा विकास के मामलों में अन्य राज्यों के लिए रोल मॉडल बने ।"

श्री अध्यक्ष : प्रस्ताव प्रस्तुत हुआ –

> "कि हरियाणा विधान सभा की 50 वीं वर्षगांठ के अवसर पर बुलाए गए विशेष सत्र पर सभी विधायक अपने–अपने विधान सभा क्षेत्रों में अभी तक जो विकास के कार्य हुए हैं या जो विकास के कार्य आगे होने वाले हैं, उन

पर अपने–अपने सुझाव दें ताकि उनके सुझावों के आधार पर नये कार्यक्रमों को क्रियान्वित किया जा सके जिससे आने वाले समय में हरियाणा विकास के मामलों में अन्य राज्यों के लिए रोल मॉडल बने ।"

श्री अध्यक्ष : प्रश्न है –

"कि हरियाणा विधान सभा की 50 वीं वर्षगांठ के अवसर पर बुलाए गए विशेष सत्र पर सभी विधायक अपने–अपने विधान सभा क्षेत्रों में अभी तक जो विकास के कार्य हुए हैं या जो विकास के कार्य आगे होने वाले हैं, उन पर अपने–अपने सुझाव दें ताकि उनके सुझावों के आधार पर नये कार्यक्रमों को क्रियान्वित किया जा सके जिससे आने वाले समय में हरियाणा विकास के मामलों में अन्य राज्यों के लिए रोल मॉडल बने ।"

श्री रामबिलास शर्मा : स्पीकर सर, आप इस महान सदन के स्वर्ण जयंती वर्ष के अवसर पर जो 1 नवम्बर 2016 को प्रारम्भ हुआ है । दो दिन से यह सत्र/सम्मेलन चला रहे हैं। हरियाणा में 50 वर्षों में जो प्रगति हुई है उस संबंध में चर्चा करते हुए मैं बताना चाहूँगा कि हमारा हरियाणा बनने के बाद सबसे पहले मुख्यमंत्री आदरणीय पंडित भगवत दयाल जी हुए जो पिलानी में अध्यापक के तौर पर काम करते थे । वे एक मजदूर नेता थे । वे 4 महीना 23 दिन मुख्यमंत्री रहे । उन्होंने हरियाणा में एक इन्फ्रास्ट्रैक्चर खड़ा किया था। वे एक स्वतंत्रता सेनानी भी थे और उससे पहले वे ज्वाइंट पंजाब मंत्रिमण्डल में भी मंत्री रहे । उनके मुख्यमंत्री काल में हरियाणा में एक सद्भावना का वातावरण बना । उनके बाद राव बीरेन्द्र सिंह जी हरियाणा के मुख्यमंत्री बने । वे महान स्वतंत्रता सेनानी राव तुलाराम के वंशज रहे । उन्होंने किसान को उनकी फसल का अच्छा भाव दिलवाया । उन्होंने किसान

की फसल को अंगूर के भाव बिकवाया । आज भी हमारा इलाका इस बात को जानता है । उसके बाद चौधरी बंसी लाल जी हरियाणा के मुख्यमंत्री बने । He was a good administrator. हरियाणा में जो यह नहर और बिजली का एक जाल बिछा हुआ है वह आदरणीय चौधरी बंसी लाल जी के नेतृत्व में बिछा है । जब वह कांग्रेस में थे तो उन्होंने गांव की ढ़ाणियों तक भी सड़क बनवाने का काम किया था लेकिन बाद में जब श्रीमती इंदिरा गांधी भिवानी में आई थी तब उन्होंने उनको कांग्रेस से निकाल दिया था । परंतु हमने चौधरी बंसी लाल जी का आदर करते हुए वर्ष 1996 में फिर से मुख्यमंत्री बनाया ।

श्रीमती किरण चौधरी : स्पीकर सर, शर्मा जी बिल्कुल गलत बात कह रहे हैं ।

श्री अध्यक्ष : किरण जी, आपको समय मिलेगा तब आप अपनी बात रख लेना । इसके बाद आपको पूरा मौका मिलेगा ।

श्रीमती किरण चौधरी : स्पीकर सर, शर्मा जी एक जिम्मेदार आदमी हैं और वह इस तरह की गलत बात कर रहे हैं । इन्होंने कहा कि श्रीमती इंदिरा गांधी ने उनको पार्टी से निकाला था । वह अपनी यह बात वापिस लें । चौधरी बंसी लाल जी तो सदा ही कांग्रेस पार्टी में रहे हैं । स्पीकर सर, शर्मा जी ने चौधरी बंसी लाल जी के

प्रति जो बात कही है उसको यह वापिस लें । इन्होंने कहा कि श्रीमती इंदिरा गांधी ने उनको पार्टी से निकाला था । यह अपनी बात को वापिस लें ।

श्री अध्यक्ष : किरण जी, आप ही बता दो कि उनको किसने कांग्रेस पार्टी से निकाला था । इंदिरा गांधी तो पार्टी की मालिक थी फिर और कौन निकालता ?

श्री राम बिलास शर्माः स्पीकर सर, आदरणीय बहन किरण चौधरी का अंग्रेजी में फलों बहुत अच्छा है लेकिन बावजूद इसके हकीकत को बदला नहीं जा सकता है। हकीकत तो हकीकत होती है। जिन दिनों आदरणीय बहन किरण चौधरी जी कांग्रेस सरकार में दिल्ली विधान सभा की डिप्टी स्पीकर हुआ करती थी उसी पीरियड से थोड़ा पहले हरियाणा प्रदेश में चौधरी बंसी लाल जी द्वारा बनाई गई हरियाणा विकास पार्टी तथा भारतीय जनता पार्टी ने मिलकर हरियाणा प्रदेश में चुनाव लड़ा था। बहन किरण जी हमारे लिए बहुत आदरणीय हैं लेकिन यह इतिहास की सच्चाई है कि चौधरी बंसी लाल जी को कांग्रेस पार्टी से निकाला गया था। चौधरी शमशेर सिंह सुरजेवाला जी, श्री करण सिंह दलाल जी और मैं स्वयं इस वाक्या के चश्मदीद गवाह है। यही नहीं चौधरी भूपेन्द्र सिंह हुड्डा जी भी इस बात के गवाह हैं। (शोर एवं व्यवधान) मेरा आग्रह है कि हुड्डा साहब सदन में एक बार खड़े होकर मेरी बात का साक्ष्य दें। (शोर एवं व्यवधान)

श्रीमती किरण चौधरीः स्पीकर सर, (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः किरण जी, एक बार मंत्री जी को अपनी बात पूरी कर लेने दीजिए, आपको भी अपनी बात रखने का पूरा मौका मिलेगा। (शोर एवं व्यवधान)

श्रीमती किरण चौधरीः स्पीकर सर, इस मौके पर मुझे अपनी बात रखनी आवश्यक है। जो बात मंत्री जी कह रहे हैं, मैं उस बात का खंडन करती हूँ जिसमें कहा गया है कि जब श्रीमती इंदिरा गांधी जी भिवानी आई थी तो उन्होंने चौधरी बंसी लाल जी को कांग्रेस पार्टी से निकाला था। सदन में यह गलत वक्तव्य दिया जा रहा है। (विघ्न) शिक्षा मंत्री जी सीट पर बैठे–बैठे आपत्तिजनक बातें कर देते हैं। यदि इनको कोई बात कहनी ही है तो अपनी सीट से उठकर कहनी चाहिए। यदि यें आपत्तिजनक बातें करेंगे तो निःसंदेह उन बातों का मेरी तरफ से माकूल जवाब दिया जायेगा। (शोर एवं व्यवधान)

श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डाः अध्यक्ष महोदय, जिस वाक्या की तसदीक के लिए राम बिलास शर्मा जी दलाल साहब तथा मुझसे साक्ष्य की डिमांड कर रहे हैं, उस संदर्भ में बताना चाहूँगा कि इसमें कोई दो राय नहीं है कि हरियाणा विकास पार्टी चौधरी बंसी लाल जी ने बनाई थी। परन्तु जहां तक उनको कांग्रेस पार्टी से

निकालने का सवाल है तो यह वाक्या श्री राजीव गांधी जी के समय हुआ था। (शोर एवं व्यवधान)

श्रीमती किरण चौधरीः स्पीकर सर, शिक्षा मंत्री जी गलत बयान देकर सदन को बरगलाने की कोशिश कर रहे हैं।(शोर एवं व्यवधान)

श्री राम बिलास शर्माः स्पीकर सर, बात को इधर से कहें या उधर से कहें मतलब तो एक ही होता है। क्या राजीव गांधी जी कांग्रेस के प्राईम मिनिस्टर नहीं रहे थे ? (शोर एवं व्यवधान)

श्रीमती किरण चौधरीः स्पीकर सर, राम बिलास जी को किसी इतिहास का ज्ञान नहीं है बल्कि यह तो इतिहास की बातों को अपने मनमुताबिक गढ़कर उन्हें सही सिद्ध करने की कोशिश करते रहते हैं। (शोर एवं व्यवधान)

श्री राम बिलास शर्माः स्पीकर सर, मैं आपके माध्यम से बहन किरण जी को बताना चाहूँगा कि इतिहास न तो राम बिलास शर्मा बना सकता है और न ही किरण चौधरी बना सकती है। इतिहास तो इतिहास होता है। (शोर एवं व्यवधान)

श्रीमती किरण चौधरीः स्पीकर सर, यहां सदन में राम बिलास जी इतिहास को अपनी मनमुताबिक रखने की कुचेष्ठा कर रहे हैं। मैं ऐसा नहीं होने दूंगी और इसका माकूल जवाब दूंगी। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः किरण जी, आप अपनी बात को सुधार कर भी तो प्रयोग कर सकती हैं। (शोर एवं व्यवधान)

श्री राम बिलास शर्माः स्पीकर सर, मैं आपके माध्यम से बहन किरण जी को सलाह देना चाहता हूँ कि मेरे को डिस्टर्ब मत कीजिए नहीं तो परशुराम जग जायेगा? (शोर एवं व्यवधान) (हंसी)

श्री अध्यक्षः किरण जी, अगर आपको लगता है कि कोई बात सही नहीं है तो जब आपके बोलने का अवसर दिया जायेगा, उस समय आप उस बात को सुधार लेना। (शोर एवं व्यवधान) किरण जी, प्लीज आप बैठिए और मंत्री जी को अपनी बात रखने दीजिए।

श्री राम बिलास शर्माः स्पीकर सर, इस देश में कुछ बड़े नेता हुए हैं जिन्होंने रिवायत कायम की है। श्रीमती इंदिरा गांधी जी 1971 में देश की प्राईम मिनिस्टर थी और वह बंगला देश में जाने से पहले श्रीमान अटल बिहारी वाजपेयी से हस्पताल में मिलने गई। वाजपेयी जी ने पार्टी स्तर से उपर उठकर देशहित में उनको आशीर्वाद दिया और कहा कि आप दुर्गा बनकर लड़िये हम आपके साथ है। जब भारतीय जनता पार्टी की मीटिंग में इस बाबत उनसे बात की गई तो उन्होंने कहा कि यह चीज देश हित के लिए बहुत जरूरी थी और स्वर्गीय श्रीमती इंदिरा

गांधी जी ने दुर्गा तथा भवानी बनकर पाकिस्तान के दो टुकड़े कर दिए। स्पीकर सर, जो बात देश हित में होती है उसको हर जन को स्वीकार करना पड़ेगा। अभी पिछले दिनों भारत की सेना ने पाकिस्तान में घुसकर 62 आतंकवादियों को मार गिराया जिससे पूरे विश्व में भारत की प्रतिष्ठा बढ़ी है। इस तरह की घटनाओं को पार्टी आधारित संज्ञा देकर श्रेय लेना गलत बात है। जब भारतीय सेना का मनोबल बढ़ाने का विषय आता है, उस समय भी राजनीति करना गलत बात है। अब मैं फिर अपने विषय पर आता हूँ। यह मेरा सौभाग्य है कि मुझे बंसी लाल जी के साथ उनके मंत्रिमंडल में काम करने का सुअवसर मिला। वह भी एक समय था जब चौधरी देवी लाल जी वर्ष 1977 में हरियाणा के मुख्यमंत्री बने थे। वर्ष 1975 में मुझे उनके साथ जेल में रहने का सौभाग्य प्राप्त हुआ था। स्पीकर सर, चाहे किसी की विरासत सत्ता होती हो लेकिन मुझे फक्र है कि हमारी विरासत पीढ़ा है। अपने विचारों के लिए यातना सहने का हमारा एक इतिहास रहा है। अब मैं उस समय की बात बताता हूँ जब मैं काल–कोठरी में कैद था और सोनीपत से एक हमारा जनसंघी कार्यकर्ता जिसका नाम ललित बत्रा, उम्र 14 वर्ष थी और स्वाभाविक है कि वह दसवीं कक्षा का छात्र रहा होगा, जब उसको जेल में लाया गया तो उसकी हालत को देखकर आदरणीय चौधरी देवी लाल जी ने मुझे कहा कि राम बिलास तुम रणजीत सिंह जी तथा जगदीश जी को एक चिट्ठी लिखो और बताओ कि

किस तरह दसवीं कक्षा के जनसंघी टॉबर मार खा–खा कर जेल में आ रहे हैं, अतः जोर–शोर से सत्याग्रह करो। स्पीकर सर, हम 11 दिन के पुलिस रिमांड पर रहे थे और एक डी.एस.पी. जिसका नाम सरदार कंग था तथा जिसको मेरी इंटैरोगेशन सैंटर का इंचार्ज बनाया गया था, ने मुझ पर जुल्म की इंतहा होने के बाद यह शब्द कहे थे कि बंदा बढ़ा दुर्दांत है न कोई झूठी कहानी बनाता है और कहता है कि रात के बाद अंधेरा खत्म हो जाएगा। मैं आपको सारी की सारी बात बताता हूँ उस समय हम 'दर्पण' नाम से अखबार निकालते थे। रात के दो बजे मुझे हवालात के अंदर बंद किया जाता है और कंग साहब मुझसे पूछता है कि अपना अता–पता देना क्योंकि इस काली रात के बाद मेरी आंखें तुम्हारा दीदार करना चाहती है। भला हो उस कंग साहब का जिन्होंने कहा कि यह छोटी मोटी चीज नहीं है इसके साथ ज्यादा पंगा नहीं लेना। (शोर एवं विघ्न)

श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डाः अध्यक्ष महोदय, माननीय मंत्री जी को स्वर्ण जयंती के बारे में ही अपने विचार रखने चाहिए।

श्री राम बिलास शर्माः अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से चौधरी भूपेन्द्र सिंह हुड्डा को बताना चाहता हूँ कि मैं स्वर्ण जयंती पर हरियाणा के इतिहास की बात सदन को बता रहा हूँ। पूरे हिन्दुस्तान में चौधरी देवी लाल जी का नाम बुढ़ापा पैंशन के नाम से जुड़ा हुआ है। पिता से बड़े भाई को ताऊ कहते हैं। जिसका मान सम्मान

पिता से भी बड़ा होता है। चौधरी देवी लाल ताऊ देवी लाल के नाम से प्रसिद्ध हुए थे। ताऊ देवी लाल अपना राज–पाट खाट पर बैठकर अर्थात् ग्रामीण क्षेत्र के लोगों के माध्यम से चलाया करते थे। अध्यक्ष महोदय, यह बात डॉ. कादियान जी भी अच्छी तरह से जानते हैं क्योंकि उस समय हम सन् 1987 में ताऊ देवी लाल के मंत्रिमंडल में शामिल थे। कांग्रेस पार्टी के जुल्मों के खिलाफ चौधरी देवी लाल ने कई आंदोलन किए थे। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय पूर्व मुख्यमंत्री श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा को बताना चाहता हूँ कि 50 वर्ष के इतिहास में भारतीय जनता पार्टी को हरियाणा का विकास करने के लिए फिलहाल दो ही वर्ष मिले हैं लेकिन वे भी कांग्रेस पार्टी को बर्दाश्त नहीं हो रहे हैं। यह तो जनता जर्नादन का फैसला है। (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, वर्ष 1996 में चौधरी बंसी लाल जी के राज में चौधरी शमशेर सिंह सुरजेवाला जी ने एक शे़र बोला था ''अजब तुम्हारी हस्ती है अजब तुम्हारी मस्ती है जब चाहे गिरा दो'' हमने भी उनसे कहा था ''जहां भूचाल बवंडर बुनियादे फसिलो दर में रहते हैं, हौंसला हमारा भी देखिए हम उस घर में रहते हैं।'' वर्ष 1995–96 में चौधरी बंसी लाल जी की सरकार को भारतीय जनता पार्टी ने सहयोग किया था क्योंकि चौधरी बंसी लाल जी के नेतृत्व की सरकार में दम था। वर्ष 1996 से लेकर वर्ष 1999 तक चौधरी बंसी लाल जी की सरकार में भाई करण सिंह दलाल व राव नरवीर सिंह ने भी उनके मंत्रिमंडल में काम किया

था। अध्यक्ष महोदय, कुछ लोग मीठी–मीठी बातों से जहर भरते थे लेकिन हरियाणा का इतिहास किसी को माफ नहीं करता है। अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय सदस्या शकुन्तला खटक को भी बताना चाहता हूँ कि जिस–जिस के शासन काल में हरियाणा के विकास के काम हुए हैं उनको याद किया जाता है। राम बिलास शर्मा भी हरियाणा का इतिहास रहा है क्योंकि 5वीं बार लोगों की कृपा से इस महान सदन में पहुँचा है। मुझे बहुत से महान नेताओं के साथ काम करने का मौका मिला है। अध्यक्ष महोदय, एक बात मैं सदन को बताना चाहता हूँ कि एक बार चौधरी देवी लाल झंडा फहराने रोहतक गए थे और वहां पर चौधरी बंसी लाल जी की बेटी श्रीमती सरोज मिली। चौधरी देवी लाल ने मुझसे कहा कि यह बेटी कौन है तो मैंने कहा यह बेटी चौधरी बंसी लाल जी की है। ताऊ देवी लाल ने कहा कि हमें क्या करना चाहिए, तो मैंने कहा हमें इसके सिर पर हाथ रखकर आशीर्वाद देने के साथ–साथ 500 रूपये शगुन के तौर देने चाहिए और इससे पूछना चाहिए कि बेटी आपका तबादला कहां करना है। चौधरी बंसी लाल की बेटी ने कहा कि ताऊ मेरा तबादला पंचकूला में कर दीजिए क्योंकि आपका दामाद पंचकूला में डॉक्टर है। अध्यक्ष महोदय, आज हम लोग इस तरह के अच्छे कामों को याद न करके एक मिनट में ही भूल जाते हैं। आज सुबह सदन में और कल पंचकूला के इन्द्रधनुष सभागार में स्वर्ण जयंती सम्मेलन में जो कुछ हुआ वह सिर्फ रनेज जव बंजबी जीम

मलम वि जीम बंउमतं था क्योंकि वे लोग चाहते थे कि किसी तरह से उनकी फोटो और भाषण अखबारों में छप जाये। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से बताना चाहता हूँ कि आज जनता समझ चुकी है । आज अखबारों में बयान आ जाए ऐसा नहीं होता । कल स्वर्ण जयंती समारोह के अवसर पर माननीय मुख्य मंत्री जी ने पूर्व विधायकों और पूर्व सांसदों को मान–सम्मान दिया और उन्हें आदरसूचक शॉल भेंट की । कल जो बहिष्कार किया गया वह हरियाणा विधान सभा का या इस सरकार का नहीं बल्कि अढ़ाई करोड़ लोगों का था । वह बहिष्कार अढ़ाई करोड़ लोगों की भावना का बहिष्कार था । माननीय स्पीकर साहब ने उस समय कहा था कि माननीय प्रधानमंत्री जी ने 1 नवंबर को स्वर्ण जयंती वर्ष के आगाज पर कहा था कि यह किसी दल या किसी सरकार का स्वर्ण जयंती समारोह नहीं है । यह स्वर्ण जयंती समारोह पूरे हरियाणा के लोगों का है और हम इसे इसी भावना के साथ मना रहे हैं । स्पीकर साहब, चौधरी भूपेन्द्र सिंह हुड्डा का मुख्य मंत्री के तौर पर 9 साल और कुछ महीने का कार्यकाल रहा है । हरियाणा सरकार में बहन किरण चौधरी और हुड्डा साहब की तुनकमिजाजी होती रहती थी । हुड्डा साहब ने बहन किरण चौधरी से उनके डिपार्टमैंट्स भी खोस लिये लेकिन इनमें दम था और उन्होंने शाम होने से पहले अपने डिपार्टमैंट्स वापिस ले लिये थे । हुड्डा साहब दस साल तक सरकार में मुख्य मंत्री रहे और ये इस सदन में सबसे वरिष्ठ मैम्बर

हैं । अगर इनका विधान सभा और लोक सभा का टैन्योर मिलाकर देखें तो ये कुल 8 बार सदस्य चुने जा चुके हैं जोकि पूरे सदन में सबसे ज्यादा है । अच्छा होता अगर माननीय सदस्य श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा भी कल गवर्नर साहब से शॉल ओड़ते । स्पीकर साहब, अब राजनीति बदल गई है । अब बालक कंप्यूटर सीख रहे हैं और सोशल मीडिया चलाते हैं । कौन कहां पर क्या बोलता है यह आज प्रैस लिखती है । कुछ लोगों को वहम है कि हम जितने ज्यादा छपेंगे उतनी ज्यादा लोक–प्रसिद्धि बढ़ेगी । यह बात गलत है । अगर आपने किसी आँख के आँसू पौंछ दिये, किसी गरीब मजदूर की मदद कर दी तब लोक प्रसिद्धि बढ़ेगी क्योंकि लोग बड़ी–बड़ी सभाओं में धारणा नहीं बनाते । कोई गरीब आदमी 10 हजार की सभा में अटानी के नीचे बैठकर जूते गांठने का काम कर रहा है और कहीं बीस आदमी बैठकर अपने सुख–दुःख की बात बतलाते हैं। हरियाणा की जनता यहां से फैसला लेना शुरू करती है । स्पीकर सर, हरियाणा में बी.जे.पी. की सरकार होना ही अपने आप में एक आश्चर्य है । यदि हमें लोगों से समर्थन प्राप्त नहीं होता तो हमें सरकार के ट्रैजरी बैंचिज की तरफ भी जाने नहीं दिया जाता था । हमको तो रिमाण्ड पर रखा जाता था । स्पीकर सर, यह जनता–जनार्दन है । राजनीति सेवा है, राजनीति समर्पण है और इसमें जिसकी जो भूमिका है उसे वह निभानी होती है । मैं इस सदन में 1991 में भाजपा का अकेला विधायक था । मैं जब

बोलता था तो उस समय माननीय सदस्य नसीब अहमद जी के अब्बूजान मंत्री थे और माननीय सदस्य जाकिर हुसैन जी के पिताजी तब मंत्री थे । माननीय सदस्य जाकिर हुसैन जी आज हाउस में नहीं हैं । चौधरी आफताब अहमद इस बार विधायक नहीं बन पाए । इनके पिताजी चौधरी खुर्शीद अहमद खाँ उस समय विधायक थे । मैं जब बोलने के लिए खड़ा होता था तो ये माननीय सदस्य खड़े हो जाते थे । चौधरी ईश्वर सिंह रोड़ तब स्पीकर होते थे वे उनसे कहते थे कि जब राम बिलास शर्मा के माइक का स्विच दबता है तो आप पाँचों बोलने के लिए क्यों खड़े हो जाते हो ? वे कहते थे कि इसको हम जीने नहीं देंगे क्योंकि इसने मेवात में आग लगा दी है । वहां पर हिन्दूओं के लड़के हथेली काली करके घूम रहे हैं इसलिए हम हरियाणा भवन से आगे नहीं जा सकते हैं । अध्यक्ष महोदय, उसके बाद मैंने चौधरी अजमत खां का सहारा लिया । मैंने चौधरी अजमत खाँ से कहा कि वर्ष 1982 में आप और हम एम.एल.ए. थे और उस समय मैं तेजाखेड़ा में टाली के पेड़ के नीचे ढ़ले फोड़कर अंगोछा बिछाकर आपकी नमाज अदा करवाता था । मैं जेली लेकर पशुओं से आपकी नमाज की रक्षा करता था । वे कहने लगे कि शर्मा जी, आप बिल्कुल सही कह रहे हो । मैंने उनसे कहा कि आपको नमाज की कसम, आप सदन में सच बोलोगे । मैंने उनसे कहा कि क्या नूँह में गाय नहीं जली ? वे कहने लगे कि गाय जली थी लेकिन वह बीमार गाय थी । मैंने स्पीकर

साहब को कहा कि Sir, it is a confession. फिर पांचों खड़े हो गए कि ये अजमत खां झूठ बोलता है, ये ब्राह्मण तो चालाक है, इसने तो नमाज में फंसा लिया । अध्यक्ष महोदय, हम तो रास्ता निकाल कर उसे जन भावना कहते रहे। (विघ्न) Yes, Dr. Raghuvir Singh Kadian Ji, it is very much a part of Resolution. डा. रघुवीर कादियान जी, उन 50 सालों का इतिहास आपके सिवाय और हमारे सिवाय कौन जानता है, ये बाकी एम.एल.एज. तो बेचारे पहली बार आए हैं । जय प्रकाश जी, डा. रघुबीर सिंह कादियान, मैं और आप हरियाणा के 50 सालों के इतिहास के चश्मदीद गवाह हैं । यह बात अलग है कि कादियान जी सच्चाई को बताएं या न बताएं और वे हुड्डा साहब से **** जाऐं तो वह अलग बात है। (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, 50 सालों में हरियाणा ने बहुत प्रगति की है और इसमें सबका योगदान है । इसमें चौधरी भूपेन्द्र सिंह हुड्डा का योगदान है, चौधरी बंसीलाल जी का बहुत बड़ा योगदान है । पंडित भगवत दयाल शर्मा को थोड़ा समय मिला परन्तु उन्होंने हरियाणा स्टेट को एक इन्फ्रास्ट्रक्चर और एक

---

*चेयर के आदेशानुसार रिकार्ड नहीं किया गया ।

निजाम दिया है । हरियाणा बनाने में चौधरी देवीलाल जी का बहुत योगदान है, चौधरी भजनलाल जी का योगदान है और इसमें बनारसी लाल गुप्ता जी का भी योगदान है । इन लोगों ने आजादी की लड़ाई में हिस्सा लिया । (विध्न) अभी मैंने बिहार की जेल की बात नहीं शुरू की, रिमांड वाले 11 दिन की बात बता दूंगा तो यहां बैठे कई साथियों का बी.पी. ऊपर या नीचे हो जाएगा । अध्यक्ष महोदय, आप अंदाजा लगा सकते हैं कि किस तरह से सवा 6 फुट की देही का आदमी 5 फुट की कोठड़ी में रह सकता है ? अध्यक्ष महोदय, यह तो भोले शंकर की कृपा थी अन्यथा मुझे तो चील और कोवे ही खा जाते । अध्यक्ष महोदय, मैं कहना चाहता हूं कि इन 50 सालों में हरियाणा ने खेलों के क्षेत्र में बहुत तरक्की की है । हरियाणा का भूगोल छोटा है और इसका क्षेत्रफल 45612 वर्ग किलोमीटर है । गुजरात का क्षेत्रफल हमसे 100 किलोमीटर ज्यादा है परंतु फिर भी हमारा एक महत्व है । हमारे यहां कुरूक्षेत्र में गीता का उपदेश दिया गया था । श्री कृष्ण ने यहां गीता का संदेश दिया वरना तो बाकी संदेश मयखानों में ही दिए गए । महाभारत का युद्ध 18 दिन तक चला और गीता के भी 18 अध्याय हैं । युद्ध के समय श्री कृष्ण कन्हैया ने दुनिया को एक गीत दे दिया । गीता को जब हमने पाठ्यक्रम में शामिल किया तो लोगों ने एतराज किया कि ये तो भगवाकरण कर रहे हैं । मैं कहना चाहता हूं कि भगवाकरण कौन सी बुरी बात है । भारत के संतों की और दरवेश की वेशभूषा

भगवा है और भारत के राष्ट्रीय झंडे में ऊपर की पट्टी का कलर भी भगवा है । भगवाकरण कौन सी गलत बात है । गीता केवल ग्रंथ नहीं है बल्कि गीता भारत का गीत है, गीता भारत की रीत है, गीता भारत का संगीत है, गीता ज्ञान है, गीता विज्ञान है, गीता शंका है और गीता समाधान है । आज पूरी दुनिया ने गीता को स्वीकार किया है । हमने दो सालों के समय में गीता को पाठ्यक्रम में शामिल कर दिया । 6 दिसम्बर को इंटरनैशनल स्तर पर हम गीता जयंती मनाने जा रहे हैं । भारत के महामहिम राष्ट्रपति महोदय उस अवसर पर उपस्थित होंगे । आज पूरी दुनिया के 46 देशों के प्रतिनिधि यहां आने की कंफेर्मेशन कर चुके हैं । जहां तक सरस्वती नदी की बात है तो हम यह कहें कि सरस्वती नदी हमने बहाई तो यह गलत बात है । सरस्वती नदी तो गंगा नदी से भी पुरानी नदी है । जब आप संगम में जाते हैं तो वहां का पुरोहित और विद्वान कहता है कि यह जो नीले रंग का पानी है यह गंगा का पानी है । यह जो मिट्टी वाला पानी है यह यमुना का पानी है और जो गुप्त रूप में बह रहा है यह सरस्वती नदी का पानी है । अध्यक्ष महोदय, यह सौभाग्य मिला है कि सरस्वती नदी आपके चुनाव क्षेत्र आदीबद्री से निकलती है । इतिहास में यह बात थी और पुराणों में भी यह बात थी । मैं वांगकर जी को आज यहां से प्रणाम करना चाहता हूं । वे एक इतिहासकार थे । माननीय मनोहर लाल जी संघ में विभाग प्रचारक थे और मैं संगठन मंत्री था । वांगकर जी के साथ

हम जिस रास्ते पर चल थे उसका मैं जिक्र करना चाहता हूं । अध्यक्ष महोदय, मैं बाबू दर्शनलाल जी को भी आज यहां से प्रणाम करना चाहता हूं । हमें उनके बताये रास्ते पर चलना चाहिए । हमने ट्यूबवैल 1987 में बोर करवाये । हमने बीकानेर और जैसलमेर तक ट्यूबवैल बोर करवाये । अब तो 'इसरो' और 'नासा' ने अपने वैज्ञानिकों से सैटेलाईट कैमरे के माध्यम से जो रूट हमने बनाया उसको प्रमाणित किया है। यह बहुत बड़ी उपलब्धि हरियाणा सरकार की है । आज के दिन मैं हमारी सरकार के कुछ बिंदुओ का उल्लेख करते हुए कहना चाहूंगा कि इन 50 वर्षों में हरियाणा की अढ़ाई करोड़ जनता और जिन–जिन महानुभावों ने हरियाणा के विकास में योगदान दिया है चाहे मुख्यमंत्री के रूप में, चाहे विधायक के रूप में उन सबका मैं स्वर्ण जयंती के अवसर पर अभिनंदन करता हूं और उन सबके योगदान को प्रणाम करता हूं । मैं माननीय सदन के सभी सदस्यों से कहना चाहता हूं कि स्वर्ण जयंती के इस अवसर को छोटी भावना से नहीं लेना चाहिए । स्वर्ण जयंती के अवसर पर साल भर जो कार्यक्रम चलेंगे, उनमें सबको हिस्सा लेना चाहिए । आप सभी का बहुत–बहुत धन्यवाद ।

श्रीमती किरण चौधरी (तोशाम) : अध्यक्ष महोदय, हम हरियाणा की स्वर्ण जयंती मना रहे हैं और यह सचमुच में बहुत अच्छी बात है कि हरियाणा ने 50 सालों के अंदर बहुत तेजी से प्रगति की है । अभी मैं बैठकर पंडित जी का भाषण सुन रही

थी जिसको सुनकर मुझे तकलीफ हुई । उन्होंने हरियाणा के इतिहास को तोड़–मरोड़कर पेश किया । उन्होंने अपने भाषण के दौरान स्वर्ण जयंती की बातें कम कही और अपना इतिहास बताने पर ज्यादा चर्चा की । भारतीय जनता पार्टी प्रदेश में दो साल से पावर में है और इन दो साल के कार्यों पर पण्डित जी चर्चा करते तो अच्छी बात होती । लेकिन इससे पहले भी जो–जो मुख्यमंत्री रहे हैं और जो काम हुए हैं उनके बारे में भी जानकारी देनी चाहिए थी । जिस समय हरियाणा पंजाब से अलग राज्य बना था उस समय यहां कुछ भी नहीं था । लेकिन आज हरियाणा का नाम देश में ही नहीं बल्कि विदेशों में भी है । इस प्रगति की राह पर हरियाणा किस प्रकार से पहुंचा यदि ये सारी बातें कही जाती तो मैं समझती हूं कि यह राजनीति से उपर उठकर कही गई बातें होती । लेकिन बड़े दुर्भाग्य की बात है कि हमारे पार्लियामैंट्री अफेयर्ज मिनिस्टर साहब ने आज अपनी सारी बातें राजनीतिक कटाक्ष के साथ रखी जिसकी मैं निंदा करती हूं । अध्यक्ष जी, हरियाणा के अंदर हमारे बहुत सारे मुख्यमंत्री रहे । जिनके बारे में आज यहां व्याख्यान भी किया गया है । मैं तो केवल यही कह सकती हूं कि हरियाणा प्रदेश की जो बुनियाद रखी गई इसका हमें स्वर्ण करना चाहिए कि सभी ने हरियाणा को बनाने में अपना–अपना योगदान दिया । स्वर्गीय चौधरी बंसी लाल जी ने जो काम हरियाणा के लिए किए वे कार्य अभूतपूर्व ही नहीं बल्कि सभी लोग जानते हैं कि हरियाणा के

विकास की बुनियाद उन्होंने ही रखी । उन्होंने पूरे हरियाणा के अंदर कैनाल्ज का जाल बिछाया । जिस समय प्रदेश अलग राज्य बना उस समय हरियाणा में पानी की बहुत तकलीफ थी और लोगों को पानी नहीं मिला करता था वे रातों–रात बैठकर देखते थे कि कहां से कहा कैनाल खोदनी हैं उसकी उन्होंने स्वयं बैठकर रचना की थी । उन्होंने हरेक गांव को सड़क के साथ जोड़ा जो उस समय कोई सोच नहीं सकता था । 1970 तक हरेक गांव को बिजली भी उन्होंने उपलब्ध करवाई । इसके अतिरिक्त सबसे बड़ी बात यह है कि जिस हल्के से हमारे पार्लियामैंट्री अफेयर्ज मिनिस्टर ताल्लुक रखते हैं वहां पूरे अहीरवाल के अंदर उन्होंने बाछौद के अंदर एक हवाई पट्टी बनवाई । वहां पर हवाई जहाज से अधिकारियों को भेजा जाता था कि वहां जाकर वे देखें कि वहां विद्युतीकरण का काम सबसे पहले होना चाहिए क्योंकि वे जानते थे कि उस इलाके के अंदर पानी नहीं था । अध्यक्ष महोदय, वे जानते थे कि अगर इस इलाके को उपर उठाना है तो सबसे पहले वहां पर विद्युतीकरण करना होगा और वहां पर स्कूल्ज और कालेजिज की स्थापना करनी होगी ताकि वहां के बच्चे पढ़–लिखकर आगे बढ़ सकें। जो कुरूक्षेत्र व इसके साथ के इलाके हैं यहां पर पानी भरा रहता था इन क्षेत्रों को इस समस्या से छुटकारा दिलवाने के लिए यहां पर आगूमैंटेशन कैनाल्ज़ का निर्माण करवाया गया। आगूमैंटेशन कैनाल्ज बनाने के साथ–साथ सारे के सारे वे काम

किये जो हरियाणा की मजबूत बुनियाद के लिए जरूरी थे। जहां तक एस.वाई.एल. नहर का सम्बन्ध है इसका 90 प्रतिशत काम चौधरी बंसी लाल जी ने करवाया था। उस समय सारे सरपंचों को बसों में बिठाकर वहां पर ले जाकर यह दिखाया गया कि किस प्रकार से एस.वाई.एल. नहर का काम करवाया जा रहा है। यह बात निर्विवाद रूप से सत्य है कि एस.वाई.एल. नहर हमारी बुनियादी जरूरत है। अगर एस.वाई.एल. नहर का पानी हमारे पास नहीं आये तो पूरे दक्षिणी हरियाणा को पानी नहीं मिल सकता। यह बड़े दुर्भाग्य की बात है कि एस.वाई.एल. नहर का इस प्रकार से राजनीतिकरण कर दिया गया कि इसका निर्माण कार्य पूरी तरह से ठप्प हो गया। ऐसे ही आज जिस प्रकार से सदन के अंदर इतनी बहस के बाद सरकार द्वारा यहां पर निंदा प्रस्ताव लाया गया। अगर सरकार यह प्रस्ताव स्वयं लेकर आती तो यह बहुत ही अच्छी बात होती। श्री प्रकाश सिंह बादल, मुख्यमंत्री पंजाब ने जो यह कहा कि अगर कोर्ट ने भी इस बारे में पंजाब के खिलाफ फैसला दे दिया तो हम यह काम नहीं होने देंगे। जिस प्रकार चौधरी भूपेन्द्र सिंह हुड्डा जी ने यहां पर खड़े होकर यह कहा कि उनके इस ब्यान पर सरकार को यहां पर कंटैम्प्ट ऑफ कोर्ट का मामला लेकर आना चाहिए था ताकि हरियाणा प्रदेश की जनता को इस बात से संतुष्टि होती कि हरियाणा प्रदेश की वर्तमान सरकार उसके हितों के प्रति पूरी तरह से सजग है। चौधरी भूपेन्द्र सिंह हुड़डा जी के नेतृत्व

वाली हमारी कांग्रेस की सरकार के समय के दौरान हमने भी हांसी–बुटाना लिंक नहर का निर्माण करवाया था। इस प्रोजैक्ट पर 400 करोड़ रूपए की राशि का खर्च आया था। इस नहर में भी पानी लाने का मामला अभी तक उलझा हुआ है क्योंकि अभी तक इस मामले में भी कोई कार्यवाही नहीं हुई है। अगर इस नहर में भी पानी आ जाता तो हमारे दक्षिणी हरियाणा के जितने भी सूखे इलाके हैं उन सभी को पर्याप्त पानी प्राप्त हो जाता। चौधरी बंसी लाल जी के समय में जब एस. वाई.एल. नहर की बात हुई तो तत्कालीन पंजाब सरकार के नुमाईंदों ने हमें आंखें दिखाई और यह कहा कि पंजाब से निकलने वाले सभी वाहनों को बंद कर दिया जायेगा। इस मामले में त्वरित कार्यवाही करते हुए माननीय चौधरी बंसी लाल जी द्वारा दिन–रात एक करके 11 महीने के अंदर पंचकूला से बरवाला–शहजादपुर होते हुए साहा तक एक नई सड़क का निर्माण करवाया गया। इस सड़क से हमारे हरियाणा का सारे का सारा ट्रैफिक बिना पंजाब की सीमा में घुसे सीधे पंचकूला और चण्डीगढ़ आ सकता था। इस प्रकार से बेमिसाल कार्य चौधरी बंसी लाल जी ने हरियाणा के विकास में अपना अभूतपूर्व योगदान देते हुए किये। उसके बाद हरियाणा में बहुत सारी सरकारें आई और गई। चौधरी भूपेन्द्र सिंह हुड़डा जी के नेतृत्व वाली हमारी कांग्रेस की सरकार जब हरियाणा में दस साल रही आप सभी जानते हैं कि प्रदेश के हरेक इलाके में बहुत जबरदस्त काम हुए। चौधरी भूपेन्द्र

सिंह हुड़डा जी के नेतृत्व वाली हमारी कांग्रेस की सरकार जब हरियाणा में थी उस समय प्रदेश का कोई भी इलाका ऐसा नहीं था जहां पर काम न हुआ हो। इसके साथ ही साथ आज मैं सदन में यह बात भी रखना चाहती हूं कि हरियाणा में पानी के मामले में जितना काम हुआ उतना पहले कभी भी नहीं हुआ। मैं उस सरकार में पब्लिक हैल्थ मिनिस्टर थी इसलिए मुझे यह सारी जानकारी है। चाहे हमारे वर्तमान समय में संसदीय कार्य मंत्री का हल्का हो, अटेली हो, नांगल चौधरी हो, नारनौल हो और पूरे अहीरवाल में जितना पानी का काम हुआ वह अभूतपूर्व और सराहनीय है। इस बात को किसी भी कीमत पर झूठा साबित नहीं किया जा सकता।

सहकारिता राज्य मंत्री (श्री मनीष कुमार ग्रोवर) : स्पीकर सर, अभी माननीय सदस्या श्रीमती किरण चौधरी जी ने कहा कि अपने 10 साल के शासनकाल के दौरान चौधरी भूपेन्द्र सिंह हुड्डा जी ने हरियाणा में बहुत से अभूतपूर्व कार्य किये। मैं आपको और पूरे सदन को एक अखबार का एक विज्ञापन दिखाना चाहता हूं जिसमें यह लिखा गया है कि "40 साल बनाम 10 साल" इसमें चौधरी बंसी लाल जी का और ताऊ देवी लाल का कहीं पर भी जिक्र नहीं है। सबसे बड़ी बात तो इस विज्ञापन में यह हुई है कि स्वयं श्रीमती किरण चौधरी उस सरकार में मंत्री थी लेकिन उनका भी इस विज्ञापन में कहीं कोई जिक्र नहीं है। हमारी सरकार के

माननीय मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल जी खट्टर ने तो सभी भूतपूर्व मुख्यमंत्रियों को उनके हरियाणा के विकास में किये गये योगदान को सराहा है चाहे वे चौधरी बंसी लाल जी हों, चाहे चौधरी भजन लाल जी हों या फिर चौधरी देवी लाल जी हों, श्री बनारसी दास गुप्ता जी हों या फिर चौधरी हुकम सिंह जी हों। हमारी सरकार का कार्यकाल तो मात्र दो साल का ही है। यह विज्ञापन मैं किरण चौधरी जी को भी दिखाना चाहूंगा ताकि वे ध्यान से देख ले कि इस विज्ञापन में कहीं पर भी उनका नाम नहीं है। इसमें श्री रणदीप सुरजेवाला का भी कहीं नाम नहीं है। इसमें सिर्फ चौधरी भूपेन्द्र सिंह जी हुड्डा का ही नाम है लेकिन इसके बावजूद भी श्रीमती किरण चौधरी जी बार–बार चौधरी भूपेन्द्र सिंह जी हुड्डा का गुणगान कर रही हैं। उन्होंने अपने इस विज्ञापन में किसी का भी जिक्र नहीं किया है।

श्रीमती किरण चौधरी : अध्यक्ष जी, माननीय राज्य मंत्री श्री ग्रोवर जी जो कह रहे हैं मैं उनको एक बात कहना चाहती हूं कि मैंने अपने जिंदगी में एक सबक सीखा है कि अपना काम ईमानदारीपूर्वक व सत्यनिष्ठा के साथ करते जाओ और जो बाकी सभी कुछ है वह भगवान देख लेगा अर्थात् बाकी की जिम्मेदारी हमें भगवान पर छोड़ देनी चाहिए। किसी के द्वारा कहां पर क्या कहा गया इन राजनीतिक बातों के ऊपर मैं विश्वास नहीं करती।

श्री मनीष कुमार ग्रोवर : स्पीकर सर, मैं जो विज्ञापन माननीय सदस्या को दिखा रहा हूं वह मैंने नहीं दिया है वह भी इनकी पार्टी का ही विज्ञापन है। मैं तो इनको यह विज्ञापन दिखाते हुए यह बताने की कोशिश कर रहा हूं कि हमारे माननीय मुख्यमंत्री जी न ताऊ देवी लाल सहित सभी माननीय भूतपूर्व मुख्यमंत्रियो को हरियाणा के विकास का श्रेय दिया है। हमारे माननीय संसदीय कार्य मंत्री ने भी हरियाणा के विकास का श्रेय सभी को दिया है। सिर्फ यहीं पर ही नहीं अपितु हमारे माननीय मुख्यमंत्री जी ने तो गुरूग्राम में भी हरियाणा के विकास का श्रेय सभी भूतपूर्व मुख्यमंत्रियो को दिया है। इतना ही नहीं इन्होंने अपने नाम का कहीं पर जिक्र ही नही किया। एक तरफ हमारे माननीय मुख्यमंत्री हैं और दूसरी तरफ पूर्व मुख्यमंत्री चौधरी भूपेन्द्र सिंह हुड्डा हैं माननीय सदस्या श्रीमती किरण चौधरी को दोनों की तुलना कर लेनी चाहिए। (शोर एवं व्यवधान)

श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा : अध्यक्ष महोदय, आप रिकॉर्ड निकलवा कर देख लें रामबिलास जी ने श्री ओमप्रकाश चौटाला जी का नाम नहीं लिया है ।

श्रीमती किरण चौधरी : अध्यक्ष महोदय, मैं दोबारा से यह बात दोहराना चाहती हूं कि अखबारों में विज्ञापन देने से या कोई बात कहने से जिसका राज्य के विकास में जो योगदान है उसको कोई झुठला नहीं सकता है । अखबारों में विज्ञापन तो आज के दिन कोई भी दे सकता है । जिसके पास पैसा है वह पैसा खर्च करके विज्ञापन

छपवा सकता है । यह विज्ञापन हमारी पार्टी की तरफ से कोई ऑफिशियल विज्ञापन नहीं है । अगर कोई अपनी तरफ से विज्ञापन छपवाता है तो उसमें किसी का भी नाम डाल सकता है और किसी का नाम निकलवा सकता है ।

श्री मनीष ग्रोवर : अध्यक्ष महोदय, हमारी सरकार को आये तो 2 ही साल हुये हैं लेकिन इस विज्ञापन में तो 40 साल बनाम 10 साल लिखा हुआ है । इसलिए यह तो इनकी पार्टी का ही विज्ञापन है ।

श्रीमती किरण चौधरी : अध्यक्ष महोदय, इस अखबार में जो भी विज्ञापन छपा है उसमें क्या लिखा हुआ है इससे कोई फर्क नहीं पड़ता । सही बात यह है कि चौधरी बंसीलाल जी के योगदान को कोई नकार नहीं सकता । यह बात सारा हरियाणा जानता है एक सुदृढ़ एवं प्रगतिशील हरियाणा की अगर किसी ने नींव रखी तो वे चौधरी बंसी लाल ने रखी, वे एक लोहपुरूष थे और उनके योगदान को कोई झुठला नहीं सकता, चाहे उनके बारे में कोई बोले या न बोले । मैं हमेशा सत्य बोलती हूं । अध्यक्ष महोदय, जो भी सरकार चुन कर आती है वह काम करने के लिए ही आती है और हमारी सरकार ने भी जो 10 साल में काम किये हैं अगर कोई उनके ऊपर पूरी तरह से पर्दा डाले तो वह गलत होगा । जब से हरियाणा बना है तब से जितनी भी सरकारें आई हैं उन सभी का कुछ न कुछ योगदान रहा है और यह बात हमें राजनीति से ऊपर उठ कर कहनी चाहिए । अभी ग्रोवर जी ने

कहा कि हम तो केवल 2 साल के बच्चे हैं । उससे पहले जो भी सरकारें आई हैं और 2 साल आपके भी हैं इन 50 सालों में सरकारों ने बहुत से काम किये हैं जिसके कारण आज पूरे देश में हरियाणा को अग्रिम माना जाता है । 2 साल से भारतीय जनता पार्टी की सरकार है और सरकार तो लोग बनाते हैं । जनता जनार्दन मत देती है और जनता जनार्दन का मत सर्वोपरि है । यहां पर हमारे माननीय मुख्यमंत्री जी बैठे हुये हैं मैं एक बात बताना चाहती हूं कि सी.एल.पी. लीडर होने के नाते मैंने अलग–अलग समस्याओं के लिए माननीय मुख्यमंत्री जी को कम से कम 97 चिट्ठियां लिखी हैं और यह कोई भी चिट्ठी अपने पर्सनल काम के लिये नहीं थी । सारी चिट्ठियां ऐसे कामों के लिये लिखी गई थी जो जनता से संबंधित थे क्योंकि मुख्यमंत्री जी ने कहा है कि विधायक अपने–अपने एरियाज से संबंधित कार्य उनको बतायें । इसलिए एक सी.एल.पी लीडर के नाते से जो मेरे पास मुद्दे आए उन मुद्दों के ऊपर मैंने ये सारी की सारी चिट्ठियां लिखी हैं । मैंने ये चिट्ठियां अप्रैल 2014 से लिखनी शुरू की थी । यह अच्छा होता कि सत्ता पक्ष इन चिट्ठियों पर गौर करता क्योंकि विपक्ष जो मुद्दा उठाता है उससे सत्ता पक्ष को ही लाभ होता है क्योंकि विपक्ष वही मुद्दे उठाता है जहां सरकार की कमियां रहती हैं । हम बड़े सकारात्मक ढ़ंग से इस बात को लेकर चलना चाहते हैं क्योंकि आज सरकार आपकी है, कल हमारी थी और हो सकता है कि आगे कल

फिर हमारी सरकार आ जाए । (विघ्न) यह तो जनता के ऊपर है कि किसकी सरकार आगे बनती है । बात यह है कि सरकार बनना यह एक लगातार प्रोसैस है । सरकारें इसलिए आती हैं ताकि जनता को फायदा पहुंचा सकें और जो आम जन की मजबूरियां हैं, उनकी तकलीफें हैं, उनसे हम जनता को निजात दिलवा सकें । अगर हम वह नहीं कर सकते तो केवल पोलिटिक्स करके केवल जुमले बोल कर अगर हम सरकार में आते हैं तो उसको जनता कभी भी माफ नहीं करती । अध्यक्ष महोदय, आप जानते हैं कि यह हमारा दायित्व बनता है । आपने जो मुझे थोड़ा सा समय दिया उसमें मैं बताना चाहती हूँ कि क्या–क्या, किन–किन मुद्दों के ऊपर मैंने चिट्ठियां लिखी हैं । मेरी ऐसी 97 चिट्ठियां हैं । मैं यह चिट्ठियां माननीय मुख्यमंत्री जी को रिकॉर्ड पर भी दूंगी जिनमें ऐसे–ऐसे मुद्दे उठाए गए हैं जिन पर अगर विचार किया जाता तो आज हरियाणा के अन्दर बी.जे. पी. सरकार को बने हुए दो साल हो गए हैं और इन मुद्दों से आने वाले समय में सरकार को बहुत फायदा मिलने वाला था । अध्यक्ष महोदय, अगर आपकी परमिशन हो तो मैं इन चिट्ठियों को पढ़कर सुना सकती हूँ ।

श्री अध्यक्ष : किरण जी, इनको पढ़ने में ज्यादा समय लगेगा । इसलिये आप इनको पटल पर रख दो ।

श्रीमती किरण चौधरी : अध्यक्ष महोदय, ठीक है मैं इन सारी चिट्ठियों को पटल पर रख देती हूं । मुझे एक बात का दुःख और हुआ है और मुझे आज बोलने का मौका मिला है, मैं वह बात कहना चाहूंगी कि मैंने जो ये चिट्ठियां लिखी हैं उनमें से मेरे ख्याल से 5 से 10 चिट्ठियों का एकनॉलेजमेंट ही मिला है । 10 से 11वीं चिट्ठी का मुझे एकनॉलेजमेंट नहीं मिला । माननीय मुख्यमंत्री जी आप अपने ऑफिस के कर्मचारियों को कम से कम यह हिदायत तो दीजिये कि जो चिट्ठियां हम आपको भेजते हैं उनकी एकनॉलेजमेंट हमें भेजी जाए ताकि हमें पता तो चले कि हमारी चिट्ठियां आप तक पहुंच रही हैं और हमें पता चले कि हम जो मुद्दे बता रहे हैं आप उन मुद्दों के ऊपर क्या कार्यवाही कर रहे हैं ? आज आपकी सरकार को बने हुए दो साल हो गये हैं वर्ष 2014 से लेकर वर्ष 2016 का अन्तिम पीरियड आ गया है लेकिन आज तक मेरी इन चिट्ठियों का जवाब नहीं आया है । मैंने 97 चिट्ठियां अलग–अलग विषयों पर लिखी हैं । अध्यक्ष महोदय, यह हमारा स्वर्ण जयंती वर्ष है । हमारी सरकार ने बहुत सारे मुद्दे उठाए हैं जिनमें से एक मुद्दा 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' का है । यह एक बड़ी अच्छी बात है लेकिन यह केवल एक बात बनकर रह जाए तो वह अच्छी बात नहीं रहेगी । अध्यक्ष महोदय, मुख्यमंत्री जी ने 'सबका साथ, सबका विकास' की बात भी कही है । लेकिन दुर्भाग्य की बात है मैं अपने तोशाम हल्के की बात करती हूं कि हमारी कांग्रेस सरकार के समय में जो

पैसा विकास कार्यों के लिये निर्धारित किया गया था और जिसका 25 प्रतिशत पैसा लग चुका था बाकी 75 प्रतिशत पैसा विकास कार्यों में इसलिये नहीं लग पाया क्योंकि चुनाव आ गये थे । इसलिये बाकी बचा पैसा चुनाव के बाद लगना था। आप जानते हैं कि कोड ऑफ कंडक्ट लगने के बाद सभी काम रूक जाते हैं, आगे कार्य हो नहीं पाते हैं । हमने भी यही सोचा कि बाकी बचा पैसा चुनाव के बाद लग जाएगा । लेकिन बड़े दुर्भाग्य की बात है और बड़े दुःख की बात है कि वह पैसा लगने की बात तो छोड़िये वह 75 प्रतिशत पैसा जो हमारी सरकार ने विकास कार्यों के लिये निर्धारित किया था उस पैसे को सरकार ने वापिस करवा दिया । यह मैं भिवानी जिले की बात कर रही हूं । अध्यक्ष महोदय, यह बात केवल अकेले भिवानी जिले की नहीं है बल्कि हमारे एम.एल.एज. कह रहे हैं कि उनके साथ भी यही बात हुई है तो फिर 'सबका साथ, सबका विकास' की बात कहां रह गई । हमारे माननीय मुख्यमंत्री जी ने कहा था कि हर एक एम.एल.एज. को अपने क्षेत्र के विकास के लिये 5–5 करोड़ रूपये दिये जाएंगे और जब यह बात माननीय मुख्यमंत्री जी ने कही तो हमें बहुत खुशी हुई और सबने एक मत से इस बात का स्वागत करते हुए कहा कि माननीय मुख्यमंत्री जी की "सबका साथ–सबका विकास" की नीति एक बहुत ही अच्छी नीति है। सबने सोचा कि जब हमारे पास 5 करोड़ रुपये की राशि आ जायेगी तो उस 5 करोड़ रुपये की राशि से निर्वाचन क्षेत्र

में बहुत सारे बचे हुए काम करवाये जा सकेंगे क्योंकि अधिकांश काम तो पहले ही हो चुके हैं। (हंसी) (शोर एवं व्यवधान)

श्रम एवं रोजगार राज्य मंत्री (श्री नायब सैनी): अध्यक्ष महोदय, अगर इतना ही विकास कांग्रेस के शासन काल में हुआ है तो फिर किरण जी के निर्वाचन क्षेत्र का विकास क्यों नहीं हुआ ? (शोर एवं व्यवधान) क्यों किरण जी बार–बार सदन में अपनी हल्के में विकास कार्यों के लिए आवाज उठाती रहती हैं।

श्री सुभाष बराला: अध्यक्ष महोदय, पहले बंसी लाल जी विकास कर गए और जो कमी रह गई थी उसको हुड्डा साहब ने पूरा कर दिया ? (हंसी)(शोर एवं व्यवधान)

श्रीमती किरण चौधरी: अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से बराला जी को बताना चाहूँगी कि बंसी लाल जी और हुड्डा साहब ने वास्तव में प्रदेश का विकास किया है। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष: देखिये किरण जी, प्रति मैम्बर को तीन मिनट के हिसाब से बोलने का समय दिया गया है। आप अपनी पार्टी की लीडर हैं अतः आप खुद यह निर्णय कर लें कि आपको अपने निश्चित समय में ही बोलना है या फिर आप अपनी पार्टी के किसी सदस्य के समय को भी प्रयोग करके बोलना चाहेंगी।

श्रीमती किरण चौधरीः अध्यक्ष महोदय, मैं सिर्फ एक बात कहकर अपनी सीट पर बैठ जाऊंगी और वह गांवों में हमारी बेटियों के स्कूल के अपग्रेडेशन की बात है। जो स्कूल सभी प्रकार के नार्म्ज पूरे करते हैं उनके अपग्रेडेशन के लिए बार–बार लिखकर भी दिया जाता है लेकिन बावजूद इसके उन स्कूलों को अपग्रेड नहीं किया जाता। हमारी बेटियों को पढ़ाई के लिए दूर–दूर जाना पड़ता है जिसमें उन्हें अनेक तकलीफों का सामना करना पड़ता है। इतना लिखने के बावजूद भी मुझे यह बात समझ में नहीं आती कि हमारे इलाकों के अन्दर सभी तरह के नार्म्ज पूरे कर चुके स्कूलों को अपग्रेड क्यों नहीं करा जा रहा है। हमने तहसील तोशाम के गांव कैरू तथा उसके साथ लगते इलाकों में बेटियों के लिए कॉलेज देने बाबत कईं बार अनुरोध किया है, क्योंकि यहां की बेटियों को तहसील तोशाम के कॉलेज तक पहुंचने के लिए 60–70 किलोमीटर तक का सफर तय करना पड़ता है। अतः मैं माननीय मुख्यमंत्री जी से आग्रह करती हूँ कि जैसाकि आप 7 तारीख को तोशाम में आ रहे हैं, आपसे निवेदन है कि गाँव कैरू में लड़कियों का एक कॉलेज जरूर देकर जाएं। हुड्डा साहब के समय में तहसील तोशाम में एक बहुत बड़ा कॉलेज दिया गया था जिसकी वजह से आज वहां पर बेटियों को बहुत सारी फैसिलिटिज मिली हैं। यही नहीं उस वक्त पूरे तोशाम में 60 एजुकेशनल इंस्टीट्युशंज खोले गए थे जिनकी वजह से आज हमारी बेटियों को बहुत ज्यादा फायदा हो रहा है, लेकिन

गांव कैरू एक ऐसा इलाका है जहां पर हमारी बेटियों के लिए कोई कॉलेज नहीं है और उन्हें रोजना 60–70 किलोमीटर तक का सफर केवल मात्र शिक्षा केन्द्र पर शिक्षा प्राप्त करने के लिए तय करना पड़ता है। अगर वहां पर लड़कियों का कालेज खोल दिया जाता है तो यह बहुत अच्छी बात होगी। पार्लियामैंटरी अफेयर्ज मिनिस्टर जी शिक्षा मंत्री भी हैं और सदन में बैठे हैं। मैं उनसे एक बात कहना चाहती हूँ कि जैसाकि मैंने कैरू गांव का जिक्र किया तो उन्होंने कैरू गांव के परिपेक्ष्य में मुझसे कहा था कि वे भी कभी कैरू गांव में रहे थे, यहां पर उनकी भी जमीन थी, अतः मुझे कैरू गांव में कॉलेज खोलने की मांग करनी चाहिए। इस संदर्भ में मेरा यह कहना है कि आपकी और मेरी जमीनें तो यहीं पर रह जायेंगी। हम सबको वहां पर काम करना चाहिए जहां पर सबका फायदा होता हो। अध्यक्ष महोदय, आज स्वर्ण जयंती के इस शुभ अवसर पर मैं आपके माध्यम से माननीय मुख्यमंत्री महोदय तथा शिक्षा मंत्री जी से अनुरोध करती हूँ कि गांव कैरू में लड़कियों के लिए कॉलेज जरूर खोला जाए और विश्वास रखती हूँ कि पार्टी भावना से उपर उठकर इस दिशा में ठोस कार्य किया जायेगा। सरकार तो आनी–जानी होती है। संसार के सभी कार्य विधि के हाथ हैं। पॉवर–पैसा सब इसी संसार में धरा का धरा रह जाता है। जब किसी को विधि के हाथों कलम की पॉवर मिलती है तो मैं समझती हूँ कि उस कलम को सबके बराबर हित के लिए चलाया जाये। (विघ्न)

श्री अध्यक्षः किरण जी, विकास कार्यों के लिए अगर 5 करोड़ रूपये की राशि कांग्रेस के शासन काल में भी दी जाती तो आज आपको सदन में यह बात कहने की आवश्यकता महसूस नहीं होती।

श्रीमती किरण चौधरीः अध्यक्ष महोदय, मुझे अपनी बात पूरी कर लेने दें। अगर पॉवर रूपी कलम बराबर चलेगी तो इतिहास गवाह रहेगा कि किसी आदमी ने ईमानदारी और निष्ठा के साथ कार्य करते हुए सबका पूरी तरह से पूर्ण विकास करने का कार्य किया था (शोर एवं व्यवधान) जनता ऐसे व्यक्ति को निःसंदेह याद करेगी। (विघ्न)

सहकारिता राज्य मंत्री(श्री मनीष ग्रोवर): अध्यक्ष महोदय, किरण जी ईमानदारी की बात कर रही हैं लेकिन इनको इस बात का ज्ञान होना चाहिए कि हमारे मुख्यमंत्री जी को इनके ईमानदारी के सर्टिफिकेट की कोई आवश्यकता नहीं है। (शोर एवं व्यवधान)

श्रीमती किरण चौधरीः अध्यक्ष महोदय, मैंने कोई निगेटिव बात नहीं कही है। (शोर एवं व्यवधान)

श्री राम बिलास शर्माः अध्यक्ष महोदय, जो बात बहन किरण जी ने अभी मेरे बारे में कही है, उस बाबत अपना पर्सनल एक्सपीरियेंस होने के नाते मैं उनके द्वारा कही गई बात का जवाब देना उचित समझता हूँ। आदरणीय बहन किरण चौधरी जी ने

गांव कैरू में लड़कियों का कॉलेज खोलने की मांग की है। मुख्यमंत्री जी के संज्ञान में भी यह बात है। जहां तक गांव केरू में मेरी जमीन होने की बात आई है, उसका इतिहास यह है कि लगभग 210 वर्ष पहले गांव कैरू से मेरे पुरखे पंडित विष्णु दत्त जी का निकास हुआ था। कोई ऐसी ऐतिहासिक घटना घटी कि उन्होंने गांव कैरू की अपनी 600 एकड़ जमीन गौचारण भूमि में छोड़ दी थी और आज गांव कैरू के लोग उस गौचारण भूमि को विष्णु वाली कहते हैं। गांव कैरू में मेरी कोई अपनी जमीन नहीं है।

श्रीमती किरण चौधरीः अध्यक्ष महोदय, मेरी एक बात कहनी बाकी रह गई थी जिसको कहकर मैं अंत करूंगी। स्वच्छ भारत अभियान का जो स्लोगन दिया गया है वह बहुत अच्छी बात है। कांग्रेस सरकार के दौरान 29 करोड़ रूपये की लागत से जिला भिवानी के लिए एक सोलिड वेस्ट मैनेजमैंट प्रोजैक्ट दिया गया था लेकिन यह बड़े ही दुर्भाग्य की बात है कि आज यहां पर गली–गली में गंदगी फैली हुई है। गली–गली में गांयें गंदगी पर मुंह मारती फिर रही हैं। वास्तव में आजकल गांयों का जो हाल हो गया है उसके बारे में हम सब अच्छी तरह से वाकिफ है। मैंने बार बार गंदगी को दूर करने बाबत सदन में आवाज उठाई और इस संदर्भ में अनेक चिट्ठियां भी लिखी कि स्वच्छ भारत अभियान को तब तक कामयाब नहीं कर सकते जब तक कि प्रदेश के हर जिले में सॉलिड वेस्ट मैनेजमैंट प्रोजैक्ट न

लगाया जाये क्योंकि गंदगी को सही जगह पर डालना बहुत जरूरी होता है, यदि गंदगी एक जगह इक्ट्ठी कर देंगे तो गंदगी और फैलेगी। यह तो हो नहीं सकता कि उस गंदगी को एक जगह इक्ट्ठा करके उसे खत्म कर दिया जाये। अध्यक्ष महोदय, ये जो सोलिड वेस्ट मैनजमैंट प्रोजैक्ट हर जिले के अंदर तुरंत प्रभाव से केन्द्रीय सरकार से प्रोजैक्ट के लिए पैसे लेकर बनाए जायें। चौधरी भूपेन्द्र सिंह हुडा के शासन काल में भिवानी जिले में चौधरी बंसी लाल मेडिकल कॉलेज और स्पोटर्स यूनिवर्सिटी मंजूर हुई थी लेकिन आज तक दो साल के करीब हो गए हैं उन पर कोई भी कार्यवाही नहीं हुई है, उसके ऊपर भी तुरंत प्रभाव से कार्यवाही होनी चाहिए। अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे हरियाणा के स्वर्ण जयंती के वर्षगांठ पर बोलने का समय दिया इसके लिए आपका बहुत–बहुत धन्यवाद।

श्री अभय सिंह चौटाला (ऐलनाबाद): अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे हरियाणा विधान सभा के प्रक्रिया तथा कार्य संचालन सम्बन्धी नियमों के नियम 84 के तहत हरियाणा के स्वर्ण जयंती वर्षगांठ पर बोलने का समय दिया इसके लिए मैं आपका आभारी हूँ। **(इस समय उपाध्यक्ष महोदया चेयर पर पदासीन हुई।)** उपाध्यक्ष महोदया, अभी मेरे से पहले संसदीय कार्य मंत्री ने इस बात को लेकर चर्चा की थी कि हरियाणा प्रदेश को किन–किन लोगों ने आगे बढ़ाने का काम किया है। एक बात माननीय संसदीय मंत्री भूल गए कि हरियणा प्रदेश को बनाने में किन–किन लोगों का

योगदान रहा उसकी भी चर्चा आज सदन में जरूर होनी चाहिए थी। माननीय संसदीय मंत्री को यह बात सदन को जरूर बतानी चाहिए थी कि इस प्रदेश को बनाने के लिए हमारे प्रदेश के कौन–कौन से ऐसे लोग थे जिन्होंने इसके लिए लंबा संघर्ष किया और लंबी–लंबी लड़ाइयां लड़ी और हरियाणा प्रदेश को बनाने में अपना बड़ा योगदान दिया। स्वर्ण जयंती सम्मेलन के लिए एक सर्वदलीय बैठक माननीय मुख्यमंत्री महोदय ने हरियाणा निवास में बुलाई थी। उस मीटिंग में मैं भी गया था और इनेलो पार्टी की तरफ से श्री अशोक अरोड़ा भी शामिल हुए थे। श्रीमती किरण चौधरी, चौधरी भूपेन्द्र सिह हुड्डा व कांग्रेस पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष भी उस मीटिंग में शामिल हुए। माननीय मुख्यमंत्री जी के साथ मंत्रिमंडल के कुछ मंत्री व कुछ ऑफिसर भी थे । मीटिंग में इस बात को लेकर चर्चा शुरू हुई थी कि हम स्वर्ण जयंती समारोह मनाने जा रहे हैं। उपाध्यक्ष महोदया, यह हमारे लिए सौभाग्य था कि हम हमारे प्रदेश की 50वीं वर्षगांठ मना रहे हैं । मीटिंग में सुझाव मांगे गए थे और मुझसे पूछा गया था कि आप अपनी तरफ से सुझाव दें कि स्वर्ण जयंती को किस ढंग से मनाया जाये और लोगों के बीच में सारी बातें कैसे रखी जायें। सब साथियों ने अपनी–अपनी तरफ से सुझाव दिए और जब मुझसे इस बारे में कहा गया कि आप भी अपनी तरफ से सुझाव दें। उपाध्यक्ष महोदया, मैंने मुख्यमंत्री जी से कहा था कि जिस तरह से देश की आजादी के दौरान जिन लोगों ने कुर्बानियां

दी थी और जिन लोगों ने देश की आजादी के लिए लड़ाइयां लड़ी थी उनकी एयरपोर्ट से राष्ट्रपति भवन को आते समय 11 मूर्ति के नाम से जब कोई एयरपोर्ट से राष्ट्रपति भवन को आते हैं वहां पर एक स्टैच्यू बनाया गया है जिसमें 11 लोगों की अलग–अलग पहचान दिखाई गई है कि ये वे लोग हैं जिन्होंने इस देश की आजादी के लिए लड़ाइयां लड़ी थी। उपाध्यक्ष महोदया, वह जगह इसलिए चुनी गई थी क्योंकि हमारे देश के अंदर किसी भी देश से हमारा चीफ गैस्ट बनकर आता है, चाहे उसमें किसी देश का राष्ट्रपति हो, प्रधानमंत्री हो या फिर कोई प्रिंसिज हो उनको सबसे पहले वह स्टैच्यू देखने को मिले । उपाध्यक्ष महोदया, वहां बकायदा उनको बताया भी जाता है कि ये वे लोग हैं जिन्होंने इस देश को आजाद करवाने में बड़ी भूमिका निभाई थी। मैंने उसी तरीके से माननीय मुख्यमंत्री जी से कहा था कि आप भी हरियाणा में किसी भी जगह को चुनकर चाहे दिल्ली से चण्डीगढ़ की तरफ आते हो उस मार्ग पर, चाहे आप दिल्ली से गुरूग्राम जाते हो उस जगह पर या चाहे आप पंजाब से दिल्ली की तरफ जाते हो उस जगह पर कोई भी एक जगह पर जिन लोगों ने हरियाणा प्रदेश को बनाने में बड़ी भूमिका निभाई थी उन सब लोगों के स्टैच्यू बनाएं। हरियाणा प्रदेश के लोगों को एक संदेश दें कि ये लोग नहीं होते तो शायद हरियाणा प्रदेश आज अपने आप में एक अलग प्रदेश नहीं होता। उपाध्यक्ष महोदया, हमने इसके साथ–साथ एक सुझाव और दिया था कि

हमारे हरियाणा प्रदेश के जितने भी आज तक वैज्ञानिक रहे हैं जिनकी वजह से कहीं न कहीं हरियाणा का नाम आगे बढ़ा हो, चाहे हमारे प्रदेश के साहित्यकार रहे हैं, चाहे हमारे प्रदेश के अच्छे डॉक्टर रहे हों, चाहे अच्छे राजनीतिज्ञ रहे हों, चाहे वीर सैनिक रहे हों जिनकी वजह से आज हम खुली हवा में साँस ले रहे हैं । हमने तो यहां तक भी कहा था कि हमारे प्रदेश के जिन खिलाड़ियों ने खेलों में मैडल जीते और प्रदेश का मान बढ़ाया तथा जो आज हमारे बीच में नहीं हैं तो उनके लिए भी आपको कहीं–न–कहीं गैलरी जरूर बनानी चाहिए । उसके साथ–साथ हमने यह भी सुझाव दिया था कि जितने भी प्रदेश के एंट्री प्वायंट्स हैं उन पर बड़े द्वार बनाये जाने चाहिए । इन गेट्स पर उन योद्धाओं का नाम लिखा जाना चाहिए जिनका हरियाणा में योगदान रहा है लेकिन जब मैंने सरकार की तरफ से कल दिये गये इस साल के कार्यक्रम को पढ़ा कि किस तरह से हम इसको डेटवाइज मनाएंगे । (विघ्न) मैं पूरे वर्ष के कार्यक्रम को पढ़कर आया हूं और इसे मैंने कल भी पढ़ लिया था । हमने जो सुझाव दिये थे उनके बारे में कहीं भी यह नहीं दर्शाया गया कि हम ये सारी चीजें बनाने जा रहे हैं । आपने हमें साल के कार्यक्रमों की जो लिस्ट कल दी है ये सारी चीजें एक नवम्बर को प्रधानमंत्री जी जब गुरूग्राम में आये थे अगर उस वक्त वहां पर खुलकर कहा जाता कि हम एक वर्ष में ये काम करेंगे तो फिर किसी के मन में भ्रम नहीं रह जाता । एक नवम्बर को जिस जयंती

को केवल यह कहकर मनाने की बात की गई थी कि हम इसे कोई सरकारी कार्यक्रम नहीं मनाएंगे और इसमें कोई राजनीति नहीं करेंगे । हो सकता है कि मेरी बात आपको बुरी लगे । मैंने गुड़गांव में जब प्रवेश किया तो सोचा कि हरियाणा की स्वर्ण जयंती मनाई जा रही है इसलिए हरियाणा को बनाने वाले लोगों की तस्वीरें भी लगी होंगी । बड़ी हैरानी की बात है कि वहां पर ऐसा नहीं था और सभी जगहों पर केवल दो चित्र थे । इनमें एक चित्र माननीय मुख्य मंत्री का और दूसरा चित्र माननीय प्रधान मंत्री का था । मैंने इतना बड़ा चित्र अपनी जिंदगी में पहली बार देखा । एक 25 मंजिला इमारत के ऊपर सिर्फ हमारे मुख्य मंत्री का एक बड़ा फोटो लगा हुआ था । इसे देखकर ऐसा लग रहा था कि जैसे पूरा हरियाणा बनाने में केवल प्रदेश के मुख्य मंत्री का ही हाथ था । जो लोग सरकार में बैठे हैं हम उनके बार–बार यह कहने से हम कहीं–न–कहीं यह मानकर चल रहे थे कि वे इस प्रोग्राम में कहीं भी राजनीति नहीं करेंगे और इसमें सब लोगों का पूर्ण रूप से योगदान लेने का काम करेंगे । उनके लिए एक कोने में छोटी–छोटी झांकियाँ बना दी गई जहां आम जनता जा नहीं सकती थी । वहां पर केवल छोटी–मोटी तस्वीरें लगाकर उनके योगदान को ढंकने का काम किया गया है । इस कार्यक्रम का आयोजन ताऊ देवीलाल स्टेडियम में किया गया था और वहां "हरियाणा एक हरियाणवी एक" की बात कही गई थी । वहां कहा गया था कि यह

प्रोग्राम गैर–राजनीतिक होगा । मैं मुख्य मंत्री जी के ध्यान में एक बात और लाना चाहता हूं कि चौधरी देवीलाल ने हरियाणा को बनाने में सबसे बड़ी भूमिका निभाई थी । मैं यह बात इस समय इसलिए नहीं कह रहा हूं कि वे मेरे ग्रैंड फादर थे बल्कि इसलिए कह रहा हूं कि हमारे हरियाणा के इतिहास से जुड़ी हुई जितनी भी किताबें या अखबार छपे उन सभी में ताऊ देवीलाल का जिक्र किया गया । उन सबने इस बात का जिक्र जरूर किया कि चौधरी देवीलाल ने हरियाणा को अलग राज्य बनाने में बड़ी भूमिका निभाई । उस वक्त चौधरी देवीलाल पर आरोप लगाया गया कि आप यह लड़ाई इसलिए लड़ रहे हो क्योंकि आप हरियाणा को अलग राज्य बनाकर स्वयं मुख्य मंत्री बनना चाहते हो । उस समय वे अकेले ऐसे व्यक्ति

13.00 बजें

थे जिन्होंने यह बात कही थी कि हरियाणा अलग हो जाए और अलग प्रांत बन जाए । उन्होंने कहा था कि जो लोग मेरे बारे में प्रचार और प्रसार करते हैं, मैं उन लोगों से वायदा करता हूं कि हरियाणा की जब अलग असैम्बली बन जाएगी तो मैं पहला चुनाव नहीं लड़ूंगा । जब हरियाणा प्रदेश अलग प्रदेश बन गया, हरियाणा प्रदेश की अलग असैम्बली बन गई और जब पहला चुनाव आया तो उन्होंने अपने कहे के मुताबिक विधान सभा का पहला चुनाव नहीं लड़ा । आज जो लोग स्वर्ण जयंती का जश्न मना रहे हैं उन्होंने ऐसे व्यक्ति की वहां लगी प्रतिमा पर फूल माला तक नहीं पहनाई और उनके चरणों में फूल तक नहीं रखे । इस प्रकार मैं

समझता हूं कि इस स्वर्ण जयंती समारोह मनाने का कोई मतलब नहीं रह जाता । उपाध्यक्ष महोदया, इन लोगों ने ऐसे व्यक्ति को भूलाने का काम किया । इन लोगों ने उनके स्टैच्यू को सड़क से इसलिए हटा दिया कि वह उस रूट के सैंटर में आता था । चौधरी देवीलाल जी के स्टैच्यू को केवल इसलिए हटा दिया गया कि अगर कहीं वह स्टैच्यू लोगों के सामने आता तो लोग इस बात का जरूर जिक्र करते कि चौधरी देवीलाल ने ऐसे कौन से काम किए थे कि आज उनका स्टैच्यू यहां लगा हुआ है इसलिए उनके स्टैच्यू की अनदेखी की गई है । इसके साथ साथ मैं कहना चाहूंगा कि एक नवम्बर का जो कार्यक्रम था उस कार्यक्रम के दौरान जैसा मैंने बताया कि गुड़गांव में कहीं कोई होल्डिंग नहीं लगाया गया । कल के प्रोग्राम में भी कहा गया कि हम स्वर्ण जयंती समारोह मना रहे हैं । कल भी सरकार द्वारा बताया गया कि फलां मुख्यमंत्री के वक्त में फलां काम हुए और फलां मुख्यमंत्री ने हरियाणा प्रदेश को विकास में आगे ले जाने के लिए अपनी तरफ से प्रयास किए थे । उपाध्यक्ष महोदया, कहीं कोई ऐसे चित्र नहीं लगाये गये थे जिसमें बताया गया हो कि कौन सा मुख्यमंत्री किस समय से किस समय तक रहा । सरकार ने यह भी कहीं नहीं दर्शाया कि किस मुख्यमंत्री ने हरियाणा प्रदेश को कितना आगे ले जाने का काम किया है । हरियाणा किन लोगों की वजह से बना है, हरियाणा प्रदेश क्यों बनाया गया है और हरियाणा प्रदेश को बनाने में किन किन

लोगों ने योगदान दिया है, यदि हम इस मौके पर उनकी चर्चा नहीं करेगें और लोगों को इस बारे में नहीं बताएंगे तो स्वर्ण जयंती मनाने का मेरे हिसाब से कोई फायदा नहीं है । स्वर्ण जयंती समारोह के लिए जनता के गाढ़े खून पसीने की कमाई के 1700 करोड़ रूपये रखे गए हैं । बड़े बड़े बैनर्ज और पोस्टरों पर ये पैसा खर्च किया जा रहा है ।

मुख्यमंत्री (श्री मनोहर लाल) उपाध्यक्ष महोदया, इस विषय में मैं कई बार पहले भी बता चुका हूं और आज हाउस में अधिकारिक तौर पर बता रहा हूं । इस विषय में बकायदा प्रैस नोट भी दिया गया था । समाचार पत्रों के माध्यम से भी स्पष्ट किया गया कि जो बार बार कहा जा रहा है कि 1700 करोड़ रूपये स्वर्ण जयंती समारोह पर खर्च किया जाएगा, यह सरासर गलत है । मैं प्रैस नोट पढ़कर बता देता हूं Haryana Government has earmarked about 1700 crores of rupees for various schemes to be launched. यानि प्रदेश के हित के लिए बनाई गई स्कीमों के लिए यह पैसा रखा गया है । प्रदेश के हित की स्कीमों के लिए बाद में और भी लिस्ट बनाई गई है तथा इस बारे में नेताओं के और डिपार्टमैंट्स के भी सुझाव आ रहे हैं इसलिए यदि इन स्कीमों को लांच करने में और ज्यादा पैसा खर्च करना पड़ा तो उसमें भी हमें कोई एतराज नहीं है । इस प्रकार जो बार बार प्रचार किया जा रहा है कि 1700 करोड़ रूपये केवल स्वर्ण

जयंती कार्यक्रमों पर खर्च होगा यह गलत है । मैं कहना चाहूंगा कि हिसाब किताब लगाने वालों को भी सोचना चाहिए कि 1700 करोड़ रूपये हम चाहें तो कहां खर्च कर सकते हैं । इस प्रकार बार बार गलत फैक्ट्स देना उचित नहीं है ।

श्री अभय सिंह चौटाला: उपाध्यक्ष महोदया, स्वर्ण जयंती के लिए 1700 करोड़ रूपये का बजट रखा गया है । यह मान लिया कि स्कीमों के लिए यह पैसा रखा गया है। अपने राजनीतिक जीवन में केवल मैंने ही नहीं बल्कि यहां बैठे जितने भी लोग हैं उन सब लोगों ने पहली बार देखा होगा कि एक एक अखबार में 4–4 बड़े पेज केवल और केवल स्वर्ण जयंती के नाम पर एक फोटो लगाकर दे दिए गए । मैं वही बात फिर कहना चाहता हूं कि अगर आप सही मायने में लोगों को हरियाणा प्रदेश कैसे बना और किसने बनाया इस बारे में चित्र लगाकर उनके बारे में लिखकर बताते और पोस्टर लगवाते तो हरियाणा का एक एक बच्चा इस बात से वाकिफ हो जाता कि हरियाणा बनाने में किन लोगों की भूमिका रही है । (विघ्न) केवल यही नहीं प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी की सरकार बने 2 साल 4 दिन हो गये हैं । सत्ता में आने से पहले सरकार ने बहुत सारे वायदे जनता के साथ किए थे । उपाध्यक्ष महोदया, भारतीय जनता पार्टी ने वायदा किया था कि सत्ता में आने के बाद स्वामीनाथन आयोग की रिपोर्ट को लागू किया जायेगा, लेकिन कुछ नहीं हुआ । उसके साथ–साथ यह भी कहा गया था कि एस.वाई.एल. जो प्रदेश की

जीवन रेखा है उसका निर्माण किया जायेगा जिसको लेकर आज भी एक प्रस्ताव पास किया गया है । उसके साथ–साथ यह भी कहा गया था कि हांसी–भुटाना नहर में पानी लाकर दक्षिणी हरियाणा की जमीन को सिंचित करने का काम करेंगे लेकिन कुछ नहीं हुआ । इसी तरह से जो सफाई कर्मचारी हैं उनके बारे में कहा गया था कि उनको 15 हजार रुपये वेतनमान देकर पक्का किया जायेगा । दो दफा स्वर्ण जयंती प्रोग्राम का आयोजन किया गया और उसमें कहीं न कहीं लोगों से कहा गया कि आप प्रोग्राम में आना उसमें आपके लिए बड़ी–बड़ी घोषणाएं की जायेंगी लेकिन लोग आज मायूस हैं । कुण्डली–मानसेर–पलवल एक्सप्रैस वे की आधारशिला 2004 में रखी गई थी । उसका चौधरी देवी लाल एक्सप्रैस वे से नाम बदलकर नये सिरे से आधारशिला रखी गई और कहा गया था कि डेढ़–दो साल में इसको पूरा कर दिया जायेगा लेकिन आज तक वह पूरा नहीं हुआ है । जहां तक मुझे जानकारी है जिस कंपनी को इसका काम दिया गया है उस पर 65 करोड़ रुपये का जुर्माना लगना था लेकिन उस जुर्माने को कम करके 5 करोड़ रुपये कर दिया गया । इस प्रकार से जनता के पैसे को लुटाने का काम किया जा रहा है । केवल स्वामीनाथन आयोग की रिपोर्ट लागू करने की बात ही नहीं बल्कि बुढ़ापा पैंशन जहां तक 2000 रुपये करने की बात कही गई थी उसमें हमारे कहने पर पहले वर्ष में 200 रुपये बढ़ाये गये थे । यह ठीक है सरकार का पहला वर्ष था और

कांग्रेस के लोगों ने प्रदेश को कर्जे में डुबो दिया था और मैं मानता था कि सरकार एक साथ 2000 हजार रुपये पैंशन देने में सक्षम नहीं होगी । कांग्रेस के लोगों ने अपने शासनकाल में हर वर्ष 6 हजार करोड़ रुपये से 8 हजार करोड़ रुपये लोन लिया । जब यह सरकार बनी उस वक्त मैंने कहा था कि यदि एक साथ हजार रुपये पैंशन नहीं बढ़ा सकते तो 200 रुपये हर साल बढ़ाकर पैंशन दे दी जाये । इस तरह से पांच साल में आपका वायदा भी पूरा हो जायेगा । लेकिन हैरानी की बात यह है कि कांग्रेस के साथी प्रदेश को जहां कर्ज में डूबो गये थे वहीं भारतीय जनता पार्टी की सरकार उससे भी चार कदम आगे निकल गई । हमारी सरकार के समय में प्रदेश पर टोटल 23400 करोड़ रुपये कर्ज था और वह कर्जा केवल हमारे समय का नहीं था बल्कि 38 वर्षों में हरियाणा में जो सरकारें रही उन सबका था । कांग्रेस की सरकार के समय में दस सालों में वह कर्ज बढ़कर करीबन 71 हजार करोड़ रुपये हो गया था और भारतीय जनता पार्टी के दो साल के शासन में वह कर्ज बढ़कर करीबन 1.41 लाख करोड़ रुपये मार्च तक हो जायेगा । एक तरफ सरकार इतना ज्यादा कर्ज ले रही है और दूसरी तरफ कह रही है कि कहीं न कहीं से पैसा लेकर प्रदेश का विकास करेंगे । यदि ऐसा ही है तो बुढ़ापा पैंशन 1600 रुपये करने की बजाय 2000 रुपये करनी चाहिए थी और इसको देने में किसी तरह की दिक्कत नहीं आनी चाहिए थी । उपाध्यक्ष महोदय, केवल इतना ही नहीं जहां

तक किसान की बात है मैं उन बातों को आज फिर नहीं दोहराना चाहता कि किस प्रकार से किसान को धान बेचने के समय लूट लिया, किस प्रकार से उसको बाजरे की फसल बेचने के समय लूट लिया और कैसे उसको गन्ने की फसल में लूट लिया गया। मैंने यह बात उठाई है इसलिए यहां इस प्रकार का जवाब देने की कोशिश की जायेगी कि हमारे समय में इन सबका क्या–क्या रेट रहा है। इसी प्रकार से पपलर का रेट पहले 1200/– रूपये और 1300/– रूपये प्रति क्विंटल हुआ करता था आज वर्तमान सरकार की गलत आर्थिक नीतियों के कारण वह 400/– रूपये प्रति क्विंटल पर आकर खड़ा हो गया है। मैं जब इस बारे में चर्चा कर रहा था तो उस समय मुझे किसी साथी ने यह कहा था कि आपकी सरकार के समय में भी रेट कम थे। इस पर मैंने उनसे यह कहा था कि उस समय की पैसे की कीमत और आज के समय में पैसे की कीमत में भी आप तुलना कर लें तो आपको फर्क पता चल जायेगा। आज हर चीज़ की महंगाई कई गुणा बढ़ चुकी है। अगर महंगाई कई गुणा बढ़ सकती है तो फिर किसान की फसल के दाम भी कई गुणा बढ़ने ही चाहिएं ताकि उसको उसकी पूरी कीमत मिल सके लेकिन सरकार ने तो उल्टे उसकी फसल की कीमत घटा दी है। जब हम इस सम्बन्ध में माननीय मुख्यमंत्री को मिलने गये कि धान की खरीद के मामले में आपके कर्मचारी और मिलर मिलकर किसान को लूट रहे हैं। सरकार ने जो धान का रेट 1510/–

रूपये प्रति क्विंटल रखा था इसके विपरीत किसान को धान का रेट 1250/– रूपये प्रति क्विंटल से लेकर 1300/– रूपये प्रति क्विंटल ही मिल रहा है। पहले नमी के नाम पर उससे पैसा लिया गया है और अब 11/– रूपये प्रति क्विंटल के हिसाब से उससे धान को सुखाने के लिये जा रहे हैं। नमी के लिए यह कहा गया था कि 15/– रूपये प्रति प्वायंट के हिसाब से किसान से लिया जायेगा । यह भी कहा गया था 5.17 से 22 परसैंट तक की बात कही गई थी इस प्रकार से निर्धारित किये गये 75/– रूपये के अलावा उससे 11/– रूपये प्रति क्विंटल के हिसाब से धान को सुखाने के लिए लिये जा रहे हैं। उपाध्यक्ष महोदया जी, आप जिस इलाके से चुनकर आती हैं उस इलाके में पूरे प्रदेश में सबसे ज्यादा बाजरा होता है। महेन्द्रगढ़, रेवाड़ी और भिवानी हमारे हरियाणा प्रदेश के तीन ऐसे डिस्ट्रिक्ट हैं जो बाजरे की खेती पर बहुत ज्यादा निर्भर करते हैं। हमारी सरकार आने से पहले बाजरे की सरकारी खरीद की कोई व्यवस्था नहीं थी लेकिन हमारी सरकार ने चौधरी ओम प्रकाश चौटाला जी के नेतृत्व में बाजरे की सरकारी खरीद की व्यवस्था की थी और उस समय के सरकारी रेट पर बाजरे का एक–एक दाना खरीदा था। उन्होंने सरकारी रेट पर बाजरे की खरीद करवाई इससे सरकार का नुकसान हुआ लेकिन इसके बावजूद भी किसान को उसकी फसल का पूरा दाम दिया। इसके विपरीत इस बार जब बाजरे की खरीद की गई तो बाजरे का भाव तो 1330/–

रूपये प्रति क्विंटल था लेकिन किसान का बाजरा 1220/– रूपये प्रति क्विंटल के हिसाब से खरीदा गया । इसके साथ ही साथ उसको यह भी कह दिया गया कि प्रति एकड़ के हिसाब से किसान का 4 क्विंटल के हिसाब से ही खरीदा जायेगा। आजकल जो हाईब्रिड बाजरा है वह एक–एक एकड़ में 40 मन अर्थात् 16 क्विंटल बाजरा पैदा होता है। इस प्रकार की परिस्थितियों में अगर एक किसान से प्रति एकड़ के हिसाब से सिर्फ 4 क्विंटल बाजरा खरीदा जायेगा तो उसका बाकी का 12–14 क्विंटल बाजरा कौन खरीदेगा? जो किसान का बाजरा सरकारी खरीद के बाद बच गया उस बाजरे को बेचने के लिए किसान को फिर से बाजार में जाना पड़ा। जहां उसको 1330/– रूपये प्रति क्विंटल के हिसाब से बाजरे का मूल्य मिलना था इसके विपरीत उसको केवल 1000/– रूपये प्रति क्विंटल के हिसाब से अपने बाजरे की फसल को बाजार में फैंककर आना पड़ा। केवल बाजरे और धान का ही ऐसा हाल है ऐसी बात नहीं है बल्कि आज तो गन्ने की हालत भी ऐसी ही है कि अब तक प्रदेश की किसी भी गन्ना मिल में गन्ने की पिराई का काम शुरू नहीं हो पाया है। सरकार के स्तर पर अभी तक किसी भी गन्ना मिल प्रशासन को ऐसी इंस्ट्रक्शंज नहीं दी गई हैं कि वे गन्ने की पिराई शुरू करें। इसी प्रकार से जो सरकार के केन बोर्ड की मीटिंग हर साल होती है वह भी अभी तक नहीं हुई है। इतना ही नहीं पिछले दो वर्ष से इस केन बोर्ड की मीटिंग नहीं हुई है। केन

बोर्ड की मीटिंग इसलिए की जाती है कि अगर कहीं न कहीं गन्ने की कीमत कम है और किसान को उसकी लागत का पूरा मूल्य नहीं मिल रहा है तो फिर सरकार की तरफ से गन्ने का रेट बढ़ाया जाता है। इस प्रकार से गन्ने का रेट बढ़ाकर किसान को लाभ दिया जाता है ताकि वह गन्ने का उत्पादन कम न कर दे ताकि जिन मिलों के ऊपर सरकार ने हजारों करोड़ रूपये खर्च किये हुये हैं वे मिल बंद न हो जायें और वह पैसा बर्बाद न हो जाये। इस प्रकार से किसानों को गन्ने की फसल के प्रति प्रोत्साहन देने के लिए समय–समय पर गन्ने का रेट बढ़ाया जाता है लेकिन उस केन बोर्ड की मीटिंग ही नहीं हुई और जिसका परिणाम यह हुआ कि गन्ने के रेट में एक नये पैसे की भी बढ़ोतरी नहीं हुई। इस सबके कारण आज गन्ना उत्पादक किसान भी बड़ी बुरी तरह से मायूश और निराश है। इसके साथ ही साथ जो वायदे सरकार द्वारा किये गये थे उनको भी पूरा नहीं किया गया। जिस प्रकार से प्रधानमंत्री जी को बुलाया गया था । हम यह मानकर चलते थे कि हमारे देश के प्रधानमंत्री जी आ रहे हैं तो हरियाणा सरकार उनसे बहुत सी महत्वपूर्ण घोषणायें करवायेगी। आज हरियाणा प्रदेश के सामने बहुत सी कठिनाईयां हैं एस.वाई.एल. नहर के मामले को मैं फिर से नहीं छेड़ना चाहूंगा लेकिन जहां तक चण्डीगढ़ का सवाल था शाह कमीशन ने अपनी रिपोर्ट में यह कहा था कि चण्डीगढ़ हरियाणा प्रदेश को दे दिया जाये। इसके साथ ही साथ 107 हिन्दी भाषी

क्षेत्रों को भी हरियाणा को देने की बात भी कही गई थी। जहां पंजाब हमें इस बात को लेकर थ्रैट करता है कि हम हरियाणा को एक बूंद भी पानी नहीं देंगे । मैं तो यह कहना चाहता हूं कि हरियाणा सरकार को माननीय प्रधानमंत्री से यह कहलवाना चाहिए था कि हम शाह कमीशन की रिपोर्ट के मुताबिक चण्डीगढ़ और 107 हिन्दी भाषी क्षेत्र हरियाणा को दिलवाने का काम करेंगे लेकिन इन सभी बातों पर कहीं चर्चा नहीं हुई । वहां पर केवल और केवल 2 वर्ष के शासनकाल के गुणगान करवाये गये । मैं यह बात मुख्यमंत्री जी को बताना चाहूंगा कि हरियाणा बनाने में कितना समय लगा और इसको बनाने में किन–किन लोगों ने और कहां–कहां पर इस लड़ाई की शुरूआत की है । यह सफर बहुत लम्बा और संघर्षपूर्ण रहा था । हालांकि भाषा के आधार पर पंजाबी सूबे से अलग हरियाणा की मांग बहुत पुरानी थी । सबसे पहले 1925 में पीरजादा मोहम्मद हुसैन ने अलग हरियाणा प्रांत की मांग रखी थी । उसके बाद सन् 1931 में गोलमेज कांफ्रेंस में मिस्टर जॉफरी कार्बेटेट ने कहा था कि पंजाब सूबे से अम्बाला को अलग डिवीजन बनाया जाये । उनका कहने का मतलब यह था कि पंजाबी सूबे से हटा कर एक अलग कमिश्नरी बना दी जाये जिसमें सारे हिन्दी भाषी क्षेत्र के लोग आ जायें। एक तरह से वह भी अलग हरियाणा की ही मांग थी । मैं सभी तथ्यों को विस्तार से नहीं बताऊंगा मैं केवल वही तथ्य बताऊंगा जो इस विषय के साथ बहुत गहराई से जुड़े हुये हैं ।

उसके बाद वर्ष 1948 में मास्टर तारा सिंह जी ने पंजाबी सूबे की मांग की थी । उस वक्त उन्होंने कहा था कि अलग पंजाबी सूबा बनना चाहिए । जब वे आगे बढ़ कर सिखों के सामने मांग रख रहे थे और जगह–जगह जलसे और जुलूस निकाल रहे थे तो तत्कालीन मुख्यमंत्री श्री भीमसेन सच्चर ने एक फार्मला दे दिया कि भाषा के आधार पर इस प्रदेश का बंटवारा होना चाहिए । उन्होंने जो फार्मूला दिया तो जो अकाली दल के सीनियर नेता थे जिनमें मास्टर तारा सिंह, संत फतेह सिंह, दर्शन सिंह तथा शेरूमान थे जिन्होंने अलग पंजाबी सूबे के लिए जोरदार आंदोलन खड़ा कर दिया था । 1954 में भाषा और संस्कृति के आधार पर अलग हरियाणा और पंजाब की मांग जोर पकड़ने लगी थी । 1952 में पहले आम चुनाव हुये जिनमें हरियाणा से यानि जो हिन्दी भाषी क्षेत्र था, उससे चौधरी देवी लाल समेत कांग्रेस के 38 विधायक चुनाव जीत कर आये थे क्योंकि उस समय कांग्रेस ही पार्टी थी । उस समय चौधरी देवी लाल और चौधरी चरण सिंह जी ने हरियाणा, संयुक्त पंजाब और उत्तर प्रदेश समेत 125 विधायकों के हस्ताक्षर युक्त ज्ञापन अलग हरियाणा बनाने के पक्ष में तत्कालीन गृहमंत्री श्री जी.बी.पंत को सौंपा था । उस समय आगरा के आसपास से जो विधायक थे वे और हरियाणा के साथ लगते राजस्थान के विधायकों के हस्ताक्षर करवाये गये थे कि अलग हरियाणा का गठन किया जाये । उस समय चौधरी देवी लाल जी और चौधरी चरण सिंह दोनों ने मिल कर यह मांग

उठाई थी । उसके बाद 1954 में चौधरी देवी लाल और प्रो. शेर सिंह ने विधान सभा में अलग हरियाणा प्रदेश बनाने की मांग उठाई थी । उस समय उन्होंने विधान सभा में आवाज उठाई थी कि हरियाणवी यानि हिन्द भाषी रीजन के साथ सौतेला बर्ताव हो रहा है । उनको दूसरे दर्जे का नागरिक माना जा रहा था तथा प्रशासन में भी उनको भागीदारी नहीं मिल रही थी । राजनैतिक ढांचे में भी उनको उचित प्रतिनिधित्व नहीं मिल रहा था जबकि सरकार को राजस्व हमारे इलाके से भी जा रहा था । उस समय कुल राजस्व का 80 प्रतिशत वर्तमान पंजाब में खर्च किया जाता था जबकि उस समय हमारे इलाके में भी बिजली, पानी, नहरें और शिक्षा की जरूरत थी। जो मुख्य जरूरत की चीजें थी उन पर कोई पैसा खर्च नहीं होता था इसलिए यह मांग बहुत जोर पकड़ने लगी कि अगर अलग हरियाणा बन जायेगा तो विकास के रास्ते पर हम बहुत आगे निकल जायेंगे और प्रदेश का विकास हो सकेगा। इसी तरह से 23 अगस्त, 1965 को पंजाब सीमा आयोग का गठन करना पड़ा । 23 सितम्बर, 1965 को दोनों सदनों ने पंजाब राज्य के पुर्नगठन के लिए संसदीय समिति के गठन की घोषणा कर दी । इस समिति के अध्यक्ष उस समय के स्पीकर सरदार हुक्म सिंह को बनाया गया था और उनके साथ उस कमेटी में दो लोगों को और मैंबर रखा गया और अक्तूबर, 1965 में एक्शन कमेटी का गठन किया गया था। जिस कमेटी का मैंने कल भी जिक्र किया था लेकिन कुछ साथी

शायद कल मौजूद नहीं थे । मैं उनकी जानकारी के लिये बताना चाहूंगा कि रोहतक के अन्दर एक मीटिंग हुई जिसके अन्दर 125 एम.एल.एज. वे मौजूद थे, जिन्होंने हस्ताक्षर करके दिये थे और उन्होंने एक बैठक करके एक कमेटी बनाने का काम किया । उस कमेटी के अन्दर 21 सदस्य रखे गये और उन 21 सदस्यों में सबसे बड़ी जिम्मेवारी चौधरी देवी लाल जी को दी गई थी कि आप इस कमेटी को हैड करोगे और बाकी के लोग इस कमेटी के सदस्य रहेंगे । उस कमेटी में जो सदस्य थे उनके नाम मैं आज फिर बताना चाहूंगा क्योंकि कल कुछ लोग नहीं थे । इसलिये आज फिर मैं उनके नाम बताना चाहूंगा (विघ्न) । उस कमेटी का महा सचिव श्री मूल चन्द जैन जी को बनाया गया था और जो बाकी सदस्य के रूप में थे वे प्रोफेसर शेर सिंह जी, चौधरी उदय सिंह मान जी, पंडित श्री राम शर्मा, श्री रिजक राम, श्री देश बंधू गुप्ता, श्री राव वीरेन्द्र सिंह, चौधरी सुलतान सिंह, श्री बलवन्त राय तायल, श्री वी.डी. गुप्ता, चौधरी सूरज मल, श्रीमती ओम प्रभा जैन, श्री लहरी सिंह, श्री धर्मबीर राठी, श्री प्रताप सिंह, श्री खुर्शीद अहमद, श्री हर भगवान सिंह, राव निहाल सिंह, श्री राम स्वरूप, श्री राम प्यारे जी, और उनके साथ श्री जगत स्वरूप एडवोकेट, श्रीमती चन्द्रावती, श्री राज किशन और श्री चान्द राम जी थे। ये सारे लोग इस कमेटी के मैंबर थे । मैंने यह आपको इसलिये बताना जरूरी समझा कि आपको इसके बारे में पता होना चाहिए कि उस कमेटी में कौन–कौन

लोग थे । इन सभी लोगों ने बैठकर इस लड़ाई को आगे बढ़ाने का काम किया था । उन लोगों ने संघर्ष किया और हरियाणा को अलग राज्य बनाने के लिये उन्होंने लड़ाई को आगे बढ़ाया । उनके इस योगदान के कारण हरियाणा अलग राज्य बना । उपाध्यक्ष महोदया, मैं दो–चार बातें और कह कर अपनी बात को समाप्त करूंगा । जब इस हरियाणा प्रदेश को अलग राज्य बनाने के लिये लड़ाई लड़ी जा रही थी तो उस लड़ाई में कैसे विघ्न पड़े, कैसे उन लोगों को कमजोर किया जाए इस प्रवृति को लेकर हमारे ही हरियाणा प्रदेश के कुछ नेताओं ने अपनी तरफ से उस आन्दोलन को कमजोर करने के लिये षड़यंत्र रचे और प्रयास किये । मैं उनके नाम आज इसलिये यहां उजागर करना चाहूंगा क्योंकि आज स्वर्ण जयंती पर डिबेट हो रही है इसलिये आज उसके ऊपर लोगों के सामने सारी बातें तथ्यों के साथ आनी चाहिए ताकि लोगों को जानकारी हो कि किस तरह से प्रदेश को बनाने वाले लोगों ने संघर्ष किया और किस तरह से वह अस्तित्व में न आए उसको रोकने के लिये किन–किन लोगों ने काम किये थे । मेरे मुताबिक इस बारे में मैंने जो पिछले 10–12 दिन से लगातार बैठकर जानकारी हासिल की हैं और जिस ढ़ंग के दस्तावेज मैंने इक्ट्ठे किये हैं । वे सारे के सारे दस्तावेज आज मैं अपने साथ भी लेकर आया हूँ । उपाध्यक्ष महोदया, जब हरियाणा प्रदेश बन रहा था उस वक्त मैं पैदा नहीं हुआ था लेकिन उसके बाद जब हरियाणा की 50 वीं वर्ष गांठ मनाने की

बात आई तो विपक्ष के नाते मेरी यह जिम्मेवारी बनती है कि हरियाणा प्रदेश में जहां सरकार कहीं न कहीं सारी बातों को लोगों के सामने अच्छे ढ़ंग से पेश न करे और कोई बात रह न जाए, छूट न जाए, उसके लिये मेरी जिम्मेवारी बनती थी कि मैं सारी बातें आपके सामने सदन के माध्यम से, प्रैस के माध्यम से प्रदेश की जनता को इन बातों की जानकारी हो कि कौन–कौन लोग इस प्रदेश को अलग राज्य बनने का विरोध करने वाले हैं । उपाध्यक्ष महोदया, पंजाब में सबसे पहले अगर पंजाब प्रदेश बनने के खिलाफ अगर किसी राजनैतिक दल ने कोई प्रस्ताव पास किया था तो वह कोई और नहीं थे, वह जनसंघ पार्टी थी । जनसंघ पार्टी ने ही विरोध करने का काम किया था । (विघ्न)

श्री मनीष ग्रोवर : उपाध्यक्ष महोदया, विपक्ष के नेता सदन को गुमराह कर रहे हैं । जब हम छोटे थे उस समय हमने हरियाणा को बनाने को लेकर डॉ0 मंगल सैन जी के साथ संघर्ष किया था। (विघ्न) उपाध्यक्ष महोदय, उस समय रोडस के ऊपर उन्होंने हरियाणा को बनाने की बात करी थी और हम भी उसमें शामिल थे । ये सदन को बिल्कुल गुमराह कर रहे हैं । (विघ्न)

वित मंत्री (कैप्टन अभिमन्यु) : उपाध्यक्ष महोदया, विपक्ष के नेता ने पार्टी का रिफरैंस दिया है उन्होंने स्वयं कल भी और आज भी जिन लोगों की कमेटी का वर्णन किया है उस कमेटी में उन्होंने जिन लोगों के नाम बताए उनमें तत्कालीन जनसंघ के

नेता थे । जिनके विपक्ष के नेता आप ही ने नाम लिये थे । पार्टी अलग फैसला करे और नेता अलग । यह तो इतिहास की बात है । ये सारे नाम विपक्ष के नेता ने ही आज यहां और कल बताये थे ।

शिक्षा मंत्री(श्री राम बिलास शर्मा) : उपाध्यक्ष महोदया, चौधरी देवी लाल जी के साथ 21 सदस्यों की जो कमेटी बनी उसमें जनसंघ के उस समय के अध्यक्ष चौधरी लहरी सिंह जी was one of the member.

कैप्टन अभिमन्युः उपाध्यक्ष महोदया, अभय जी ने स्वयं मुख्तयार सिंह का नाम लिया और उसके साथ–साथ स्वामी रामेश्वरानंद जी का भी नाम लिया था। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अभय सिंह चौटालाः उपाध्यक्ष महोदया, वित्त मंत्री जी को धैर्य रखना चाहिए। मैं सभी बातें तथ्यों सहित सदन में बता रहा हूँ। मैं कोई अपनी तरफ से जोड़कर नहीं बता रहा हूँ। (शोर एवं व्यवधान) मैं तो जो वास्तविकता थी केवल वही चीज सदन के समक्ष प्रस्तुत कर रहा हूँ। (शोर एवं व्यवधान) सदन को कुछ और चीजें बताउंगा। (शोर एवं व्यवधान) मेरा आग्रह है कि वित्त मंत्री जी को थोड़ा संयम जरूर रखना चाहिए। (शोर एवं व्यवधान) अगर मैंने कोई गलत बात कही है तो तब आपके बोलने का समय आये तो उसको विरोध कर देना। (विघ्न)

श्री राम बिलास शर्माः उपाध्यक्ष महोदया, मैं आपके माध्यम से माननीय चौधरी अभय सिंह चौटाला जी को बताना चाहूँगा कि he is talking very seriously. इतिहास की बातें को झुठलाया नहीं जा सकता। हरियाणा के निर्माण की बाबत जिस कमेटी का जिक्र इन्होंने किया, उस कमेटी में जन संघ के नेता चौधरी लहरी सिंह, चौधरी मुखत्यार सिंह मलिक तथा आचार्य भगवान देव शामिल थे और यही नहीं चौधरी देवीलाल जी के भाई और आपके पूज्य दादा चौधरी साहब राम जी भी शामिल थे। He was from Jan Sangh. (शोर एवं व्यवधान)

श्री अभय सिंह चौटालाः उपाध्यक्ष महोदया, मैं माननीय शिक्षा मंत्री से आग्रह करता हूँ कि उन्हें एक बार मेरी पूरी बात तरह से सुननी चाहिए। (विघ्न)

मुख्यमंत्री (श्री मनोहर लाल): उपाध्यक्ष महोदया, गलत बात को सुना नहीं जाता बल्कि जो वास्तविकता होती है उसको सदन में बताया जाता है। चौधरी देवीलाल जी के भाई और अभय जी के दादा चौधरी साहब राम जी जनसंघ में थे और अलब हरियाणा निर्माण के लिए जो कमेटी बनी थी उसमें उनकी अहम भूमिका भी थी।

श्री अभय सिंह चौटालाः उपाध्यक्ष महोदया, मैं जो बात कह रहा हूँ, वह गलत बात नहीं है। मेरी बात को यदि पूरी तरह से सुन लिया जायेगा तो सभी चीजें क्लियर हो जायेंगी। (विघ्न)

श्री राम बिलास शर्माः उपाध्यक्ष महोदया, जिन महानुभावों का मैंने अभी जिक्र किया है यह सभी महानुभाव हरियाणा के निर्माण के लिए बनाई गई कमेटी में शामिल थे और जनसंघ से संबंध भी रखते थे। (शोर एवं व्यवधान) मैं एक बात अभय सिंह जी को यह भी बताना चाहूँगा कि जिस समय अलग हरियाणा का इशु जोर–शोर से चल रहा था, उस समय आचानक भाषा विवाद की वजह से रिवाड़ी में चार लोग शहीद हो गए थे और इसी प्रकार भरान गांव में भी कईं लोग शहीद हुए थे। उपाध्यक्ष महोदया, जब पंजाब के कंधूखेड़ा में भाषाई आधार पर पंजाबी सूबा बनाने के लिए जनगणना की बात उठी तो उस समय जनसंघ ने प्रस्ताव किया था कि चूंकि अबोहर–फाजिल्का हिन्दी भाषी क्षेत्र हैं अतः यह क्षेत्र हरियाणा के हिस्से होने चाहिए। भाई अभय सिंह जी जनसंघ के जिस प्रस्ताव की बात कर रहे हैं, उनको मालूम होना चाहिए कि Jan Sangh had always been a part and parcel of that Committee. डाक्टर मंगल सैन, चौधरी लहरी सिंह, चौधरी साहब राम, चौधरी मुखत्यार सिंह मलिक तथा श्री भगवान देव प्रभाकर भी यह सब हरियाणा प्रदेश को अलग राज्य बनाने की लड़ाई में शामिल थे। जब चौधरी देवी लाल जी ने 16.8.1985 को हरियाणा के हितों की रक्षा के लिए इस्तीफा दिया था तो उस समय चौधरी मंगल सेन जी ने भी उनको साथ देते हुए हरियाणा विधान सभा की

सदस्यता से इस्तीफा दिया था। He was also one of them. (शोर एवं व्यवधान)

श्री अभय सिंह चौटाला: उपाध्यक्ष महोदया, मैं जो बात कह रहा था उस बात का तो मंत्री जी जिक्र तक भी नहीं कर रहे हैं। जन संघ पार्टी ने 3 अक्टूबर, 1965 को अलग हरियाणा प्रदेश बनाने का विरोध किया था। मेरे पास 3 अक्टूबर, 1965 का इंग्लिश ट्रिब्यून है। जिस तारीख का यह अखबार है उस वक्त तक हम अखबार पढ़ने वाली उम्र में भी नहीं आये थे। यह वह समय था जब अखबार की एक छोटी सी खबर को पढ़कर तथा अखबार के एक छोटे से संदेश पर हजारों की संख्या में लोग इकट्ठे होकर आंदोलन में कूद पड़ते थे। 3 अक्टूबर, 1965 के इस इंग्लिश ट्रिब्यून के अखबार की खबर में साफ लिखा हुआ है कि जनसंघ ने इस बात का विरोध किया था कि संयुक्त पंजाब बना रहे और हिन्दी भाषीय क्षेत्र पंजाब सूबे से अलग न हो। उसके बाद मैनें यह भी चर्चा की थी कि कौन कौन लोग ऐसे थे जोकि हरियाणा प्रदेश बनाये जाने के विरूद्ध थे। मेरे पास 8 अक्टूबर, 1965 का इंग्लिश ट्रिब्यून अखबार भी है जिसमें लिखा हुआ है कि Jan Sangh to oppose Punjabi Suba. जनसंघ की तरफ से बकायदा तौर पर अलग हरियाणा बनाये जाने का विरोध किया गया था और अपोज किया गया था कि किसी भी सूरत में

पंजाब को अलग सूबा नहीं बनाया जाना चाहिए अर्थात हरियाणा प्रदेश को न बनाकर संयुक्त पंजाब ही बना रहना चाहिए। यह खबर मेरी नहीं है। इंग्लिश ट्रिब्यून की यह खबर है। इमसें सब कुछ साफ–साफ लिखा हुआ है। (शोर एंव व्यवधान)

कैप्टन अभिमन्युः उपाध्यक्ष महोदया, अभय जी ने जो बताया है उस परिपेक्ष्य में बताना चाहता हूँ कि जनसंघ ने हरियाणा बनने का विरोध नहीं किया था। पंजाब सूबा, पंजाबी भाषा के आधार पर बना था। जनसंघ ने तो जबरन पंजाबी भाषा को थोपने का विरोध किया था।(विघ्न)

श्री राम बिलास शर्माः उपाध्यक्ष महोदया, जनसंघ हरियाणा बनाये जाने के पक्ष में था और और उसने पंजाबी भाषा के आधार पर पंजाबी सूबे का विरोध किया था। (शोर एवं व्यवधान)

सहकारिता राज्य मंत्री (श्री मनीष ग्रोवर): उपाध्यक्ष महोदया, डॉक्टर मंगल सेन जी ने अलग हरियाणा बनाने के लिए झज्जर रोड़ के उपर विरोध प्रदर्शन किया था। इस विरोध प्रदर्शन में बसें व रेलें रोकी गई थी। हम उस प्रदर्शन में डॉक्टर मंगल सेन जी के साथ थे और जो लोग अपनी बातों की तसदीक के लिए इस सदन में

पुराने अखबारों का सहारा ले रहे हैं, यह तो उस वक्त पैदा भी नहीं हुए थे। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अभय सिंह चौटालाः उपाध्यक्ष महोदया, अब मैं अपनी बात सिद्ध करने के लिए एक और बात बताता हूँ। (शोर एवं व्यवधान)

श्री मनीष ग्रोवरः उपाध्यक्ष महोदया, अभय जी केवल यह दिखाना चाह रहे हैं कि हरियाणा को बनाने में ताऊ देवीलाल जी के सिवाय किसी अन्य का कोई योगदान नहीं है। डॉ मंगल सेन जी ने हरियाणा को बनाने में इतना महत्वपूर्ण योगदान दिया है लेकिन इन्होंने उसका कहीं नाम तक नहीं लिया है। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अभय सिंह चौटालाः उपाध्यक्ष महोदया, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री ग्रोवर जी से कहना चाहता हूँ कि उन्हें थोड़ा धैर्य रखने की जरूरत है। मैं डॉ. मंगल सेन जी का भी जिक्र जरूर करूंगा। इन्हें इस बारे में चिंता करने की कोई जरूरत नहीं है। उपाध्यक्ष महोदया, 21 अक्टूबर, 1965 को पंजाब की कैबिनेट की मीटिंग हुई थी। उस वक्त पंजाब प्रदेश के मुख्यमंत्री सरदार प्रताप सिंह कैरो हुआ करते थे। संयुक्त पंजाब के समय हरियाणा हिन्दी भाषी क्षेत्र के जो एम.एल.एज. थे उनमें से कुछ एम.एल.एज. सरदार प्रताप सिंह कैरो के मंत्रीमडल में शामिल थे। उस कैबिनेट की मीटिंग में प्रस्ताव लेकर आया गया कि हरियाणा प्रदेश को अलग सूबा बनाया

जाये या इसका विरोध किया जाये । जितने भी मैम्बर्ज उस मीटिंग में थे उन सब ने एक लाइन पर हस्ताक्षर किए थे कि हरियाणा अलग सूबा न बने। कैरों मंत्रिमंडल में शामिल चौधरी भूपेन्द्र सिंह हुड्डा के पिता चौधरी रणबीर सिंह हुड्डा ने भी अलग राज्य की मांग का विरोध करते हुए कैबिनेट के प्रस्ताव का समर्थन किया था। यह खबर भी उस समय के अंग्रेजी के 'दी ट्रिब्यून' अखबार की है क्योंकि उस वक्त अखबार उर्दू के या हिन्दी में 'प्रताप' के नाम से ही छपता था। उपाध्यक्ष महोदया, यह अखबार काफी पुराना होने की वजह से बड़ी मुश्किल से मिलेगा और देखना की इस अखबार में सारी बातें विस्तृत तौर पर लिखी हुई है । पंजाब प्रदेश कमेटी ने भी इस बात का विरोध किया था कि पंजाबी सूबा अलग न बने । इसके साथ–साथ बहन किरण चौधरी जी बड़ी जोर से एक बात कह रही थी कि हरियाणा को बनाने में चौधरी बंसी लाल का बड़ा हाथ रहा है। हम भी इस बात को मानते हैं कि जब हरियाणा में चौधरी बंसी लाल मुख्यमंत्री होते थे उस दौरान बहुत सारे विकास के काम हुए थे क्योंकि हरियाणा राज्य अलग बना था। उपाध्यक्ष महोदया, जो जरूरत की चीजें थी, चाहे कोई भी मुख्यमंत्री होता उस वक्त सौ के सौ फीसदी उसकी जिम्मेवारी बनती थी कि वह हरियाणा में सड़कें बनवायें, सौ के सौ फीसदी उसकी जिम्मेवारी बनती थी कि वह नहरें बनवायें और सौ के सौ फीसदी उसकी जिम्मेवारी बनती थी कि वह हरियाणा प्रदेश के हर नागरिक को हर सुख

सुविधा प्रदान करें और उनके लिए पैसा खर्च करें। उपाध्यक्ष महोदया, मैं आपके माध्यम से बहन किरण चौधरी की जानकारी के लिए बताना चाहता हूँ कि जो किताब मैंने नहीं लिखी, न ही किसी और ने लिखी बल्कि वह किताब उस समय के लम्बे आंदोलन से जुड़े रहे प्रो0 शेर सिंह ने लिखी है। उपाध्यक्ष महोदया, उन्होंने अपनी किताब में जो लिखा है वह यदि आप कहो तो मैं उसको पढ़ देता हूँ–

> ''इसके उपरान्त ये चौधरी देवी लाल से मिले और दोनों ने एक योजना बनाई कि हुक्म सिंह कमेटी में हरियाणा के सदस्यों को विश्वास में लिया जाये और उन्हें यह कहा जाये की पृथक हरियाणा की मांग पर अड़ जाये''

इस हुक्म सिंह कमेटी में तीन लोग थे । चौधरी बंसी लाल, चौधरी लहरी सिंह भी जनसंघ के सांसद के तौर पर शामिल थे और एक और सदस्य उस कमेटी का मैम्बर था। प्रो0 शेर सिंह की किताब के मुताबिक ये बातें लिखी हुई हैं कि चौधरी बंसी लाल इस बात के पक्षधर नहीं है। उन्होंने उस वक्त उस कमेटी का विरोध किया था। उपाध्यक्ष महोदया, यह किताब में छपी हुई बातें हैं। यह मैं अपनी तरफ से नहीं कह रहा हूँ।

श्रीमती किरण चौधरीः उपाध्यक्ष महोदया, प्रो0 शेर सिंह ने जो बातें लिखी है, उनका कोई भी तथ्य नहीं है। कोई भी अपनी किताब के अंदर कुछ भी लिख सकता है।

श्री अभय सिंह चौटालाः उपाध्यक्ष महोदया, मैं भी तथ्यों और जानकारी के आधार पर ही सदन को बता रहा हूँ।

श्रीमती किरण चौधरीः उपाध्यक्ष महोदया, यदि किसी अखबार के अंदर कोई बात लिखकर आती है तो फिर उस बात को मान सकते हैं। सभी लोग अपने–अपने नजरिए से अपनी–अपनी किताबे लिखते हैं।

श्री अभय सिंह चौटालाः उपाध्यक्ष महोदया, इसका मतलब यह हुआ कि जो किताबें श्रीमती इन्दिरा गांधी जी ने लिखी हैं सब फिजुल की हैं। फिर तो उन सब किताबों को फेंक दिया जाना चाहिए। विधान सभा के अंदर जो किताबें लिखी जाती हैं वे भी बेकार हैं।

श्रीमती किरण चौधरीः उपाध्यक्ष महोदया, किताबें हमेशा अपने नजरिए से ही लिखी जाती है।

श्री अभय सिंह चौटालाः उपाध्यक्ष महोदया, मैं अपनी बात को समाप्त करने जा रहा हूँ । मैं अपनी अगली बात पर आना चाहता हूँ क्योंकि बहुत से सदस्यों ने हरियाणा की स्वर्ण जयंती वर्षगांठ पर बहुत सारी बातें सदन में कहनी है। उपाध्यक्ष महोदया, मैं आपके माध्यम से सदन की जानकारी के लिए बताना चाहता हूँ कि चौधरी लहरी सिंह उस वक्त जनसंघ के सांसद के तौर पर कमेटी में शामिल हुए थे और उन्होंने उस कमेटी में रहते हुए इस बात का समर्थन किया था कि हरियाणा अलग राज्य बने। जनसंघ के नेताओं ने ये बातें कही थी कि आप जनसंघ से जीतकर आए हो

और हमारे पंजाब जनसंघ का यह फैसला है कि हरियाणा अलग राज्य न बने। आप भी इस बात का विरोध नहीं कर सकते कि हरियाणा अलग राज्य बने। चौधरी लहरी सिंह जी ने अपनी जेब से दीया निकालकर कहा कि यह दीया दिया हुआ आपका है लेकिन इसमें बाती और तेल तो मेरा है। आपका दिया हुआ दीया संभालो। उन्होंने उसी दिन जनसंघ पार्टी को अलविदा कह दिया । हरियाणा प्रदेश के लिए जिस पार्टी से जीतकर आए थे उस पार्टी को छोड़ दिया। उपाध्यक्ष महोदया, मैं ये सारी बातें इसलिए बताना चाहता हूँ कि जब हम हरियाणा की स्वर्ण जयंती की वर्षगांठ मना रहे हैं तो हम सारे प्रदेश में जायेंगे इसलिए कम से कम हम आपसे उम्मीद तो नहीं करेंगे कि आप इन चीजों का विरोध करोगे । हमने आपके सामने सारी चीजें तथ्यों के साथ दी हैं इसलिए हम आपसे उम्मीद करेंगे कि आप कहीं–न–कहीं हरियाणा प्रदेश के लोगों की जानकारी में यह बात लाओगे । आप अपनी तरफ से अपने तरीके से स्वर्ण जयंती वर्ष मनाने का काम कीजिए । हमारी पार्टी ने निर्णय किया है कि हम इन महानुभावों के नाम को लेकर एक वर्ष तक स्वर्ण जयंती को मनाने का काम करेंगे । धन्यवाद ।

बैठक का स्थगन

उपाध्यक्ष महोदया : माननीय सदस्यगण, आप सभी के लिए, अधिकारियों के लिए और पत्रकार बंधुओं के लिए नीचे लाइब्रेरी के साथ भोजन की व्यवस्था की गई है ।

आप वहां पर जाकर भोजन कर सकते हैं । यदि हाउस की सहमति हो तो भोजन के लिए हाउस की बैठक को 45 मिनट के लिए एडजॉर्न कर दिया जाए ।

आवाजें : जी हाँ ।

उपाध्यक्ष महोदया : ठीक है, हाउस की बैठक 45 मिनट के लिए एडजॉर्न की जाती है ।

*1.35 बजे

त (तत्पश्चात् सदन 45 मिनट के लिए *स्थगित हुआ तथा 2:20 बजे रि–असैम्बल्ड हुआ।)

नियम 84 के अधीन प्रस्ताव पर चर्चा(पुनरारम्भ)

श्री रणधीर कापड़ीवास (रेवाड़ी) : अध्यक्ष महोदय, मैं इस महान सदन के सभी सदस्यों को नमन करते हुए हरियाणा स्वर्ण जयंती विशेष सत्र के इस शुभ दिवस पर सभी साथियों को स्वर्ण जयंती वर्ष की हार्दिक बधाई देते हुए कुछ बातें अपने क्षेत्र की और कुछ बातें स्वर्ण जयंती के बारे में कहने की अनुमति चाहूंगा ।

आओ, हम सब मिलकर स्वर्ण जयंती मनाते हैं,
हरियाणा के 50 वर्षों की गौरव गाथा गाते हैं ।
हरियाणा बनाने में सभी योगदानियों को शीश झुकाते हैं ।
भाई चारा, प्रेम और सद्भाव बढ़ाना चाहते हैं,
राजनीति व निजी स्वार्थ भुला हरियाणा को स्वर्ग बनाना चाहते हैं ।

अध्यक्ष महोदय, कितनी बार चींटी इन्द्र बनी और कितनी बार इन्द्र चींटी बना । यह संसार की परम्परा चलती आई है कि मैं बड़ा हूं, मैंने यह कर दिया, वह छोटा है, उसने कुछ नहीं किया । मैं यह कहना चाहूंगा कि परमात्मा की व्यवस्था ऐसी है कि इसमें किसी एक, दो, दस या सौ का नाम नहीं हो सकता क्योंकि टोडी के पत्थर को सब देखते हैं और नीम के पत्थर को कोई नहीं देखता । मैं अढाई करोड़ हरियाणावासियों को हरियाणा निर्माण के लिए बधाई देता हूं । मैं सबको इस लिए बधाई देता हूं क्योंकि मेरी मान्यता है कि न कोई बड़ा है और न कोई छोटा । हरियाणा में मेरा क्षेत्र रिवाड़ी है और रिवाड़ी वीर सैनिकों की और किसानों की बहादुर भूमि है । इस क्षेत्र की जितनी गौरव गाथा गाई जाए उतनी कम है । हरियाणा में वैसे तो कुरूक्षेत्र भगवान कृष्ण की धरती है, यमुना नदी, पेहोवा जैसे मुक्ति के धाम, यमुनानगर में आदिबद्री तथा पूरे हरियाणा में जगह जगह ऐसे विशाल पवित्र स्थान हैं । रिवाड़ी भी पवित्र स्थान हैं । रिवाड़ी शहीदों और बहादुरों की नगरी है । राव तुलाराम की गौरव गाथा से लेकर राव वीरेन्द्र सिंह जैसे मुख्यमंत्री रिवाड़ी से बने हैं । हरियाणा के प्रति उनका भी योगदान रहा है । हरियाणा बनाने में सभी मुख्यमंत्रियों का योगदान रहा है । हरियाणा क्षेत्र के बहादुरों की बात की जाए तो रेजांगला की शौर्य गाथा का वर्णन सभी को मालूम है । यह एक यह ऐसा युद्ध था जो न कभी हुआ है और न ही भविष्य में कभी होने की

उम्मीद है । रेजांगला में चीन के साथ जब युद्ध हुआ तो 1100 चीनी सैनिकों के सामने 167 भारतीय सैनिक थे । उस समय हमारे सैनिकों के पास पर्याप्त मात्रा में अस्त्र शस्त्र और कपड़ों का अभाव था । जब वह युद्ध लड़ा गया तब 167 वीर भारतीयों सैनिकों के सीने पर गोली लगी थी । उनमें से किसी एक की भी पीठ पर गोली नहीं थी । ऐसी बहादुरी का युद्ध 18 हजार फुट की ऊंचाई पर लड़ा गया । वहां आक्सीजन नहीं थी तथा केवल बर्फ ही बर्फ थी । ऐसा भयानक युद्ध विश्व में न कभी हुआ है और न कभी होने की उम्मीद है । चाहे नसीबपुर के मैदान में जो युद्ध लड़ा गया, चाहे कारगिल में जो युद्ध लड़ा गया या देश की सीमाओं पर यदा कदा जो हमारे सैनिक युद्ध लड़ते हैं उन सबकी इसी तरह की गौरव गाथा है । जितने स्वतंत्रता सेनानी मेरे क्षेत्र रिवाड़ी में हुए हैं उसके लिए मैं गर्व महसूस करता हूं तथा अपने आपको हरियाणा में पैदा होने पर भी गर्व महसूस करते हुए रिवाड़ी क्षेत्र का कृतज्ञ हूं । अध्यक्ष महोदय, रिवाड़ी क्षेत्र ऐसा क्षेत्र है जो रगड़–रगड़ कर परीक्षा लेता है । मुझे चार बार रगड़–रगड़ कर चमका कर आपको नमन करने के लिए यहां भेजा है । स्वर्णिम वर्ष है और हमारे माननीय मुख्यमंत्री जी रिवाड़ी में कुछ घोषणाएं करके आये थे जिनमें से कुछ पर काम हुआ है और कुछ पर अभी काम शुरू नहीं हुआ है । रिवाड़ी में माननीय मुख्यमंत्री जी ने लड़कों के कालेज बनाने की घोषणा की थी लेकिन किसी कारण से अभी तक यह काम नहीं हो पाया

है। मैं आशा करता हूं कि स्वर्ण जयंती वर्ष में यह उपहार देकर जल्दी ही कालेज का कार्य किया जायेगा । इसी के साथ मुख्यमंत्री जी रिवाड़ी में डबल फाटक बनाने की घोषणा करके आये थे । इस बारे में रेलवे विभाग से भी बात हो चुकी है और उनसे सहमति भी मिल चुकी है लेकिन अभी तक उसका काम शुरू नहीं हुआ है इसलिए स्वर्ण जयंती वर्ष में यह काम भी शुरू हो जायेगा तो बहुत अच्छा रहेगा । इसी के साथ माननीय मुख्यमंत्री जी रिवाड़ी की यूनिवर्सिटी के साथ 6 जिलों के कालेजिज को एफीलियेटिड करने की घोषणा करके आये थे । रिवाड़ी क्षेत्र शिक्षा और विकास के क्षेत्र में बहुत पिछड़ा हुआ क्षेत्र रहा है । वहां की यूनिवर्सिटी से यदि साथ लगते 6 जिलों के कालेजों को जोड़ा जायेगा तो यूनिवर्सिटी का काम चल जायेगा । वहां की यूनिवर्सिटी को बजट में मात्र 18 करोड़ रुपये की ग्रांट मिली थी और इतने पैसे में कर्मचारियों की तनख्वाह भी पूरी नहीं हो पाती । सरकार को पैसा देना भी होता है इसलिए सरकार वहां की यूनिवर्सिटी को खुले मन से पैसे दे । यदि स्वर्ण जयंती वर्ष में यह काम हो जायेगा तो वहां की जनता भी सोचेगी कि स्वर्ण जयंती वर्ष में उनको भी लाभ मिल रहा है । अध्यक्ष महोदय, धारूहेड़ा औद्योगिक क्षेत्र की 1976 में घोषणा हुई थी । 1980 में वहां पर सड़कें बनी थी उसके बाद वहां की सडकों की रिपेयर का काम भी नहीं हुआ है । वह हुडा का औद्योगिक क्षेत्र है और वहां से उद्योग प्लायन करने की स्थिति में हैं ।

वहां पर सड़कों की हालत बहुत खराब है और लोग बहुत परेशान हैं । वहां सड़कों पर तीन–तीन फुट पानी बरसात के दिनों में भर जाता है । वहां की स्थिति को ठीक करने के लिए या तो हुडा को पैसे दिए जायें या आई.एम.टी. को यह कार्य सौंपा जाये । विपुल गोयल जी बैठे हुए हैं मेरे हल्के में खरकड़ा ऐसा गांव है जहां आई.टी.आई. और कालेज की बिल्डिंग बन चुकी है । जिस समय बूढ़पुर वन महोत्सव में मुख्यमंत्री जी गये थे तो खरकड़ा में कालेज बनाने की घोषणा करके आये थे लेकिन आज तक वहां क्लासिज शुरू नहीं हुई हैं । इसी के साथ–साथ मैं कहना चाहूंगा कि राजस्थान से जो प्रदूषित पानी आता है उससे धारूहेड़ा क्षेत्र के लोग बहुत परेशान हैं । इस बारे में कई दफा अखबारों में भी छपा है और लोगों ने इसके विरोध में कई बार हाई वे भी जाम किया है । इसलिए मैं कहना चाहूंगा कि उस प्रदूषित पानी को भी निकालने की व्यवस्था की जाये । अध्यक्ष महोदय, कुछ चीजें ऐसे हैं जिनकी पहले से परम्परा चलती आ रही हैं । बिजली बोर्ड के अंदर एक जे.ई. को इतनी पावर है यदि वह किसी का एल–1 भर कर लाख–डेढ़ लाख रुपये का जुर्माना कर दे तो उसकी सुनवाई एस.डी.ओ., एक्सियन और एस.ई. भी नहीं कर सकता । प्रजातंत्र में यह एक भयानक कानून है जिसकी कोई सुनवाई नहीं है । मैं निवेदन करना चाहूंगा कि इस तरह के कानून को बदलना चाहिए ।

श्री अध्यक्ष : कापड़ीवास जी, प्लीज, आप अपनी बात समाप्त करें । दूसरे माननीय सदस्यों ने भी बोलना है ।

श्री रणधीर सिंह कापड़ीवास : स्पीकर सर, मैं ज्यादा समय नहीं लूंगा। मैंने इसी प्रकार से सैक्शन 7–ए की बात कही थी जिससे सबका कल्याण होने वाला है। इस बारे में भी जो कानून व्यवस्था है उसके ऊपर भी पुनर्विचार किया जाये। मैंने अपनी इस मांग को on the floor of the House दो बार रखा है। अतः मैं यह अनुरोध करता हूं कि मेरी इस मांग को स्वीकार किया जाये। मैंने बोलने के लिए ज्यादा समय लिया इसके लिए मैं क्षमा चाहता हूं। धन्यवाद। जय हिन्द।

स्वास्थ्य मंत्री (श्री अनिल विज) : अध्यक्ष महोदय, हरियाणा के 50 वर्ष पूरे होने पर बड़े हर्षोल्लास और उमंग के साथ स्वर्ण जयंती मनाने का निर्णय लिया गया है। इसके लिए कई दौर की वार्तायें चली हैं और कई मीटिंग्स भी हुई हैं। सभी पार्टियों के सभी लोगों को भी उन मीटिंग्स में बुलाया गया था। इसके साथ ही हरियाणा से जितनी भी हस्तियों ने आसमान छुआ है उनको भी मीटिंग्स में बुलाकर उनसे भी बातचीत की गई क्योंकि हमारा मकसद केवल स्वर्ण जयंती मनाना ही नहीं था बल्कि हमारा मकसद इसको स्वर्णिम बनाना भी है। हम यह चाहते हैं कि हम अपने इस प्यारे प्रदेश को किस प्रकार से स्वर्णिम बनायें और जो हरियाणा प्रदेश के लोगों की उम्मीदें हैं उनको पूरा किया जाये। इसके लिए क्या–क्या नई

योजनायें लागू की जायें और क्या–क्या नये प्रकल्प लागू किये जायें। इस बारे में खूब विचार–विमर्श हुआ है। इस सम्बन्ध में प्रदेश के लोगों के कुछ सुझाव आये भी हैं। हम यह चाहते थे कि जो चुने हुए प्रतिनिधि भी हैं अर्थात् इस विधान सभा के जो 90 विधायक हैं वे भी इसमें अपने कोई न कोई सुझाव दे इसी को सामने रखकर न केवल वर्तमान विधायकों को बल्कि पूर्व विधायकों और पूर्व सांसदों का योगदान भी सुझावों के रूप में प्राप्त हो इसको सामने रखकर यह दो दिन का जो कार्यक्रम बनाया गया है अर्थात् इसके लिए जो यह दो दिन का कार्यक्रम रखा गया है इसमें हमने उम्मीद की थी कि आज सभी विधायक किसी न किसी नई योजना के बारे में सरकार का मार्गदर्शन करेंगे ताकि आने वाले दिनों में हरियाणा को स्वर्णिम बनाया जा सके और हमारा हरियाणा प्रदेश चहुंमुखी उन्नति और तरक्की कर सके। अध्यक्ष महोदय, हरियाणा कोई 50 साल का ही प्रदेश नहीं है अगर वैदिक काल में भी हम देखें तो भी हरियाणा का वर्णन हुआ है और कहा जाता है कि कुरूक्षेत्र में महाभारत की लड़ाई हुई। इस सम्बन्ध में मैं यह बात स्पष्ट करना चाहूंगा कि उस वक्त के कुरूक्षेत्र की सीमायें जो आज के कुरूक्षेत्र की सीमायें हैं वे नहीं थी बल्कि उस वक्त के कुरूक्षेत्र की सीमायें आज के हरियाणा प्रदेश की सीमाओं से भी बड़ी थी। कहते हैं कि सतलुज तक तत्कालीन कुरूक्षेत्र की सीमाओं

को देखा गया है। इसी प्रकार से श्रीमद् भगवदगीता के प्रथम श्लोक में भी हरियाणा का जिक्र किया गया है, जो कि इस प्रकार से है :–

धृतराष्ट्र उवाच

धर्मक्षेत्रे कुरूक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः।
मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वतसंजय।।

इसमें संजय को सम्बोधित करते हुए धृतराष्ट्र ने कहा था कि हे संजय धर्मक्षेत्र कुरूक्षेत्र में एकत्रित, युद्ध की इच्छा वाले मेरे और पाण्डु के पुत्रों ने क्या किया ? ऐसी बातों का उसमें प्रयोग किया गया है । हालांकि गीता का ज्ञान तो उसके बाद आता है लेकिन गीता के ज्ञान से पहले भी हरियाणा का महत्व था । हरियाणा में जो खुदाई हुई है उसमें इसके अवशेष मिले हैं । अभी कुछ दिन पहले मैं राखीगढ़ी गया था । वहां पर जो खुदाई हुई है उसमें जिस सभ्यता के अवशेष मिले हैं वे बहुत पुराने हैं । वे अवशेष हड़प्पा और मोहनजोदड़ो से भी पुरानी सभ्यता के हैं । वह सभ्यता 6–7 और 10 हजार वर्ष से भी पुरानी है जिसमें शहर बसे हुये थे जिनकी नालियां इंटों की बनी हुई थी, रसोई बनी हुई थी । इसको देख कर कह सकते हैं कि हरियाणा का प्राचीन इतिहास बहुत विकसित रहा है । राखीगढ़ी में जो अवशेष मिले हैं उनको देख कर लगता है कि वह विश्व की राजधानी रही होगी क्योंकि सारे विश्व में उससे पुरानी सभ्यता नहीं है । हरियाणा का महत्व बहुत

ज्यादा है । जो पोलिटिकल हरियाणा आज हमें मिल रहा है जिसके बारे में चर्चा भी हुई है और दावा भी किया गया कि मैंने बनाया, मेरी पार्टी ने और मेरे नेता ने बनाया उसको सुन कर मुझे एक शेर याद आ रहा है कि–

ऐ खुदा मुझको वो खुदाई न दे,
कि मेरे सिवाय मुझको कुछ दिखाई ना दे ।

अध्यक्ष महोदय, हरियाणा के बनने में जिस–जिस महापुरूष ने योगदान दिया मैं सबको नमस्कार करता हूं । अगर किसी ने रत्ती भर भी योगदान दिया है मैं उसको भी नमस्कार करता हूं । परन्तु हकीकत यह है कि अभी यहां पर किसी साथी ने बताया था कि हरियाणा को श्रीमती इन्दिरा गांधी ने बनाया था । सर, श्रीमती इन्दिरा गांधी ने हरियाणा नहीं बनाया था, उन्होंने तो पंजाब सूबा बनाया था ।

डॉ. रघुवीर सिंह कादियान : अध्यक्ष महोदय, अभी विज साहब ने कहा कि बहुत से लोगों ने ऐसी–ऐसी बात कही इस बारे में मेरी सबमिशन यह है कि विज साहब किसी गतिरोध में न पड़ें । मेरा कहना यह है कि इन्होंने अपनी बात कह ली और हरियाणा की तरक्की में अपना योगदान देने वालों को इन्होंने सलाम कर दिया उसके बाद ये अपना विजन बता दें ।

श्रीमती किरण चौधरी : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से विज साहब को कहना चाहती हूं कि वे फैक्ट्स पर ही बात करें ।

श्री अनिल विज : सर, 1953 में लैंग्विस्टिक आयोग बना तथा भाषा के आधार पर राज्यों की मांग उठने लगी और वह बहुत लम्बी लड़ाई चली । इस प्रकार से अकाली दल ने भाषा के आधार पर पंजाब सूबे की मांग कर दी । मैंने तो यही कहा है कि उस समय अलग हरियाणा राज्य की मांग नहीं हुई थी ।

उस वक्त लड़ाई तो इस बात की हुई कि जब सर्वे हो तो जिनकी भाषा हिन्दी है वह अपनी भाषा हिन्दी लिखवाएं । जब वह आन्दोलन बढ़ गया तो उस वक्त श्रीमती इंदिरा गांधी ने पंजाबी सूबे का ऐलान किया तो जो सारा संयुक्त पंजाब था उसमें से कुछ इलाका हिमाचल में चला गया और कुछ ईलाका हरियाणा में चला गया लेकिन जो इलाका हमें मिला जिसको आज हम हरियाणा कहते हैं । वह इलाका आज भी रो रहा है क्योंकि उस इलाके का कुछ हिस्सा आज भी पंजाब ने दबा रखा है । इसमें मैं किसी पर कोई टिप्पणी नहीं कर रहा हूँ । सर, मैं तो अपनी बात कह रहा हूँ । **(विघ्न)** शर्मा जी आपको भी अपनी बात कहने का मौका मिलेगा ।

श्री कुलदीप शर्मा : अध्यक्ष महोदय, आपने हर सदस्य को बोलने के लिये तीन मिनट निर्धारित की हैं तो मंत्री जी को भी तीन मिनट ही मिलनी चाहिए ।

श्री अध्यक्ष : मैंने सभी सदस्यों के बोलने के लिये तीन मिनट निर्धारित की हैं उसमें चाहे वह सत्ता पक्ष से है या विपक्ष से है । जिस पार्टी का सदस्य ज्यादा बोलेगा उसमें उन्हीं के सदस्यों का समय कम हो जाएगा । उसमें चाहे एक सदस्य बोले या दो बोलें । अब जैसे श्री अभय सिंह जी अकेले 40 मिनट बोले हैं तो अब इनके बाद इनकी पार्टी के जो सदस्य बोलेंगे उनको बोलने के लिये मैं केवल 20 मिनट ही दूंगा ।

श्री कुलदीप शर्मा : अध्यक्ष महोदय, मंत्री बोले तो चाहे दो घण्टे बोलते रहें और कोई दूसरा सदस्य बोले तो आप तीन मिनट में बैठा देते हैं ।

श्री अनिल विज : अध्यक्ष महोदय, मैं उम्मीद करता हूं कि आज हम इस मुद्दे पर चर्चा करेंगे कि हमारा हिन्दी भाषी क्षेत्र जो हरियाणा प्रदेश का हिस्सा है जिसको पंजाब ने दबा रखा है हम उसको कैसे वापिस लें । सर, पंजाब और हरियाणा ये दोनों स्टेट एक जुड़वां बच्चे हैं । यह आज तक अलग–अलग नहीं हो पाए हैं । इनके सिर आपस में जुड़े हुए हैं । इन दोनों की आज तक अलग–अलग राजधानी नहीं बन सकीं, इनकी विधान सभाएं अलग–अलग नहीं बन सकीं और इनके हाई

कोर्ट अलग–अलग नहीं बन सके । सर, ये सारे गम्भीर मुद्दे हैं । आज हम हरियाणा प्रदेश का 50 वां जन्मदिन तो मना रहे हैं क्योंकि आज 50 साल हो गये जब शाह आयोग ने हमें जो हरियाणा दिया था उन अवार्डों के मुताबिक भी हमें हमारा हिस्सा नहीं मिला । यह सैशन इसलिये बुलाया गया था कि पार्टी पॉलिटिक्स से ऊपर उठकर हम सब लोग इन मुद्दों के बारे में भी चर्चा करें ।

श्री करण सिंह दलाल : अध्यक्ष महोदय, आपने नियम 84 के अधीन चर्चा करने का हुकम दिया था और उसमें लिखा है कि–

> ''हरियाणा विधान सभा की 50 वीं वर्षगांठ के अवसर पर बुलाये गये विशेष सत्र पर सभी सदस्यगण व सभी विधायक अपने–अपने विधान सभा क्षेत्रो में अभी तक जो विकास के कार्य हुए हैं या जो विकास के कार्य आगे होने वाले हैं, उन पर अपने–अपने सुझाव दें।''

Hon'ble Minister should understand the version of your letter.

श्री अनिल विज : अध्यक्ष महोदय, मेरा विधान सभा क्षेत्र पूरा हरियाणा है । मैं मंत्री हूँ और हरियाणा की जो पीड़ा है मैं उसकी बात कर रहा हूँ । आज हरियाणा की जो पीड़ा है वह यह है कि जब हम चण्डीगढ़ में प्रवेश करते हैं तो हमें ऐसा लगता है कि हम किसी दूसरे प्रदेश में आ गये । आज तेलंगाना अलग प्रदेश बना है उसकी अलग राजधानी बन रही है । जबकि आज हमारे प्रदेश को बने हुए 50

साल हो गये लेकिन हमारी राजधानी का आज तक विवाद है। हम इन बातों को क्यों नहीं सोचते ?

श्री करण सिंह दलाल : अध्यक्ष महोदय, फिर तो मंत्री जी को इस्तीफा दे देना चाहिए ।

श्री अध्यक्ष : इस्तीफा तो पहले आपने देना पड़ेगा क्योंकि आप काफी लम्बे समय तक सरकार में रहे हैं ।

श्री करण सिंह दलाल : अध्यक्ष महोदय, एक मंत्री अपने ही हिसाब से अपना मजाक उड़ा रहे हैं । इनके महकमें का इतना बुरा हाल है कि पूरा प्रदेश चिकनगुनिया की बीमारी से परेशान है और ये पता नहीं कहां से कहां पहुंच रहे हैं ।

श्री अनिल विज : अध्यक्ष महोदय, आज आपने बहुत अहम फैसला लिया है कि सारे सदस्य बैठकर इस बारे में चर्चाएं करें कि हरियाणा को कैसे और आगे प्रगति पथ पर ले जाएं । इसके लिये सभी सदस्य अपने–अपने सुझाव दें । धन्यवाद ।

श्री करण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, मैं काफी समय से आपसे बोलने के लिए इजाजत मांग रहा हूँ। आप मुझे भी बोलने के लिए समय दीजिए?

श्री अध्यक्षः दलाल जी, आपको बोलने का समय निश्चित तौर पर दिया जायेगा। (विघ्न)

श्री परमिन्द्र सिंह ढुलः अध्यक्ष महोदय, मुझे भी बोलने का समय दिया जाये। आज प्रदेश में विज साहब के महकमे से संबंधित एन.एच.एम. कर्मचारी रोजाना हड़ताल कर रहे हैं। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से इन कर्मचारियों के संदर्भ में माननीय स्वास्थ्य मंत्री जी से उनके स्टैंड के बारे में जानना चाहता हूँ? (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः ढुल साहब, जब आपको अपनी बात रखने का मौका दिया जायेगा तो उस समय आप इस विषय पर अपनी बात रख सकते हैं। अतः अब आप प्लीज, बैठिए। (शोर एवं व्यवधान)

श्री करण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, प्रदेश में डेंगू और चिकनगुनिया फैला हुआ है। स्वास्थ्य मंत्री होने के नाते विज साहब को इस दिशा में गम्भीरतापूर्वक कार्रवाई करने की जरूरत है। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अनिल विज : अध्यक्ष महोदय, करण सिंह दलाल ने प्रदेश में डेंगू और चिकनगुनिया के फैलने के बारे में बात की है और मैं भी इस बात से सहमत हूँ कि प्रदेश में डेंगू और चिकनगुनिया फैला हुआ है। यकीनन फैला हुआ है। वर्तमान में हरियाणा में डेंगू और चिकनगुनिया का 1800 का आंकड़ा है, दिल्ली में इस बाबत 18000 का आंकड़ा है, पंजाब में लगभग 5000 का आंकड़ा है तो इस प्रकार अगर

हम कंपरेटिवली देखें तो पायेंगे कि हमारी हरियाणा प्रदेश की बैल्ट इस दिशा में बहुत ज्यादा सेफ है और हमारे प्रदेश के निवासी इस बीमारी से अन्य प्रदेशों की तुलना में सबसे ज्यादा बचे हुए हैं और इसका सीधा सा कारण यह है कि हरियाणा प्रदेश ने इन बीमारियों से बचने के लिए पहले से ही बहुत अच्छी तैयारी की हुई थी। (शोर एवं व्यवधान)

श्री कुलदीप शर्माः अध्यक्ष महोदय, विज साहब के बताये गए आंकड़ों में सत्यता का अभाव है क्योंकि ज्यादातर लोग सरकारी हस्पतालों में जाकर डेंगू और चिकनगुनिया का इलाज कराना पसन्द नहीं करते हैं। अतः इन हालात में यह आंकड़ें किसी भी सूरत में सहीं नहीं माने जा सकते हैं। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः कुलदीप जी, विज साहब ने तो राजधानी दिल्ली का भी आंकड़ा सदन में बताया है, जहां पर लोग सरकारी हस्पतालों में ही जाना ज्यादा पसन्द करते हैं? (शोर एवं व्यवधान)

श्री कुलदीप शर्माः अध्यक्ष महोदय, आपको भी इस बात की जानकारी है कि आज हरियाणा प्रदेश का पूरा का पूरा स्वास्थ्य विभाग हड़ताल पर बैठा हुआ है। ऐसे हालात में डेंगू और चिकनगुनिया के रोगी प्राईवेट हस्पतालों में जाना पसन्द करते

हैं। जब प्राईवेट हस्पतालों में लोग जायेंगे तो साफ है कि असली आंकड़ों की सत्यता क्या होगी? (शोर एवं व्यवधान)

श्री अनिल विजः अध्यक्ष महोदय, मेरा आपके माध्यम से कुलदीप शर्मा जी से अनुरोध है कि उन्हें एक बार मेरी बात को सुन लेना चाहिए। कुलदीप शर्मा जी को यह बात मालूम नहीं है कि केन्द्र सरकार के नियम व हिदायतों के अनुसार हमने प्रदेश के सभी प्राईवेट हस्पतालों में यह नोटिफिकशन जारी की हुई है कि सरकारी हस्पताल की लैबोरेटरी द्वारा डेंगू डिकलेयर करने के बाद ही प्राईवेट हस्पताल डेंगू डिकलेयर कर सकते हैं। अध्यक्ष महोदय, मैंने जो 1800 के करीब का आंकड़ा सदन में बताया है वह एक दम परफैक्ट आंकड़ा है। वास्तव में हरियाणा प्रदेश में डेंगू और चिकनगुनिया के आंकड़ें दिल्ली और पंजाब के आंकड़ों से बहुत कम हैं। इसी तरह एडज्वॉयनिंग स्टेट राजस्थान के आंकड़े से भी हरियाणा का आंकड़ा तकरीबन 10 परसेंट कम है। (शोर एवं व्यवधान)

श्री करण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, प्राईवेट हस्पतालों में 1800 के आंकड़े से भी ज्यादा डेंगू के मरीज हैं। मंत्री जी की मेहरबानी से प्राईवेट हस्पताल लोगों को लूट रहे हैं। सरकारी हस्पतालों में दवायें नहीं हैं। मंत्री जी तो अम्बाला से बाहर ही नहीं निकलते हैं। इनको दिन में बैठकर मुख्यमंत्री बनने के मुंगेरी लाल के सपने

नहीं लेने चाहिए। वे हैल्थ मिनिस्टर है तो स्वाभाविक है कि उन्हें हैल्थ डिपार्टमैंट देखना चाहिए।

श्री अनिल विजः अध्यक्ष महोदय, दलाल साहब रलेवैंट तो बोलते नहीं है ऐसे हालात में यदि यह बोलने की परमिशन मांगे तो इनका नाम बोलने की लिस्ट से काट देना ही बेहतर है।(हंसी व व्यवधान) यह हमेशा इररलेवैंट ही बोलते हैं। सर, अगर बात की जाए एन.एच.एम. कर्मचारियों की तो वह इस मांग को लेकर हड़ताल पर चले गए थे कि उन्हें पक्का किया जाये। सर, इन एन.एच.एम. कर्मचारियों की हमारे समय में कोई भर्ती नहीं हुई थी। इनकी पिछले समय की भर्ती है और तब भर्ती के समय कांग्रेस सरकार के शासन काल में इनके द्वारा एक एग्रीमैंट साईन करवाया गया था जिसमें लिखा गया था कि ये कर्मचारी कभी पक्के नहीं किए जायेंगें। दूसरी बात यह है कि माननीय पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट में यह मामला विचाराधीन है और अभी सितम्बर माह में इस मामले पर कोर्ट ने स्टे भी दिया हुआ है कि किसी भी कच्चे कर्मचारी को नियमित नहीं किया जा सकता। बावजूद इसके एन.एच.एम. कर्मचारी अपनी मांगों को लेकर हड़ताल पर चले गए। उनको बार–बार कहा गया था कि आपकी यह मांग पूरी नहीं हो सकती। सर, आज वे मेरे निवास पर आये थे। (शोर एवं व्यवधान)

श्री रघुबीर सिंह कादियानः अध्यक्ष महोदय, मंत्री ने एन.एच.एम. कर्मचारियों को एक बात कही है कि पहले हड़ताल खत्म करो फिर बात करेंगे। ऑन रिकॉर्ड इन्होंने यह बात कही है। (शोर एवं व्यवधान) यह तो डिक्टेटरशिप हुई। डैमोक्रेटिक सिस्टम में इस तरह की डिक्टेटरशिप नहीं चला करती। पब्लिक ग्रिवेंसिज है और ऐसी परिस्थिति में विज साहब को एन.एच.एम. कर्मचारियों की बात को सुनना चाहिए। (विघ्न)

श्री अध्यक्षः कादियान जी, आपकी लोगों ने ही कांग्रेस सरकार के शासन काल में एन.एच.एम. कर्मचारियों से उनके एग्रीमैंट पर साइन करवाये थे कि आप कभी पक्के हो नहीं सकते। अतः आप प्लीज बैठिये और मंत्री जी को अपनी बात रखने दें।

श्री अनिल विजः अध्यक्ष महोदय, इनकी सुनने वाली मशीन खराब हो चुकी है। मैं इनको असली बात बता रहा हूँ लेकिन यह सुनने को तैयार नहीं हैं। आज यूनियन के सारे नेता मेरे निवास पर आये थे। मैंने उनके साथ पूरी बात की है और बताया है कि उनकी नौकरी पक्का करने वाली मांग पूरी नहीं हो सकती और इसके अलावा जो उनकी अन्य मांगें हैं, उसके लिए हमने कहा है कि आप पहले ड्यूटी ज्वॉयन करो उसके बाद आपकी मांगों पर सहानुभूतिपूर्वक विचार किया जायेगा। वे मुझे आश्वासन देकर गए हैं कि एक बार हम अपनी कमेटी से बात कर लें और उसके बाद हमको बतायेंगे।

श्री रघुबीर सिंह कादियानः अध्यक्ष महोदय, यदि विज साहब ने यह बात कही हैं तो निश्चित रूप से उन्होंने एक सराहनीय कार्य किया है।

वित्त मंत्री (कैप्टन अभिमन्यु): आदरणीय अध्यक्ष जी, मैं आपका बहुत बहुत आभार और धन्यवाद करता हूँ कि आपने हरियाणा प्रदेश के इस स्वर्ण जयंती समारोह के उपलक्ष में इस महान सदन का एक विशेष सत्र बुलाने की कृपा की और बड़े पवित्र पावन उद्देश्य के साथ यह जानने की कोशिश की है कि 50 वर्षों में हरियाणा का अस्तित्व प्रारम्भ से लेकर अब तक की यात्रा में कहां तक पहुँचा है ? हमने क्या–क्या प्राप्त कर लिए हैं ? और कौन से ऐसे सपने और संकल्प हरियाणा के निर्माताओं के वे बचे हैं, जिन पर हम सबको मिलकर काम करना है ? मैं हरियाणा की स्वर्ण जयंती वर्षगांठ के शुभ अवसर पर हरियाणावासियों को बधाई और शुभ कामनाएं देता हूँ। इस महान सदन के सदस्यगण हरियाणा प्रदेश के भविष्य को लेकर के पूरी तरह से कृतसंकल्प है। हम सब मिलकर हरियाणा के स्वर्णिम और सुनहरे भविष्य के लिए काम करेंगे। पक्ष और विपक्ष अपनी–अपनी भूमिका जिम्मेदारी से निभाएंगे। ऐसी उम्मीद मैं इस महान सदन से चाहूँगा। हरियाणा प्रदेश के बारे में शास्त्रों में उल्लेख आया है और पूर्व के बोलने वाले माननीय सदस्यों ने भी उस बात को बड़े गर्व के साथ उद्घृत किया है और कहा गया है कि पृथ्वी के ऊपर ऐसा कोई स्थान है जो स्वर्ग के समान है उसका नाम हरियाणा है। हरियाणा का

अस्तित्व वैदिक काल से ही है, गीता का उपदेश कुरूक्षेत्र की पावन धरा पर दिया गया। 1857 की क्रांति हो या स्वतंत्रता आंदोलन की बात हो या पहले व दूसरे विश्व युद्ध की बात हो हर रणभूमि में हरियाणा के रणबांकुरों ने अपना खून बहाया है। ऐसे समय में हरियाणा का स्वर्ण जयंती समारोह मनाते हुए हमें बहुत खुशी हो रही है। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से यह भी कहना चाहता हूँ कि भौगोलिक व ऐतिहासिक दृष्टि से भी हरियाणा का दुनिया में बड़ा महत्व रहा है। पूरी दुनिया में पृथ्वी के नक्शे पर ऐसा राज्य होगा जो दक्षिण में विश्व की सबसे सनातन पर्वत श्रृंखला अरावली से घिरा है तो उत्तर में सबसे नूतन पर्वत श्रृंखला शिवालिक से घिरा हुआ अगर कोई राज्य है तो वह हमारा अपना हरियाणा राज्य है। है। अध्यक्ष महोदय, ऐसे अनुठे भौगोलिक स्थिति के अंदर हमें जन्म लेने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है।

श्री करण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वाइंट ऑफ ऑर्डर है कि पहाड़ लगातार खोदे जा रहे हैं। (विघ्न)

श्री अध्यक्षः दलाल जी, क्या इसमें भी प्वाइंट ऑफ ऑर्डर लेने की जरूरत है? (विघ्न) दलाल जी, प्लीज आप बैठ जाइये। (विघ्न)

कैप्टन अभिमन्यु: अध्यक्ष महोदय, माँ सरस्वती नदी का उद्यगम स्थल हरियाणा प्रदेश से है। इस बात का भी हम सबको गर्व है। अध्यक्ष महोदय, आज सदन में हरियाणा के निर्माण करने वाले नेताओं की अपने–अपने तरीके से चर्चा हुई है और उन सबको नमन करने वाले भी आज सदन में मौजूद है। हरियाणा के निर्माण में किसी ने भी अपने विचार से, अपने कर्म से और अपने सहयोग से योगदान किया है तो यह पूरा सदन अढ़ाई करोड़ जनता की तरफ से उनका धन्यवाद करता है, उनको नमन करता है, उनका अभिनन्दन करता है और उनका वंदन करता है। हरियाणा के निर्माण की बात आ रही हो तो मैं राजनीति में नहीं जाना चाहता लेकिन सदन में यह कहना आवश्यक समझता हूँ कि हरियाणा के गठन में हिन्दी आंदोलन कार्यों का भी योगदान रहा है। आचार्य भगवान देव, प्रो0 शेर सिंह और मेरे पिता मित्रसेन आर्य को भी वर्ष 1957 में चार महीने जेल यातनाएं सहनी पड़ी थी। उनके प्रयासों के कारण भी यह हरियाणा प्रदेश बना है। अध्यक्ष महोदय, यह बात मैंने कभी राजनीतिक मंच पर या सार्वजनिक मंच पर नहीं कही थी। व्यक्तिगत तौर पर भी मुझे इस बात का सौभाग्य मिला है कि वर्ष 1957 में हिन्दी आंदोलन के दौरान मेरे पूज्य पिता जी 9 अगस्त, 1957 से लेकर के 19 अगस्त, 1957 तक झज्जर रोड़ पर आर्य समाज के जत्थे का नेतृत्व करते हुए हजारों लोगों के साथ जेल में रहे। इस प्रकार से हरियाणा के निर्माण में हजारों लोगों का योगदान भी रहा है। उन

हजारों लोगों का उस समय यह संकल्प था कि पंजाब का दक्षिण हिस्सा जो कि आज का हरियाणा राज्य है, पिछड़ रहा था, उसको विकास के नाम पर आगे लेकर जाना है, आर्थिक तौर पर, राजनैतिक तौर पर और सांस्कृतिक तौर पर अपनी एक पहचान बनानी है । मुझे खुशी इस बात की है कि इस महान सदन को अपनी तरफ से सांझा करते हुए 50 साल की हरियाणा की यात्रा में चाहे कोई मुख्य मंत्री रहा हो, विधायक रहा हो, चीफ सैक्रेटरी से लेकर चपरासी रहा हो या प्रदेश की अढ़ाई करोड़ लोगों में किसान–मजदूर ने खेत में धरती का सीना चीरकर खाद्यान्न भण्डारण का काम किया हो, मजदूर ने अपने सिर और कंधे पर ईंट को उठाकर ऊँची अट्टालिकाओं का निर्माण करने का काम किया हो या इस प्रदेश के युवाओं ने खिलाड़ियों के तौर पर देश का नाम ऊँचा किया हो, इस प्रदेश की बेटी कल्पना चावला ने अंतरिक्ष में जाकर विलीन होकर इस धरती के गौरव को बढ़ाने का काम किया हो, ऐसे सैनिक जिन्होंने इस देश के लिए अपने प्राण न्यौछावर करके अपना सर्वस्व बलिदान करके देश की रक्षा करने में अपनी भूमिका निभाने का काम किया हो, ऐसे व्यापारी और उद्योगपति जिन्होंने हरियाणा की आर्थिक उन्नति में अपना योगदान करने का काम किया हो, आज वे सब नमन और प्रणाम करने के योग्य हैं । मैं इन तमाम लोगों का नाम न लेते हुए राजनीति से ऊपर उठकर एक–एक व्यक्ति को आज फिर से इस सदन के माध्यम से उनका अभिनन्दन करता हूँ । मैं

उनके योगदान को प्रणाम करता हूँ । अब चूंकि हरियाणा को बने हुए 50 वर्ष हो गए हैं इसलिए वित्त मंत्री होने के नाते हमें प्रदेश का एक लेखा–जोखा लेना होगा और प्रदेश की आर्थिक स्थिति का तुलनात्मक अध्ययन भी करना होगा । वर्ष 1966 में जब पंजाब से हरियाणा अलग हुआ था तो मैंने अखबार में पढ़ा था कि पंजाब के एक पूर्व मुख्य सचिव ने हरियाणा में नियुक्त अपने साथी अधिकारी पर उसी प्रकार से तंज कसा था जिस प्रकार से क्लेमैनटेटली ने भारत के आजाद होने के समय तंज कसा था कि भारत चल नहीं पाएगा और यह देश टूटकर बिखर जाएगा । हरियाणा बनने के समय उस समय के पंजाब के आई.ए.एस. अधिकारियों ने हरियाणा में नियुक्त हुए आई.ए.एस. अधिकारियों से कहा था कि अगर तुम्हारी तनख्वाह न मिले तो हमारी तरफ निगाहें कर लेना हम तुम्हारी तनख्वाह दिलाने में मदद कर देंगे । मैं अढ़ाई करोड़ हरियाणावासियों और इन 50 सालों में जो लोग हरियाणा की इस धरती में समा गए उन बुजुर्गों और पीढ़ियों को नमन करता हूँ । मैं पंजाब और हरियाणा की वर्ष 1966 की वित्तीय स्थिति और आज की वित्तीय स्थिति की आंकड़ों सहित कुछ बातें सदन में रखना चाहता हूँ । जब हरियाणा प्रदेश बना था तो उसकी जी.डी.पी. 332 करोड़ रूपये थी और पंजाब की जी.डी.पी. 570 करोड़ रूपये थी यानी पंजाब की जी.डी.पी. हरियाणा से पौने दो गुणा अधिक थी । आज हरियाणा की जी.डी.पी. 4 लाख करोड़ रूपये के करीब है और पंजाब

की जी.डी.पी. 3,31,940 करोड़ रूपये है । पंजाब हरियाणा से बड़ा राज्य है, उसकी जनसंख्या और रिसोर्सिज भी हमसे ज्यादा है । जब हरियाणा बना था तो हमारा ले आउट प्लान 26 करोड़ रूपये था और पंजाब का ले आउट प्लान 44 करोड़ रूपये था । आज हमारा ले आउट प्लान बढ़कर 24,871 करोड़ रूपये और पंजाब का 21,170 करोड़ रूपये है । इस तरह से हम ले आउट प्लान में पंजाब राज्य से आगे निकल गए हैं । अगर हम हरियाणा की उस समय की परकैपिटा इनकम की बात करें तो वह 399 रूपये प्रतिवर्ष थी जो वर्ष 2015–16 में बढ़कर 1,32,000 रूपये प्रतिवर्ष हो गई है और पंजाब की प्रति व्यक्ति आय 1,01,400 रूपये प्रतिवर्ष है । हरियाणा के बनने के समय पंजाब के लोग सरकारी खजाने में 111 करोड़ रूपये जमा कराते थे और हरियाणा के लोग अपने खून–पसीने की कमाई जो सरकारी खजाने में जमा कराते थे वह कुल 75 करोड़ रूपये थी । आज पंजाब के सरकारी खजाने की कमाई बढ़कर 46 हजार, 6 सौ करोड़ रूपये सालाना हो गई है और हरियाणा की कमाई 54 हजार, 167 करोड़ रूपये सालाना हो गई है । इसी प्रकार पंजाब की वर्ष 2015–16 जी.डी.पी. की ग्रोथ रेट 5.96 प्रतिशत है और हरियाणा की ग्रोथ रेट 8.2 प्रतिशत है । मैं ये आंकड़ें इसलिए रख रहा हूँ ताकि हरियाणा के लोगों को पता चल सके कि सन् 1966 में जो हरियाणा का निर्माण हुआ था आज हरियाणावासियों ने उसे सार्थक करने का काम किया है । मैं यह बात मानता हूँ कि

प्रदेश के प्रति अपने दायित्वों को पक्ष और विपक्ष दोनों ने निभाया है । हम स्वयं भी विपक्ष में रहे हैं इसलिए हमें अपने नजरिये से किसी के काम को छोटा या बड़ा मानने का अधिकार नहीं है । आज हरियाणा के लिए एक अति महत्वपूर्ण और स्वर्णिम दिन है इसलिए आज हमें हरियाणा का आंकलन करके हरियाणा के प्रत्येक व्यक्ति के योगदान की भूमिका की सराहना करनी चाहिए । हम इस बात पर आगे बढ़ सकते हैं । अध्यक्ष महोदय, 1978 में फरवरी माह में कम्युनिस्ट पार्टी आफ चाइना की इलैवंथ प्लैनरी हुई थी । उस वक्त Mao Zedong की इरा समाप्त हो रही थी और Dang Xiaoping की इरा प्रारम्भ हो रही थी । उस प्लैनरी के अंदर एक बहुत बड़ा संघर्ष हो रहा था । पूरे देश से कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ चाइना के डेलीगेट्स हजारों की संख्या में आए थे । उस वक्त वातावरण यह था कि माओ की नीतियों को क्रिटीसाइज किया जा रहा था । उसकी भयानक भर्त्सना थी और आलोचना का वातावरण था । डेंग जो नया नेता था उनको माओ की नीतियों का विरोध करके कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ चाइना का नेतृत्व मिला था । उन्होंने खड़े होकर जो बात कही थी मैं उसको कोट करना चाहता हूं । उन्होंने कहा था कि –

15.00 बजे

> "ये चाइना कोई 50–60 साल पुराना चाइना नहीं है । यह चाइना विश्व की सबसे पुरानी सभ्यताओं में से एक राष्ट्र नहीं है, यह राष्ट्र किसी एक पीढ़ी ने नहीं बनाया बल्कि अनेकों पीढ़ियों की मेहनत से आज यह राष्ट्र इस स्थिति में पहुंचा है ।"

चाइनीज सिविलाइजेशन को उन्होंने कोट करते हुए कहा था कि– अतीत में हमारे पूर्वजों ने अपनी यथायोग्य, यथासामर्थ्य, यशाशक्ति और यथासम्भव उस काल और परिस्थिति के अनुसार जो उनकी नियत और नीति थी उस पर चलकर अच्छे से अच्छे राष्ट्र बनाने के प्रयास किए होंगे इसलिए 1978 में उन्होंने इलैवंथ प्लैनरी ऑफ कम्यूनिस्ट पार्टी ऑफ चाइना में एक रैज्योल्यूशन पास किया । चाइना में अपने पूर्वजों के या अपने से पहले वालों की आलोचना करने को उन्होंने अपराध की संज्ञा देकर कानूनन अपराध बनाने का काम किया । उन्हीं की तरह हम भी पहले वाले लोगों की आलोचना नहीं करेंगे । यह ठीक है कि हम उस प्रकार के कानून बनाने की बात नहीं कर सकते हैं लेकिन यह सदन मर्यादाओं पर चलताहै । यह सदन लोकतंत्र का मन्दिर है । यह सदन अभिव्यक्ति का माध्यम है इसमें कहीं न कहीं कभी न कभी हमारे पूर्वजों ने उन मर्यादाओं को विकसित करने के काम किए होंगे । उन्हीं मर्यादाओं को आगे बढ़ाने का हमारे पास यह अवसर है । ये अवसर यह सोचने के हैं कि हम कहां पहुंचे हैं, हमें कहां तक जाना है और कहां तक हमको जाना चाहिए । मैं मानता हूं कि देश बदल रहा है । 21वीं शताब्दी में भाई नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत एक ऐसा संकल्प ले रहा है, भारत की नई युवा पीढ़ी एक ऐसा संकल्प ले रही है कि अगर 19वीं शताब्दी यूरोप के नाम लिखी गई है, अगर 20वीं शताब्दी अमेरिका के नाम लिखी गई है तो 21वीं शताब्दी हिन्दुस्तान

के नाम लिखी जाए । पूरी युवा पीढ़ी आज यह चाहती है । हरियाणा प्रदेश ने भले ही छोटा राज्य होते हुए देश के अंदर अपनी राजनीतिक और आर्थिक स्थिति मजबूत करके अपनी अलग पहचान पूरे देश में बनाई है । हरियाणा एक मॉडल बनकर आज उभरने की स्थिति में है। हरियाणा में आगे जो नीतियां बन रहीं हैं उन नीतियों पर चलकर हरियाणा एक आदर्श मॉडल बनकर साबित हो सकता है । हरियाणा पूरे चेंज का ड्राइवर बन सकता है और ऐसी भूमिका में हरियाणा को आना है । मैं पूरे सदन के माध्यम से ऐसा संकल्प लेने के लिए हरियाणा की जनता का आह्वान करना चाहता हूं । अध्यक्ष महोदय, मैं ज्यादा समय न लेते हुए इतना कहना चाहता हूं कि आपने मुझे बोलने का अवसर दिया इसके लिए आपका बहुत बहुत धन्यवाद । मैं हरियाणा के तमाम महापुरूषों का नाम न लेते हुए उन सबको नमन करता हूं तथा हरियाणा की अढाई करोड़ जनता को वंदन करता हूं । धन्यवाद ।

श्री टेकचंद शर्मा (पृथला) : आदरणीय अध्यक्ष महोदय, आज स्वर्ण जयंती समारोह का अधिवेशन जो आपने बुलाया है उसमें आपने मुझे बोलने का मौका दिया उसके लिए आपका बहुत बहुत धन्यवाद । हम इतने सौभाग्यशाली हैं कि स्वर्ण जयंती का जो अवसर आया है वह हमारे पीरियड में आया है । इस स्वर्ण जयंती वर्ष के लिए हम सब लोग गवाह रहेंगे इसलिए मैं आप सबको मुबारिकवाद देता हूं । वैसे तो

लोकतंत्र में कोई कभी किस तरफ बैठता है और कोई किस तरफ जाता है लेकिन हरियाणा दृढ़ निश्चय करते हुए तीव्र गति से आगे बढ़ता जा रहा है । 50 सालों के बाद आज यह स्वर्ण जयंती का अवसर मिला है । इस अवसर पर माननीय प्रधानमंत्री महोदय ने कौशल विकास केन्द्र की स्थापना की घोषणा की है जोकि हिन्दुस्तान में पहला होगा । वह केन्द्र हिन्दुस्तान के हरियाणा जिले के पृथला विधानसभा में बनेगा उसके लिए मैं आप सबका और खासकर माननीय मुख्यमंत्री महोदय का आभार प्रकट करता हूं । अध्यक्ष महोदय, माननीय मुख्यमंत्री जी ने मेरे हल्के में 18 मई, 2015 को रैली की थी जिसमें उन्होंने बहुत सारी घोषणाएं भी की थी जिनमें से बहुत सारी घोषणाएं पूरी भी होने जा रही हैं । मैं ध्यान दिलाना चाहूंगा कि पलवल, हथीन और पृथला विधान सभा क्षेत्रों में पानी की बहुत कमी है । वहां पर पीने के पानी की व्यवस्था करने के लिए मुख्यमंत्री जी ने रनीवैल स्कीम को मंजूरी दी है जो आगे बढ़ रही है उसके लिए मैं माननीय मुख्यमंत्री जी का धन्यवाद करता हूं । यह जो स्वर्ण जयंती वर्ष है इसको हम सभी भाईचारे से मना रहे हैं इससे हमें बड़ी खुशी हो रही है । आज सुबह से कई माननीय सदस्यों ने स्वर्ण जयंती के अवसर पर अपनी–अपनी गौरव गाथा गाई और हरियाणा के विकास का क्रेडिट लेने की कोशिश की। लेकिन यह सच है कि हरियाणा को बनाने में छोटे से लेकर बड़े तक सभी का सहयोग रहा है और सभी ने मिलकर हरियाणा

की नीव रखी है । इस समय हरियाणा की जनसंख्या 2.50 करोड़ के करीब है और मैं हरियाणा की पूरी जनता का हरियाणा को बनाने के लिए धन्यवाद करता हूं तथा जिस समय हरियाणा बना था उस समय जनसंख्या कम थी । अध्यक्ष महोदय, मौजूदा सरकार के दो साल के समय में हर क्षेत्र में ट्रांसपेरेसी की पॉलिसी आई है । पहले नौकरी पाने के लिए नौजवान जमीन की तरफ देखता था ताकि घर के बुजर्ग जमीन बेचकर उसे नौकरी लगने के लिए पैसे दे दें । लेकिन पिछले दो साल से हर बच्चा पढ़ने और स्वास्थ्य की तरफ ध्यान दे रहा है क्योंकि मौजूदा सरकार ने नौकरियों में ट्रांसपेरेसी कर दी है और मैरिट पर नौकरियां दी जा रही हैं । इसके लिए भी मैं मुख्यमंत्री जी का धन्यवाद करता हूं । इसी तरह से प्रदेश में भ्रष्टाचार में भी काफी कमी आई है लेकिन यह पूरी तरह से खत्म नहीं हुआ है। अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे नियम 84 के तहत चर्चा में भाग लेने का अवसर दिया है । मैं कहना चाहूंगा कि मेरे हल्के के गांव सिंकनोर में टैक्नीकल मिनिस्टर राव नरबीर सिंह आई.टी.आई. का उद्घाटन करके आये थे । मैं चाहता हूं कि उस आई. टी.आई. को जल्दी शुरू किया जाये । अध्यक्ष महोदय, हमारे वहां फरीदाबाद से मेवात और फरीदाबाद से पलवल के एरियाज में वाटर लैवल काफी नीचे चला गया है । फरीदाबाद के अंदर रैनीवल की स्कीम शुरू हो गई है लेकिन एग्रीकल्चर का वाटर लैवल काफी नीचे चला गया है । वहां पर वाटर लैवल को ठीक करने के

लिए यमुना पर बैराज बनाना बहुत जरूरी है ताकि मेवात क्षेत्र तक की प्यास बुझ सके । इस स्वर्ण जयंती वर्ष को माननीय मुख्यमंत्री जी ने गरीबों और युवाओं को समर्पित किया है । इसमें मैं कुछ सुझाव देना चाहता हूं कि ग्रामीण अंचल में बहुत से गांवों में गरीबों को प्लाट मिल गये हैं लेकिन जिन पंचायतों के पास जमीन नहीं है और न ही कोई संसाधन है वहां पर गरीबों को प्लाट नहीं मिले हैं। जो इस तरह के गांव हैं उनके लिए मैं सरकार से अनुरोध करना चाहूंगा कि उन गांवों में सरकार गरीबों को फ्लैट बनाकर दे। अध्यक्ष महोदय, जहां तक स्वच्छता अभियान की बात है यह अभियान भारत सरकार ने चलाया हुआ है और हरियाणा सरकार भी इसमें सहयोग कर रही है। मैं कहना चाहता हूं कि गांवों के बीच में जो जोहड़ हैं उनको मिट्टी से भरकर पार्क बनाया जाये ताकि लोगों को गंदगी से छुटकारा मिल सके और गांव के बाहर नये जोहड़ बनाये जायें । ऐसा करने से लोगों में भी स्वच्छता के प्रति जागरूकता आयेगी । इसी के साथ मैं कहना चाहूंगा कि गांवों में सड़के पी. डब्ल्यू.डी. बनाता है । उन सड़कों के साथ नाले तो बनाये जाते हैं लेकिन उनका एंड नहीं बनाया जाता जिसके कारण पानी सड़कों पर आ जाता है और सड़कें टूट जाती हैं । अध्यक्ष महोदय, मेरा आपके माध्यम से सरकार से अनुरोध है कि उन नालियों को आखिरी छोर तक पहुंचाया जाये। एक बात मैं रोजगार के बारे में कहना चाहूंगा कि स्वर्ण जयंती वर्ष मे प्रदेश के युवाओं को रोजगार मिलना बहुत

आवश्यक है। जो पुरानी फैक्ट्रियां लगी हुई हैं और उनमें जो हरियाणा प्रदेश से बाहर के लोग काम कर रहे हैं उनको तो हम नहीं हटा सकते लेकिन मैं यह कहना चाहता हूं कि हरियाणा प्रदेश में जो भी नई फैक्ट्रियां लगे चाहे वे किसी भी क्षेत्र में लगे उनमें वहां के 90 परसैंट नौजवानो को रोजगार मिलना चाहिए। उनमें उन्हीं नौजवानों को नौकरियां दी जायें जिनके पास हरियाणा का डोमीसाईल हो। स्पीकर सर, हमारे फरीदाबाद को भारत सरकार द्वारा स्मार्ट सिटी घोषित किया जा चुका है। स्मार्ट सिटी घोषित होने के बावजूद भी वहां पर जो वर्ष 2031 का डिवैल्पमैंट प्लॉन है वह अभी तक वहां पर चालू नहीं हुआ है। जिस कारण वर्ष 2031 का डिवैल्पमैंट प्लॉन चालू न होने की वजह से वहां पर अन–अथोराईज्ड़ कंस्ट्रक्शन बहुत ज्यादा हो रही है। इसलिए मेरी आपके माध्यम से सरकार से प्रार्थना है कि फरीदाबाद में वर्ष 2031 के डिवैल्पमैंट प्लॉन के ऊपर भी जल्दी से जल्दी काम शुरू किया जाना चाहिए। हरियाणा प्रदेश की स्वर्ण जयंती के अवसर पर मैं दो लाईनें सुनाना चाहूंगा :–

"रखता है जो हौंसला आसमानों को छूने का,
उसको नहीं होती परवाह गिर जाने की।
परिंदों को नहीं दी जाती तालीम उड़ानों की,
वो खुद ही तय करते हैं मंजिल आसमानों की।।"

स्पीकर सर, मेरा ये चार लाईनें माननीय मुख्यमंत्री जी को समर्पित हैं। वे खुद बहुत समझदार हैं । मैं उनको यही कहना चाहूंगा कि वे इसी तरीके से आगे बढ़ते रहें हरियाणा उनके कार्यकाल में तरक्की करेगा। स्पीकर सर, आपने मुझे बोलने के लिए समय दिया इसके लिए आपका धन्यवाद एवं यहां उपस्थित माननीय सदस्यों ने मुझे सुना इसलिए उन सभी का भी बहुत–बहुत धन्यवाद।

श्री भूपेन्द्र सिह हुड्डा (गढ़ी–सांपला–किलोई): अध्यक्ष जी, आज हम अपने प्रदेश की स्वर्ण जयंती मना रहे हैं और विधान सभा की भी स्वर्ण जयंती मना रहे हैं। मैं यह भी बताना चाहूंगा कि हरियाणा विधान सभा का भी यह स्वर्ण जयंती वर्ष है क्योंकि विधान सभा का निर्माण हुए भी 50 वर्ष हो गये हैं। जब पहली विधान सभा बनी थी उस समय इस विधान सभा के 54 सदस्य थे। उसके बाद दूसरी और तीसरी विधान सभा में विधान सभा सदस्यों की संख्या 54 से बढ़कर 81 हुई और फिर यह संख्या 81 से बढ़कर 90 हुई। इस विधान सभा में बहुत काबिल नेतृत्व रहा है। यहां पर दिग्गजों का प्रभुत्व रहा और उनका बड़ा–बड़ा कंट्रीब्यूशन रहा। मुझे भी यहां पर सदस्य के रूप में निर्वाचित होने का मौका मिला। मैं विधान सभा सदस्य रहते हुए विपक्ष का नेता भी रहा और 10 साल हरियाणा प्रदेश का मुख्यमंत्री भी रहा। यह भी मेरा सौभाग्य है कि मेरे स्वर्गीय पिता जी भी इस विधान सभा के सदस्य रहे और उनका भी यहां पर काफी योगदान रहा । यह हमारे लिए गर्व की

बात है कि आज हरियाणा प्रदेश की गणना देश के अग्रणी प्रदेशों में होती है। सन् 1966 में जब हरियाणा बना तो यह सवाल था कि क्या हरियाणा प्रदेश आर्थिक तौर पर अपने पैरों पर खड़ा हो सकता है या नहीं? यह नहीं हो सकता है कि कोई यह कहे कि हरियाणा हमे लॉटरी में मिला है अर्थात् वर्ष 1966 में एकदम हरियाणा का निर्माण हो गया। 11वीं शताब्दी की जो पालम बॉवली है उसमें भी हरियाणा का उल्लेख मिलता है। जैन कवि विभु श्रीधर की पुस्तक "पंच नहर चाउ" में भी हरियाणा की चर्चा है । जैसी कि चर्चा है कि सन् 1857 की क्रांति की जो चिंगारी थी वह भी अम्बाला से ही फूटी थी और 9 घंटे के बाद मेरठ पहुंची थी। आखिरी मुगल बादशाह बहादुर शाह जफर का जो आखिरी आह्वान खत था उसमें भी सर्व खाप हरियाणा की चर्चा थी। सन् 1947 से 1950 के बीच जब पैप्सू स्टेट समझौते की बात चली तो सरदार पटेल के सामने एक प्रस्ताव रखकर यह मांग की गई कि 1857 से पहले का जो हरियाणा था उसका निर्माण किया जाये। उस समय की जो सर्व खाप हरियाणा थी उसका हैड क्वॉर्टर इस समय के पश्चिमी उत्तर प्रदेश में था। उस समय भी हरियाणा के निर्माण की मांग की गई थी। मैं हरियाणा के निर्माण की चर्चा नहीं करना चाहता था लेकिन विपक्ष के नेता ने इस बात की चर्चा की इसलिए मेरे लिए भी यह जरूरी हो गया है कि मैं भी इसकी चर्चा यहां पर करूं। आज का हरियाणा कैसे बना इसमें बहुत सी महान हस्तियों का विशेष

योगदान रहा है इसमें कोई दो राय नहीं। इस बारे में जो मुझे इतिहास पता है उसके मुताबिक मैं यह बताना चाहूंगा कि सबसे पहले पंजाबी सूबे की मांग उठाई गई थी और इसके लिए सम्बंधित इलाके के लोगों का बड़ा भारी दबाव था। 1965 से पहले भी और मास्टर तारा सिंह के समय में भी । मास्टर तारा सिंह दोनों पार्टियों अकाली दल के भी और कांग्रेस के भी सदस्य थे । नेता प्रतिपक्ष ने जो चर्चा की थी कि 1965 में जब प्रताप सिंह कैरों पंजाब के मुख्यमंत्री थे उस समय कैबिनेट में अलग पंजाबी सूबे का विरोध किया गया था यह बात सही है इसमें कोई दोराय नहीं है । पंजाबी सूबे का विरोध इसलिए किया गया क्योंकि उस समय मास्टर तारा सिंह की मांग थी कि पंजाबी सूबे का बंटवारा 1941 की जनगणना के आधार पर किया जाये परन्तु हरियाणा के नेताओं की मांग थी कि अलग हरियाणा का गठन 1961 की जनगणना के आधार पर किया जाये । अगर 1941 की जनगणना के आधार पर हरियाणा का गठन होता तो अम्बाला और सिरसा आज हरियाणा का हिस्सा नहीं होते । वर्तमान हरियाणा का गठन 1961 की जनगणना के आधार पर हुआ था । वर्ष 1966 में श्रीमती इन्दिरा गांधी जी प्रधानमंत्री बनी उस समय भी मेरे पिता जी मंत्री थे और जब फैसला हुआ तो सबसे पहले यह फैसला कांग्रेस वर्किंग कमेटी में किया गया था । जिस समय श्रीमती इन्दिरा गांधी जी ने इसका प्रस्ताव किया तो उस समय के दिग्गज नेता श्री मोरार जी देसाई और डॉ.

राम सुभाग ने इसका विरोध किया था लेकिन प्रस्ताव पारित हुआ । उसके बाद हरियाणा के गठन की कहानी शुरू हुई थी । उस समय कामरेड रामकिशन जी पंजाब के मुख्यमंत्री थे तथा उस कैबिनेट में मेरे स्वर्गीय पिता श्री रणबीर सिंह, श्री रिजक राम जी और श्री चांद राम जी मंत्री थे और मेरे पिता जी के प्रस्ताव को सर्वसम्मति से पास किया कि हरियाणा और पंजाबी सूबा अलग–अलग होना चाहिए । उसके बाद वह प्रस्ताव केन्द्र में श्रीमती इन्दिरा गांधी जी के पास भेजा गया । मैं इस बात में नहीं जाना चाहता कि कौन इसके विरोध में था और कौन इसके फेवर में था । किसी ने कहा कि कोई नेता विरोध में था, किसी ने कहा कि कोई दल विरोध में था, यह उस समय की सभी की अपनी–अपनी सोच थी लेकिन इस सबके बावजूद भी हरियाणा बन गया । अध्यक्ष महोदय, आज का हरियाणा लॉटरी में नहीं मिला है, आज का हरियाणा कुशल नेतृत्व, किसान, कर्मचारी, अधिकारी तथा मजदूर की दिन रात की मेहनत का नतीजा है । इसी तरह से विधान सभा ने पिछले 50 साल में बहुत सारे कानून पास किये हैं जो हरियाणा को आगे लेकर गये हैं । अब तक जितनी भी सरकारें बनी हैं सभी ने इसमें अपना योगदान दिया है । वर्ष 2005 में मुझे भी प्रदेश की सेवा करने का मौका मिला । हमने पूर्व सरकारों के चलाये हुये कार्यों को आगे बढ़ाया और अपना भी एक लक्ष्य तय किया । सबसे पहले हमारे संज्ञान में आया कि अगर प्रदेश का विकास करना

है तो बिजली इसमें मील का पत्थर साबित हो सकती है क्योंकि बिजली के बिना किसी भी प्रदेश का विकास नहीं हो सकता है । इसलिए बिजली की कमी को दूर करने के लिए हमने बिजली के प्लांट लगाने का काम किया । उसके बाद हमने किसानों के बारे में कुछ नीतियां बनाई । अगर देश में सबसे पहले किसानों के लिए उसकी जमीन की अच्छी कीमत दी है तो वह हरियाणा ने 2006 में भूमि अधिग्रहण बिल के तहत दी है जिसका सारे देश में अनुसरण किया गया । उसके बाद हम खेल नीति लेकर आये । हमारा यह भी प्रयास रहा कि हम हरियाणा को शिक्षा का हब बनायें । अध्यक्ष महोदय, मेरे पास सारे आंकड़े उपलब्ध हैं वे तो अगर आप कहोगे तो मैं सदन के पटल पर रख दूंगा । अध्यक्ष महोदय, देश और प्रदेश के दो वर्ग ऐसे हैं जो उसको आगे ले जा सकते हैं और वे हैं किसान और जवान । किसान देश का पेट पालता है तथा जवान हमारे देश की रक्षा करता है । हरियाणा तो अनाज के मामले में देश का दूसरा सबसे बड़ा कंट्रीब्यूट्री हुआ है और यह स्थिति पहले नहीं थी । अगर किसान खुशहाल है तो देश का हर वर्ग खुशहाल रहता है । पूर्व प्रधानमंत्री श्री लाल बहादुर शास्त्री जी ने इसीलिए यह नारा दिया था कि जय–जवान, जय–किसान । हमारी सरकार आने के बाद तथा हमारी संस्कृति को देखते हुये तीसरा नारा हमने दिया था । हमने इस नारे को और आगे बढ़ाते हुये कहा था कि जय जवान, जय किसान और जय पहलवान । जो आज

खेलों में पूरी दुनिया में बोलबाला हुआ है वह खेलों की वजह से हुआ है हमारे खिलाड़ियों की वजह से हुआ है । खिलाड़ियों की मेहनत की वजह से हुआ है । अभी विपक्ष के नेता भी खेलों की चर्चा कर रहे थे इनकी यह बात ठीक है कि आर्य समाज का इसमें बड़ा भारी रोल रहा है । यह तस्वीर अब के दैनिक जागरण अखबार में छपी है । इसमें लिखा है कि बड़े नेताओं के बल पर अलग राज्य का माहौल । अध्यक्ष महोदय, यह दुर्लभ तस्वीर हरियाणा बनाओ संघर्ष समिति की बैठक की है । इसमें कौन–कौन सदस्य हैं स्वर्गीय चौधरी देवी लाल, चौधरी रणबीर सिंह हुड्डा, पूर्व केन्द्रीय मंत्री प्रोफेसर शेर सिंह, श्री उदय सिंह मान, श्री राम शर्मा, डॉ0 मंगल सैन, श्री रिजक राम, देश बंधु गुप्ता और श्री मूल चन्द जैन इन सभी ने हरियाणा को अलग राज्य बनाने के लिये देश में जोरदार मूवमैंट खड़ा किया । इनमें से कुछ नेताओं ने हरियाणा बनाओ संघर्ष समिति बनाई जिसकी विपक्ष के नेता चर्चा कर रहे थे । देश में यह जोरदार मूवमैंट खड़ा करने वाले अधिकतर नेता आर्य समाजी थे । हरियाणा को अलग राज्य बनाने में हरियाणा के नेताओं का महत्वपूर्ण योगदान है । इन नेताओं ने लम्बे समय तक हरियाणा के गठन के लिये आन्दोलन छेड़ा । आगे जाकर उनका सघर्ष रंग लाया और हरियाणा का गठन हुआ । अध्यक्ष महोदय, मैं किसी और चर्चा में नहीं पड़ना चाहता । मैं तो एक ही बात कहना चाहता हूँ कि आज मैं किसी के नारे या किसी का विरोध करने के लिये

खड़ा नहीं हुआ हूँ । मैं आज ऐसे मौके पर खड़ा हुआ हूँ कि आज हमारे हरियाणा प्रदेश को बने हुए 50 वर्ष हो गये हैं और हमारा प्रदेश सबसे अग्रणी प्रदेश माना जाता है । वित मंत्री जी ने भी काफी आंकड़े देने की बात की । यह सही बात है कि जब हरियाणा पंजाब से अलग हुआ तब हरियाणा प्रदेश बहुत पिछड़ा हुआ था । मेरी सरकार से एक दरख्वास्त है । मुख्यमंत्री जी यहां बैठे हुए हैं वह यह जरूर देख लें कि कब हमारा हरियाणा प्रदेश पंजाब प्रदेश से आगे गया । आप वर्ष 2005 के आंकड़े देख लें । हरियाणा का बजट वर्ष 2004 में क्या था और पंजाब का बजट क्या था ? पंजाब का बजट हमारे से दो गुणा था और वर्ष 2014 में जब हमारी सरकार का कार्यकाल पूरा हुआ तो पंजाब प्रदेश हरियाणा प्रदेश से कितना पीछे था । आप यह पीरियड देखें । हम सारे आंकड़े आपको देंगे आपको अपने आप पता लग जाएगा कि प्रति व्यक्ति सेहत पर कितना खर्च हुआ । अगर आप सही आंकलन करना चाहते हैं तो पाँच वर्षों के कार्यकाल में जिस–जिस का आंकलन हुआ उसका आप कम्पेरिजन करते चले जाएं और उस समय जिसने जो काम किया उसका उसको श्रेय दें । हरियाणा के विकास में सभी का योगदान है । आज आपके हाथ में बात है तो हम उम्मीद करते हैं कि आपके कार्यकाल में भी हरियाणा आगे जाए । हरियाणा को आगे ले जाने में हमारा पूरा प्रयास रहेगा और हमारा पूरा सहयोग रहेगा । हरियाणा का जो भी मुद्दा हो चाहे वह एस.वाई.एल. का हो,

जहां हरियाणा के हित होंगे हम आपके साथ खड़े हुए दिखाई देंगे । आज मेरा सारे सदन के सदस्यों से निवेदन है कि जहां हरियाणा का हित हो वहां हम सबको एक होकर खड़ा होना चाहिए । एक आवाज में जाना चाहिए तभी हम आगे बढ़ सकेंगे । ठीक है राजनीति है, प्रतिशोध भी है । कुछ प्रतिशोध मेरे को भी होंगे । यह तो चलता रहेगा । लेकिन हमारी आगे आने वाली पीढ़ी का भविष्य सुरक्षित हो और हरियाणा ने इतने लम्बे समय के बाद इतना पिछड़ा इलाका होते हुए भी आप जो एक स्थान बनाया है उस स्थान से हम न फिसलें । उस संबंध में मैं दो–तीन बात जरूर कहना चाहूंगा लेकिन मैं कोई बात निन्दा की वजह से नहीं कहना चाहता । मैं तो बस इतना कहना चाहता हूँ कि आज किसान की क्या हालत है ? जवान की बात तो आज मैं नहीं करूंगा । यह बी.जे.पी. की सरकार बनी बहुत अच्छी बात है, इससे लोगों को बहुत आशाएं थी । सबसे पहले आप खुद उस इलाके से हैं जहां जीरी पैदा होती है । जीरी पैदा हुई लेकिन उसका किसान को क्या भाव मिला । विडम्बना इसी बात की है कि आज इसी बात को लेकर सरकार को दखल करते हुए नजर आना चाहिए । किसान की जीरी तो पिट गई लेकिन चावल तो सस्ता नहीं हुआ । इससे किसका लाभ हुआ ? फिर कपास की फसल आई । कपास तो पिट गई लेकिन कपड़ा तो सस्ता नहीं हुआ । इसमें किसका लाभ हुआ ? आलू की फसल आई तो आलू भी ऐसे ही पिटा । आलू का किसान

को एक रूपया किलो मिला और आज आलू का क्या भाव है ? आलू तो पिट गया लेकिन चिप्स सस्ती नहीं हुई । टमाटर की फसल की बारी आई तो किसानों को टमाटर अपने पशुओं को खिलाना पड़ा । किसान का टमाटर तो पिट गया लेकिन सोस सस्ती नहीं हुई । इसी तरह पॉपुलर को देखिये किसान का पॉपुलर तो पिट गया लेकिन प्लाईवुड सस्ता नहीं हुआ । अगर इस तरह से किसान के साथ खिलवाड़ होता रहा तो फिर यह क्या नीति हुई ?

श्री अध्यक्ष : हुड्डा साहब, पॉपुलर तो आपके कार्यकाल में ही पिट गया था ।

श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा : अध्यक्ष महोदय, हमारे समय में तो पॉपुलर 1200–1300 रूपये क्विंटल के हिसाब से बिका है ।

श्री अध्यक्ष : वह तो पहले बिका था लेकिन जो रेट अब चल रहा है यह रेट भी आप ही के समय में आ गया था ।

श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा : अध्यक्ष महोदय, हमारे समय में तो किसान की 5000 रूपये तक जीरी बिकी है । इसमें मैं आंकड़ों के विवाद में नहीं पड़ना चाहता क्योंकि तथ्य और सत्य सदा ही रहेगा ।

श्री आनन्द सिंह दांगी: अध्यक्ष महोदय, आप सबके सांझे हो, अतः हम आपसे सार्थक अपेक्षा करते हैं?

श्री अध्यक्षः देखिये, मैं चेयर पर बैठा हूँ और हुड्डा साहब अपनी बात को सिद्ध करने के लिए मेरे से हंगूरे भरवा रहे हैं। अब जैसे पापुलर के रेट की बात आई। मेरा निर्वाचन क्षेत्र पापुलर की खेती के लिए जाना जाता है। किस समय इसके रेट कम या ज्यादा हुए, मैं समझता हूँ कि इस बारे में मुझे ज्यादा जानकारी है अतः जो बात मुझे लगी की ठीक नहीं है, मैं तो उसकी बाबत बात कर रहा हूँ। गलत हंगूरा थोड़े ही भरा जायेगा।

श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डाः अध्यक्ष महोदय, मैंने पहले भी कहा है कि मैं निन्दा करने के लिए सदन में खड़ा नहीं हुआ हूँ। मैं तो सरकार को सचेत करने के लिए खड़ा हुआ हूँ। सरकार को ऐसी नीति अपनानी चाहिए जिससे किसान के हितों की रक्षा हो सके। आज जब सवेरे चर्चा का विषय बना था कि पूर्व सैन्यकर्मी को शहीद का दर्जा दिया जाये या नहीं उस सिलसिले में इस महान सदन को बताना चाहूँगा कि सरकार ने उस पूर्व सैन्यकर्मी को शहीद का दर्जा दिया या नहीं दिया, इस बारे में मुझे कुछ मालूम नहीं है। मैं पूर्व सैन्यकर्मी की मौत के बाद जब उसके घर गया और उसके परिवार वालों से मिला तो पूर्व सैन्यकर्मी के लड़के ने मुझे बताया था कि आज के अखबार में यह कहा गया है कि उनके पिता जी को शहीद का दर्जा दिया जायेगा और उसी परिपेक्ष्य में उसने मुझसे पूछा कि तिरंगा कौन लायेगा, तथा यह भी कहा कि क्या उन्हें स्वयं तिरंगा लाना चाहिए? मैंने डिप्टी कमिश्नर से बात

की तो उन्होंने कहा कि यह जिम्मा स्टेट फ्यूनरल का होता है। अध्यक्ष महोदय, स्टेट फ्यूनरल तो वहां कहीं दिखाई नहीं दिया था। अतः मृत्यु प्राप्त पूर्व सैन्यकर्मी को शहीद का दर्जा दिया गया या नहीं दिया गया, इस बाबत या तो पूर्व सैन्यकर्मी के परिवार वाले गलत कह रहे हैं या फिर स्वयं मुख्यमंत्री जी गलत कह रहे हैं, मुझे इसका नहीं पता लेकिन इस सदन में इस बारे स्थिति जरूर स्पष्ट की जानी चाहिए?

श्री अभय सिंह यादवः अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से हुड्डा साहब से पूछना चाहता हूँ कि क्या आत्महत्या करने वाले पूर्व सैन्यकर्मी को शहीद का दर्जा दिया जाना चाहिए?

श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डाः अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय साथी को बताना चाहूँगा कि मैं इस वाद–विवाद में नहीं पड़ता। मैंने तो सदन में वह बात बताई है जो पूर्व सैन्यकर्मी के लड़के ने मुझे बताई थी।

शिक्षा मंत्री (श्री रामबिलास शर्मा) : स्पीकर सर, मेरा प्वॉयंट आफ आर्डर है। चौधरी भूपेन्द्र सिंह हुड्डा इस सदन के बहुत अनुभवी नेता हैं और दो बार प्रदेश के मुख्यमंत्री भी रहे हैं। वे स्वयं राजनीतिक परिवार से हैं। चौधरी मातुराम जी से लेकर चौधरी रणबीर सिंह जोकि एक स्वतंत्रता सेनानी भी रहे, की गणना महान

राजनीतिक लोगों में होती है। अध्यक्ष महोदय, जींद के खटकड़ गांव का एक जवान कप्तान पवन खटकड़ जब देश पर शहीद हुआ था तो सर्दी की उस सर्द रात में शहादत से थोड़ी देर पहले उन्होंने अपने छोटे भाई को एक मैसेज किया था किः–

ना आजादी चाहिए, ना आरक्षण चाहिए,
यहां तो केवल एक रजाई चाहिए।

उसके बाद उसने लिखा कि मेरा जो टारगेट था उसको प्राप्त कर लिया है। अब मैं अलविदा करता हूँ। स्पीकर सर, सीमा पर शहादत देने वाले सैनिकों में हर दसवां सैनिक हरियाणा से संबंध रखता है। This is the honor for Haryana. देश रक्षा के लिए न केवल हरियाणा के जवानों ने सीमाओं पर अपनी कुर्बानियां दी हैं बल्कि हरियाणा के लोगों ने भी समय–समय पर अपनी उपस्थिति दर्ज करवाई है। इतनी महान विरासत इस प्रदेश की है। सैनिक होकर राजनीति के चक्कर में आकर सुसाईड कर लेना क्या सही बात है। चौधरी भूपेन्द्र सिंह हुड्डा जैसा सीनियर लीडर इस तरह की बात सदन में उठाकर क्या यह कहना चाहते हैं कि जो पूर्व सैनिक ने सुसाईड किया, वह सही बात है? हुड्डा साहब आपकी जुबान से मैं यह नहीं सुनना चाहता था? (शोर एवं व्यवधान)

श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डाः अध्यक्ष महोदय, मैंने पूर्व सैनिक के इस मामले में अपनी कोई राय नहीं दी है। हमें अपने वीर सैनिकों पर गर्व है। भारतीय सेना के दो–दो चीफ

हमारे हरियाणा से संबंध रखते हैं, यह हमारे लिए गौरव की बात है। मुझे यह भी गर्व है कि मेरा एक सहपाठी भी भारतीय सेना में है। हरियाणा प्रदेश ने भारतीय सेना को लगातार तीन चीफ दिए है जो कोई छोटी–मोटी बात नहीं है। मैंने आज सदन में केवल वह बात बताई थी जिसको मुझे सुसाईड करने वाले पूर्व सैन्यकर्मी के परिवार वालों ने बताया था। इस बारे में हकीकत क्या है, इसका मुझे पता नहीं है और न ही मैं किसी विवाद में पड़ता चाहता हूँ। कोई बात नहीं सरकार ने उसको शहीद का दर्जा दिया या नहीं दिया मैं उस विषय में नहीं जाना चाहता लेकिन सरकार की तरफ जो उस परिवार को सहायता देने की बात कही गई है वह बहुत अच्छी बात है। (विघ्न)

परिवहन मंत्री(श्री कृष्ण लाल पंवार): अध्यक्ष महोदय, (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः हुड्डा साहब, पंवार साहब भी वहां पर गए थे। वह कुछ कहना चाह रहे हैं। अतः आप प्लीज, बैठिए।

परिवहन मंत्री (श्री कृष्ण लाल पंवार): अध्यक्ष महोदय, हुड्डा साहब ने सदन में पूर्व सैन्यकर्मी के परिवार से मिलने की बात कही है। मैं सदन की जानकारी के लिए बताना चाहूँगा कि मैं भी पूर्व सैन्यकर्मी के परिवार वालों से मिलने गया था। हुड्डा साहब भी वहां पर पूर्व सैन्यकर्मी के परिवार से मिलने आये थे। मेरी उस परिवार से

जो बातचीत हुई थी, उस बातचीत को सदन में बताना इस समय मेरे लिए बहुत जरूरी हो गया है। (शोर एवं व्यवधान)

श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डाः अध्यक्ष महोदय, सदन की जानकारी के लिए मैं बताना चाहूँगा कि जब मैं पूर्व सैनिक के परिवार से मिलने गया था तो उस समय पंवार साहब मुझे रास्ते में वापिस आते हुए मिले थे। (शोर एवं व्यवधान)

श्री कृष्ण लाल पंवारः अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से हुड्डा साहब की जानकारी के लिए बताना चाहूँगा कि जब हुड्डा साहब पूर्व सैन्यकर्मी के परिवार से मिलने आ रहे थे, उस समय मैं वापस नहीं आ रहा था बल्कि मैं पूर्व सैन्यकर्मी के परिवार वालों से अलग से बात करने के लिए एक अलग कमरे में जा रहा था। उस कमरे में परिवार के सभी लोग मौजूद थे। अध्यक्ष महोदय, मैं स्वयं तथा बहन किरण जी पूर्व सैन्यकर्मी के घर पर इनसे पहले गए थे और हुड्डा साहब बाद में आए थे। (शोर एवं व्यवधान)

श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डाः अध्यक्ष महोदय, पंवार जी बाद में आये थे। (शोर एवं व्यवधान)

श्री कृष्ण लाल पंवारः अध्यक्ष महोदय, हम हुड्डा साहब से एक घंटा पहले पहुंच गए थे। जब हुड्डा साहब आए उस समय मैं वहां पर था?(शोर एवं व्यवधान)

श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डाः अध्यक्ष महोदय, यह पूरा सदन बैठा है, सब जानते हैं कि मुझे झूठ बोलने की आदत नहीं है?(शोर एवं व्यवधान)

श्री कृष्ण लाल पंवारः अध्यक्ष महोदय, मैं बहन किरण जी से ही पूछता हूँ कि क्या हम लोग हुड्डा साहब से पहले पूर्व सैन्यकर्मी के घर पर नहीं गए थे?

श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डाः अध्यक्ष महोदय, पंवार साहब यह कहना चहाते है कि मैं झूठा हूँ, तो मैं मान लेता हूँ। (शोर एवं व्यवधान) क्या बात कह रहे हो? मैं इस सदन का एक जिम्मेदार व्यक्ति हूँ? मैं सदन में वही बात कह रहा हूँ जो पूर्व सैन्यकर्मी के परिवार वालो ने मुझसे कही थी। (विघ्न)

श्री कृष्ण लाल पंवारः अध्यक्ष महोदय, मैं ठीक कह रहा हूँ। हुड्डा साहब बाद में आये थे। (शोर एवं व्यवधान)

श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डाः अध्यक्ष महोदय, कौन बाद में आया और कौन पहले आया यह कोई महत्व नहीं रखता बल्कि विषय महत्वपूर्ण होता है। (शोर एवं व्यवधान)

श्री कृष्ण लाल पंवारः अध्यक्ष महोदय, सदन की जानकारी के लिए और आगे बढ़ते हुए यह भी बताना चाहूँगा कि मैं स्वयं, श्री रत्तन लाल कटारिया जी, बहन शैलजा जी, श्री शमसेर सिंह सुरजेवाला, श्रृति सिंह तथा बहन किरण चौधरी जी भी हुड्डा

साहब के पहुंचने से पहले वहां पर पहुंच गए थे और हुड्डा साहब बाद में आये थे। (शोर एवं व्यवधान)

श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डाः अध्यक्ष महोदय, मेरा अनुरोध है कि गैर जरूरी विषय को ज्यादा न बढ़ाते हुए, मुख्य विषय पर आना ज्यादा जरूरी है और मुख्य विषय, पूर्व सैन्यकर्मी के परिवार वालों ने जो बातें कही थी, उनको सदन में क्लीयर करना है। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः देखिये नेचुरल सी बात है ऐसे विकट हालात में परिवार वाले बेचारे क्या कहेंगे? (शोर एवं व्यवधान)

श्री कृष्ण लाल पंवारः स्पीकर सर, अभी हुड्डा साहब ने कहा कि पूर्व सैन्यकर्मी के परिवार वालों ने जो बातें कही उन्हें क्लीयर किया जाए तो मैं परिवार वालों की बात को सदन में क्लीयर करता हूँ। जब हुड्डा साहब आये. . . (शोर एवं व्यवधान)

श्री भपूेन्द्र सिंह हुड्डाः अध्यक्ष महोदय, (शोर एवं व्यवधान)

श्रम एवं रोजगार राज्य मंत्री(श्री नायब सैनी): अध्यक्ष महोदय, सच्चाई तो यह है कि भूपेन्द्र सिंह हुड्डा जैसे लोगों ने वहां पर जाकर पूर्व सैन्यकर्मी की मौत को राजनीतिक रंग देने की कोशिश की है। (शोर एवं व्यवधान)

श्री कृष्ण लाल पंवारः स्पीकर सर, सदन की जानकारी के लिए बताना चाहूँगा कि जब हुड्डा साहब वहां पर आये थे तो मैं पूर्व सैन्यकर्मी के परिवार के लोगों से बात करने के लिए बाहर निकल रहा था। मैने स्वयं, मैम्बर पार्लियामैंट धर्मबीर सिंह तथा रत्तन लाल कटारिया ने पूर्व सैन्यकर्मी के लड़के तथा परिवार के चार–पांच अन्य लोगों के साथ बात की थी कि संस्कार किस समय किया जायेगा। तब उन्होंने हमसे पूर्व सैन्यकर्मी को शहीद का दर्जा देने की बात कही तो मैंने कहा था कि डिफैंस के रूल के मुताबिक भूतपूर्व सैनिक को शहीद का दर्जा नहीं मिल सकता लेकिन हरियाणा सरकार पूरा मान सम्मान देगी। उस परिवार के सदस्यों ने आर्थिक सहायता के बारे में पूछा तो मैंने कहा कि हरियाणा सरकार निश्चित तौर पर देगी। उस परिवार के सदस्यों ने नौकरी के बारे में पूछा तो मैंने कहा कि हरियाणा सरकार परिवार के किसी एक सदस्य को सरकारी नौकरी निश्चित तौर पर देगी। उस परिवार के लोगों ने कहा कि उनके नाम से कोई नामकरण किया जाये, तो मैंने कहा कि ग्राम पंचायत किसी स्कूल, पार्क या सड़क का रैज्यूलेशन पास करके दे देगी तो हरियाणा सरकार निश्चित तौर पर नामकरण कर देगी। बहन किरण चौधरी जी और श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला जी ने पूछा तो मैंने कहा कि अंतिम संस्कार होने के बाद माननीय मुख्यमंत्री महोदय घोषणा करके जायेंगे। मैंने स्वयं माननीय मुख्यमंत्री महोदय से बात करके अंतिम संस्कार के बाद मीडिया में कहा था

कि उस परिवार को हरियाणा सरकार की तरफ से 10 लाख रूपये और परिवार के किसी एक सदस्य को सरकारी नौकरी हरियाणा सरकार देगी लेकिन डिफैंस के रूल के अनुसार भूतपूर्व सैनिक को शहीद का दर्जा नहीं देगी।

श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डाः अध्यक्ष महोदय, उस परिवार से मैं भी मिला था, उस परिवार ने मुझे सरकार की तरफ से शहीद का दर्जा के बारे में कहा था। माननीय मुख्यमंत्री जी इस बात का स्पष्टीकरण कर दे की उनको शहीद का आश्वासन दिया था या नहीं दिया था। किसी भी परिवार को आर्थिक सहायता देना अच्छी बात होती है। सरकार को उस परिवार को पहले ही कह देना चाहिए था कि आपकी हम आर्थिक मदद तो कर सकते हैं लेकिन शहीद का दर्जा नहीं दे सकते । शहीद का दर्जा देने के लिए सभी अखबारों में लिखा हुआ है कि सरकार शहीद का दर्जा देगी।

श्रीमती किरण चौधरीः अध्यक्ष महोदय, माननीय संसदीय मंत्री ने कहा कि कांग्रेस पार्टी के सदस्य इस बात का राजनीतिकरण करने की कोशिश कर रहे हैं। मैं आपके माध्यम से सदन को बताना चाहती हूँ कि मैं भी एक फौजी की बेटी रही हूँ। मेरे पिता जी पाकिस्तान ूंत के ूवनदकमक हैं। 'वन रैंक वन पैंशन' हर फौजी का अधिकार है जिसके लिए भूतपूर्व सैनिक लगभग अढ़ाई साल से दिल्ली के जंतर–मंतर पर ऐजीटेशन कर रहे हैं। अध्यक्ष महोदय, एक तरफ सैनिक अपनी

शाहदत देते हैं और दूसरी तरफ सरकार खून की बली लेती है। (शोर एवं व्यवधान) आज मजबूर होकर उनको सड़कों पर आना पड़ रहा है। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः बहन जी, भूतपूर्व सैनिकों की 40 साल की पूरानी मांग है। (शोर एवं व्यवधान) 40 साल से लगातार कांग्रेस पार्टी का ही देश में शासन रहा है। (शोर एवं व्यवधान)

श्री असीम गोयलः अध्यक्ष महोदय, कांग्रेस ने अपने शासन में कुछ नहीं किया। (शोर एवं व्यवधान)

श्री ज्ञान चंद गुप्ताः अध्यक्ष महोदय, 40 साल कांग्रेस पार्टी क्या करती रही? (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः प्लीज आप लोग बैठ जाइये। (शोर एवं व्यवधान)

श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डाः अध्यक्ष महोदय, मैं तो इस बात पर केवल सरकार का स्पष्टीकरण चाहता था इसके अलावा मैं कोई वाद–विवाद नहीं खड़ा करना चाहता था। आज मेरा किसी भी मुद्दे पर वाद–विवाद खड़ा करने का विचार नहीं है क्योंकि आज हम सब लोग मिलकर अपने प्रदेश की स्वर्ण जयंती मना रहे हैं जो किसी एक व्यक्ति का एजेंडा या किसी पार्टी का एजेंडा नहीं है। अध्यक्ष महोदय, मेरा आपके माध्यम से माननीय मुख्यमंत्री महोदय से आग्रह है कि हम ऐसा माहौल

पैदा करें ताकि सब मिलजुल कर हरियाणा को आगे ले जायें। विधान सभा की गरिमाएं होती हैं जिसका उल्लंघन भी हुआ है। मैं सांसद भी रहा हूँ, लेकिन मुझे विधान सभा और लोकसभा में काफी अंतर देखने को मिला है। मैंने अपने शासन काल में विधान सभा की गरिमा को बनाए रखने के लिए बहुत प्रयास किया था लेकिन उसमें मैं विफल रहा। मैं 10 साल के शासन काल में विधान सभा की गरिमा बनाने में कामयाब नहीं हो सका, उसके कारण कुछ भी रहे हों उनकी चर्चा आज मैं सदन में नहीं करता। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मुख्यमंत्री महोदय से कह रहा हूँ कि आपस में कटुता पैदा मत करो। मैं एक राजनीतिक परिवार में पैदा हुआ हूँ । मैंने वो माहौल देखा है जिसमें विरोधी भी आपस में परिवार की तरह रहते थे लेकिन आज बात करके खुश नहीं है। आपस में एक–दूसरे से मिलकर खुश नहीं है। हम आने वाली पीढ़ियों के लिए क्या छोड़कर जा रहे हैं? उनके लिए क्या हम एक–दूसरे के लिए गाली गलोच का माहौल छोड़कर जा रहे हैं? क्या हम एक–दूसरे पर छींटाकशी का माहौल छोड़कर जा रहे हैं? क्या हम एक–दूसरे का सहयोग का माहौल छोड़कर जा रहे हैं? अध्यक्ष महोदय, इन बातों पर विचार करना जरूरी है। आज हम अपने प्रदेश की स्वर्ण जयंती वर्षगांठ मना रहे हैं इसका फायदा तभी होगा जब आने वाली पीढ़ियों के लिए आगे बढ़ने का रास्ता दिखाया जायेगा। उनके लिए एक अच्छा माहौल बनाया

जायेगा। हम इस पवित्र जन्म भूमि पर पैदा हुए हैं तो हमारा कर्त्तव्य बनता है कि अपने प्रदेश का विकास करें और अपने देश को मजबूत बनाएं। अध्यक्ष महोदय, मैं छोटी–छोटी बातों पर ज्यादा चर्चा नहीं करता लेकिन आज मैंने मोटी–मोटी बातें आपके माध्यम से सदन को बता दी है। धन्यवाद!

डॉ. रघुवीर सिंह कादियान (बेरी) : स्पीकर सर, आपने मुझे बोलने के लिए समय दिया इसके लिए मैं आपका बहुत–बहुत धन्यवाद करता हूं । स्पीकर सर, सबसे पहले मैं आपको हरियाणा की 50वीं वर्षगांठ पर स्वर्ण जयंती के उपलक्ष में सैशन बुलाने के लिए बधाई देता हूं । आप इसके लिए बधाई के असली पात्र हैं । स्पीकर सर, जहां तक बोलने वाली बात है मेरे हिसाब से कुछ छोटी–मोटी बातें ऐसी भी आई हैं जहां गतिरोध पैदा हुआ । इतिहास के ऊपर पूरी नजर डाली गई है और पूरे आर्थिक विकास के ऊपर नजर डाली गई है और आंकड़ें बताए गए हैं । मैं ज्यादा लम्बी–चौड़ी बातों में नहीं जाता हूं । आज हरियाणा के बारे में और हरियाणा बनने के संघर्ष के बारे में सारी बातें आई हैं। मैं सदन को हरियाणा बनने का कारण बताना चाहता हूँ । उधर से हरियाणा बनाने की मांग पंजाब ने उठाई और इधर हरियाणा के नेताओं में एक डिस्क्रिमिनेशन हो रहा था, भेदभाव हो रहा था । हमारे साथ नौकरियों में, नहरों के पानी में, विकास के पैसे में भेदभाव हो रहा था क्योंकि ज्यादातर मुख्य मंत्री उस इलाके के थे । इस भेदभाव को लेकर यहां के

नेताओं ने हरियाणा बनाने की आवाज उठाई । आज यह सारी बातें आई हैं । हरियाणा बनने के समय जो 226 करोड़ रूपये के बजट की बात आई थी तो नैशनल लैवल पर भी लीडरशिप (प्रधानमंत्री) के सामने भी यह बात आई थी कि यह प्रदेश चल सकेगा या नहीं । उस समय इस तरह के हालात बने थे । हरियाणा बनाने में जिस आदमी ने भी प्रयास किया चाहे वह व्यक्ति विशेष था या कोई संस्था या कोई पॉलिटिकल पार्टी थी मैं उन सबको आज बहुत–बहुत मुबारकबाद देता हूं कि उनके संघर्ष के कारण हरियाणा बना और वे सब इसके विकास में हिस्सेदार बने । ऑनरेबल स्पीकर सर, जैसे बजट लेआउट प्लान के 20 हजार करोड़ रूपये या 26 हजार करोड़ रूपये के जो आंकड़ें आए हैं तो इस टैक्स स्ट्रक्चर को मजबूत करने में और हमारा विकास करने में चाहे कोई पंचायत थी या सेठ या साहूकार या किसान था चाहे कोई अफसर था या कोई मीडिया का साथी था या कोई व्यक्ति विशेष या कोई पोलिटिकल पार्टी या कोई नेता या एम.एल.ए. रहे हैं या मंत्री या मुख्य मंत्री रहे हैं उन सबके टाइम पर जो विकास हुआ, हम सबको सलाम करते हैं । स्पीकर साहब, हरियाणा प्रदेश ने बहुत झमेले देखे हैं । किस आदमी ने किसका साथ दिया, किसने किस पार्टी का साथ दिया, किसने पीठ में छुरा घोंप दिया, किसने आग लगाई, कहां गोलीकाण्ड हुआ, मैं इस तरह के झमेलों में नहीं जाना चाहता हूं । मैं इन लम्बी–चौड़ी बातों में नहीं जाता क्योंकि

इनसे सदन में कुछ–न–कुछ गतिरोध पैदा होगा । मैं इस बात को अवश्य कहूंगा अन्यथा मेरे फर्ज में कोताही होगी कि हमें उन लोगों को याद करना चाहिए कि जिन्होंने देश–विदेश में हरियाणा का नाम रोशन किया है चाहे वे खिलाड़ी थे या सेठ–साहूकार थे । ऐसे हरियाणावासियों को याद करते हुए मैं चौधरी छोटू राम का नाम लेना चाहूंगा । उस शख्सियत ने एक गरीब परिवार में पैदा होकर ज्वायंट पंजाब में रिवैन्यु मिनिस्टर का पद पाया और वे चीफ मिनिस्टर की पावर तक इस्तेमाल करते थे । उस समय प्रदेश गरीबी और दुर्गत में जीने के लिए मजबूर था और ऐसा माहौल था कि किसी घर में अगर कोई मेहमान आ जाए तो लोग की स्थिति घर में रोटी–सब्जी खिलाने लायक भी नहीं थी । ऐसे समय में उस आदमी ने इस प्रदेश के किसानों को ऊपर उठाया था क्योंकि किसान ही सारे समाज के आर्थिक विकास की धुरी है । किसान से बाजार में रौनक, व्यापार में रौनक, डाक्टर की रौनक, वकील की रौनक और कचहरी में भी किसान से ही रौनक होती है । मेरे कहने का मतलब है कि एक आदमी की जेब में पैसा है तो हर जगह रौनक होती है और उस आदमी की जेब को बढ़ाने को लिए रहबरे आजम छोटूराम ने कंट्रीब्यूट किया और उसी आदमी ने जो चाल उठाई उसी चाल को ही आगे प्रदेश में बढ़ाया गया । मुझे एक बात कहने में कोई संकोच नहीं है और मैं राजनीति से ऊपर उठकर यह बात कहना चाहता हूं। लोकसभा की 544 सीटों में

से हरियाणा की 10 सीटे हैं । जब हरियाणा प्रदेश की 10 सीटों के मालिक चौधरी देवीलाल जी थे तो उस समय उन्होंने 544 सीटों की लोकसभा में यह साबित किया कि जनता दल पार्लियामैंट्री बोर्ड के चेयरमैन के लिए मेरा नाम प्रपोज करो । अध्यक्ष महोदय, 544 सीटों की लोकसभा में हरियाणा की 10 सीटों में से 10 सीटें जीतकर यह कहना कोई छोटी बात नहीं है । हिन्दुस्तान के डिप्टी प्राइम मिनिस्टर के पद तक वे गए इसलिए उनका हरियाणा को बनाने में बहुत बड़ा कंट्रीब्यूशन था । अध्यक्ष महोदय, वे एजूकेशन के मामले में थोड़ा पीछे जरूर थे लेकिन उस आदमी की आत्मा अलग थी । वे बहुत बड़े आदमी थे यह बात मैं विधान सभा में ऑन रिकार्ड कहना चाहता हूं । जहां तक हरियाणा को बनाने वालों के नामों की बात है तो मैं एक बात कहना चाहूंगा कि चौधरी रणबीर सिंह ऐसा अकेला आदमी था जो सात अलग अलग हाउसिज का मैम्बर रहा जोकि छोटी बात नहीं है । पंडित रामबिलास जी, आपने कोई मातम की बात की, कोई ब्याह की बात की तथा कुछ और भी बातें की । आपने तो यहां तक भी कहा कि डाक्टर जानता तो सब कुछ है लेकिन भूपेन्द्र हुड्डा से डरता है। पंडित रामबिलास जी, आपने यहां गीता की बात की । यहां लिखा भी हुआ है कि जो सच नहीं बोलता वह पाप का भागीदार होता है इसलिए मैं आपको कहना चाहता हूं कि हमारे संस्कारों में और भूपेन्द्र हुड्डा के संस्कारों में तो डराना भी पाप है, डरना भी पाप है तथा झूठ

बोलना भी पाप है । अध्यक्ष महोदय, पंडित जी ने जो ये भूपेन्द्र सिंह हुड्डा से *** वाली बात कही है उसको रिकार्ड से निकलवा दिया जाए ।

श्री अध्यक्षः ठीक है वे शब्द रिकार्ड से निकाल दिये जाएं ।

डा. रघुवीर सिंह कादियानः अध्यक्ष महोदय, मैं चौधरी रणबीर सिंह जी की बात कर रहा था कि वे 7 हाउसिज के मैम्बर रहे हैं । वे कांस्टीच्युएंट असैम्बली के, लैजीस्लेटिव असैम्बली के, प्रोविजनल पार्लियामैंट्री के, लोकसभा के, पंजाब असैम्बली के, हरियाणा असैम्बली के और राज्य सभा के मैम्बर रहे हैं ।

श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डाः अध्यक्ष महोदय, वे केवल हिन्दुस्तान में नहीं बल्कि दुनिया में अकेले ऐसे व्यक्ति हैं जो 7 हाउसिज के सदस्य रहे हैं ।

डा. रघुवीर सिंह कादियानः अध्यक्ष महोदय, यहां बजट की बात आई कि बजट कब और कितना बढ़ा । इस बारे में हुड्डा साहब ने मैंशन नहीं किया इसलिए मैं बताना चाहूंगा कि एक्चुयल में 2005 में प्लान आउट ले 2200 करोड़ रूपये का था

***चेयर के आदेशानुसार रिकार्ड नहीं किया गया ।**

और 2014 में यह 32700 करोड़ रूपये का था । यह बजट वैसे ही नहीं बढ़ गया था और न ही कोई नोट छापे गए तथा न ही जनता पर टैक्स लगाकर यह बजट बढ़ा दिया गया । उस समय टैक्स का स्ट्रक्चर मजबूत किया गया था । मैं एक छोटा सा उदाहरण देना चाहता हूं । पंचकूला में एक माइन थी, उसका वीडियो बन गया और वह अलॉट हो गई । 2004 में वह माइन 7 करोड़ में अलॉट हुई तथा

2005 में उस माइन की ओपन ऑक्शन करवाई गई । यह बात मैं ऑन रिकार्ड बता रहा हूं कि वह 100 फुट की छोटी सी माइन वर्ष 2005 में 35 करोड़ में ऑक्शन हुई। क्या एक साल में इतना रैवन्यू बढ़ सकता है ? अध्यक्ष महोदय, यह नीयत की बात थी और नीयत के हिसाब से ही टैक्स स्ट्रक्चर मजबूत हुआ । इसमें आई. ए.एस. लोबी का और दूसरे ओफिसर्ज का भी कंट्रीब्यूशन था । सबने मिलकर प्रदेश को स्ट्रैंग्थन किया इसलिए मैं उन सब लोगों का धन्यवाद करना चाहूंगा जिन्होंने प्रदेश के बजट को बढ़ाने का काम किया । जहां तक एस.वाई.एल. नहर, स्वामीनाथन आयोग की रिपोर्ट, अलग हाई कोर्ट बनाने, अलग कैपीटल बनाने या हिन्दी भाषी क्षेत्र को हरियाणा में मिलाने, कर्मचारियों की, व्यापारियों की और किसानों की समस्याओं की बात है तो मैं उन विषयों पर नहीं जाना चाहता । मैं सिर्फ दो तीन सुझाव देना चाहता हूं । वित्त मंत्री जी और सदन के नेता यहां बैठे नहीं हैं लेकिन वे सुन जरूर रहे होंगे । अध्यक्ष महोदय, फरवरी महीने में आरक्षण

के नाम पर हरियाणा के भाई–चारे को बर्बाद किया गया । समाज और इतिहास किसी को माफ नहीं करता । इतिहासकार जब लिखता है तो वह बंद कमरे में बैठकर लिखता है कि किसने क्या किया । जो जाति पाति के नाम पर राजनीति करने वाले लोग हैं या दंगे करवाने वाले लोग हैं, मैं इस बात का पक्षधर हूं कि जिन्होंने भी प्रदेश में दंगे करवाने का काम किया और लोगों का आपसी भाईचारा बिगाड़ने का काम किया वे लोग अपराधी हैं और घोर पाप के भागी हैं । मैं on the floor of the House यह बात कहना चाहता हूं । प्रदेश में विकास हुआ है और आगे भी होगा । लेकिन हरियाणा प्रदेश की जनता की जो बहादुरी और आपसी भाईचारे की संस्कृति की जो मजबूत नींव थी वह बिगड़ी है । यह क्यों बिगड़ी है और किसने बिगाड़ी है यह नहीं पता । एक शायर ने कहा है कि–

तू इधर–उधर की बात न कर, तू यह बता कारवां क्यों लुटा,
मुझे राहजनों की परवाह नहीं, तेरी रहबरी का सवाल है ।

वहां जो जिम्मेवारियां सरकार की थी उनका निर्वहन क्यों नहीं हुआ ?

श्री कुलदीप शर्मा : डाक्टर साहब, शेर का पूरा तो कर देते ।

Shri Ram Bilash Sharma : Speaker Sir, there is a competition for the poetry between the two Ex-Speakers. Hon'ble Dr. Raghuvir Singh Kadian has been in this Chair and Shri Kuldip Sharma Ji has also been

in this Chair. जो शेर डाक्टर साहब ने बोला है उस पर we are not the judges. स्पीकर सर, यह फैसला तो हो चुका है । मैं आज हुड्डा साहब पर आरोप लगाऊं और हुड्डा साहब हमारे ऊपर आरोप लगायें यह ठीक नहीं होगा। अध्यक्ष महोदय, मैंने हरियाणा की अढ़ाई करोड़ जनता के बारे में 22 फरवरी से लेकर 7 तारीख तक अटाणी के नीचे बैठकर गरीब आदमी का उदाहरण दिया था and they have decided the things.

डा. रघुवीर सिंह कादियान : अध्यक्ष महोदय, मैं इस बात पर नहीं जा रहा । मैंने यह कहा है कि जिसने भी हरियाणा का भाईचारा बिगाड़ा है चाहे वह कोई भी हो वह पाप का भागीदार है । लेकिन अब जो भाईचारा बिगड़ा है उसके ऊपर मरहम कैसे लगाई जाये और सरकार किस तरह की पॉलिसी बनायेगी कि आपसी भाईचारा दोबारा से प्रदेश में कायम हो । (विघ्न) मैं यह कहना चाहता हूं कि जिस हरियाणा ने अपनी संस्कृति, समाज और भाईचारे के बलबूते पर देश में अपना नाम रोशन किया वहां पर जो डैमेज पिछले दिनों हुआ उसको कंट्रोल करने के लिए सरकार ने क्या किया ? आज हरियाणा का भाईचारा जिस प्रकार से घायल हुआ पड़ा है उसकी तरफ ध्यान देने की आवश्यकता है । मैं यह सच बात कह रहा हूं । डैमेज कंट्रोल की एक्सरसाईज सरकार को करनी पड़ेगी । इसमें मैं सुझाव देना चाहूंगा कि इंटर कास्ट मैरीजिज को प्रोत्साहन दिया जाये। यदि इंटर कास्ट मैरीजिज बहुत

हो जायेंगी तो कास्ट सिस्टम अपने आप खत्म हो जायेगा । हरियाणा के भाईचारे को बनाये रखने के लिए यह मेरा सुझाव है। अध्यक्ष महोदय, जहां तक विकास की बात है यह भी होगा । जैसा मैंने बताया एस.वाई.एल की बात है, स्वामीनाथन आयोग की रिपोर्ट लागू करने की बात है, अलग से हाई कोर्ट और कैपीटल बनाने की बात है, बिजली और पानी की बात है ये सभी कार्य हो जायेंगे । लोगों को सड़कें भी मिलेंगी, बसें भी मिलेंगी और पीने का पानी भी मिलेगा । मैं आज सबसे अहम बात कहना चाहता हूं कि आज हम सौभाग्यशाली हैं और जनता का धन्यवाद करते हैं कि स्वर्ण जयंती के इस सैशन का हमें हिस्सेदार बनाया । मैं आज यही कहना चाहता हूं कि शिक्षा का स्तर प्रदेश में ऊपर उठाने की आवश्यकता है । Only and only one circle can be drawn in three points which are not in a straight line. Eduction is the only thing जो पूरी दुनियां में हरियाणा को ऊपर उठा सकती है ।(विघ्न) We should improve the quality of the education from the primary level. शिक्षा पर एक कमेटी बनाई जाये। प्राईमरी से लेकर हायर तक 100 प्रतिशत लिटरेसी हो, नो ड्रॉप आउट हो। फिर हरियाणा आगे कैसे बढेगा वो जेनरेशन अपने आप तय कर लेगी। अध्यक्ष महोदय, मेरा तीसरा सुझाव यह है कि आज हरियाणा प्रदेश में बेरोजगारी मुंह बाये खड़ी है। इसके कारण हमारे हरियाणा प्रदेश की युवा शक्ति का क्रिमिलाईजेशन की तरफ भी झुकाव हो

रहा है। इसके कारण हमारे प्रदेश की कानून व्यवस्था पर भी बुरा प्रभाव पड़ रहा है। इस सम्बन्ध में मेरा यह सुझाव है कि डिस्ट्रिक्ट लैवल पर एक सैंटर बने वहीं पर प्रदेश के युवाओं को लोन दिया जाये, वहीं पर युवाओं को सरकार की नई–नई स्कीमों के बारे में जानकारी दी जाये, वहीं पर युवाओं को उनसे सम्बंधित कामों की विशेष ट्रेनिंग दी जाये, वहीं पर उनकी इण्डस्ट्री एस्टैब्लिश हो, वहीं पर उनको उनकी जरूरत के मुताबिक रॉ मैटीरियल दिया जाये और वहीं पर उनके प्रोड्क्ट्स की सेल हो चाहे वह स्टेट लैवल की सेल हो, नैशनल लैवल की सेल हो या फिर इण्टर नैशनल लैवल की सेल हो। इस प्रकार के सैंटर बनाये जायें जो कॉटेज़ इण्डस्ट्री, एग्रो इण्डस्ट्री और स्मॉल स्केल इण्डस्ट्री को अधिक से अधिक और उच्चतम प्रोत्साहन दें। मैं माननीय उद्योग मंत्री जी को विशेष रूप से यह कहना चाहता हूं कि उनको प्रदेश में बड़े–बड़े कारखानों की स्थापना की बजाए अर्थात् बटनों से चलने वाले कारखानों के बजाये कॉटेज़ इण्डस्ट्री, एग्रो इण्डस्ट्री और स्मॉल स्केल इण्डस्ट्री की स्थापना की ओर ज्यादा ध्यान देना चाहिए । अगर वे ऐसा करते हैं तो इससे हमारे प्रदेश की बेरोजगारी दूर करने में उनका बहुत बड़ा कंट्रीब्यूशन होगा और प्रदेश की जनता उनको याद करेगी। स्पीकर सर, आपने मुझे बोलने के लिए समय दिया इसके लिए आपका बहुत–बहुत धन्यवाद।

श्री करण सिंह दलाल : स्पीकर सर, मैं भी इस हाउस का बहुत सीनियर मैम्बर हूं इसलिए मेरी आपसे रिकवैस्ट है कि मुझे भी बोलने का समय दिया जाये।

श्री अध्यक्ष : दलाल जी, यह तो आपको अपनी पार्टी के माननीय सदस्यों को कहना चाहिए कि वे मेरे द्वारा निर्धारित समय में ही अपनी बात समाप्त करें। जैसा कि आपने भी देखा होगा कि आपकी ही पार्टी के एक माननीय सदस्य ने 24 मिनट में अपनी बात समाप्त की है। अगर सभी ऐसा ही करेंगे तो फिर मैं क्या कर सकता हूं। सभी माननीय सदस्यों को समय का विशेष तौर पर ध्यान रखना चाहिए और उन्हें बोलते हुए दूसरे माननीय सदस्यों के हिस्से का समय नहीं लेना चाहिए। श्री परमिन्द्र सिंह ढुल, अब आप बोलें और जल्दी से जल्दी अपनी बात समाप्त करें।

श्री राम बिलास शर्मा : स्पीकर सर, मैं भी आपके ध्यान में यह बात लाना चाहता हूं कि सत्ता पक्ष की तरफ से भी बहुत कम लोग बोले हैं।

श्री परमिन्द्र सिंह ढुल (जुलाना): स्पीकर सर, आज के विशेष स्वर्ण जयंती सत्र पर मैं अपने आपको बहुत सौभाग्यशाली मानता हूं कि मैं भी इस महान सदन का सदस्य हूं। मेरे स्वर्गीय पिताश्री चौधरी दल सिंह जी भी संयुक्त पंजाब के सदन का हिस्सा थे। वे हरियाणा की पहली विधान सभा में भी माननीय सदस्य थे और मंत्री भी थे। हरियाणा प्रदेश की जिस जनता ने और हरियाणा प्रदेश के जिन

नेताओं ने हरियाणा प्रदेश के अलग गठन में अपना योगदान दिया उन सभी को नमन करते हुए आपने विज़न दिया है कि सभी को आगे बढ़ना है उसके लिए मैं आपका भी आभार व्यक्त करता हूं। इस स्वर्ण जयंती समारोह का जो एक साल का लेखा–जोखा दिया है मैं उस सम्बन्ध में यह बताना चाहूंगा कि हरियाणा प्रदेश को बनाने में हमारे प्रदेश के किसान वर्ग और युवा वर्ग का बहुत बड़ा योगदान है। हम बार–बार हर सैशन के अंदर स्वामीनाथन आयोग की रिपोर्ट को लागू करने के बारे में चर्चा करते आये हैं। मैं इस विषय से हटकर अपनी बात आपके सामने रखना चाहूंगा कि आज हमारे हरियाणा प्रदेश के अंदर लगभग 94 फीसदी किसान ऐसे हैं जिनकी जोत छोटी है। उनकी जोत ढ़ाई, तीन और चार एकड़ तक सीमित है। अगर सरकार आज उनकी दैनिक आय का आकलन करेगी तो लगभग 50 रूपये प्रति व्यक्ति प्रति दिन के हिसाब से उनकी आय बैठेगी। उस छोटे किसान को सहारा देने के लिए कुछ समय पहले पंजाब में एक सभा में बोलते हुए माननीय प्रधान मंत्री जी का एक ब्यान आया था कि सरकार द्वारा इस प्रकार के छोटे किसानों को प्रति माह पांच हज़ार रूपये की राशि प्रोत्साहन राशि के रूप में देने की शुरूआत की जायेगी। इसको देखते हुए आज इस बात की जरूरत है कि इस स्वर्ण जयंती वर्ष में किसान के लिए किसान स्वर्ण जयंती आय योजना बनाई जाये। आप हर चीज़ को पीछे रख दें। आज किसान और उसके परिवार के सामने एक

प्रश्न चिन्ह् लगा हुआ है कि वह किस प्रकार से अपने बच्चों को शिक्षा देगा, किस प्रकार से उनका स्वास्थ्य ठीक रखने की दिशा में आगे बढ़ पायेगा। आज जब तक किसान की हर चीज़ की आय सुनिश्चित नहीं की जायेगी तब तक किसान जो इस देश का और इस प्रदेश का निर्माता है और अन्नदाता है वह आज बड़ी बुरी तरह से पिछड़ चुका है वह आगे नही बढ़ सकेगा। प्रदेश के किसान को आगे बढ़ाने के लिए स्वर्ण जयंती वर्ष के अंदर किसान स्वर्ण जयंती आय योजना बनाई जाये। इसी प्रकार से मैं एक बात यह कहना चाहूंगा कि मेरा जो निर्वाचन क्षेत्र है वहां पर पीने के पानी का बहुत अभाव है इसलिए मैं यह कहना चाहता हूं कि पूरे हरियाणा प्रदेश में जहां–जहां पर भी पीने के पानी की कमी है वहां–वहां के लिए स्वर्ण जयंती पेयजल योजना की भी शुरूआत करनी चाहिए। जिन गांवों के अंदर पीने के पानी का अभाव है वहां पर विशेष प्रयास करके पीने का पानी पहुंचाया जाना चाहिए। ताकि आज़ादी के इतने सालों के बाद भी जिन गांवों को पीने का पानी उपलब्ध नही हो पाया है उनको पीने का समुचित पानी उपलब्ध हो सके। हैरानगी की बात है कि मेरे अपने हलके जुलाना में 72 गांव हैं और 72 में से 52 गांव तो ऐसे हैं जहां पर पीने का पानी बिल्कुल भी उपलब्ध नहीं है । जमीन के नीचे पानी नहीं है और नहर का पानी बहुत कम आ रहा है । इसलिए मेरा सरकार से अनुरोध है कि इस स्वर्ण जयंती वर्ष में सरकार यह प्रयास करे कि कम से कम

लोगों को मूलभूत सुविधा यानि पीने का पानी तो उपलब्ध हो सके । अब इंडस्ट्रियलाईजेशन के बारे में अपने विचार रखना चाहता हूं । मैं इंडस्ट्रियलाईजेशन के खिलाफ नहीं हूं । सरकार ने विशेष आर्थिक जोन बनाये हैं और बनाए जाने चाहिएं । मेरा इससे हट कर इस बारे में एक सुझाव है कि सरकार के प्रयास से विशेष कृषि जोन भी बनाये जाने चाहिएं जहां पर आधुनिक और मॉडल खेती डाईवर्सिफिकेशन के माध्यम से करके दिखाई जानी चाहिए । इसके लिए लगभग एक हजार एकड़ का कोई टुकड़ा लिया जा सकता है जहां पर किसान जायें और आधुनिक तरीके से कृषि करना सीखें जिससे उनकी आमदनी बढ़े और वे खुशहाल जिन्दगी जी सकें । इस प्रकार आप किसान को आगे बढ़ने का रास्ता दिखा सकते हैं । इसलिए मेरा सुझाव है कि हमें हरियाणा में इस प्रकार के विशेष कृषि जोन विकसित करने चाहिएं । अध्यक्ष महोदय, खाली दिमाग शैतान का घर होता है । an empty mind is a devil's workshop. इसको किसी भी तरीके से कहा जा सकता है । आप भी देखते हैं और हम सभी देखते हैं कि आज हमारे युवा खाली बैठे हुये हैं । जिनकी ऊर्जा देश के विकास में लगनी चाहिए वे युवा आज बेकार बैठे हुये हैं । हालांकि इस बारे में सरकार ने जो बेरोजगार युवकों को 100 घंटे काम के बदले बेरोजगारी भत्ता देने की योजना लागू की है उसमें केवल 10–12 हजार युवा ही जुड़ पायेंगे । आज प्रदेश में ज्यादा से ज्यादा युवाओं को

किसी न किसी सार्थक कार्य में लगा कर उनको काम उपलब्ध करवाये जाने की जरूरत है ताकि वे आगे बढ़ सकें । आज हरियाणा को बेरोजगारी की वजह से पीछे धकेला जा रहा है । इसलिए मेरा सरकार के लिए एक सुझाव है कि इस स्वर्ण जयंती वर्ष में स्वर्ण जयंती का जो हमारा स्वपन है उस पर आगे बढ़ें तथा इस बेरोजगारी को खत्म करके इन युवाओं के लिए एक नया रास्ता दिखाया जाये । अध्यक्ष महोदय, आज हमारे सामने एक विशेष समस्या है जिसके बारे में डॉ. रघुवीर सिंह कादियान ने भी अपने विचार रखे हैं और वह है हमारा आपसी भाईचारा । इसी साल फरवरी के महीने में जाट आरक्षण आंदोलन के दौरान हमारे समाज में आपसी भाईचारे का जो विश्वास था वह खंडित हुआ है । इसलिए सरकार की तरफ से इस स्वर्ण जयंती सत्र में एक विशेष संकल्प लाने का प्रयास किया जाना चाहिए ताकि जो प्रदेश में बिगड़े हुये आपसी भाईचारे के लिए मरहम का काम कर सके तथा प्रदेश में आपसी भाईचारा बहाल हो कर उन लोगों को दोबारा से मुख्यधारा में शामिल किया जा सकें । मुझे पता चला है कि परिवहन विभाग इस वर्ष कुछ नई बसों की खरीद कर रहा है इसलिए उन नई बसों पर सरकार द्वारा भाईचारा बढ़ाने वाले स्लोगन और संकल्प लिखवा कर उन्हें स्वर्ण जयंती बसों का नाम दिया जाना चाहिए ताकि वह बस जहां–जहां भी जाये तो लोगों को भाईचारे का संदेश मिले । हमें अपने प्रान्त और देश में भाईचारे को बढ़ाने

के प्रयास करने चाहिएं । अध्यक्ष महोदय, अब मैं धान की पराली के बारे में अपने विचार प्रकट करना चाहता हूं । आज सरकार ने आदेश जारी कर दिये हैं कि एन. जी.टी. के ऑर्डर हैं कि कोई भी किसान अपने धान की पराली को जला नहीं सकता है । मैं सरकार से एन.जी.टी. के आदेशों के बारे में पूछना चाहता हूं कि एन.जी.टी. के आदेश क्या हैं? मेरी जानकारी के अनुसार एन.जी.टी. ने ये ऑर्डर भी पास किये हुये हैं कि जो 2 एकड़ तक का किसान है उसकी पराली की व्यवस्था सरकार अपने स्तर पर करे, किसान अपनी पराली का कुछ नहीं करेगा । एक तरफ सरकार एन.जी.टी. के आदेशों का हवाला दे कर डराती धमकाती है जबकि एन.जी. टी. के पूरे आदेशों की पालना स्वयं सरकार को करनी चाहिए । आप एन.जी.टी. के आदेशों की कॉपी निकालिए उसमें लिखा हुआ है कि छोटे किसानों की पराली की व्यवस्था सरकार स्वयं करेगी । इसलिए आज किसान को क्यों डराया धमकाया जा रहा है, वह अपनी पराली को कहां पर ले कर जायेगा? आज किसान के ऊपर यह बोझ क्यों डाला जा रहा है? इसलिए मेरा सरकार से अनुरोध है कि एन.जी.टी. के आदेशों की पूर्णतः पालना करते हुये छोटे किसानों की पराली की व्यवस्था करके उनको बचाया जाये । इसी तरह से अब मैं धान की खरीद के बारे में बताना चाहता हूं । आज किसान की धान मंडी में आ गई है और सरकार उसकी खरदी नहीं कर पा रही है । अध्यक्ष महोदय, मैं मंत्री जी की जानकारी के लिए बताना

16.00 बजे

चाहता हूं कि आज भी जीन्द की मंडी में 15 दिनों से धान पड़ा–पड़ा सूख चुका है लेकिन नमी की बात कह कर अभी भी उसकी खरीद नहीं हो रही है । धान की खरीद न होने के विरोध में आज भी किसानों ने जीन्द की मंडी में जाम लगाया था । अध्यक्ष महोदय, सरकार को इन बातों से आगे निकलना चाहिए क्योंकि सरकार को भी जनता के बीच में जाना पड़ेगा । मैंने मेरे हल्के की योजनाओं से संबंधित चिट्ठियों के बारे में बताया है कि मैंने 257 चिट्ठी लिखी हैं । सी.एल.पी. लीडर ने तो 97 चिट्ठियां लिखी हैं और मैं 257 चिट्ठियां लिख चुका हूं । उनमें से कुछ के जवाब आए है और कुछ पर कार्यवाही हुई ही नहीं ।

श्री अध्यक्ष : आपकी कुछ चिट्ठियों के जवाब तो आए हैं और पहले की सरकार के कार्यकाल में तो एक भी जवाब नहीं आता था। आप 257 चिट्ठियों की बात कर रहे हैं । इसका मतलब तो आप रोजाना एक चिट्ठी लिख रहे हैं । इतने कहां से जवाब दें ।

श्री परमिन्द्र सिंह ढुल : अध्यक्ष महोदय, क्या करें समस्याएं ही इतनी गम्भीर हैं । आज सुबह भी मैंने मुख्यमंत्री जी को चिट्ठियां दी हैं और चिट्ठियों की लिस्ट भी दी है । हमारे हल्के में कुछ तो विकास कार्य करवा दो । अध्यक्ष महोदय, स्वर्ण जयंती के अवसर पर मेरे कुछ सुझाव हैं और मेरे हल्के की जो मांग है वह यह है कि पीने का पानी और नहर जो हमारे हल्के के लिये मंजूर हुई है उस पर काम

शुरू करवाया जाए । उसके लिये मैं आपका इस स्वर्ण जयंती पर धन्यवाद जरूर करूंगा । आप इन योजनाओं पर आगे चलो । धन्यवाद ।

श्री सुभाष बराला (टोहाना) : आदरणीय अध्यक्ष महोदय, मैं सर्वप्रथम इस महान सदन को और प्रदेश की ढ़ाई करोड़ जनता को हरियाणा की स्वर्ण जयंती की बहुत–बहुत बधाई देता हूं और आपका धन्यवाद भी करता हूं कि आपने कल इस विधान सभा के सभी नये पुराने माननीय सदस्यों का हमारे प्रदेश के सभी वर्तमान और पूर्व सांसदों का जिस प्रकार का कार्यक्रम करके सबको सम्मानित किया यह अपने आप में एक बहुत बड़ी बात है और आपने आज का जो विशेष सत्र बुलाया है यह भी एक बड़ी बात है । इसके लिये मैं आपका बहुत–बहुत धन्यवाद करता हूं । आज सुबह से ही और कल भी हमारे प्रदेश के विकास की 50 साल की गाथा जो पूर्व के भिन्न–भिन्न माननीय मुख्यमंत्रियों के नेतृत्व में चली और आज यहां तक वर्तमान के माननीय मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल के नेतृत्व में चल रही है । पूर्व के सभी माननीय मुख्यमंत्रियों ने अपने–अपने तरीके से हरियाणा के विकास में बहुत अच्छे प्रयास किये है। वह अपने–अपने तरीके से हरियाणा के जिस–जिस क्षेत्र में विकास के मामले को आगे ले जाने के लिये सहयोग कर सकते थे उसमें उन्होंने काफी प्रयास किया और उसके परिणाम भी निकल कर सामने आए हैं । अगर हम वर्ष 1966 और उससे पहले की चर्चा भी करें तो हम सबको बड़े गर्व की अनुभूति

होती है । चाहे हम प्राचीन समय में कुरूक्षेत्र में भगवान श्री कृष्ण ने स्वयं गीता का ज्ञान दिया था उसकी चर्चा करें या हमारे महान कवि व लेखक पंडित लख्मी चन्द जैसे अनेकों अनेक ऐसे महापुरूष हुए हैं जिन्होंने हमारे हरियाणा की महान संस्कृति की विरासत की बागडोर को वर्ष 1966 के बाद की पीढ़ी को सौंपा है, हमें उनकी एक–एक बात का ध्यान करने पर, उसका स्मर्ण करने पर बड़ा गर्व का अनुभव होता है । जैसे स्वतंत्रता संग्राम की बात करें तो विश्व युद्ध में हमारे इसी धरती के जवानों ने जिस प्रकार से अपने शौर्य का प्रदर्शन किया । और वर्तमान में जब पूरा विश्व एक परिवार की तरह रहने के मामले आगे बढ़ने लगे तो उसमें फिर हमारे हरियाणा प्रदेश के भिन्न क्षेत्रों में काम करने वाले चाहे वह व्यापार का क्षेत्र है, नौकरी का क्षेत्र है, चाहे उद्योग का क्षेत्र है, कृषि का क्षेत्र है या कोई दूसरा क्षेत्र है । जहां कहीं भी हमारे हरियाणा वासी गये हर स्थान पर चाहे वह अपने देश के अन्दर है, चाहे वह अपने देश से बाहर दूसरे देश में है । उन्होंने अपने–अपने तरीके से जिस प्रकार का योगदान दिया उससे हमें गर्व की अनुभूति होती है । अभी पिछले दिनों कनाडा और अमेरिका में जो हमारे हरियाणा के वासी रहते हैं उनके इस प्रकार के कार्यक्रम हमने सोशल मीडिया पर देखे हैं । सोशल मीडिया पर इस तरह के कार्यक्रम देखकर हमें बहुत गर्व हुआ। हरि के प्रदेश, हरियाणा ने हर क्षेत्र में इतनी तरक्की की है कि आज इस प्रदेश की संस्कृति का डंका न केवल

हिंदुस्तान में बल्कि पूरी दुनिया में बजता है। चाहे नहरों की बात हो, चाहे बिजली की बात हो, चाहे सड़कों की बात हो, चाहे उद्योग की बात है या चाहे कृषि क्षेत्र को आगे बढ़ाने की बात हो, हरियाणा के सभी मुख्यमंत्रियों ने अपने–अपने तरीके से प्रदेश के विकास में योगदान दिया। पंडित भगवत दयाल शर्मा जी से लेकर पूर्व मुख्यमंत्री चौधरी भूपेन्द्र सिंह हुड्डा तथा वर्तमान में मुख्यमंत्री माननीय श्री मनोहर लाल जी तक के सभी मुख्यमंत्रियों ने अपने–अपने तरीके से हरियाणा प्रदेश के विकास में योगदान दिया, जिसकी चर्चा सदन में की भी गई है। हरियाणा के निर्माण में हमारे पूर्वजों ने तथा बहुत सारे महानुभावों ने अलग–अलग तरीके से अपना योगदान दिया। उसकी भी चर्चा सदन में की गई। इस प्रकार के संघर्षों की लंबी–लंबी चचाएँ सदन में साक्षात होते हुए देखकर बड़ा गर्व हुआ। कल पूर्व विधायकों व पूर्व सांसदों ने भी इसी प्रकार की अनेक चर्चायें सभागार में की थी जिनको सुनकर बहुत अच्छा लगा, लेकिन कईं बार बड़ी तकलीफ भी होती है कि हरियाणा प्रदेश को हम यहां इन बुलंदियों तक लेकर आये, हिंदुस्तान को अग्रणी राज्य बनाया, दुनिया में इसकी धाक जमी, दुनिया में हरियाणा का नाम हुआ लेकिन वह नाम विकास, भ्रष्टाचार, भाई भतीजावाद तथा क्षेत्रवाद के मामले में हुआ। यह क्षेत्रवाद की ही बीमारी थी जिसकी वजह से हरियाणा प्रदेश के निर्माण का इतना बड़ा संघर्ष हुआ था जिसका जिक्र सदन में चौधरी अभय सिंह चौटाला, श्री भूपेन्द्र

सिंह हुड्डा तथा अनेक वक्ताओं ने किया है। सवाल यह उठता है कि हरियाणा के निर्माण के पीछे क्या कारण थे? हरियाणा के निर्माण के पीछे जो मुख्य कारण था वह था हमारा हिन्दी भाषी क्षेत्र होना। हमारे हिन्दी भाषी क्षेत्र की घनघोर उपेक्षा व नजरअंदाजी के कारण ही हरियाणा प्रदेश का निर्माण हुआ था। हमारे हरियाणा के क्षेत्र को पानी नहीं मिलता था, नौकरियां नहीं मिलती थी, संयुक्त पंजाब में हरियाणा क्षेत्र के विधायकों को उचित प्रतिनिधित्व भी नहीं मिला करता था। इस क्षेत्र को हर तरह से वंचित रखा गया था लेकिन दुर्भाग्य कि बात यह है कि हरियाणा प्रदेश बनने के बाद भी पूर्व की हमारी सरकारों के जो मुखिया रहे, उन्होंने भी वही गलती बार–बार दोहराने का काम किया। आज हरियाणा के अलग–अलग क्षेत्र से किस प्रकार से क्षेत्रवाद की आवाजें उठती हैं? यह सब कुछ हमारे सामने है। अलग–अलग क्षेत्र में कहीं पानी की कमी है, कहीं रोजगारी की कमी है, कहीं बिजली की कमी है तो कहीं उद्योग की कमी है। यह वह सब बीमारियां हैं जोकि अलग हरियाणा के निर्माण के लिए एक बहुत बड़ा व मुख्य कारण बनी थी। क्या कारण है कि 48 साल के इस लंबे सफर के बाद तथा भारतीय जनता पार्टी की इस सरकार के दो साल पूर्व तक उन्हीं बीमारियों को दोबारा से चलाया व दोहराया गया। इस तरह की बीमारियों को देखकर व सुनकर बड़ी तकलीफ होती है, लेकिन मैं यह बात बड़े ही गर्व के साथ कहना चाहूँगा कि जब दो साल पहले हरियाणा

की जनता ने चुनाव का एजेंडा तय किया था तो उस एजेंडे में इन सभी कारणों को शामिल किया गया था जिनका मैंने अभी जिक्र किया है। क्षेत्रवाद, भ्रष्टाचार तथा भाई–भतीजावाद इन सब चीजों को मिलाकर सत्ता परिवर्तन का एक एजेंडा तैयार किया गया था। भारतीय जनता पार्टी का एक कार्यकर्त्ता होने के नाते मुझे इस बात का गर्व है कि हरियाणा की जनता ने जिन विषयों को लेकर सत्ता परिवर्तन करते हुए सत्ता की बागडोर भारतीय जनता पार्टी को सोंपी थी, उन विषयों को ही ध्यान में रखते हुए भारतीय जनता पार्टी के विधायक दल ने श्री मनोहर लाल जी को हरियाणा प्रदेश का पहला भारतीय जनता पार्टी का मुख्यमंत्री बनाने का काम किया था। अपने पिछले दो साल के कार्यकाल में जनता द्वारा सैट किए गए उसी एजेंडे के ऊपर हमारी सरकार बड़ी दृढ़ता के साथ और बड़ी मजबूती के साथ आगे बढ़ी है और इस बात का आज प्रमाण भी है। पिछले दिनों कुछ टी.वी. चैनलों के द्वारा हरियाणा के विकास के बारे में अलग–अलग तरीके से सर्वे किया गया था। एक टी. वी. चैनल की बहस में मुझे भी भागीदार होने का मौका मिला था, उस बहस में राजनीतिक लोगों के द्वारा नहीं बल्कि हरियाणा की नब्ज जानने वाले विशेषज्ञों द्वारा खुले दिल से इस बात को स्वीकार किया गया था, जो हरियाणा विकास के नाम पर पीछे जा रहा है, अब वह माननीय मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल जी के नेतृत्व में बड़ी अच्छी गति से आगे बढ़ रहा है। अध्यक्ष महोदय, विकास के नाम पर बहुत

सारी योजनाएं माननीय मुख्यमंत्री महोदय की सरकार लेकर आई है। हमारे माननीय सदस्य श्री परमिन्द्र सिंह ढुल ने भी बहुत सी बातों का जिक्र किया था, जिसमें पूर्व की सरकार ने कभी ध्यान नहीं दिया। मैं इस बात की चर्चा जरूर करना चाहूँगा और आगे के लिए भी पूरी की पूरी उम्मीद चाहूँगा कि हमारे माननीय मुख्यमंत्री महोदय इस प्रकार की समस्याओं का समाधान करते रहेंगे । हरियाणा प्रदेश के किसानों के खेतों की प्यास बुझाने के लिए जलघरों का प्रबंध किया गया है, जिसके कारण आज मेरे ख्याल से हरियाणा का लगभग 80 प्रतिशत एरिया डार्क जोन घोषित किया जा चुका है। इसी प्रकार से बेटियों को बचाने के लिए माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी को हरियाणा की धरती पर आकर बेटियों को बचाने के लिए लोगों से गुहार लगानी पड़ी। इस प्रकार के जो विषय थे, उसके ऊपर पूर्व की सरकारों ने कभी ध्यान नहीं दिया। लेकिन एक बड़ी अच्छी बात हुई कि माननीय मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल के नेतृत्व में 'बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ' का ज्ञान बड़ी मजबूती के साथ आगे बढ़ाया गया । जिसके फलस्वरूप जहां हरियाणा में लड़के–लड़कियों का अनुपात 835 का था वहां आज 903 के पार हो चुका है बल्कि अंबाला जैसे जिले में तो यह अनुपात 1012 का आंकड़ा तक छू गया है। इस प्रकार की जो बड़ी चुनौतियां मिली हैं उनको माननीय मुख्यमंत्री महोदय बड़ी सरलता से हल करते गए हैं। पर्यावरण के मामले में भी किसानों के खेतों में पराली के बारे में

जो बातें होती हैं उसका भी हल करने के लिए और किसानों को प्रोत्साहन देने के लिए माननीय मुख्यमंत्री महोदय हम सबको एक संदेश जरूर देंगे। पिछली सरकारों में विकास के नाम से बहुत बड़ी अनदेखी क्षेत्रों से होती रही है जिसका जिक्र बहन किरण चौधरी ने भी किया है। भारतीय जनता पार्टी की सरकार बड़ी मुस्तैदी के साथ किसानों के साथ खड़ी है क्योंकि भारतीय जनता पार्टी 'सबका साथ सबका विकास' नारे के साथ सत्ता में आई थी। अध्यक्ष महोदय, माननीय मुख्यमंत्री महोदय ने स्वयं 78 विधान सभा क्षेत्रों का दौरा किया है और देखा है कि किस–किस क्षेत्र में विकास के नाम पर अब तक अनदेखी हुई है और उसके बाद ही उन क्षेत्रों में विकास करके विकसित क्षेत्रों के बराबर खड़ा करने का प्रयास किया है। पहले हरियाणा प्रदेश को वर्गों में बांट कर वोट लेने का काम होता था। अनुसूचित जाति वर्ग से वोट लेकर अपना वोट बैंक बढ़ाने के लिए ही राजनीति होती थी। अध्यक्ष महोदय, एक बड़ी बात आज हरियाणा प्रदेश में पहली बार हुई उसमें चाहे डॉ. भीम राव अम्बेडर की जयंती की बात करें, चाहे भगवान बाल्मीकि की जयंती की बात करें, चाहे संत रवि दास या संत कबीर दास की जयंती की बात करें, जो इस प्रकार के महान संत हुए हैं, जो हमारी संस्कृति की महान धरोहर हैं उनकी जयंतियां माननीय मुख्यमंत्री महोदय ने सरकारी तौर पर मनाने का फैसला किया है। पहले एक विशेष वर्ग के द्वारा ही जयंती मनाई जाती थी, उसमें उस वर्ग को

कई तरह की दिक्कते आती थी। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मुख्यमंत्री महोदय को बधाई देता हूँ कि इन सभी महापुरूषों की जयंतियां सरकारी तौर पर मनाने का जो फैसला सरकार ने लिया है उससे हमारे खासकर अनुसूचित जाति वर्ग के लोगों में बड़ा उत्साह का वातावरण बना हुआ है। अध्यक्ष महोदय, निश्चित तौर पर उन लोगों का मनोबल ऊँचा हुआ है और उनको लगा है कि इस प्रदेश में कोई तो ऐसी सरकार है, कोई तो ऐसा मुख्यमंत्री है जिसने विकास के पथ पर पहली लाइन में खड़े लोगों के साथ हमें खड़ा करने का प्रयास किया है। स्पीकर साहब, आप मेरी तरफ देख रहे हैं और शायद मुझे टोकने का काम कर सकते हो इसलिए मैं अपनी बात को जल्दी पूरा करूंगा । स्वास्थ्य के विषय में हर माननीय सदस्य चिंता करता है । अब यह योजना बनाई गई है कि हर जिले में मैडिकल कॉलेज होना चाहिए और इसीलिए कुरूक्षेत्र में आयुष विश्वविद्यालय स्थापित किया जाना चाहिए । यह एक ऐसा क्षेत्र है जिसमें हम गम्भीर से गम्भीर बीमारियों का भी इस पद्धति से इलाज कर सकते हैं । इस पद्धति से कैंसर जैसी घातक बीमारियों का इलाज भी संभव है । अमेरिका ने हमारी पौराणिक चिकित्सा पद्धति में गम्भीर बीमारियों के इलाज के लिए रिसर्च की है और वे इसमें काफी आगे जा चुके हैं । हमारी सरकार ने भी चिकित्सा के इस क्षेत्र में एक बहुत बड़ा कदम उठाया है । मैं मुख्य मंत्री महोदय को बधाई देना चाहता हूं कि उन्होंने

कैथल जिले के मून्दड़ी गांव में एक संस्कृत विश्वविद्यालय की स्थापना की घोषणा की थी । इसके अतिरिक्त उन्होंने प्रदेश में 5 नये कॉलेज खोलने का फैसला किया है और हर 20 किलोमीटर की दूरी पर कॉलेज के स्थापित करने की बात कही है ताकि हमारी बहन–बेटियों को शिक्षा ग्रहण करने के लिए दूर न जाना पड़े । हमारे माननीय परिवहन मंत्री ने इस दिशा में और आगे बढ़ते हुए हमारी बच्चियों के कॉलेज जाने के लिए न केवल सफर सुगम बनाने के प्रयास किये हैं बल्कि सफर को सुरक्षित बनाने के लिए सी.सी.टी.वी. कैमरे लगाने का भी काम किया है । इस तरह से मैं समझता हूं कि जो हमारा "बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ" का नारा था उस पर काफी हद तक काम करने का प्रयास हुआ है । इसके लिए हमारी सरकार बधाई की पात्र है । इस बार हरियाणा में फसल बिक्री की बहुत चर्चा हो रही है । सदन में हमारे प्रदेश के कृषि एवं खाद्यान्न मंत्री बैठे हुए हैं और इन्होंने माननीय मुख्य मंत्री के नेतृत्व में धान की फसल की बिक्री सुनिश्चित की है । सभी के सामुहिक प्रयास से किसान अपनी ज्यादा नमी की फसल को भी बेच पा रहा है । हमारी सरकार ने किसान के लिए इतनी अच्छी व्यवस्था की है लेकिन विपक्ष के सदस्यों को यह बात भी हजम नहीं हुई । किसान को ऐसी व्यवस्था दी गई है कि उसे मण्डी में धान को ले जाकर ज्यादा इंतजार न करना पड़े और ऐसे प्रयास किये हैं कि किसान किसी भी तरह से मण्डी में अपनी फसल बेच सके । मैं समझता हूं

कि इस बार हमारे किसानों को बड़ी राहत मिली है । जैसा मैंने बताया कि पिछली सरकारें बहुत–सी बीमारियां साइड इफैक्ट्स के नाते छोड़कर गई थी उनकी नब्ज पकड़कर माननीय मुख्यमंत्री जी के नेतृत्व में इलाज किया जा रहा है । हरियाणा का समग्र विकास करने के लिए माननीय मुख्य मंत्री जी खुद आगे आकर विधान सभा क्षेत्रों का दौरा कर रहे हैं और वहां की हालत की जानकारी ले रहे हैं कि कौन–सा क्षेत्र विकास के मामले में पिछड़ा हुआ है । उन क्षेत्रों को विकास के मार्ग पर अग्रसर करने के लिए मैं माननीय मुख्य मंत्री जी को बधाई देता हूं । (विघ्न) हरियाणा प्रदेश में कंडेला जैसे स्थानों पर गोलियां भी चली थी । ऐसी घटनाएं राज्यों में हो जाती हैं लेकिन उन समस्याओं का हमारे मुख्य मंत्री जी के नेतृत्व में बहुत अच्छे तरीके से निदान होगा । हरियाणा की जनता ने प्रदेश में बह रही इस विकास की बयार को स्वीकार कर लिया है । मैं ईश्वर से प्रार्थना करता हूं कि हरियाणा की अढ़ाई करोड़ जनता को ताकत दे कि वह मिलकर "हरियाणा एक हरियाणवी एक" का जो मुख्य मंत्री जी ने नारा दिया है उसको साथ लेकर आगे बढ़े और समाज को तोड़ने वाली ताकतों को कड़ा जवाब दें । मैं ईश्वर से प्रार्थना करता हूं कि वे हरियाणा की जनता को ताकत दे । मुख्य मंत्री महोदय के नेतृत्व में हमारी सरकार ने और पूर्व के 48 सालों में मुख्य मंत्रियों ने जो विकास की नींव रखी है उस नींव में कहीं कहीं भ्रष्टाचार और क्षेत्रवाद के कारण दरारें पड़ी हुई

थीं । अध्यक्ष महोदय, उन दरारों को भरते हुए उस नींव के ऊपर एक बहुत विशाल हरियाणा रूपी भवन का निर्माण आपके नेतृत्व में हो, ऐसी प्रार्थना करते हुए मैं आपका धन्यवाद करता हूं ।

श्री ज्ञान चंद गुप्ता (पंचकूला) : आदरणीय अध्यक्ष महोदय, आज इस स्वर्ण जयंती के अवसर पर हरियाणा प्रदेश की अढाई करोड़ जनता को मैं हार्दिक मुबारिकवाद और बधाई देता हूं । अध्यक्ष महोदय, मैं आपको विशेष तौर से इसलिए बधाई देता हूं कि आपके स्पीकर पद पर होते हुए हमें सौभाग्यशाली अवसर मिला है कि हम आज हरियाणा के निर्माण की स्वर्ण जयंती मना रहे हैं । अध्यक्ष महोदय, मैं आपको बताना चाहता हू कि ऐसा अवसर मुझे पहले भी मिला था । वर्ष 1997 में भारत देश की आजादी की स्वर्ण जयंती मनाई गई थी । उस समय मैं चंडीगढ़ का मेयर था और पूरे देश में आजादी की स्वर्ण जयंती मनाई गई थी इसलिए हमने भी आजादी की स्वर्ण जयंती मनाई थी । आज हरियाणा के निर्माण की 50 वीं वर्षगांठ पर यह स्वर्ण जयंती का अवसर है । मैं समझता हूं कि हरियाणा का जो 50 वर्षों का इतिहास है वह गौरवपूर्ण है । हरियाणा प्रदेश की धरती गीता, गाय और गायत्री की धरती है । आज हरियाणा के निर्माण के 50 वर्ष पूरे हुए हैं । राज्य की प्रगति जो पिछले 50 सालों के अंदर हुई, यह अवसर उसका आंकलन करने का है । आगे आने वाले समय के लिए भावी युवा पीढ़ी के लिए हम किस तरह से निर्माण की

नींव रखते है, यह उस बारे में भी काम करने का अवसर है । आज हमें यह सोचना होगा कि आगे किस प्रकार की नीतियां बनाई जाएंगी । अध्यक्ष महोदय, जो पिछली नीतियां रही हैं उनमें भी कहीं न कहीं खामियां रही हैं। आदरणीय बराला जी ने बताया कि पिछले 50 सालों में क्षेत्रवाद का, ,भाई–भतीजावाद का और भ्रष्टाचार का बोलबाला रहा । आज हमारे मुख्यमंत्री मनोहर लाल जी ने दो वर्षो के अंदर इन सभी चीजों के ऊपर अंकुश लगाने का प्रयास किया है और इसमें भारी सफलता प्राप्त की है जिसके लिए मैं मुख्यमंत्री महोदय को बधाई और मुबारिकवाद देना चाहता हूं । मैं समझता हूं कि विकास और समृद्धि के लिए सभी मतभेदों को भुलाकर आगे बढ़ने का यह अवसर है । आज हरियाणा के पुननिर्माण के लिए किस प्रकार से नई योजनाएं बन सकें उसके ऊपर हम सबकी तरफ से सुझाव आने चाहिएं । पिछले दिनों मैं समझता हूं कि बहुत बड़ी दुर्भाग्यपूर्ण घटना हुई है । फरवरी माह में इस प्रदेश के भाई चारे को तार तार करने का प्रयास किया गया और एक षडयंत्र रचा गया । उस षडयंत्र के कारण इस प्रदेश के भाई चारे में दरार आई । आज स्वर्ण जयंती के अवसर पर हमको एक प्रण लेने की आवश्यकता है । जिसने भी इस भाई चारे को तार तार करने का प्रयास किया है या जो दरारे आई हैं उसके पीछे कारण कोई भी रहा हो आज उनको भी सबक लेने की जरूरत है । मैं समझता हूं कि आज हरियाणा प्रदेश की जनता इतनी समझदार है कि इस

तरह के हथकण्डों और षड़यंत्रों से आगे निकल कर आयेगी और हरियाणा प्रदेश का विकास होगा । अध्यक्ष महोदय, अभी ढुल साहब कह रहे थे कि किसानों के विकास के लिए नीति बनानी चाहिए। हम भी चाहते हैं कि किसानों के विकास के लिए कोई अच्छी नीति बननी चाहिए क्योंकि किसान हमारा भाग्य विधाता है और हमारा प्रदेश कृषि प्रदान प्रदेश है । मैं इसमें कहना चाहूंगा कि प्रदेश के सभी वर्गों के विकास के लिए नीति बननी चाहिए तभी हमारा प्रदेश विकास की राह पर आगे बढ़ेगा । मैं कहना चाहता हूं कि चाहे व्यापारी है, कर्मचारी है, चाहे उद्योगपति है, चाहे मजदूर है, चाहे विद्यार्थी है यानि हर वर्ग के विकास की नीति बनानी जरूरी है । इसी तरह से चाहे शिक्षा है, चाहे हैल्थ है सभी क्षेत्रों के लिए भी विकास की नीति बनाना आवश्यक है । क्योंकि हरियाणा का विकास सभी वर्गों के विकास के साथ जुड़ा हुआ है और हम सब को साथ लेकर चलेंगे तो हरियाणा अवश्य विकास करेगा । हमारी सरकार आने के बाद दो साल के अंदर हमने खेल नीति बनाई है । हुड्डा साहब कह रहे थे कि हमारे पहलवानों ने शोर्य दिखाया और विश्व में प्रदेश का नाम रोशन किया है । मैं कहना चाहता हूं कि पहलवानों और खिलाड़ियों की हौंसला अफजाई का काम हमारी सरकार ने किया है । हमारी सरकार ने खिलाड़ियों के लिए खेल नीति बनाकर खिलाड़ियों को प्रोत्साहन देकर बहुत ही प्रसंसनीय काम किया है । अध्यक्ष महोदय, इसी तरह से हमारी सरकार ने उद्योग

नीति बनाई है । जिस तरह से सिंगल विंडो के द्वारा उद्योगों को प्रदेश में लाने के लिए जो समिट हुआ मैं समझता हूं यह हमारी सरकार को प्रदेश में उद्योग लाने के लिए विशेष प्रयास किया गया है । अध्यक्ष महोदय, आज यहां क्षेत्रवाद की बात भी हुई । मैं अपने छोटे से पंचकूला जिले का जिक्र करना चाहता हूं कि पिछले दस साल के दौरान एक ईंट भी पंचकूला जिले के विकास के लिए नहीं लगी । मैं हमारे आदरणीय मुख्यमंत्री जी का धन्यवाद करना चाहूंगा कि उन्होंने पिछले दो साल के अंदर 600 करोड़ रुपये के काम अकेले पंचकूला जिले में करवाये हैं । माननीय मुख्यमंत्री जी ने पंचकुला जिले में जो पिछले दस साल का डैफिसिट रहा और विकास नहीं हुआ उसको पूरा करने के लिए पूरा सहयोग दिया है । यही वजह है कि आज पंचकूला के अंदर नैशनल इन्स्टीच्यूट ऑफ फैशन टैक्नोलोजी का शिलान्यास होने जा रहा है । इसी तरह से पंचकूला के अंदर आज मल्टी स्किल्ड सैंटर के भवन का निर्माण कार्य शुरू हो चुका है । इसी तरह से पंचकूला के अंदर लॉ कालेज बनाने की भी तैयारी शुरू हो चुकी है । इसी तरह से माता मनसा देवी के कॉमपलैक्स अंदर संस्कृत महाविद्यालय बनाने की तैयारी शुरू हो गई है और माता मनसा देवी श्राईन बोर्ड की तरफ से संस्कृत महाविद्यालय बनाया जा रहा है । अध्यक्ष महोदय, इसी तरह से पंचकुला के अंदर जिला होते हुये भी बस डिपो नहीं है । हरियाणा प्रदेश के 21 जिलों में से 20 जिलों में बस डिपो हैं केवल पंचकूला

ऐसा जिला है जहां बस डिपो नहीं है । हमारे मुख्यमंत्री जी ने पंचकूला के अंदर रोडवेज का बस डिपो बनाना मंजूर कर दिया है । हमारे मुख्यमंत्री जी ने क्षेत्रवाद की भावना से उपर उठकर 78 विधान सभा क्षेत्रों में इसी तरह से विकास योजनाओं की घोषणा की है और जो 12 जिले रहे गये हैं वे उनमें भी जायेंगे । इन कामों से जाहिर होता है कि हमारी सरकार ने जो सबका साथ, सबका विकास का नारा दिया है वह सही है और वास्तव में धरातल पर पूरे प्रदेश में विकास कार्य हो रहे हैं । इसी तरह से आज जो ''हरियाणा एक–हरियाणवी'' एक का नारा है इसको भी चरितार्थ करके मुख्यमंत्री जी ने दिखाया है कि हरियाणा के सभी लोग विकास के अंदर भागीदार हों । स्पीकर सर, मैं समझता हूं कि जिस प्रकार से पिछले 10 साल के दौरान तत्कालीन सरकार ने पंचकूला की तरफ कोई ध्यान नही दिया (विघ्न) मैं कांग्रेस के मित्रों की तरफ इसलिए देख रहा हूं कि इन्होंने अपने 10 साल के शासनकाल के दौरान पंचकूला की तरफ देखने की जहमत नहीं उठाई। (विघ्न) कांग्रेस के साथी कह रहे हैं कि मैं चण्डीगढ़ का मेयर था। मैं इनको यह बताना चाहता हूं कि यह बात बिलकुल सही है कि मैं चण्डीगढ़ का मेयर था लेकिन इनको यह बात पता होनी चाहिए कि चण्डीगढ़ भी हरियाणा का ही हिस्सा है because Chandigarh is the capital of the Haryana State. हम चण्डीगढ़ को हरियाणा से अलग कभी भी नहीं मान सकते। अध्यक्ष जी, मैं समझता हूं कि पिछले

दो साल के अंदर जितना अभूतपूर्व काम हमारी सरकार के समय में हरियाणा प्रदेश के विकास के लिए हुआ है इसको और गति देने के बारे में हमारे विपक्ष के साथियों को भी ईमानदारीपूर्वक सोचना चाहिए और अपने बहुमूल्य सुझाव सरकार को देने चाहिएं। स्पीकर सर, आपने मुझे बोलने के लिए समय दिया इसके लिए आपका बहुत–बहुत धन्यवाद। जय हिन्द।

कृषि मंत्री (श्री ओम प्रकाश धनखड़) : आदरणीय अध्यक्ष जी, यह बहुत ही गौरव का मौका है कि हम सभी हरियाणा की स्वर्ण जयंती का पर्व मना रहे हैं और आपने हाउस में भी इस पर्व को मनाने का मौका दिया है। हम सभी एक ऐसे प्रदेश के वासी है जिस प्रदेश ने अनेकों बार हमारे गौरव को बढ़ाया है। यहां पर इतिहास की बहुत सारी बातें सभी ने कही कि चाहे वेदों की रचना हो, चाहे श्रीमद् भगवदगीता हो, चाहे महाराजा हर्ष हों और चाहे उसके बाद का लगातार गौरव का इतिहास हो। हरियाणा बनने के बाद चाहे बिजली पहुंचाने की बात हो, पानी पहुंचाने की बात हो या फिर सड़क पहुंचाने की बात हो अनेक बार हम गर्व से छाती फैलाते रहे हैं कि हम ऐसे राज्य से सम्बन्ध रखते हैं जहां पर बहुत सारी बातें बहुत ही अच्छी हुई हैं और देश के अन्य राज्यों से पहले हुई हैं। हरियाणा में भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनने के बाद माननीय मुख्यमंत्री जी के नेतृत्व में सर्वसम्मति से गो संवर्धन और गो संरक्षण का कानून भी सभी 90 विधायकों के

सहयोग से इसी सदन में पास हुआ है। हमने उस गौरव के क्षण को भी देखा है। इसी प्रकार से पढ़ी–लिखी पंचायतों के गठन का कानून भी इसी सदन में पास किया गया और आज हम गर्व के साथ कह सकते हैं कि हमारी सरकार और हमारा हरियाणा प्रदेश माननीय मुख्यमंत्री जी के नेतृत्व में उस दिशा में आगे बढ़ा है कि आज के दिन हरियाणा प्रदेश में एक भी अंगूठा लगाने वाला सरपंच नहीं है। उंगली उठाने वाले सरपंच हैं और अपराधी प्रवृत्ति के लोग पंचायतों से बाहर हो गये हैं। उस समय स्वच्छता का जो संकल्प हमने लिया था वह मुहिम आज इतनी आगे बढ़ी है कि आज 40 परसैंट हरियाणा के गांव ओ.डी.एफ. हो गये हैं और हम उन्हें माननीय प्रधानमंत्री जी से ओ.डी.एफ. घोषित करवाने की स्थिति में पहुंच गये हैं। इस सम्बन्ध में माननीय प्रधानमंत्री जी हमें आगे का विज़न भी देकर गये हैं कि हम इस स्वर्ण जयंती वर्ष में ही पूरे हरियाणा प्रदेश को खुले में शौच मुक्त करके स्वच्छता के मिशन पर आगे बढ़ेंगे। मान्यवर अध्यक्ष जी, जब–जब उपलब्धियां आती हैं तो उनके साथ ही चुनौतियां भी आती हैं। उपलब्धियां और चुनौतियां साथ–साथ चलती हैं। इसी के कारण आज की उपलब्धियां आने वाले कई वर्षों में चुनौतियों में बदल जायेंगी। इस बात का जिक्र यहां पर बोलने वाले हमारे बहुत सारे वक्ताओं ने किया है कि हम अपनी उपलब्धियों का गुनगान कर रहे हैं यह अच्छी बात है लेकिन क्या हम पुराने सबकों से भी कुछ सीख ले रहे हैं और

क्या हम भविष्य में आने वाली चुनौतियों का सामना करने के लिए भी तैयार हैं। इस सम्बन्ध में मैं यही कहना चाहूंगा कि हम पुराने सबको से भरपूर सीख ले रहे है और आने वाली चुनौतियों के लिए भी हम पूरी तरह से तैयार हैं। मैं भी इस सरकार के हिस्से के नाते माननीय मुख्यमंत्री जी के नेतृत्व में जब इस विषय को देखता हूं तो मुझे लगता है कि बहुत सारी चुनौतियां हरियाणा प्रदेश के सामने हैं और हम सभी को साथ मिलकर उन सभी बड़ी चुनौतियो का समाधान खोजना है। कुछ चुनौतियो का जिक्र हमारे माननीय मित्र अनिल विज साहब ने भी किया था कि ढांचागत सुविधाओं की चुनौती हमारे सामने है। आज भी हमारी विधान सभा, हमारा सैक्रेटेरिएट, हमारा हाई कोर्ट और हमारी राजधानी सांझे हैं। यह हमारे सामने आज भी एक चैलेंज है। हमारे प्रदेश के बाद अस्तित्व में आये नये–नये राज्य इस मामले में हमसे ज्यादा विकसित हो गये हैं लेकिन इस मामले में हम अभी पीछे हैं। यह हम सभी के सामने एक चुनौती है जिसमें हमारे हरियाणा प्रदेश को इस चुनौती को पार करके आगे जाना है। हमें इस बारे में विचार–विमर्श करना पड़ेगा कि हम इस चुनौती से कैसे पार जायें। इसी तरह से मैं यह कह सकता हूं कि बहुत सी चीज़ों जैसे रोटी, पानी, पढ़ाई, मकान और दवाई के मामले में हमारी स्थिति बहुत अच्छी है। इस सबके बावजूद भी बहुत सारी चुनौतियां अभी हमारे सामने हैं जिनको हमें पार करना है। हरियाणा प्रदेश के सभी उपभोक्ताओं

को 24 घंटे हम कैसे बिजली दे सकते हैं यह लक्ष्य अभी हमारे सामने है। हमें अभी इस लक्ष्य पर पहुंचना है। मैं समझता हूं कि हमारे पास पॉवर की कमी की सबसे बड़ी वजह साधनों की कमी है। प्रदेश में बिजली की कमी को दूर करने के लिए लिए 68 हज़ार करोड़ रूपये की धनराशि का बंदोबस्त किस प्रकार से होगा यह हमें देखना है। हमें लक्ष्य पर अभी पहुंचना है। यहां पर पीने के पानी की और नहरी पानी की भी चर्चा हुई। अभी हमारे पास कुल 2 करोड़ एकड़ फुट पानी की उपलब्धता है जिसमें से 1 करोड़ एकड़ फुट पानी हमारे पास सरफेस वॉटर के रूप में उपलब्ध है और 1 करोड़ एकड़ फुट पानी हम ज़मीन से निकालते हैं जबकि आने वाले 10 साल में हमारी आवश्यकता 3 करोड़ एकड़ फुट पानी की हो जायेगी अर्थात् आने वाले समय में हमारी पानी की आवश्यकता में बेतहाशा बढ़ोतरी होने वाली है और पानी की एक बूंद भी हम बढ़ा नहीं सकते हैं । इस बार भी भाखड़ा में पानी का स्तर कम है और यमुना नदी में भी पानी कम आ रहा है । इस बार वर्षा पहाड़ों पर कम हुई है । आने वाले समय में हर खेत के लिए पानी, हर घर के लिए पानी तथा हर पशु के लिए पीने का पानी उपलब्ध करवाने का चैलेंज हमारे सामने है जिसकी पूर्ति हम एक लम्बा लक्ष्य लेकर और विचार करके करेंगे। हमारे लिए एक बहुत अच्छा अवसर है कि हम राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के तीन तरफ हैं लेकिन उस अवसर का उतना लाभ उठाने में हम कामयाब नहीं हो पाये । आज भी

जब हम दिल्ली से निकलते हैं तो किसी भी रूट पर भी देख लें हमें धान, गेहूं या दूसरी परम्परागत फसलें ही देखने को मिलती हैं । इस 4 करोड़ के बाजार का लाभ उठाने के लिए हमें चीन की तर्ज पर पैरी–अर्बन का कांसैप्ट तैयार करना होगा । हमें इस बात पर ध्यान देना होगा कि हमारी जरूरतें क्या हैं और उसी हिसाब से हमें खेती करनी होगी । हमारे किसानों को उनकी फसल का ज्यादा से ज्यादा पैसा मिल सके इसके लिए हमें आगे बढ़ना है । माननीय मुख्यमंत्री जी के नेतृत्व में पैरी–अर्बन के कांसैप्ट को लेकर केन्द्रीय कृषि मंत्री जी के साथ हमने दो बैठकें की हैं । इस कांसैप्ट के लिए हम हरियाणा की 25 प्रतिशत भूमि ले आयें इसके लिए हॉर्टिकल्चर यूनिवर्सिटी का बनना, हर जिले में एक ऐक्सीलेंसी सैन्टर बनना, 140 कलस्टर बागवानी के बनना, 340 गांवों को बागवानी गांव घोषित करके आगे बढ़ना, ऐसा करके हम तेजी से उस रास्ते पर आगे बढ़ना चाहते हैं कि सारा हरियाणा शनैःशनैः आगे बढ़े जिसे ड्यू मार्केट देते हुये हम आगे बढ़ें । हमारे यहां धान और गेहूं की फसल इसलिए ज्यादा पैदा की जाती है क्योंकि किसानों को उसका एक ऑर्गेनाइज्ड बाजार यहां पर मिल जाता है । इसलिए हमारे सामने यह चैलेंज है कि हम पैरी अर्बन की फसलों का एक ऑर्गेनाइज्ड बाजार हम किसानों को कैसे उपलब्ध करवायें ताकि तेजी के साथ उस रास्ते पर आगे बढ़ सकें । अगर हम इस दिशा में तेजी से आगे बढ़ेंगे तो किसान की आमदनी बढ़ाने में हम

कामयाब होंगे । इसी प्रकार से हमारे सामने स्वच्छता के विषय की भी चुनौती है । आज प्रधानमंत्री जी ने स्वच्छता के लिए हमें एक लक्ष्य भी दिया है । इस बारे में हम ओ.डी.एफ. पर तो आगे बढ़ते जा रहे हैं और शायद एक साल में सभी ग्रामीण जिलों को हम ओ.डी.एफ. घोषित कर देंगे लेकिन शहरों में हमें बहुत परेशानियों का सामने करना पड़ता है क्योंकि बहुत बड़ी आबादी ऐसी है जिनके घर बहुत छोटे हैं । उस पर भी हमको बहुत तेजी के साथ काम करना होगा । इसके साथ–साथ सरकार ने संकल्प लिया है कि गांवों में थ्री पोंड सिस्टम बना कर हम गांव की कीचड़ को समाप्त करें । हम हर जोहड़ को इस तरह से ड्रेन के साथ जोड़ दें जिससे जब भी ज्यादा पानी आ जाये तो हम उसको साफ कर दें । लिक्विड वेस्ट मैनेजमैंट और सॉलिड वेस्ट मैनेजमैंट का इतना अच्छा प्रबंध करें कि हमारे गांव स्वच्छ दिखाई दें । आजकल लोगों का शहरों की तरफ पलायन बढ़ा है जिसके कारण गांवों में 20 प्रतिशत मकान खाली हो गये हैं । गांवों में टिकाऊ विकास हो, गांव इस प्रकार की यूनिट बन कर न रह जायें कि जो कहीं बाहर नहीं जा सके वे ही गांव में रहते हैं । उनकी आमदनी भी बढ़नी चाहिए । ये सभी विषय सरकार के सामने हैं । वहां पर कम्युनिकेशन और ट्रांस्पोर्टेशन की सुविधायें दी जा रही हैं । आज जिस प्रकार से फास्ट कम्युनिकेशन बढ़ रहा है उससे लगता है कि अब केवल टेलीफोन से काम नहीं चलेगा । आज बड़े शहरों में जिस प्रकार से 3जी

और 4जी आ गया है तो गांव भी फास्ट कम्युनिकेशन से जुड़ना चाहते हैं क्योंकि उनको भी इन्टरनेट की सुविधा चाहिए। इसी बात को ध्यान में रखते हुये हमारा विकास एवं पंचायत विभाग लगभग 2 हजार गांव में यानि कि तीन गांवों के बीच एक ग्राम सचिवालय स्थापित कर रहा है जो सभी प्रकार की सुविधाओं से लैस हो और 100 से अधिक प्रकार की सेवाएं वहीं पर दे दी जायें तथा हम गांवों को इस प्रकार से आधुनिक बना सकें जिस प्रकार की उन्हें आज के दिन जरूरत है। अध्यक्ष महोदय, मैं हाउस की जानकारी के लिए बताना चाहूंगा कि हमारी सरकार ने 2 साल में ही होर्टीकल्चर का बजट दो गुणा बढ़ा दिया है । इसी प्रकार मछली विभाग एक छोटा सा विभाग है जिसका बजट 5 करोड़ से दस गुणा बढ़ा कर 51 करोड़ रूपये कर दिया है । इसके अतिरिक्त 151 करोड़ की सहायता केन्द्र सरकार से प्रस्तावित है क्योंकि यह क्षेत्र ऐसा है कि एक–एक किसान 50 लाख रूपये तक की मछलियां एक साल में उत्पन्न कर लेता है। हमारे बहुत से लोगों ने निजी तौर पर पॉल्ट्री का भी बहुत अच्छा कारोबार किया है । इस रास्ते पर अगर हम बहुत तेजी से आगे बढ़ेंगे तो किसानों की समृद्धि को बहुत तेजी से बढ़ा सकते हैं । हम इस क्षेत्र में इस तेजी के साथ आगे बढ़ें कि इसका परिणाम और प्रभाव हमारे किसान, हमारे गांव और हमारी आमदनी पर उस प्रकार का दिखाई दे । अध्यक्ष महोदय, जिन लोगों ने इस हरियाणा प्रदेश के विकास के सपने देखे और सपने

देख कर उनको आगे बढ़ाया, हम उन सभी के आभारी हैं लेकिन यह भारतीय जनता पार्टी की सरकार माननीय मुख्यमंत्री जी के नेतृत्व में ऐसा सपना देखती है जो पूरे हरियाणा का है । यह उल्लेखनीय बात है, इससे पहले कई बार सपने छोटे हो जाते थे । मैंने बहुत से नेताओं को देखा है, कोई एक जिले का सपना देखता था, कोई दो जिलों का सपना देखता था । कोई सपना होता था तो किसी जाति को बाहर निकाल कर होता था तथा कोई सपना किसी जाति के विद्वेष में होता था लेकिन हरियाणा में भारतीय जनता पार्टी की पहली ऐसी सरकार है जो समग्र हरियाणा के विकास का सपना देखती है जिसमें पलवल भी है तो सिरसा भी है । यह सरकार अगर सपना देखती है तो ऐसा सपना देखती है कि "सबका साथ सबका विकास" की ही बात नहीं है बल्कि न खाऊंगा और न खाने दूंगा यह संकल्प भी है । सरकार की नीयत इस प्रकार की है कि हम इमान्दारी के साथ किस प्रकार से आगे बढ़ते चले जायें । निश्चित रूप से स्वप्न लेकर कि कैसे किसानों की आमदनी बढ़े, पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने कहा था कि कैसे हर खेत तक पानी पहुंचे, किस प्रकार से हम पॉवर की सप्लाई बढ़ाते चले जायें और किस प्रकार से किसानों की आमदनी बढ़ाते चले जायें और किस प्रकार से हरियाणा के उद्योगों का विकास करते चले जायें । किस प्रकार से हरियाणा को सर्विस सैक्टर में आगे ले जायें क्योंकि तीन चीजों में हम बहुत अच्छे हैं और हमारा दुनियाभर में

नाम है । हमारे हरियाणा के जवानों के बराबर के सैनिक नहीं हैं जो एक तरह से हमारी क्रांति के जनक है । हमारे हरियाणा प्रदेश के बहुत अच्छे खिलाड़ी हैं जो गोल्ड मैडल जीत कर लाते हैं । हमारा हरियाणा प्रदेश कृषि के क्षेत्र में पूरे देश के लिये अन्न का कटोरा है लेकिन सर्विस सैक्टर में हमें बहुत आगे बढ़ने की जरूरत है । उस प्रकार की हमको एजुकेशन चाहिए, उस प्रकार का हमको व्यवहार चाहिए । इसी प्रकार से मार्किटिंग क्षेत्र में भी क्योंकि बाजार का जमाना है, इसलिये हमारे लोग जब तक खुद तिजोरियों को समाप्त करके सिंगापुर बाजार तक नहीं पहुंचेंगे तब तक उनकी आमदनी नहीं बढ़ेगी । इस तरह से बहुत सारी चीजें हम अच्छी कर रहे हैं लेकिन अच्छी करने के बाद भी कई बार विपक्ष उस पर सवाल उठाता है । हम यह मानते हैं कि विपक्ष के नाते से ऐसा करना स्वाभाविक भी है । हमारी सरकार ने बाजरे की फसल की खरीद शुरू की जिसमें हमें मालूम है कि हम बाजरे की खरीद पूरी नहीं कर सकते क्योंकि सात लाख टन बाजरा हुआ लेकिन हम बीस लाख टन बाजरा खरीदेंगे । हम पंद्रह लाख टन बाजरा एक प्लेयर के रूप में खरीद रहे हैं ताकि किसान को बाजरे के अच्छे भाव मिल सकें । अध्यक्ष महोदय, हम सूरजमुखी की सारी फसल तो नहीं खरीद सकते लेकिन हम सूरजमुखी के प्लेयर के रूप में उतरते हैं जिससे सूरजमुखी का भाव बढ़ जाए । इसी तरह से हम मूंग की सारी फसल को नहीं खरीद रहें है लेकिन हम मूंग को

प्लेयर के रूप में लेते है ताकि मूंग का भाव हमें अच्छा मिल जाए क्योंकि सरकार उस सारे की खपत भी नहीं कर सकती । इस प्रकार की जरूरतें नहीं है, सिस्टम भी नहीं है लेकिन एक प्लेयर के रूप में हम इसलिये उतर रहे हैं ताकि किसान को उसका भाव अच्छा मिल सके । हमने हर फसल का एक–एक दाना खरीदा है । किसी भी फसल का एक भी दाना हमने नहीं छोड़ा है । कोई बताये अगर हमने धान का एक भी दाना छोड़ा हो । कोई कहे गेहूं का कोई एक दाना भी बचा हो । लस्कर लोस के बाद भी सरकार ने पैसा दिया । हमने साठ करोड़ क्विंटल गेहूं खरीदा है । पिछली बार चार करोड़ बीस लाख क्विंटल गेहूं खरीदा और इस बार हम पांच करोड़ क्विंटल धान खरीद चुके हैं । राजस्थान का किसान हमारे यहां बाजरा लेकर आता है । पंजाब और उत्तर प्रदेश का किसान हमारे यहां धान लेकर आता है । हम उनकी की भी खरीद करते हैं । हम किसी का एक दाना भी नहीं छोड़ते । हमें अच्छा लगता है जब नेताओं के फोन आते हैं कि भाई साहब बॉर्डर खुलवा दो हमारा धान भी आ जाएगा । वहां पर हमारे जो किसान भी खड़े हैं उनमें से कुछ आपके रिश्तेदार भी हैं । एक–एक चीज में हम सबसे अच्छा प्रोक्योरमैंट कर रहे हैं ।

श्री रणबीर गंगवा : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मंत्री जी को कहना चाहता हूं कि सरकार ने बाजरे की फसल की खरीद नहीं की है । आपने कहा कि

हम राजस्थान के किसानों की फसलों को भी खरीद रहे हैं । हरियाणा के किसान की मूंग की फसल को सरकार ने 4100–4200 रूपये में खरीदा है ।

श्री ओम प्रकाश धनखड़ : अध्यक्ष महोदय, मैंने यह कहा है कि राजस्थान का किसान भी हमारे यहां अपनी फसल बेचने के लिये आता है । पहले भी हमने कहा बीच में भी कहा कि जब हिसार की कार्यकारिणी की बैठक से यह विषय आया तो उसी समय मुख्यमंत्री जी ने उस बैठक में ही यह फैसला किया कि हम मूंग की फसल को खरीदेंगे । इससे पहले मूंग कभी नहीं खरीदा गया । बाजरे की फसल भी इससे पहले एक–आध बार किसान से लेकर हमारे डी.डी.ए. ने जितने भी जिलों में हैप्पी सीडर मशीन हैं उसको अटैच किया है ।

प्रत्येक किसान से प्राप्त एक हजार रूपये के बदले उसकी पांच एकड़ जमीन की बिजाई हैप्पी सीडर मशीन के द्वारा की जाती है। इस तरह प्रति एकड़ बिजाई का खर्च दो सौ रूपये बनता है जबकि नार्मली अन्य तरीके से बिजाई करने पर प्रति एकड़ 500 से 700 रूपये तक का खर्चा आता है। यही कारण है कि सरकार किसानों को हैप्पी सीडर मशीन की सुविधायें दे रही है। आज मुख्यमंत्री जी ने घोषणा की थी कि जो तुड़ी बनाने की बेलर या मशीनें हैं यदि उन्हें कोई भी हरियाणा का किसान खरीदना चाहता है तो उसके लिए सरकार 50 प्रतिशत

सबसिडी देगी। मैं समझता हूँ कि यह घोषणा भी हमारे किसानों के लिए बहुत अच्छी साबित होगी। (इस समय मेजें थपथपाई गई।) ऐसी सभी सुविधायें जिनकी किसानों को बहुत आवश्यकता होती है, उन सुविधाओं को किसानों तक पहुंचाने के लिए सरकार लगातार बेहतर से बेहतर कार्य करते हुए उन्हें फायदा पहुंचाने की तरफ आगे बढ़ती जा रही है। जब कभी हमारे पास सुझाव आते हैं तो बहुत अच्छा लगता है। कई बार आलोचनात्मक ढंग से भी सुझाव आते हैं, जिनको देखकर लगता है कि हमारा परिष्कार हो रहा है लेकिन जब कभी सरकार में रहे हुए लोग जो सभी बातों को अच्छी तरह से समझते हैं और बावजूद उसके गैर जिम्मेदाराना बयान देते हैं तो बहुत दुख होता है। अब स्वर्ण जयंती समारोह के कार्यक्रम पर आने वाले खर्च की ही बात को ले लीजिए। सबको मालूम है कि 1700 करोड़ रूपये की राशि, स्वर्ण जयंती समारोह के साल भर की भिन्न भिन्न विकास योजनाओं का बजट है। विपक्ष के लोग भी सदन में बैठे हुए है। मैं कुलदीप जी का नाम लेता हूँ जो बयान देते हैं कि स्वर्ण जयंती समारोह के केवल एक समारोह पर 1700 करोड़ रूपये की राशि को खर्च किया जा रहा है। जो लोग सत्ता में रहे हैं, जिन्होंने काफी लंबे समय तक प्रदेश का शासन चलाया हो, जो शासन की हर तरह की बारीकी को समझते हों, उनके द्वारा इस तरह के गैर जिम्मेदाराना बयान व शब्दावली का प्रयोग होते हुए देखकर बहुत दुख होता है। वास्तव में ऐसे अनुभवी व कुशल

राजनेताओं से अच्छी और परिष्कृत आलोचना की अपेक्षा की जाती है। जब आलोचना केवल आलोचना मात्र के लिए होती है तो बहुत दुख होता है। मैं समझता हूँ कि इसमें सुधार की बहुत जरूरत है और आशा करता हूँ कि स्वर्ण जयंती के इस शुभ अवसर पर हम आलोचना के स्तर को सुधार कर, आलोचना को समालोचना के स्तर पर ले जाने का का संकल्प लें। मैं समझता हूँ कि इससे सारा प्रदेश और अधिक बेहतरी की तरफ आगे बढ़ेगा। भारत माता की जय।

श्री जय प्रकाश कलायतः अध्यक्ष महोदय, मुझे भी अपनी बात सदन में रखने का मौका दिया जाना चाहिए। मैं काफी समय से आपसे बोलने के लिए समय मांग रहा हूँ।

श्री अध्यक्षः जयप्रकाश जी, आप अपनी बात को केवल 3 मिनट में पूरा कीजिए। सत्ता पक्ष को बोलने के लिए 2 घंटे 21 मिनट का समय निश्चित किया गया है, लेकिन देखिए उनको बोलने के लिए अब तक दो घंटे का भी समय नहीं मिला है।

श्री जय प्रकाश (कलायत) : अध्यक्ष महोदय, मैं आपकी बात की ताईद करूंगा और केवल 4–5 सुझाव देकर समय से पहले भी अपनी बात को समाप्त कर दूंगा। सबसे पहले मैं एस.वाई.एल. कैनाल के मुद्दे पर अपनी बात रखूंगा। एस.वाई.एल. कैनाल के मामले को लेकर कई महीने पहले भी इस सदन में चर्चा चली थी। एस.

वाई.एल. कैनाल पर पंजाब की तरफ से तो ट्रैक्टर तक चलावा दिए गए थे। आज जब पंजाब विधान सभा के स्पीकर अटवाल जी वी.आई.पी. गैलेरी में बैठे हुए थे तो मैं उस वक्त एस.वाई.एल. कैनाल की बात करना चाहता था और बताना चाहता था कि हमने देश की लोक सभा में एस.वाई.एल. कैनाल के महत्वपूर्ण मसले को बड़ी मुस्तैदी से उठाया था लेकिन उस समय सदन में हंगामा हो गया। हंगामे की वजह से मैं वह बात नहीं कर पाया, यदि बात हो जाती तो संभवतः उस तरफ से भी इंटरेक्शन हो जाता। अध्यक्ष महोदय, मैं इस अवस्था में एक सुझाव इस महान सदन में देना चाहता हूँ। माननीय मुख्यमंत्री जी यहां विराजमान है। एस.वाई.एल. कैनाल का जो प्रोजैक्ट है, वह भारत सरकार के स्तर का है। एस.वाई.एल. कैनाल नहर का पानी मिलेगा या नहीं मिलेगा, अदालत हरियाणा के पक्ष में कोई फैसला करेगी या नहीं करेगी, इस तरह के पचड़े से दूर हटकर मेरा एक सुझाव है कि तत्कालीन यू.पी.ए. सरकार में जब मैं लोक सभा का सदस्य हुआ करता था तो हमने लखवार और ब्यासी डैम का मामला उठाया था और उस वक्त यह निर्णय लिया गया था कि हरियाणा प्रदेश की सरकार सहयोगी बनकर लखवार–ब्यासी डैम को जल्दी से जल्दी बनवाने का काम करे। अध्यक्ष महोदय, अभी पिछले दिनों आदरणीय नरेन्द्र मोदी जी ने जिस तरीके से नहरी पानी के लिए जो फुल प्रूफ बजट दिया है और कहा है कि हर टेल तक पानी जायेगा तो उस परिपेक्ष्य में मेरा एक सुझाव है

कि मुख्यमंत्री जी लखवार–ब्यासी डैम को जल्दी से जल्दी बनवाया जाये। एस.वाई. एल. कैनाल का फैसला जब होगा तब देखेंगे लेकिन यदि लखवार व ब्यासी डैम को जल्द से जल्द बनवा दिया जाता है तो हरियाणा प्रदेश के सूखे खेतों को पूरा पानी मिलेगा। लखवार ब्यासी और रेणुका किसाऊ के डैम प्रोजैक्ट के इंजीनियर –इन–चीफ, मिस्टर सेठ जो मूलतः हमारे जिला कैथल से संबंध रखते हैं, उन्होंने बताया हैं कि इन प्रोजैक्ट्स पर एन.जी.टी.सी. की क्लीयरैंस भी मिल गई है और जल्द से जल्द हम इन प्रोजैक्ट्स पर काम करने वाले है। अतः सरकार से अनुरोध है कि इन प्रोजैक्ट्स पर गम्भीरतापूर्वक ध्यान दिया जाए। अध्यक्ष महोदय, अब मैं दूसरा सुझाव बिजली के संबंध में देना चाहता हूँ। कलायत मेरा विधान सभा क्षेत्र है। मेरा अनुरोध है कि स्वर्ण जयंती के इस शुभ अवसर पर कलायत विधान सभा क्षेत्र को सोलर विधान सभा क्षेत्र घोषित कर दिया जाये। सरकार की तरफ से सोलर के क्षेत्र में बहुत सबसिडी दी जा रही है। यदि सरकार की तरफ से कलायत विधान सभा क्षेत्र के हर घर में सरकार की तरफ से मुफ्त सोलर प्लांट लगा दिया जाये तो निःसदेह मेरा विधान सभा क्षेत्र सोलर प्लांट के माध्यम से प्राप्त बिजली को प्रयोग करने लग जायेगा और इस तरह से जो हमारे क्षेत्र में बिजली की चोरी रोकने के लिए तकरीबन हर रोज रेड की जाती है, इस प्रकार के पग उठाने से बिजली चोरी की समस्या से निजात मिल सकेगी। अतः अनुरोध है कि कलायत

विधान सभा क्षेत्र के गांव को सोलर सिटी बनाकर सोलर उर्जा से प्राप्त होने वाली बिजली प्रदान की जाये। अध्यक्ष महोदय, अब मैं सदन में तीसरा सुझाव देना चाहता हूँ। जब भारत वर्ष की स्वर्ण जयंती मनाई गई थी तो उस वक्त मैं लोक सभा का सदस्य हुआ करता था। मैंने देखा है कि उस समय स्वर्ण जयंती के शुभ अवसर पर अनेकों ट्रेने चलाई गई थी और बहुत सारे नए प्रोजैक्ट्स शुरू किए गए थे। अध्यक्ष महोदय, उसी परिपेक्ष्य में मैं आपके माध्यम से माननीय मुख्यमंत्री जी से निवेदन करना चाहूँगा कि जो हमारे कच्चे लगे हुए कर्मचारी भाई हैं या गैस्ट टीचर हैं, जो टैम्परेरी, एड–हॉक या आउटसोर्सिंग के आधार पर किसी भी विभाग में लगे हुए हैं, स्वर्ण जयंती के इस शुभ अवसर पर उन सबको पक्का किया जाये। हरियाणा के स्वर्ण जयंती वर्ष के इस शुभ अवसर पर यदि हरियाणा के हजारों कर्मचारियों को पंजाब के समान वेतन दे देंगे तो हरियाणा के कर्मचारी इस बात को जरूर याद रखेंगे। पंचकुला के इन्द्रधनुष सभागार में पूर्व विधायकों ने पैंशन का मामला उठाया था। सरकार को चाहिए कि पूर्व विधायकों की सुविधा के लिए कैशलैस मेडिकल और टोल टैक्स में छूट जैसी सुविधा की घोषणा हरियाणा के स्वर्ण जयंती के लिए बुलाए गए विशेष सत्र से करनी चाहिए। अध्यक्ष महोदय, पूर्व विधायकों की पैंशन के लिए मेरा एक सुझाव है कि टर्म वाईज पैंशन की एक स्टेज बनाई जाये और पूर्व विधायक की आखिरी पैंशन वो कर दी जाये जो वर्तमान विधायक की तनख्वाह के

बराबर हो, यह बात हम सभी माननीय सदस्य मानने को तैयार हैं। अध्यक्ष महोदय, आपके माध्यम से मैं एक बात सदन में कहना चाहता हूँ कि कोई आदमी किसी के घर पैदा हुआ है और कोई आदमी कब पैदा हुआ है लेकिन हम तो बाद में पैदा हुए हैं इसलिए हम स्वतंत्रता सेनानी कैसे बन सकते हैं। मैं साधारण किसान परिवार में पैदा हुआ हूँ और मेरे पिता जी अनपढ़ थे। लेकिन हरियाणा प्रदेश को बनाने में हजारो लोगों के पिताओं और दादाओं का भी योगदान रहा है। अध्यक्ष महोदय, क्या कोई नेता अकेले ही नेता बन जाता है? नेता माँ के पेट से पैदा नहीं होता बल्कि नेता चाहे मुख्यमंत्री हो, मंत्री हो या विधायक हो वो जनता के वोट से पैदा होता है। आज सदन में जिस तरह से एक माहौल पैदा हुआ कि मेरे दादा जी ने हरियाणा प्रदेश को बनाया है या मेरे पिता जी ने हरियाणा प्रदेश को बनाया है, इन बातों पर न जाकर के हमें यह सोचना चाहिए कि हमें आगे क्या करना है और आगे कैसे हरियाणा को बढ़िया बनाना है। इसमें कोई दो राय नहीं है कि पंडित भगवत दयाल शर्मा से लेकर के मौजूदा मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल जी तक सभी मुख्यमंत्रियों का अपना–अपना योगदान हरियाणा प्रदेश को बनाने में रहा है। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से सारे सदन में एक निवेदन करना चाहूँगा कि कोई भी मुख्यमंत्री बनता है तो वह जनता के ऊपर कोई अहसान नहीं करता है बल्कि मुख्यमंत्री तो जनता के द्वारा ही अच्छा प्रशासन चलाने के लिए चुना जाता है।

जनता की मेहनत को और नौजवानों के संघर्ष को कोई व्यक्ति सिर्फ अपने लाभ के लिए प्रयोग करता है तो इस बात की सभी माननीय सदस्यों को सदन में निंदा करनी चाहिए। इस तरह से तो हरियाणा को बनाने में केवल 5–10 परिवार के ही लोग बच जायेंगे। अध्यक्ष महोदय, मेरे जैसे साधारण व्यक्ति कहां जायेंगे? अध्यक्ष महोदय, मैं एक बात आपके माध्यम से सदन को बताना चाहता हूँ कि एक बार इलाहाबाद में श्री अमिताभ बच्चन के इस्तीफे के बाद श्री विश्वनाथ प्रताप सिंह को लोकसभा का चुनाव लड़ने का मौका मिला और चुनाव जीत गए। उस समय मैं ग्रीन ब्रिगेड का मुखिया हुआ करता था। श्री वी.पी.सिंह ने कहा था कि आज मैं ग्रीन ब्रिगेड की वजह से देश का प्रधानमंत्री बना हूँ। अध्यक्ष महोदय, यदि मैं यह कहूँ कि मेरे बदौलत ही श्री वी.पी. सिंह देश के प्रधान मंत्री बने, क्या यह अच्छी बात है? उस सरकार में ही चौधरी देवी लाल उप प्रधानमंत्री बने थे। अध्यक्ष महोदय, जनता पार्टी की सरकार का गठन हुआ था और इस पार्टी को दूसरी पार्टियों से भी समर्थन मिला था। श्री वी.पी. सिंह की सरकार में मुझे भी केन्द्रीय मंत्री बनने का मौका मिला था। इस प्रकार से हरियाणा प्रदेश को बनाने में मेरे जैसे साधारण किसान और हमारे सभी बुजुर्गों का बड़ा योगदान रहा है न कि केवल 5–10 परिवारों का ही योगदान रहा है। अध्यक्ष महोदय, बढ़िया परिवार में नालायक पैदा हो जाये तो उसे नेता मानना जरूरी नहीं है। हरियाणा प्रदेश को बनाने के लिए

जिस तरह का माहौल आज सुबह से चल रहा था, मैं इसकी घोर निंदा करता हूँ। अध्यक्ष महोदय, अंत में मैं एक बात आपके माध्यम से सदन में कहना चाहता हूँ कि हमारा एस.वाई.एल. नहर के मुद्दे पर पंजाब से शुरू से झगड़ा चलता आ रहा है । वर्ष 1996 में मैंने लोक सभा का चुनाव लगभग दो लाख वोटों से जीता था, उस वक्त पृथी सिंह जी के गांव उझाना में मुझसे लोग कहने लगे कि जय प्रकाश जी, हम आपको वोट तो दे देंगे लेकिन आप हमें यह बताइये कि क्या आप हमारे लिए एस.वाई.एल. नहर का पानी लाओगे ? इसके जवाब में मुझे कहना पड़ा कि एस.वाई. एल. का पानी तो आएगा नहीं फिर चाहे आप वोट दें या न दें । मैं पूरे सदन से कहना चाहता हूं कि इस इशू पर राजनीतिक हथकंडे न अपनायें क्योंकि यह नहर हमारे प्रदेश की लाइफलाईन है । हमें इसका पानी लाने के लिए काम करके दिखाना होगा । आज पंजाब में अकाली दल और भाजपा की सरकार है । इस विषय पर चौधरी भूपेन्द्र सिंह हुड्डा कह रहे थे कि जब पंजाब में कैप्टन अमरेन्द्र सिंह मुख्य मंत्री थे तो उस समय उन्होंने विधान सभा में अकाली दल और भाजपा सहित सभी पार्टियों के साथ मिलकर पंजाब टर्मिनेशन एक्ट, 2004 पास किया था जिसके तहत सभी वाटर एग्रीमैंट रद्द होने थे । उस समय मैं और हुड्डा साहब सांसद हुआ करते थे । हमने तत्कालीन प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह से मिलकर कहा कि पंजाब विधान सभा का यह फैसला गलत है । अगर हम कहें कि यह

काम हमने किया था तो इस पर मैं कहना चाहूंगा कि हम ऐसा करने वाले कौन होते हैं । मैं ऐसा इसलिए कह रहा हूं क्योंकि हरियाणा के हित में काम करने के लिए प्रदेश की जनता ने हमें जिम्मेदारी दी है । हमारे प्रदेश में जो महापुरूष हुए हैं उनको महापुरूष ही रहने दिया जाए । स्पीकर सर, हमें स्वयं को इस कदर नीचे नहीं गिराना चाहिए कि वोट लेने का समय हो तो उनको याद कर लिया जाए अन्यथा उनको याद ही न किया जाए । मैं कहना चाहता हूं कि पूरे सदन को इकट्ठा होकर माननीय प्रधान मंत्री जी के पास जाना चाहिए और उनसे कहना चाहिए कि आप हमारा लखवार–ब्यासी बनवा दीजिए एस.वाई.एल. के विषय पर फैसला बाद में होता रहेगा । अंत में मैं आपसे निवेदन करना चाहूंगा कि यह वर्ष हरियाणा का स्वर्ण जयंती वर्ष है और इस पर सभी लोगों को आपसी भाईचारे को बनाकर रखना चाहिए । हमें छोटे–छोटे मुद्दे जैसे आरक्षण का मुद्दा है, परिवारवाद का मुद्दा है, क्षेत्रवाद का मुद्दा है इन पर समय नष्ट नहीं करना चाहिए । हमारे प्रदेश में अलग–अलग समय पर अलग–अलग पार्टियों का राज रहा है और सभी ने अच्छे ढंग से प्रदेश को चलाया है । स्पीकर साहब, मैं आपके माध्यम से माननीय मुख्य मंत्री जी को कहना चाहता हूं कि वे प्रदेश में अच्छा शासन कर रहे हैं और उम्मीद है कि वे आगे भी ऐसे ही अच्छे ढंग से शासन करते रहेंगे । अगर वे प्रदेश में अच्छे ढंग से शासन नहीं करेंगे तो हम सरकार का विरोध

करेंगे और शोर करेंगे । (विघ्न) अभी मुख्य मंत्री जी के काम में थोड़ी–सी कमी है । मेरे निर्वाचन क्षेत्र में एक कॉलेज बनने के लिए जो चिट्ठी आनी थी अभी तक वह भी हमें प्राप्त नहीं हुई है । अध्यक्ष महोदय, मेरे कहने का मतलब यह है कि हमें स्वर्ण जयंती वर्ष में प्रदेश के विकास की बात करनी चाहिए और अपने सुझाव सरकार को देने चाहिएं । हमें अपने राजनीतिक लाभ के लिए किसी महापुरूष के नाम का गलत इस्तेमाल नहीं करना चाहिए । मैं ऐसे कार्य की निन्दा करता हूं ।

श्री नसीम अहमद (फिरोजपुर झिरका): अध्यक्ष जी, आपने मुझे बोलने के लिए समय दिया इसके लिए मैं आपका धन्यवाद करता हूं । हरियाणा को बने हुए 50 साल हो गये हैं इसके लिए मैं प्रदेश की जनता को बधाई देता हूं । अध्यक्ष जी, जब हरियाणा प्रदेश अलग राज्य बन रहा था तब हरियाणा के साथ दोगला व्यवहार किया जा रहा था । ज्वायंट पंजाब में हरियाणा का पूरा विकास नहीं हो पा रहा था तब हरियाणा के लोगों और नेताओं ने तथा समाजसेवियों ने मिलकर अलग हरियाणा की मांग रखी । हमारी यह मांग वर्ष 1966 में पूरी हुई और हरियाणा के रूप में हमें एक नया प्रदेश मिला । आज जिस तरीके से हरियाणा ने तरक्की की है वह बहुत ही काबिले–तारीफ है, लेकिन इस प्रदेश का एक जिला मेवात भी है । उसको जब हम देखते हैं तो हमें अहसास होता है कि कहीं–न–कहीं ज्वायंट पंजाब की तरह ही हमारे साथ भी दोगला व्यवहार हो रहा है । (विघ्न) वह पिछड़ा हुआ

जिला नूंह ही है । जिस तरीके से हरियाणा प्रदेश के साथ दोगला व्यवहार होता था आज वैसा ही दोगला व्यवहार मेवात के साथ हो रहा है । सरकार भी मानती है कि यह इलाका पिछड़ा हुआ है और पिछली सरकार भी मानती थी । तो क्यों न ऐसी कोई नई स्कीम बनाई जाए कि मेवात पर जो पिछड़ेपन का धब्बा लगा हुआ है उसे दूर कर सके । इस हरियाणा प्रदेश के लोगों को ज्वायंट पंजाब में पिछड़ा हुआ कहा जाता था । हरियाणा के लिए मेवात के लोगों ने आवाज उठाई और अपने पिडछ़ेपन को दूर करने के लिए अपना अलग राज्य बना लिया । आज हमें इस बात की खुशी है कि हम हरियाणा प्रदेश का हिस्सा हैं लेकिन मेवात पर 50 साल से धब्बा लगा हुआ है । अतः मेरा हरियाणा सरकार से अनुरोध है कि मेवात के पिछड़ेपन को दूर करने का कष्ट करें । मेवात के लोग भी हरियाणा का अंग है और हरियाणा को अलग राज्य बनाने में मेवात के लोगों का अहम योगदान रहा है । माननीय स्पीकर साहब, हरियाणा किसानों और वीर जवानों का देश है । स्पीकर सर, हरियाणा प्रदेश का किसान जब अन्न उगाता है तो देश का पेट भरता है । किसान का अन्न जब खेत से मंडी में जाता है तो उससे पूरे हिंदुस्तान का पेट भरता है । आज किसान के साथ ऐसा व्यवहार किया जाता है कि बीज और खाद के लिए किसान को लाइनें लगानी पड़ती हैं । हमारे प्रदेश के किसानों के लिए बड़े अफसोस की बात है । अध्यक्ष महोदय, आज की तारीख में भी बीज लेने के लिए

किसानों की लाइनें लगी हुई हैं । बीज लेने के लिए थानों में एप्लीकेशंज देनी पड़ती हैं । नूंह में तो थानों में वैरीफिकेशन करवाने के बाद ही बीज मिलता है । अध्यक्ष महोदय, यदि किसानों के साथ इस तरीके का व्यवहार किया जाता है तो मैं समझता हूं कि हरियाणा जिस मकसद के लिए बना था वह मकसद हल नहीं होता । अध्यक्ष महोदय, मैं किसानों के साथ साथ फौजी भाइयों की बात यहां जरूर रखना चाहूंगा । हिन्दुस्तान में हरियाणा प्रदेश के फौजी ही उच्च पदों पर बैठे हुए हैं और यह हरियाणा प्रदेश के लिए बड़े गर्व की बात है । अध्यक्ष महोदय, जब कोई फौजी मरता है तो उसके बारे में भी राजनीति की जाती है जबकि आत्महत्या करने वाले का मकसद देखना चाहिए कि उसने आत्महत्या क्यों की ? आज विवाद चल रहा था कि जिस *** ने आत्महत्या की है वह रिटायर्ड था इसलिए उसको मान सम्मान नहीं दिया जाएगा । मैं एक बात कहना चाहूंगा कि चन्द्र शेखर आजाद ने भी देश को आजाद करवाने के लिए खुद को गोली मारी थी, उसको वीर और शहीद का दर्जा दिया गया था इसलिए मैं कहना चाहता हूं कि मकसद जरूर देखा जाए कि *** ने आत्महत्या क्यों की है ।

*** चेयर के आदेशानुसार रिकार्ड नहीं किया गया ।**

श्री ज्ञानचंद गुप्ताः अध्यक्ष महोदय, ये चन्द्रशेखर की तुलना उस *** के साथ कैसे कर सकते हैं इसलिए इनके ये शब्द कार्यवाही से निकलवाए जाएं ।(शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः ठीक है नसीम अहमद जी ने जो चन्द्र शेखर से तुलना करने की बात कही है उसको रिकार्ड न किया जाए । (शोर एवं व्यवधान)

श्री ज्ञानचंद गुप्ताः नसीम अहमद जी, आप कितनी चमचागिरी करेंगे ।

श्री नसीम अहमदः अध्यक्ष महोदय, हमें चमचागिरी करने की जरूरत नहीं हैं हम तो किसान के बेटे हैं और किसान की बात ही करेंगे ।

श्री अध्यक्षः नसीम अहमद जी, इस मुद्दे का चन्द्रशेखर से कोई लेना देना नहीं है तथा आप इस भूतपूर्व फौजी की तुलना चन्द्र शेखर के साथ कैसे कर सकते हैं ? चन्द्र शेखर ने तो देश की आजादी की लड़ाई के लिए बलिदान दिया था इसलिए आप उनके नाम के साथ इस फौजी का नाम कैसे जोड़ रहे हैं ?

श्री नसीम अहमदः अध्यक्ष महोदय, इस भूतपूर्व फौजी ने भी अपने मान सम्मान के लिए ही आत्महत्या की है । (शोर एवं व्यवधान)

*** चेयर के आदेशानुसार रिकार्ड नहीं किया गया ।**

कृषि मंत्री (श्री ओमप्रकाश धनखड़): अध्यक्ष महोदय, अभी माननीय साथी ने खाद और बीज का उल्लेख किया था इसलिए मैं कहना चाहूंगा कि इन्होंने इस बारे में गलत उल्लेख किया है । अध्यक्ष महोदय, 26 अक्टूबर, 2014 को हमारी सरकार बनी थी और 29 तारीख को मुख्यमंत्री महोदय ने हमें विभागों का बंटवारा किया

था । 8 और 9 तारीख को हमें बताया गया कि प्रदेश में खाद नहीं है । अध्यक्ष महोदय, उस समय तक हमें पता भी नहीं था कि खाद कहां से आता है, सिस्टम क्या है और इसको कौन सा डिपार्टमैंट देखता है । हमने डिपार्टमैंट की मीटिंग बुलाकर ऑफिसर्ज से पूछा कि खाद का क्या सिस्टम है तो हमें बताया गया कि पिछली सरकार 35 हजार टन खाद छोड़कर गई थी । उसके बाद हमने विभाग के ऑफिसर्ज से पूछा कि प्रदेश में टोटल खाद लगता कितना है तो हमें बताया गया कि टोटल साढे 11 लाख टन खाद लगता है । हमने डिपार्टमैंट से पूछा कि हमें खाद न मिलने का क्या कारण है तो हमें बताया गया कि पिछली सरकार का एक टैण्डर सैंटर में फेल हो गया था । हमने इस बारे में पता भी किया था । हम पिछली सरकार को भी इसके लिए दोष नहीं देते । उस समय सैंटर में अनंत कुमार जी मिनिस्टर होते थे । हमने उनके पास जा जाकर प्रदेश में खाद की कमी की बात रखी तो प्रदेश में खाद की कमी को पूरा किया गया । उसके बाद तीसरी फसल के लिए खाद पूरी हो गई तथा चौथी फसल पर फिर खाद की कमी हो गई

थी लेकिन अब अढाई लाख टन खाद का स्टाक मेरे पास है । अब प्रदेश में खाद की कोई कमी नहीं है तथा न ही इसके लिए कोई लाइन लगती है ।

श्री नसीम अहमदः अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मंत्री जी को कहना चाहता हूं कि उस समय तो प्रदेश में खाद की कमी थी ।

श्री अध्यक्षः नसीम अहमद जी, उस समय की बात का जवाब तो मंत्री जी ने दे दिया है ।

श्री नसीम अहमदः अध्यक्ष महोदय, मेवात के नूंह में आज भी बीज के लिए वैरीफिकेशन मांगी जा रही है और कहा जा रहा है कि पुलिस से वैरीफिकेशन करवाओ उसके बाद ही बीज दिया जाएगा ।

श्री ओम प्रकाश धनखड़ः अध्यक्ष महोदय, हमने ऐसे किसी काम में कोई परिवर्तन नहीं किया जो पिछली सरकार में अच्छा चल रहा था । मैं इस सदन में एक बात जरूर बताना चाहूंगा कि सरकार कुछ चीजें खरीदने के लिए प्लेयर के रूप में मार्किट में उतरती है । इसी प्रकार किसान की कुछ इनपुट्स बेचने के लिए भी सरकार प्लेयर के रूप में उतरती है । हम केवल 15 परसैंट बीज लेकर ही मार्किट में बैठते हैं ताकि बीज का भाव अनाप–शनाप न बढ़ जाए । हम केवल 15 परसैंट बीज ही देते हैं यह बात किसान को भी पता है इसलिए हमारी बीज की

दुकानों पर लाइन लगी रहती है । हम थोड़ा थोड़ा बीज देकर तब तक चलते रहते हैं जब तक कि पूरा बीज खरीदा न जाए वर्ना तो हम एक दिन में भी पूरा बीज बांट सकते हैं ।

श्री करण सिंह दलाल (पलवल) : अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट ऑफ आर्डर है कि मंत्री जी जो बीज के बारे में कह रहे हैं उस बारे में मैं कहना चाहूंगा कि बीज का रेट एच.एस.डी.सी. और माननीय मंत्री जी का महकमा मिलकर तय करते हैं लेकिन आज तक बीज का रेट तय नहीं हुआ है । जब बीज का रेट ही तय नहीं हुआ है तो बीज बिकेगा कहां । यह बात सही है कि बीज पहुंचा हुआ है लेकिन उसका रेट तय नहीं हुआ है । मंत्री जी कहते हैं कि ये सप्लीमैंट करते हैं लेकिन प्रदेश के अंदर लोगों में यह चर्चा है कि सरकार जान–बूझकर बीज का रेट तय नहीं कर रही ताकि व्यापारियों को फायदा दिया जा सके और किसान बीज के लिए मारे–मारे फिर रहे हैं ।

श्री ओम प्रकाश धनखड़ : अध्यक्ष महोदय, माननीय साथी पुरानी बात कर रहे हैं और बीज का भाव तय हुए एक हपते से ज्यादा समय हो चुका है तथा बीज बेचा भी जा रहा है । आज के दिन किसी प्रकार की कठीनाई नहीं है । हम एक निश्चित मात्रा में बीज लेकर आते हैं और यह मात्रा पहले से तय होती है । जब लस्टर लौस हुआ था उस समय हम 3.50 लाख क्विंटल बीज की बजाय 5 लाख

क्विंटल बीज भी लेकर आये थे । इस बार भी 3.50 लाख क्विंटल के साथ हम बाजार में हैं । जो बीज हमारे पास है वह हम किसानों को मुहैया करवायेंगे । माननीय साथी सदन में गलत तथ्य न कहें ।

श्री नसीम अहमद : अध्यक्ष महोदय, स्वर्ण जयंती समारोह सरकार मना रही है यह बहुत अच्छी बात है । मैं कहता हूं कि स्वर्ण जयंती समारोह हमें मनाना चाहिए और इससे भी बड़े स्तर पर यह समारोह मनाया जाता तो अच्छा होता। सरकार को बने दो साल हो गये और जिस समय भारतीय जनता पार्टी की सरकार प्रदेश में बनी थी उस समय मुख्यमंत्री जी ने कहा था कि सबका साथ–सबका विकास करेंगे और सबको साथ लेकर चलेंगे । अध्यक्ष महोदय, आज यदि मैं पंचायत विभाग की बात करूं, तो मेरे हल्के में जो भी काम होते हैं उनके लिए हमसे नहीं पूछा जाता । जनता ने हमें भी चुनकर भेजा है । हम भी विधायक हैं । हमारे सहयोग और राय से कोई ग्रांट नहीं दी जाती । हरियाणा प्रदेश का विपक्ष का विधायक कोई भी विकास का कार्य अपने क्षेत्र में नहीं करवा सकता । हमारे पास ऐसी कोई पावर नहीं है कि हम जनता के बीच में जाकर कह सकें कि आपका यह विकास कार्य हम करा सकते हैं, क्योंकि सारा सिस्टम मुख्यमंत्री जी के हाथ में है । अध्यक्ष महोदय, मुख्यमंत्री जी ने वायदा किया था और आश्वासन दिया था कि सभी विधायकों को 5 करोड़ रुपये की ग्रांट विकास कार्यों के लिए दी जायेगी । मैं

कहना चाहता हूं कि वह ग्रांट इस स्वर्ण जयंती वर्ष में तुरंत लागू की जाये । क्योंकि हरियाणा प्रदेश के विधायक ही ऐसे हैं जिनके पास कोई ग्रांट नहीं होती जबकि पंजाब, राजस्थान, यू.पी. और दिल्ली आदि सभी राज्यों में विधायकों को अपने क्षेत्र में विकास कार्य करवाने के लिए ग्रांट दी जाती है ।

श्री अध्यक्ष : आपके समय में ही यह परम्परा चली थी ।

श्री नसीम अहमद : अध्यक्ष महोदय, अब इसमें सुधार कर दिया जाये । अध्यक्ष महोदय, सरकार की तरफ से ''बेटी बचाओ–बेटी पढ़ाओ'' का भी नारा दिया गया है । जहां तक बेटियों को बचाने और पढ़ाने की बात है पिछले दिनों तावडू के डिंगरहेड़ी गांव में दो बच्चियों के साथ बहुत भयानक हादसा हुआ । वहां पर उन दो बच्चियों के साथ बलात्कार किया गया और उनके माता–पिता का कत्ल कर दिया गया। लेकिन सरकार ने उसको बड़े छोटेपन से लेकर देखा । उस समय मेवात की जनता और प्रतिनिधि मुख्यमंत्री जी से मिले और उसी दौरान विधान सभा का सत्र चल रहा था तब जाकर पुलिस ने धारा 302 लगाई वरना 302 धारा भी नहीं लगाई गई थी । इस तरह के मामलों में हरियाणा की छवि खराब होती है । इसलिए यदि ऐसी कोई घटना हो जाये तो उस पर सरकार तुरंत कार्यवाही करे । अध्यक्ष महोदय, अब मैं अपने क्षेत्र की कुछ समस्याओं का जिक्र करना चाहूंगा कि हमारे क्षेत्र में परिवहन मंत्री पंवार साहब फिरोजपुर झिरका में बस स्टैंड का

उद्घाटन करने गये थे । वहां पर सब डिपो होता था जो अब नहीं है । वहां से अलग–अलग राज्यों के लिए बसें चलती थी । मैं मंत्री जी से प्रार्थना करूंगा कि वहां पर सब–डिपो बनाया जाये और यू.पी. तथा राजस्थान के लिए दोबारा से बसें चलाई जायें । अध्यक्ष महोदय, इसी तरह से मेवात में कोई रेलवे लाईन नहीं है । मेवात दिल्ली के नजदीक है और दिल्ली–जयपुर–आगरा के बीच में पड़ता है । अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मुख्यमंत्री जी से अनुरोध करूंगा कि वे इस सम्बन्ध मे केन्द्र सरकार के साथ विचार–विमर्श करे। पिछली सरकार के समय में अनेकों बार आश्वासन दिये गये और अनेकों बार घोषणाये की गई कि मेवात में रेलवे लाईन बिछाई जायेगी लेकिन इसके बावजूद अभी तक भी मेवात में रेलवे लाईन नहीं बिछाई गई है। मेवात की जनता भी रेल में सवारी करना चाहती है इसलिए मैं माननीय मुख्यमंत्री जी से पुनः अनुरोध करूंगा कि वे इस बारे में जरूर गम्भीरतापूर्वक विचार करें। मेवात में शिक्षा से जुड़े संस्थानों मे स्टॉफ की बहुत ज्यादा कमी है। इसी प्रकार से स्वास्थ्य विभाग और दूसरे विभागों में स्टॉफ की बहुत ज्यादा कमी है। मेरी माननीय मुख्यमंत्री जी से प्रार्थना है कि जल्दी से जल्दी अच्छे उम्मीदवारों का चयन करके इन रिक्तियों को तुरंत भरा जाये। जिस प्रकार से शिक्षा विभाग में मेवात कॉडर बनाया हुआ है उसी प्रकार से दूसरे विभागों में भी मेवात कॉडर बनाकर सभी रिक्तियों को भरा जाये। इसके साथ ही साथ में

माननीय मुख्यमंत्री जी से यह निवेदन भी करना चाहता हूं कि हमारे वहां बड़कली चौंक और फिरोजपुर झिरका में एक–एक इंजीनियरिंग कालेज की स्थापना की जाये ताकि हमारे क्षेत्र के बच्चों को अच्छी शिक्षा मिल सके। इसी प्रकार से फिरोजपुर झिरका में एक गवर्नमैंट कालेज की बहुत आवश्यकता है क्योंकि वहां पर कोई गवर्नमैंट कालेज नहीं है। नूंह और नगीना के कालेज हमारे वहां से काफी दूर पड़ते हैं जिस कारण फिरोजपुर झिरका के आस–पास के गांवों के बच्चों को उच्च शिक्षा प्राप्त करने में काफी तकलीफों का सामना करना पड़ता है। इसलिए मैं माननीय मुख्यमंत्री जी से बार–बार यह अनुरोध करना चाहूंगा कि फिरोजपुर झिरका में जल्द से जल्द एक सरकारी कालेज की स्थापना की जाये। मैं माननीय मुख्यमंत्री जी का यह भी बताना चाहूंगा कि हमारे वहां से नगीना से तिजारा के लिए एक मार्ग निकलना है उसको भी जल्द से जल्द बनवाया जाये क्योंकि यह भी हमारे मेवात के लोगों के साथ–साथ पूरे हरियाणा प्रदेश के लिए बहुत ज्यादा अहमियत रखता है। मैं इस सम्बन्ध में एक सुझाव और देना चाहूंगा कि अगर इस रोड को रेवाड़ी नैशनल हाईवे से सीधा जोड़ दिया जायेगा तो रेवाड़ी से आगरा सीधा रास्ता हो जायेगा जिससे सिर्फ तीन घंटे मे आगरा पहुंचा जा सकेगा। स्पीकर सर, आपने मुझे बोलने का समय दिया इसके लिए आपका बहुत–बहुत धन्यवाद।

श्री कृष्ण कुमार बेदी (सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्य मंत्री) : आदरणीय स्पीकर सर, आज का विधान सभा का सैशन स्वर्ण जयंती के उपलक्ष्य में बुलाया गया है। सर, जब हरियाणा बना तब मेरा जन्म नहीं हुआ था। मेरा जन्म हरियाणा बनने के बाद हुआ परन्तु मेरा सौभाग्य यह है कि आज स्वर्ण जयंती के इस अवसर पर मैं इस महान सदन का सदस्य हूं। उस समय के हरियाणा की क्या तस्वीर रही होगी मुझे इस बारे में कुछ पता नहीं है क्योंकि हमने तो हरियाणा बनने के 7–8 साल बाद ही होश सम्भाला था। आज सभी क्षेत्रों में जिन बुलंदियो और जिन ऊंचाइयों को आज हमारा हरियाणा प्रदेश छू रहा है उस पर हमें गर्व और फख्र होता है। आज हम अपने देश के किसी भी हिस्से में जायें अगर वहां पर हरियाणा की चर्चा होती है तो लोग हमें सम्मान की दृष्टि से देखते हैं। आज के दिन हमारा हरियाणा इतना गौरवशाली हो गया है। माननीय मुख्यमंत्री जी और सारी सरकार ने जब यह तय किया कि इस वर्ष को हम हरियाणा के स्वर्ण जयंती वर्ष के रूप में मनायेंगे। स्वर्ण जयंती वर्ष मनाने के मकसद के रूप में यह सीधी–सीधी बात तय हुई थी कि हरियाणा का हर उज्जवल पक्ष जैसे हरियाणा की एजुकेशन, हरियाणा का सांस्कृतिक जीवन, हरियाणा का भाई–चारा, हरियाणा के लोगों ने जो विज्ञान के क्षेत्र में तरक्की की है, हरियाणा के लोगों ने खेलों के क्षेत्र में जो तरक्की की है उसके बारे में सारे देश के सामने जानकारी जाये अर्थात पूरे

देश के सामने हरियाणा की आन–बान और शान पहुंचे। इस सोच को लेकर माननीय मुख्यमंत्री जी ने इस स्वर्ण जयंती समारोह की शुरूआत की थी। मुझे इसमें शामिल होने का सौभाग्य प्राप्त हुआ, भाई कमल गुप्ता जी और बहन सीमा त्रिखा जी को यह सौभाग्य प्राप्त हुआ । हमारी एक कमेटी बनाई गई थी जिसका चेयरमैन मुझे बनाया गया था जिसमें यह तय हुआ कि हम क्या–क्या योजनाएं चला सकते हैं और हम क्या अच्छा कर सकते हैं । जिस समय हम तीनों ने यह तय किया था कि हम अपने हरियाणा से पूर्व सांसद और मौजूदा सांसद तथा पूर्व विधायक और वर्तमान विधायकों का एक दिन का संयुक्त सत्र चलायेंगे उस समय पिक्चर कुछ और थी । उस समय हमारे दिलों में बहुत उत्साह था कि जिन सांसदों और विधायकों ने हरियाणा के विकास में अपना योगदान दिया और बहुत लम्बे समय तक हरियाणा की सेवा की क्योंकि कोई 5 बार कोई 6 बार सांसद या विधायक रहा है, उनसे वैसे तो मुलाकात होती नहीं और यदि एक दिन का संयुक्त सत्र बुला लिया जाये तो हम उनके चरण छूएगे, उनका आशीर्वाद लेंगे तथा उनका मार्गदर्शन लेंगे । मित्रों, हम कल बड़े उत्साह के साथ इन्द्रधनुष ऑडिटोरियम पहुंचे थे । हम तो पहली बार विधायक चुन कर हरियाणा विधान सभा में पहुंचे हैं । जिस प्रकार भाई जयप्रकाश जी कह रहे थे, हमारे तो दादा, परदादा और पिता जी तो सामान्य मजदूर परिवार से हैं उनकी तो कभी चर्चा हो ही नहीं सकती क्योंकि

उनकी चर्चा तो तब होगी जब हरियाणा के 4–5 आदमियों की चर्चा समाप्त होगी । (विघ्न)

श्री ओम प्रकाश बड़वा : अध्यक्ष महोदय, उन आदमियों के योगदान को कभी भी भुलाया नहीं जा सकता । इसी विषय पर मैं दो लाइनें सुनना चाहता हूं :–

यूं तो लोग जिया करते हैं
लाभ जीवन का नहीं फिर भी जिया करते हैं,
मरने से पहले हजारों मरते हैं,
पर जिन्दगी तो उनकी है जो मर कर भी जिया करते हैं ।

अध्यक्ष महोदय, कहने को तो चाहे कोई कुछ भी कह लें लेकिन हम उन हस्तियों को भुला नहीं सकते ।

श्री कृष्ण कुमार बेदी : अध्यक्ष महोदय, भाई ओमप्रकाश जी ने बहुत अच्छी बात कही है मैं इनकी बात का समर्थन करता हूं । अध्यक्ष महोदय, माननीय मुख्यमंत्री जी ने जिस सोच के साथ एक दिन का सत्र बुलाया था उसके लिए हम बहुत उत्साह के साथ गये थे । माननीय मुख्यमंत्री जी से पहले नेता प्रतिपक्ष बोले और उससे पहले हमें इस बात का अहसास नहीं था कि वे इस प्रकार से सम्मेलन का बहिष्कार करके चले जायेंगे । हम जब सुबह ऑडिटोरियम में पहुंचे तो हमें पता चला था कि कांग्रेस के साथी तो शायद नहीं आयेंगे लेकिन इंडियन नैशनल लोकदल के साथियों को हरी पगड़ी में देख कर बहुत अच्छा लगा था । जिन पूर्व

विधायकों से परिचय था उनसे भी मिलकर बहुत अच्छा लगा लेकिन जब नेता प्रतिपक्ष अपनी बात कह कर समारोह का बहिष्कार करके चले गये तो जिस सोच के साथ यह सत्र बुलाया गया था उससे सबसे ज्यादा दुख मुझे हुआ है । जिस दिन हमने एक दिन का पूर्व विधायकों और पूर्व सांसदों का सत्र बुलाना तय किया था यह कुछ अच्छी सोच के साथ तय किया था लेकिन मुझे बहुत दुख हुआ है । लेकिन उससे भी ज्यादा दुख उस समय हुआ जब बहन गीता भुक्कल जी अपनी बात कह कर माननीय मुख्यमंत्री जी के अनुरोध के बावजूद भी सम्मेलन का बहिष्कार करके चली गई ।

श्री रामचन्द कम्बोज : अध्यक्ष महोदय, जिन्होंने हरियाणा को बनाने में अपना योगदान दिया है क्या उनको सम्मानित किया गया?

श्री अध्यक्ष : जो बुजुर्ग विधायक या सांसद थे उनको नीचे जा कर माननीय मुख्यमंत्री जी ने स्वयं सम्मानित किया और जो बहुत ज्यादा बुजुर्ग थे उनके चरण स्पर्श करके मुख्यमंत्री जी ने सम्मानित किया है ।

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्यमंत्री (श्री कृष्ण कुमार बेदी) : अध्यक्ष महोदय, 26 अक्टूबर 2014 को माननीय मनोहर लाल जी के नेतृत्व में हरियाणा में पहली बार भारतीय जनता पार्टी की सम्पूर्ण बहुमत से सरकार बनी और हमारे जैसे

सामान्य परिवार के व्यक्ति को भी इस मंत्रिमंडल में मंत्री बनने का सौभाग्य प्राप्त हुआ । जब हमारी सरकार स्पष्ट बहुत से सत्ता में आई और माननीय मुख्यमंत्री जी शपथ लेने के बाद मंच से नीचे आए और पत्रकारों ने हमारे मुख्यमंत्री से पहली वार्तालाप की तो मैं उनके साथ खड़ा था उस समय उन्होंने एक ही वाक्य कहा कि हम हरियाणा एक और हरियाणवी एक के पैटर्न पर सरकार चलाने का काम करेंगे । साथियो, मैं आप सभी को अवगत कराना चाहता हूं कि उस समय शायद हमारे दिमाग में यह बात नहीं आई कि हमारे मुख्यमंत्री जी ने यह कौन सा वाक्य कहा परन्तु हमें उस दिन यह बात ध्यान में आई जब हमारे कर्मचारी भाईयों की एक शिडयूल्ड कास्ट् रिजर्वेशन इन प्रमोशन की फाईल 10 साल तक रूकी पड़ी थी, उनकी वह प्रमोशन की फाईल इसलिये रोक रखी थी क्योंकि उनकी सुनवाई करने वाला कोई नहीं था । हमने वह बात माननीय मुख्यमंत्री जी को कही तो माननीय मुख्यमंत्री जी ने उसी समय आदेश किया और आदेश करने के बाद जो फाईल 10 साल से रूकी पड़ी थी उसको हमने ढ़ाई महीने में कैबिनेट में पास करके दलित समाज के 50 हजार कर्मचारियों को प्रमोशन में रिजर्वेशन दिलाने का रास्ता सरकार की तरफ से पहली बार क्लीयर हुआ । उन लोगों ने जब मुख्यमंत्री निवास पर जाकर मुख्यमंत्री जी का धन्यवाद किया तो उनके चेहरे पर लाली थी, खुशहाली थी। ऐसा उदाहरण हमने आज तक नहीं देखा । तब हमें अहसास हुआ

कि उस दिन मुख्यमंत्री जी 'हरियाणा एक और हरियाणवी एक' की क्या बात कह रहे थे । स्पीकर सर, मैं आपके माध्यम से बताना चाहता हूं कि 24 अक्टूबर 2015 को कैथल की ऐतिहासिक धरती पर भगवान बाल्मिकी दिवस मनाने का काम किया और यही नहीं भगवान बाल्मिकी दिवस को समरसता दिवस के रूप में मनाने का काम किया क्योंकि भगवान बाल्मिकी जी ने जिस रामायण और जिस महाकाव्य ग्रंथ की रचना की है वह किसी जाति विशेष के लिये नहीं, किसी वर्ग विशेष के लिये नहीं पूरे समाज के लिये की है । माननीय मुख्यमंत्री जी उस कार्यक्रम में गये और हमने उनसे निवेदन किया कि माननीय मुख्यमंत्री जी गुरू रविदास जयंती, संत कबीर जयंती, डॉ0 भीम राव अम्बेडकर जयंती और भगवान बाल्मिकी जयंती को आप पंजाब की तर्ज पर यदि सरकारी तौर पर मनाने का काम करेंगे तो दलित समाज के अन्दर एक आस और विश्वास जगेगा । मुख्यमंत्री जी ने जब उसकी घोषणा की तो मैं आप लोगों को बताना चाहता हूं कि वहां पर ..... **(विघ्न)**

श्री अध्यक्ष : उस फाईल को क्लीयर करने में कोई बुराई तो नहीं है ।

श्रीमती गीता भुक्कल : अध्यक्ष महोदय, जो मंत्री जी कह रहे हैं कि प्रमोशन अलग है और रिजर्वेशन अलग है । हम इसकी क्लेरिफिकेशन चाहते हैं । **(विघ्न)**

श्री कृष्ण कुमार बेदी : अध्यक्ष महोदय, मैं आपको बताना चाहता हूं कि मुझे इस बात की खबर उस दिन हुई जब माननीय मनोहर जी ने कैथल के अन्दर जब उन जयंतियों को सरकारी घोषित किया । मैं इस बात के पीछे जाना चाहता हूं कि एस. सीज.–बी.सीज. वैलफेयर मंत्रियों की एक बैठक दिल्ली में हुई तो जब दिल्ली में इस बात की चर्चा हुई (**विघ्न**) मैं हरियाणा में सबकी बात कर रहा हूं और आप व्यक्तिगत बात कर रही हैं । (**विघ्न**) आप मेरी बात को समझ नहीं रही हैं । मुझे हरियाणा के ऊपर फख्र कब हुआ जब यह देखा कि अन्य देशो में इन दलित ऋषि–मुनियों की जयंती मनाने की बात ही नहीं है और हमारे प्रदेश के अन्दर चार–चार महऋषियों की जयंती सरकारी स्तर पर मनाई जा रही हैं । मैं यह बात कहना चाहता हूं । (**विघ्न**)

श्रीमती गीता भुक्कल : अध्यक्ष महोदय, हम तो केवल एक चीज जानना चाह रहे हैं कि मंत्री जी ने यह कहा कि रिजर्वेशन इन प्रमोशन की फाईल 10 सालों से पड़ी हुई थी जो हमने क्लीयर कर दी है जिसका 50 हजार कर्मचारियों को लाभ मिला है । अध्यक्ष महोदय, हम आपके माध्यम से एक क्लैरीफिकेशन चाह रहे हैं कि जो रिजर्वेशन इन प्रमोशन की फाईल पैंडिंग थी क्या वह रिजर्वेशन मिल गई ? क्या उस पर कोई स्टे है कि नहीं है ? अगर आपने प्रोमोशन कर दी होगी तो हम

आपका धन्यवाद कर देंगे नहीं तो आपने जो झूठ बोला है आपको यहां सदन में खड़े होकर माफी मांगनी पड़ेगी । (**विघ्न**)

श्री कृष्ण कुमार बेदी : अध्यक्ष महोदय, माफी तो हमारी बहन जी को मांगनी चाहिए ये एस.सीज.–बी.सीज. वैलफेयर की मंत्री थी फिर भी इनकी उस फाईल की तरफ देखने की हिम्मत नहीं हुई । इनको तो पूरे दलित समाज से माफी मांगनी चाहिए । इन्होंने 10 साल तक उस फाईल को हाथ तक नहीं लगाया और हमारे माननीय मुख्यमंत्री जी ने अपने ढ़ाई साल के कार्यकाल के अन्दर ही उस फाईल को क्लीयर करके दिखाया है । (शोर एवं व्यवधान) आज ये सदन में बड़ी–बड़ी बातें कर रही हैं। इनको अपने शासन काल में रिजर्वेशन इन प्रमोशन वाली फाईल पर कोई कार्रवाई न करने बाबत माफी मांगनी चाहिए। (शोर एवं व्यवधान) हमारे माननीय मुख्यमंत्री जी ने अपनी कैबिनेट के साथ मीटिंग करते हुए रिजर्वेशन इन प्रमोशन वाली फाईल को अढ़ाई महीने में क्लीयर कर दिया। (शोर एवं व्यवधान) लोग मुख्यमंत्री का धन्यवाद करके आए। (शोर एवं व्यवधान) लोगों ने पूरे हरियाणा में लड्डू बांटे। गीता जी को माफी मांगनी चाहिए। (शोर एवं व्यवधान) गीता जी अनुसूचित जाति तथा पिछड़ा वर्ग कल्याण मंत्री हुआ करती थी। (शोर एवं व्यवधान) इन्होंने उस कार्यकाल के दौरान 8 साल तक उस फाईल को देखा तक नहीं था। (शोर एवं व्यवधान)

श्रीमती गीता भुक्कलः अध्यक्ष महोदय, मंत्री जी को किसने यह अधिकार दिया है कि वह एक महिला विधायक को हाथ के इशारे से धमकाये?(शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः गीता जी, मंत्री जी ने किसी को धमकाया नहीं है। (शोर एवं व्यवधान) मंत्री जी मेरी तरफ देखकर हाथ से इशारा करके अपनी बात रख रहे हैं। (शोर एवं व्यवधान) आपको कौन धमका सकता है? आप प्लीज बैठिए। (शोर एवं व्यवधान) ऐसा कुछ भी नहीं है।(शोर एवं व्यवधान) मंत्री जी धमका नहीं रहे हैं।(शोर एवं व्यवधान)

श्रीमती गीता भुक्कलः अध्यक्ष महोदय, मंत्री जी एक महिला विधायक की तरफ हाथ हिलाकर धमकी दे रहे हैं?

श्री अध्यक्षः गीता जी, हर व्यक्ति का बोलने का अपना एक अलग अंदाज होता है। (शोर एवं व्यवधान) कुछ लोग हाथ हिलाकर बोलते हैं और कुछ ऐसे भी होते हैं जो अपने हाथों को अपने पीछे की तरफ रखकर अपनी बात बोलते रहते हैं। (शोर एवं व्यवधान) बोलने का अपना–अपना अंदाज होता है। (शोर एवं व्यवधान) यह बोलने का अंदाज है, भला कोई आपको धमकाने की बात सोच सकता है? (शोर एवं व्यवधान)

मुख्यमंत्री (श्री मनोहर लाल): अध्यक्ष महोदय, दोनों तरफ की बातों को सुनकर मैं विषय के बारे में जो ठीक तरह से समझ पाया हूँ, उसके हिसाब से मुझे लगता है कि बात गीता जी की भी ठीक है और मंत्री कृष्ण कुमार बेदी की भी ठीक है। अध्यक्ष महोदय, हमने इतने वर्षों के बाद जो रिजर्वेशन इन प्रमोशन वाली दबी हुई फाईल थी उसको निकाला, उसका अध्ययन किया और कैबिनेट के द्वारा पास कराकर नियम बनाया कि रिजर्वेशन इन प्रमोशन जरूर होनी चाहिए। इसी बात के लिए मंत्री जी ने फाईल को क्लीयर करने का शब्द प्रयोग किया। बाद में कोर्ट के द्वारा इस मामले में स्टे हो गया और जब कोर्ट का मामला आ जाता है तो संभवतया उससे सरकार का कोई लेना देना नहीं होता है। मंत्री जी ने सरकार की मंशा बताई है कि जो रिजर्वेशन इन प्रमोशन वाली फाईल थी वह सरकार की तरफ से क्लीयर हो चुकी है। (शोर एवं व्यवधान) इस अवस्था में मैं समझता हूँ कि अब विषय खत्म हो जाता है। (शोर एवं व्यवधान)

श्रीमती गीता भुक्कल: अध्यक्ष महोदय, सच्चाई को सामने लाया जाना चाहिए। जब मामला कोर्ट में लंबित है और उसके बावजूद भी मंत्री जी रिजर्वेशन इन प्रमोशन की बात कह रहे है। मंत्री जी गलत जानकारी देकर सदन को गुमराह कर रहे हैं। (शोर एवं व्यवधान)

श्री जयवीर सिंहः अध्यक्ष महोदय, मंत्री जी गलत जानकारी देकर वाहवाही लेना चाह रहे हैं, जबकि मंत्री जी के द्वारा सरासर गलत जानकारी सदन में दी जा रही है। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः जयवीर जी, इतना गुस्से में आने की क्या जरूरत है। (शोर एवं व्यवधान) माननीय मुख्यमंत्री जी अपनी बात रखना चाह रहे हैं, अतः आप प्लीज, बैठिए। मंत्री जी ने जो बात कही है वह सच कही है बस उसे समझने की कोशिश की जानी चाहिए।

श्री मनोहर लालः अध्यक्ष महोदय, मंत्री जी ने सरकार की मंशा की बात कही है और मैं समझता हूँ कि यह कोई गलत बात नहीं है। आप सब को यह भी पूरी तरह से मालूम है कि सरकार को कोर्ट के आदेशों का भी पालन करना होता है?(शोर एवं व्यवधान)

श्री उदय भानः अध्यक्ष महोदय, मंत्री जी कह रहे हैं कि रिजर्वेशन इन प्रमोशन के तहत प्रोमोशंज दी गई। जब कोर्ट का आदेश है तो प्रोमोशंज कैसे हुई? (शोर एवं व्यवधान)

मुख्यमंत्री (श्री मनोहर लाल): अध्यक्ष महोदय, जब रिजर्वेशन इन प्रमोशन की फाईल को कैबिनेट में मंजूरी मिली तो उसके बाद प्रोमोशंज दी गई लेकिन जब केस कोर्ट

में चला गया और माननीय न्यायालय ने कोई आदेश जारी कर दिया तो संभव है कि माननीय न्यायालय की बात तो हम सबको माननी ही थी। माननीय न्यायालय ने किसी बात का आदेश दिया तो वह माननी ही होती है। इसलिए इसमें कोई दुविधा नहीं है। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः उदय भान जी, सरकार ने रिजर्वेशन इन प्रमोशन वाली फाईल को कैबिनेट की एप्रूवल देकर अपनी जिम्मेदारी तो निभाई है। उसके बाद यदि कोई केस हो जाता है तो उसमें सरकार का तो कोई दोष नहीं है। सरकार की मंशा तो बिल्कुल साफ है? (शोर एवं व्यवधान)

श्रीमती गीता भुक्कलः माननीय मुख्यमंत्री जी का धन्यवाद करती हूँ उन्होंने स्पष्ट बात कही है। यह माननीय मुख्यमंत्री जी की और सरकार की भी जिम्मेवारी बनती है कि कोर्ट में जो मामला लंबित है उसको सरकार की ओर से ठीक ढंग से परस्यू किया जाए। मंत्री श्री कृष्ण कुमार बेदी जी पहली बार मंत्री बने है, मैं समझती हूँ कि उनको अपना ज्ञान बढ़ाने की जरूरत है? उनको अपडेट होने की जरूरत है? जब वह इतनी बडी स्टेटमैंट दे रहे हैं और इतना बड़ा झूठ इतने जोर शोर से कह रहे हैं तो एक बार तो मुझे भी लगा कि शायद सच बोल रहे हैं। यही कारण था कि मैंने इस मामले में क्लेरिफिकेशन लेनी चाही।

श्री कृष्ण कुमार बेदीः अध्यक्ष महोदय, सही मायने में माननीय बहन जी को तो इस बात की टैंशन थी कि जिस फाईल को उन्होंने 8 साल तक हाथ तक नहीं लगाया था वह अढ़ाई महीने में कैसे क्लीयर हो गई। (शोर एवं व्यवधान) लोगों की डिमोशन होनी शुरू हो गई थी। हमने उस फाईल को क्लीयर किया और उसका परिणाम यह हुआ कि जो डिमोशंज हुई थी उन पर स्टे हो गया। (शोर एवं व्यवधान) अब मैं इस विषय से हटकर स्वर्ण जयंती कार्यक्रम पर अपनी बात रखूंगा। सरकार ने जिस तरह से हरियाणा प्रदेश की स्वर्ण जयंती को मनाने का निश्चय किया है, उसका मुझे फख्र है। (शोर एवं व्यवधान)

श्री उदय भानः अध्यक्ष महोदय, मंत्री जी विषय से ऐसे कैसे हट सकते हैं। मंत्री जी द्वारा रिजर्वेशन इन प्रमोशन के संबंध में जो साक्ष्य सदन में प्रस्तुत किए गए, वे ठीक नहीं हैं। (शोर एवं व्यवधान)

श्री कृष्ण कुमार बेदीः अध्यक्ष महोदय, मैं सदन में सही बात रख रहा हूँ और उन बातों को न सुनकर, विषय को तोड़–मरोड़कर मुझ पर व्यक्तिगत आक्षेप किए जा रहे हैं। यह ठीक बात नहीं हैं। (शोर एवं व्यवधान)

श्री उदय भानः अध्यक्ष महोदय, कृष्ण बेदी जी सरकार में मंत्री हैं और मंत्री की एक जिम्मेदारी होती है। सदन में जो भी बातें एक मंत्री द्वारा कही जाती हैं वे पूरी जिम्मेदारी के साथ कही गई होती हैं? (शोर एवं व्यवधान)

श्रीमती गीता भुक्कलः अध्यक्ष महोदय, इतने महत्वपूर्ण पद पर बैठ कर बेदी जी द्वारा गैर जिम्मेदाराना बयान देना और एक महिला विधायक को हाथ के इशारे से धमकाने की कार्रवाई को किसी भी सूरत में उचित नहीं माना जा सकता। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः गीता जी, आप बोलने की स्टाईल को धमकाने के रूप में प्रयोग न करें। (शोर एवं व्यवधान) हर आदमी को बोलने के अलग–अलग अंदाज होते हैं। आप लोग प्लीज बैठिए। (शोर एवं व्यवधान)

श्री कृष्ण कुमार बेदीः अध्यक्ष महोदय, सरकार द्वारा हमारे अनुसूचित समाज के चार महापुरूषों की जयंती सरकारी स्तर पर मनाने की घोषणा ने हमारे समाज के आम व सामान्य व्यक्ति के गौरव व सम्मान को बढ़ाने का काम किया है। इस बात की खुशी मुझे तब हुई जब संपूर्ण भारत के अनुसूचित जाति एवं पिछड़ा वर्ग मामलों के मंत्रियों की दिल्ली में एक बैठक हुई । वहां पर एक सवाल उठा कि हरियाणा प्रदेश में अनुसूचित जाति एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण के क्षेत्र में क्या किया जा रहा है तो

मैंने उत्तर दिया कि हरियाणा प्रदेश में अनुसूचित जाति एवं पिछड़ा वर्ग के चार महापुरूषों की जयंती सरकारी स्तर पर मनाई जा रही है तो जिन प्रदेशों में बहुत पुरानी–पुरानी सरकारें कार्यरत थी, उन प्रदेशों के अनुसूचित जाति एवं पिछड़ा वर्ग मंत्रियों ने मेरी बात को सुनकर उस मीटिंग में कहा गया कि दो साल के अल्प कार्यकाल में ही भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने इतना बड़ा कदम उठाया है, मुझे उसी दिन से हरियाणवी होने का गर्व प्राप्त हुआ। हरियाणा के 50 साल के इतिहास में केवल दो साल के मौजूदा सरकार के कार्यकाल में ही जीन्द में भगवान बाल्मीकि प्रकट दिवस के मौके पर माननीय मुख्यमंत्री महोदय ने सफाई कर्मचारी आयोग बनाने की घोषणा करके सफाई कर्मचारियों का हौसला बढ़ाने का काम किया है। जो सफाई कर्मचारी अन्य लोगों द्वारा शोषण और अत्याचार के शिकार हुआ करते थे, भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने उन सफाई कर्मचारियों का गर्व बढ़ाया है। दिव्यांगों के लिए लाभपात्र की अपंगता 70 प्रतिशत से घटा कर 60 प्रतिशत करने की योजना बनाई ताकि ज्यादा से ज्यादा लोगों को पैंशन मिले, इसके लिए भी मुझे हरियाणवी होने का गर्व है। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से सदन में एक बात बताना चाहता हूँ कि आज तक हरियाणा में जितनी भी यूनिवर्सिटिज बनी हैं उनका कोई ना कोई अपना इतिहास रहा है। कैथल के अंदर मून्दड़ी में भगवान बाल्मीकि संस्कृत विश्वविद्यालय की घोषणा करके माननीय

मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल जी ने दलित समाज का मान–सम्मान बढ़ाया है। यदि मैं आगे किसी बात का जिक्र करूँगा तो फिर मामला बिगड़ जायेगा क्योंकि हरियाणा में चौधरी ओम प्रकाश चौटाला के शासन काल में सिरसा में चौधरी देवी लाल के नाम से विश्वविद्यालय बना, चौधरी भजन लाल के शासन काल में हिसार में गुरू जम्भेश्वर विश्वविद्यालय बना और पूर्व मुख्यमंत्री चौधरी भूपेन्द्र सिंह हुड्डा के शासन काल में जीन्द में चौधरी रणबीर सिंह के नाम से विश्वविद्यालय की घोषणा हुई थी। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से एक महत्वपूर्ण बात और सदन को बताना चाहता हूँ कि माननीय मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल जी ने एक विश्वविद्यालय भगवान बाल्मीकि के नाम से तथा दूसरा विश्वविद्यालय भगवान विश्वकर्मा के नाम से खोलने की घोषणा की है। ऐसी सोच रखने वाले मुख्यमंत्री महोदय ने सदैव गरीब दलित लोगों का मान–सम्मान बढ़ाया है। (शोर एवं व्यवधान) चौधरी भूपेन्द्र सिंह हुड्डा के शासन काल में 10 हजार सफाई कर्मचारियों की ग्रामीण क्षेत्र में भर्ती हुई थी लेकिन उनको पक्का करने की कोई भी योजना नहीं बनाई। मौजूदा सरकार के मुखिया श्री मनोहर लाल ने ग्रामीण चौकीदारों की संख्या में 10 प्रतिशत की वृद्धि करने के साथ–साथ उनका मासिक मानदेय 8100/– रूपये से बढ़ाकर 10,000/– रूपये करने का निर्णय लिया है। **(इस समय मेजें थपथपाई गई।)** अध्यक्ष महोदय, आगे भी किसी यूनिवर्सिटी का नाम महारणा प्रताप सिंह के नाम से रखने की माननीय

मुख्यमंत्री महोदय की सोच है। मैं तो सार्वजनिक मंच से भी कहता रहा हूँ कि यदि श्री मनोहर लाल को भी अपने पिता और दादा की सोच होती तो प्रदेश में इन महापुरूषों के नाम से यूनिवर्सिटी नहीं बनती, इन महापुरूषों के नाम से यूनिवर्सिटी तब बनी जब श्री मनोहर लाल जैसी सोच का व्यक्ति हरियाणा का मुख्यमंत्री बना। (विध्न) अध्यक्ष महोदय, मैं जल्दी ही अपनी बात को समाप्त कर दूंगा। पूर्व की सरकार में ग्रामीण चौकीदारों को अब तक सिर्फ टार्च मिलती थी लेकिन अब माननीय मुख्यममंत्री महोदय श्री मनोहर लाल की सरकार सभी चौकीदारों का मान–सम्मान बढ़ाने के लिए पांच वर्ष में एक बार छतरी और साइकिल भी देगी। इस तरह से सफाई कर्मचारियों को एक वर्ष में एक बार जूता और वर्दी देने की घोषणा की है। हरियाणा के स्वर्ण जयंती के वर्षगांठ पर आम लोगों का मान–सम्मान बढ़ाने पर श्री मनोहर लाल के नेतृत्व की सरकार को बधाई देता हूँ। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से हरियाणा के 50 साल पूरे होने पर हरियाणा प्रदेश की अढ़ाई करोड़ जनता को बधाई देता हूँ। माननीय मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल के नेतृत्व में हरियाणा दिन दोगुनी रात चौगुनी तरक्की करे। इन बातों को कह कर मैं अपनी वाणी को विराम देता हूँ । धन्यवाद। (शोर एवं व्यवधान)

वॉक–आऊट

श्री करण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, मुझे भी बोलने का समय दिया जाये। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः दलाल जी, आपकी पार्टी को बोलने का काफी समय दिया गया है। (शोर एवं व्यवधान) आपकी नेता ने ही 40 मिनट का समय ले लिया है। (शोर एवं व्यवधान)

श्री करण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, मुझे एक बात कहनी है। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः दलाल जी, अब सदन के नेता बोलेंगे। (शोर एवं व्यवधान) दलाल जी, आज एक सिटिंग की जगह लगभग दो सिटिंग जितना समय हो गया है। (शोर एवं व्यवधान)

श्रीमती गीता भुक्कलः अध्यक्ष महोदय, मुझे कुछ कहना है। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः दलाल जी, समय सारणी के अनुसार आपकी पार्टी के हिस्से 54 मिनट थे फिर भी मैंने 64 मिनट का आप लोगों को बोलने का समय दिया। (शोर एवं व्यवधान)

श्री कुलदीप शर्माः अध्यक्ष महोदय, सभी को बोलने का मौका दिया जाये। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः प्लीज, आप लोग बैठ जाइये। (शोर एवं व्यवधान) सता पक्ष के हिस्से 141 मिनट थे लेकिन 114 मिनट का ही समय दिया गया। (शोर एवं व्यवधान) इस तरह से मैंने सता पक्ष को कम समय दिया और आप लोगों को बोलने के लिए ज्यादा समय दिया।

श्री कुलदीप शर्मा : अध्यक्ष जी, आप मुझे बोलने के लिए समय नहीं दे रहे हो । मैं आपसे पूछना चाहता हूं कि आपको किस बात का डर है ? मैं आपसे पूछना चाहता हूं कि मुझे सदन में क्यों नहीं बोलने दिया जा रहा है ? आप एक बार मेरी बात सुन तो लीजिए । (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : शर्मा जी, आप एक मिनट मेरी बात सुनिये । मैंने हर सदस्य के बोलने के लिए 3 मिनट का समय निर्धारित किया हुआ है । (शोर एवं व्यवधान)

श्री कुलदीप शर्मा : अध्यक्ष जी, आपने कुछ देर पहले मुझे इशारा करके कहा था कि आपको सदन में बोलने के लिए समय दिया जाएगा । अब आप मुझे बोलने के लिए लिए समय नहीं दे रहे हो । यह हम पर सरासर अन्याय है । आप स्वर्ण जयंती वर्ष में हम पर अन्याय मत कीजिए । (विघ्न) बाकी सदस्य सदन में 40–40

मिनट तक बोले हैं तो फिर हमें सिर्फ 2 मिनट ही क्यों दिये जाएं ? (शोर एवं व्यवधान)

श्री मनोहर लाल : अध्यक्ष जी, मैं आपके माध्यम से सदन में उपस्थित सभी माननीय सदस्यों से कहना चाहूंगा कि आज स्वर्ण जयंती वर्ष के उपलक्ष में आयोजित सत्र में एक अच्छी चर्चा हुई है । हम हरियाणा के स्वर्ण जयंती वर्ष के अवसर पर .... (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : शर्मा जी, अब सदन के नेता बोलने के लिए खड़े हैं इसलिए आप प्लीज, बैठ जाइये । हम आपको सुझाव देने के लिए अवश्य समय देंगे । (शोर एवं व्यवधान)

श्री करण सिंह दलाल : अध्यक्ष महोदय, हमें सदन में अपनी बात कहनी है इसलिए आप हमें बोलने का समय दीजिए । (शोर एवं व्यवधान)

श्री मनोहर लाल : अध्यक्ष जी, हमारे हरियाणा का जो 50 वर्ष का इतिहास है .... (शोर एवं व्यवधान)

श्री कुलदीप शर्मा : अध्यक्ष जी, आपने सभी दलों के सदस्यों को सुन लिया मगर हमें बोलने का समय नहीं दिया है । (शोर एवं व्यवधान)

श्री करण सिंह दलाल : अध्यक्ष जी, हमें प्रदेश के लोगों की तकलीफों के बारे मे सदन को बताना है इसलिए हमें बोलने का समय दीजिए । (शोर एवं व्यवधान) अध्यक्ष जी, यदि आप हमें सदन में बोलने के लिए समय नहीं दे रहे हैं तो हम इसके विरोध में सदन से वॉक आउट करते हैं ।

(इस समय कांग्रेस पार्टी के सदन में उपस्थित सभी सदस्य उनके कुछ सदस्यों को सदन में बोलने के लिए समय न देने के विरोध में सदन से वॉकआउट कर गए।)

नियम 84 के अधीन प्रस्ताव पर चर्चा (पुनरारम्भ)

मुख्यमंत्री (श्री मनोहर लाल) : अध्यक्ष जी, माननीय सदस्यों का कल दिन में किया गया व्यवहार और आज फिर से वैसा ही व्यवहार अच्छा तो नहीं है लेकिन हम किसी को ऐसा करने से रोक नहीं सकते । अच्छा होता कि माननीय सदस्यों ने जो विषय उठाए थे वे उनके उत्तर भी सुनते । मैं आज यहां इन बातों में नहीं जाना चाहता हूं क्योंकि आज हमें हरियाणा के विकास के बारे में बात करनी है । इसमें कोई दो राय नहीं है कि हमारा हरियाणा 50 साल में प्रगति करके आगे बढ़ा है लेकिन आज आखिरकार हमें एक नये विजन से यह सोचना है कि हमें हरियाणा को कहां लेकर जाना है और क्या करना है। इसके लिए हमारे पास बहुत–से सुझाव भी आए हैं । उन सुझावों के हिसाब से हमारी सरकार के जिम्मे के जो काम हैं वे हम अवश्य करेंगे । इसके अतिरिक्त विपक्ष और हरियाणा को बनाने में जिन

लोगों ने अहम भूमिका निभाई है हम उनसे भी सहयोग की अपेक्षा रखेंगे । हमने हरियाणा की अढ़ाई करोड़ जनता से सुझाव मांगे हैं और हम प्रदेश की जनता को अपने साथ लेकर उनके हित में कार्य करेंगे । हमने जो घोषणाएं की थी उनको हम अवश्य पूरा करेंगे । मैं इस विषय में एक बात और जोड़ना चाहता हूं कि हरियाणा को बनाने में बहुत–से लोगों ने प्रयास किये और अपने संघर्षों से हरियाणा को बनाया परंतु हमें इस होड़ में नहीं लगना चाहिए कि एक नेता विशेष के कारण हरियाणा बना । ऐसा कहना गलत बात है । इसकी बजाय यदि हम सारा श्रेय हरियाणा की सारी जनता को दें तो मैं समझता हूं कि यह विषय ठीक संदर्भ में चला जाएगा । यदि हमें हरियाणा के अस्तित्व के बारे में कोई लिखित उल्लेख मिला है तो वह कोई 10–20 या 30–40 वर्ष पुराना इतिहास नहीं है । हमें हरियाणा का सबसे पहला उल्लेख दसवीं शताब्दी में जैन कवि पुष्प दंत और श्रीधर के साहित्य में उजागर हुआ है । यह इतना पुराना विषय है कि किसी न किसी रूप में आता रहा होगा । यह विषय कभी हरियाणा के नाम से, कभी कुरूक्षेत्र की धरती के नाम से, कभी अम्बाला डिविजन के नाम से तो कभी दक्षिणी पंजाब के नाम से आया होगा । इस तरह अलग–अलग क्षेत्रों की पहचान बनाने के प्रयत्न बहुत पुराने हैं । इनको देश की आजादी से पहले रेखांकित करना इसलिए संभव नहीं था क्योंकि उस समय देश को आजाद कराना ही प्राथमिकता थी । देश की आजादी से

पहले किसी अलग प्रोविंस को निकालना या किसी रियासत को बनाने का विषय आया हो तो उसकी हमें जानकारी नहीं है । देश की आजादी से पहले भी इस विषय का उल्लेख मिलता है कि सन् 1923 में स्वामी सत्यानंद ने लाहौर में अलग हरियाणा की मांग की गई थी । दीनबंधू छोटू राम और देशबंधू गुप्ता ने भी इस मांग को आगे बढ़ाया था । यह मांग तो बहुत पुरानी चल रही है लेकिन देश आजाद होने के बाद इस मांग ने और ज्यादा जोर पकड़ा । स्वाभाविक है कि उस समय के जो नेता थे, उनको इस बात का श्रेय ज्यादा जाता है क्योंकि उन्होंने इसके लिए संघर्ष ज्यादा किया । पहले ज्वायंट पंजाब था और वैसे तो ज्वांयट पंजाब का एक विभाजन इससे पहले हो गया था । वह त्रासदी भी देश की आजादी के साथ जुड़ी हुई है । उसके बाद देश आजाद हो गया लेकिन यह बात ध्यान में आती है कि उस समय हमारे प्रदेश के साथ भेदभाव हुआ था। ज्वायंट पंजाब में जिन जिन क्षेत्रों के लोग सत्ता में उपस्थित थे वहां वहां प्रगति ज्यादा हो रही थी । आज का जो दक्षिण हरियाणा है उस समय पंजाब था और इसमें प्रगति वास्तव में कम थी । अध्यक्ष महोदय, उस सारे संदर्भ में जाने की आवश्कता नहीं है क्योंकि हरियाणा का निर्माण हो चुका है। उस समय जो समितियां बनी उन समितियों के लोगों के नाम का यहां उल्लेख किया गया । उन दिनों भारतीय भाषा का सम्मलेन हुआ था और वहां पटाभि सीतारमैया ने अलग हरियाणा का समर्थन किया था । वे

भले ही हरियाणा के नहीं थे लेकिन उन्होंने अलग हरियाणा बनाने का समर्थन किया था । पंडित ठाकुर लाल भार्गव और चौधरी रणबीर सिंह ने संविधान सभा में भी इस विषय को उठाया था और उन्होंने अलग हरियाणा का समर्थन किया था । वर्ष 1954 में हरियाणा के विधायकों और दूसरे लोगों ने प्रांत फ्रंट बनाया जिसमें पंडित श्रीराम शर्मा, पंडित बाबू दयाल शर्मा, मास्टर नानु राम, चौधरी श्रीचंद, चौधरी सूरजमल, चौधरी माडूसिंह मलिक, चौधरी धर्म सिंह राठी, कामरेड रणधीर सिंह, चौधरी निहाल सिंह तक्षक, चौधरी राम सिंह, चौधरी इंद्र सिंह, चौधरी प्रताप सिंह दौलता (सी.पी.आई.) तथा चौधरी लहरी सिंह (जनसंघ) आदि ने मुख्य भूमिका निभाई थी। इसके बाद चौधरी देवीलाल जी के नेतृत्व में एक कमेटी बनी थी, उसका भी उल्लेख हुआ है। हरियाणा के निर्माण के बाद जितने मुख्यमंत्री बने उन सबका विषय यहां आया है। मेरा कहने का मतलब है कि हम इस होड़ से थोड़ा ऊपर उठकर बात करें। हरियाणा की जनता ने हरियाणा निर्माण में सहयोग किया तभी हरियाणा आगे बढ़ा यदि इस ओर हम आगे आएंगें तो ध्यान में आता है कि हर काल में हरियाणा निर्माण की बात की गई है और सबका अपना अपना विजन उस समय रहा। हरियाणा के लोगों की आवश्यकता के हिसाब और युग के हिसाब से जैसे जैसे तकनीक की प्रगति हो रही थी, उस तकनीक के हिसाब से आगे बढ़ने का प्रयास किया गया । आगे बढ़ने में तकनीक का भी बहुत ज्यादा महत्व होता

है। हरियाणा निर्माण के समय टेलीविजन, इंटरनैट या मोबाइल की बात करते तो उस समय यह तकनीक नहीं थी लेकिन जब तकनीक आ जाती है तो उस हिसाब से सब चीजें आगे बढ़ती हैं । इन्फ्रास्ट्रक्चर की बात करें तो उस समय सारे देश में इन्फ्रास्ट्रक्चर की बहुत कमी थी । समय के साथ साथ इन्फ्रास्ट्रक्चर, बिजली, रेलवे, सड़कों और नहरों के क्षेत्र में काम किया गया और सब चीजें आगे बढ़ी । इस प्रकार समय समय पर जैसे जैसे आवश्यकता होती है वैसे वैसे हमें आगे बढ़ना होता है । जिस स्थिति में आज हम खड़े हैं उसमें बहुत कुछ करने के बाद भी बहुत सी कमियां हैं, बहुत सी समस्याएं और कठिनाइयां हैं जिनसे जनता परेशान और पीड़ित है । उन समस्याओं को हमें खत्म करना है और उन विषयों पर हमें काम करना है । जिस स्थिति में आज हम खड़े हैं उस स्थिति को ठीक करने के लिए हमें अपने लक्ष्य निधार्रित करने होंगे । गरीबी की बात की जाए तो अन्य प्रांतों के हिसाब से हमारे यहां उतनी गरीबी नहीं है लेकिन फिर भी तुलनात्मक अंतर तो बहुत है । अभी एक विधायक ने ठीक ही कहा कि जिला गुरूग्राम की पर कैपिटा इन्कम साढे 4 लाख रूपये है और पास के नूंह जिले की पर कैपिटा इन्कम 40 से 45 हजार रूपये है यानि 1 और 10 का रशो है । ये दोनों एडज्वांयनिंग डिस्ट्रिक्ट्स हैं उसके बावजूद पर कैपिटा इन्कम में इतना ज्यादा अंतर है । अब इस दूरी को कैसे कम किया जाए यह लक्ष्य हमें रखना है और ऐसी योजनाएं हमें

बनानी होंगी । इसके लिए हमें गरीबी के मूल कारण ढूंढने होंगे, रोजगार के साधन ढूंढने होंगे, बेरोजगारी को समाप्त करना होगा और खेती के काम को हमें आगे बढ़ाना होगा । संयोग से बाकी प्रदेशों में पर कैपिटा के हिसाब से जमीन बहुत ज्यादा है लेकिन हमारे यहां बहुत कम जमीन है । बढ़ता हुआ इंडस्ट्रियलाइजेशन और बढ़ती हुई आबादी के कारण जमीन का उपयोग ज्यादा हो रहा है । किसान की जोत बहुत छोटी होती जा रही है जिसका समाधान हमारे पास नहीं है । इसका समाधान यही है कि कम जोत होते हुए हम उस जमीन पर प्रति एकड़ प्रोडक्टिविटी कैसे बढ़ाएं, किसान की आमदनी कैसे बढ़ाएं । संयोग से देश की राजधानी दिल्ली के चारों तरफ हरियाणा पड़ता है अगर देश की राजधानी दिल्ली के साथ लगते गुरूग्राम, फरीदाबाद, नोएडा, गाजियाबाद इन सब शहरों की आबादी जोड़ लें तो लगभग 4 करोड़ बन जाती है । यह जो 4 करोड़ की आबादी है इसकी जो सप्लाई लाईन है उसका बहुत बड़ा भाग हरियाणा से जा सकता है । हमारे हरियाणा की जो लोकेशनल एडवांटेज है उसका यूज हम रोजगार बढ़ाने में, खेती से आमदन बढ़ाने में कर सकते हैं । इसके लिए हमें लगातार प्रयत्न करना चाहिए । हम इसके लिए प्रयत्न कर भी रहे हैं और उसमें सभी को सहयोग देना चाहिए । हमने इनवैस्टर समिट किया और वह केवल इसी उद्देश्य को लेकर किया कि ज्यादा से ज्यादा इनवैस्टर देश और विदेश से प्रदेश में आ सकें । हमारे

ईज ऑफ डुईंग बिजनस की जितनी स्थिति अच्छी होगी हम उस स्थिति में आगे बढ़ेंगे और इनवैस्टर हमारे प्रदेश की तरफ आकर्षित होंगे । यह बताते हुए मुझे बड़ा हर्ष होता है कि ईज ऑफ डुईंग बिजनस का अपना एक फार्मूला होता है और केन्द्र सरकार के विभाग इसको तय करते हैं । इसके लिए 340 बिंदु बताये गये थे जिसके ऊपर हरियाणा ने काम करना था । इन बिंदुओ पर हमारे प्रशासन और विभाग के अधिकारियों ने काम किया तथा हम सभी लोगों ने बैठकर उसपर योजनाएं बनाई। आप सभी को बताते हुए मुझे खुशी हो रही है कि जहां इज ऑफ डुईंग बिजनस में हम 14वें स्थान पर थे उसकी जगह 31 अक्तूबर को जो उसका रिजिल्ट आया है उसमें हम 5वें स्थान पर आ गये हैं । उत्तर भारत में हमारे अलावा दूसरा कोई राज्य 5वें स्थान तक नहीं है । जहां तक पहले 5 राज्यों की बात है उनमें तेलंगाना और आंध्र प्रदेश ज्वायंट रूप से पहले स्थान पर हैं । उसके बाद गुजरात है, मध्य प्रदेश है और फिर हरियाणा का नम्बर आता है । उत्तर भारत में केवल हरियाणा ही है जिसने पहले पांच स्थान में अपनी जगह बनाई है । हमारे साथ लगता प्रदेश पंजाब 14 वें स्थान पर है । आज हमारे और पंजाब के बीच बहुत अंतर आ चुका है और हमारे प्रदेश में निवेश का माहौल बना है । इससे निश्चित रूप से हमारे प्रदेश के नौजवानों को रोजगार मिलेगा । हमारे लगभग 550 से ज्यादा एम.ओ.यू. साईन हो चुके हैं जिनमें 6.00 लाख करोड़ रुपये का निवेश

होगा । इसके परिणाम भी आने लगे हैं । यदि हम पिछले वर्षों की तुलना करें तो इस वर्ष में उद्योग भी प्रदेश में बढ़े हैं । अध्यक्ष महोदय, मैं आंकड़ों में जाना नहीं चाहता क्योंकि आंकड़ों का खेल ऐसा है जिनको कोई भी सच साबित कर सकता है और कोई भी झूठ साबित कर सकता है, जिसमें बहसा–बहसी ज्यादा होती है, जो ठीक नहीं है । लेकिन कुछ बातें तुलनात्मक होती हैं और उन तुलनात्मक बातों में आज हमारा प्रदेश आगे बढ़ रहा है । यह सब कुछ हमारे ही कारण से हुआ है, ऐसा भी नहीं है । इसका बेस पहले से ही बना हुआ था और जो बेस बना हुआ था उसमें आगे की नीतियां हमें बनानी हैं । हम सदन के सदस्यों का काम होता है कि हम एक्ट पास करें और कार्यपालिका का काम होता है कि उस एक्ट के हिसाब से नीतियां बनाये । उसके बाद प्रशासन का काम होता है कि उन नीतियों को ठीक से लागू करे । उन नीतियों को लागू करने में कई बार हम प्रशासनिक ताकतों को अपने हाथ में ले लेते हैं और कहा जाता है कि मंत्री यह नहीं करेगा और मुख्यमंत्री वह नहीं करेगा । मुझे आज आप सभी को बताते हुए हर्ष हो रहा है कि अभी तीन दिन पहले एक विषय मेरे दिमाग में चल रहा था और यह 21 वर्ष पुराना विषय है । उसका मैं यहां उल्लेख करना चाहूंगा कि 1975 में इसी सदन में हरियाणा डिवैल्पमैंट रैगूलेटरी एंड अर्बन एरियाज एक्ट बना था । वह एक्ट जो नये एरियाज में कालोनी बननी हैं उनको लाईसेंस या सी.एल.यू. देने के लिए बनाया गया था

और यह अधिकार डायरैक्टर, टाऊन एंड कंट्री प्लानिंग के हाथ में था । उसके बाद 1991 में जो भी सोचा हो और डिसाईड किया गया कि यह काम मुख्यमंत्री को अपने हाथ में ले लेना चाहिए । उस समय डायरैक्टर को दी हुई यह ताकत मुख्यमंत्री ने अपने हाथ में ले ली और उसके बाद लाईसेंस और सी.एल.यू. मुख्यमंत्री के इसारे से होने लगे । आगे चलकर 1996 में जब चौधरी बंसी लाल जी मुख्यमंत्री बने उस समय इस पर फिर से पुनर्विचार हुआ और अधिकारियों ने मुख्यमंत्री के पास फाईल भेजी कि यह अधिकार डायरेक्टर का है, मुख्यमंत्री को अपने पास नहीं रखना चाहिए । उस समय मुख्यमंत्री पर कोई दबाव होगा या किसी ने उनको सलाह दी होगी मुख्यमंत्री जी ने वह फाईल वापिस लौटा दी और कहा कि यह अधिकार मुख्यमंत्री के पास ही रहेगा । उसके बाद वर्ष 2005–06 में फिर यह विषय खड़ा हुआ और वर्ष 2005–06 में भी उस फाईल को यह कहकर वापिस लौटा दिया गया कि अधिकार तो माननीय मुख्यमंत्री के पास ही रहना चाहिए। वर्ष 2005–06 से वर्ष 2013–14 का जिस प्रकार का इतिहास रहा उसके बारे में हम सभी अच्छी प्रकार से जानते हैं। इसका कारण तो सम्बंधित मुख्यमंत्री ही बता सकते हैं कि उनके समय में लाईसैंस और सी.एल.यू. देने के अधिकार मुख्यमंत्री के पास रहने के क्या कारण रहे होंगे। इस बारे में समय–समय पर आलोचनायें भी हुई और ऐसा होने के बहुत से दुष्परिणाम भी सामने आये। इस विषय के ऊपर एक बहुत बड़ी

रिपोर्ट भी आई। जब हमारी सरकार आई तो हमने यह महसूस किया कि यह अधिकार डॉयरैक्टर से छीना गया है। डॉयरैक्टर से यह अधिकार छीनने के कुछ कारण अवश्य रहे होंगे क्योंकि बिना किसी विशेष कारण के हमें क्या जरूरत है कि हम अपने हस्ताक्षर से किसी भी व्यक्ति को लाईसैंस और सी.एल.यू. दें। मुझे यह बात यहां पर बताते हुए बड़ी प्रसन्नता हो रही है कि हमने 01 नवम्बर, 2016 को इस अधिकार को छोड़कर वापिस डॉयरैक्टर को दे दिया है। प्रशासनिक काम प्रशासनिक अधिकारियों को करना चाहिए। हां, यह बात अवश्य है कि अगर वे कोई गलत काम करेंगे तो फिर हम उनको पकड़ेंगे और नियमानुसार सजा देंगे। इसमें हमारा ऐसा कौन सा लालच है कि यह काम हमारे ही हाथ से होना चाहिए। हम चाहते हैं कि जो जिसका काम है उसको वह करे। हमारे ऐसा करने से मैं यह समझता हूं कि बहुत सी अच्छी बातें निकलकर सामने आयेंगी। हमारी सरकार आने से पहले इस प्रदेश में बहुत से अच्छे काम हुए लेकिन इसके बावजूद भी भ्रष्टाचार कहां–कहां और किस प्रकार से काम कर रहा था यह सभी को अच्छी प्रकार से मालूम है। विभिन्न विभागों में कर्मचारियों का स्थानांरण एक उद्योग बना हुआ था। विशेषकर जो बहुत बड़ा डिपार्टमैंट है एजुकेशन डिपार्टमैंट हमारी सरकार ने आते ही उसमें होने वाली सभी ट्रांसफर्स को ऑन–लाईन करने का काम किया। हमने शिक्षा विभाग के स्थानांतरण के सम्बन्ध में शिक्षा मंत्री जी से बात की

कि शिक्षा विभाग को स्थानांतरण के नाम पर होने वाली लूट से मुक्ति दिलाई जाये। बातचीत के बाद अंततोगत्वा हमने यह निर्णय लिया कि एक ऐसी ट्रांसफर पॉलिसी बनाई जाये जिसमें किसी अध्यापक को अपनी ट्रांसफर के लिए यहां आना ही न पड़े। यह पॉलिसी बनने से पहले 10 परसैंट अध्यापक हर रोज चण्डीगढ़ के चक्कर लगाते रहते थे और पक्ष और विपक्ष के सभी विधायकों को पूरा साल ही घेरे रहते थे। इस सबके दौरान उनको कोई न कोई दलाल भी मिल जाते थे जो उनको यह कहते थे कि अगर आपको एम.एल.ए. नहीं मिला तो कोई बात नहीं आप हमें बतायें कि आपको कहां ट्रांसफर करवानी है हम आपका ट्रांसफर करवायेंगे। उनके द्वारा ट्रांसफर की एवज़ में उनसे मनमानी रकम भी वसूली जाती थी। इसलिए ट्रांसफर करवाने वाले प्रत्येक कर्मचारी को एक निर्धारित रकम अपनी जेब में रखनी पड़ती थी। इस सबको देखते हुए हमने एक ट्रांसपेरैंट ट्रांसफर पॉलिसी बनाई। इस ट्रांसफर पॉलिसी के तहत टी.जी.टी. की आजकल में ट्रांसफर लिस्ट आने वाली हैं। इसमें तीन वर्गों के अध्यापकों को सीनियौरिटी के हिसाब से जो स्थान चाहिए वह मिलेगा और यह काम महज एक क्लिक से हो जायेगा। इस ट्रांसफर पॉलिसी के मुताबिक हमारे 93 परसैंट अध्यापक ऐसे हैं जिनको उनका मनचाहा स्थान मिल गया है। केवल 7 परसैंट ही ऐसे अध्यापक रह गये हैं जिनको अपना निकटतम मनचाहा स्थान नहीं मिल पाया लेकिन फिर भी उनको निकटतम

स्थान पर पोस्टिंग मिल गई है। इन 7 परसैंट में से भी बहुत से लोग हमारे पास आये हैं जिन्होंने हमारे पास आकर यह कहा है कि वे हमारी सरकार की ट्रांसपेरैंट ट्रांसफर पॉलिसी के तहत हुई ट्रांसफर से संतुष्ट हैं। उनका यह कहना था कि उन्हें मनचाहा स्थान तो नहीं मिला लेकिन वे इस बात से संतुष्ट थे कि यह काम ठीक हुआ है क्योंकि जो जिस स्थान के लिए डिज़र्व करता था उसको वही स्थान मिला है। इस प्रकार से इस नाते से उनको सरकार की ट्रांसपेरैंट ट्रांसफर पॉलिसी के तहत हुई ट्रांसफर से संतुष्टि हुई । उनका यह विश्वास भी है कि इस बार नही ंतो अगली बार ही सही उन्हें अपने मनचाहे स्थान पर पोस्टिंग मिल जायेगी। इस बात की भी सम्भावना हो सकती है कि इन 7 परसैंट में से 2 परसैंट ऐसे भी रहे होंगे जिन्होंने सम्बंधित फार्म भरने में कोई न कोई गलती कर दी होगी। ऐसे ही 2 परसैंट ऐसे भी रहे होंगे जिनका इस पॉलिसी पर भरोसा ही नहीं जमा होगा और उन्होंने यह सोचा होगा कि ऐसे कैसे हो सकता है? उन्होंने यह भी सोचा होगा कि हम तो मंत्री जी से अपने ट्रांसफर ऑर्डर सीधे जाकर करवा ही लायेंगे। ऐसा नहीं है कि इसके लिए हमारे निकट के लोगों ने सिफारिश ना की हो। हमने उनको कहा कि एक बार पॉलिसी के तहत ट्रांसफर हो जाने दें उसके बाद ही हम देखेंगे कि अगर किसी के साथ कोई ज्यादती हुई होगी तो उसमें सुधार कर दिया जायेगा। यह बात मैं भी मानता हूं कि इसमें एक–आधे परसैंट की कमी भी रही

होगी। यह भी हो सकता है कि जो 100 परसैंट डिस्एबल्ड या ब्लाईंड पर्सनस रहे होंगे उनको सही स्थान पर पोस्टिंग न भी मिल पाई हो। हमारी यह इच्छा है कि इस प्रकार के कर्मचारियों को मनचाहे स्थान पर पोस्टिंग देने के लिए हम उनकी ट्रांसफर के लिए मैनुअली ऑर्डर कर देंगे। हम यह मानते हैं कि जो किसी भी प्रकार से 100 प्रतिशत दिव्यांग हैं उनको मनचाहे स्थान पर पोस्टिंग हर हालत में मिलनी ही चाहिए। इसके लिए हम प्रयासरत हैं। इस प्रकार से सभी प्रकार की भर्तियों में भी बड़ी–बड़ी धांधलेबाजी हमारे सत्तासीन होने से पहले होती थी । यह सभी जानते हैं कि सभी प्रकार की भर्तियों में किस प्रकार से भाई–भतीजावाद, क्षेत्रवाद, परिवारवाद के तहत बैक–डोर एंट्री होती थी। भर्तियों का क्या इतिहास रहा है इस बारे में मुझे ज्यादा विस्तार से बताने की आवश्यकता नहीं है। हमने अपने निकटतम लोगों के विरोध का सामना करते हुए भी यह फैसला किया कि जो योग्य व्यक्ति हैं उन योग्य व्यक्तियों को क्यों नहीं आगे आना चाहिए। हम इस सदन में पांच साल के लिए चुनकर आते हैं और पांच साल बाद हमें अपने कामों का लेखा–जोखा लेकर फिर से जनता के बीच में जाना पड़ता है। जनता अपनी कसौटी पर हमें परखकर अपना फैसला देती है। इस प्रकार से हमें एक बार में सिर्फ पांच साल के लिए जनता की सेवा करने का मौका मिलता है। हम जिसको सरकारी नौकरी पर लगाते है उसे 30 से 35 वर्ष तक जनता की सेवा करनी होती

है। अगर ठीक व्यक्ति का हम चुनाव करेंगे तो वह 30 से 35 वर्ष तक अच्छी प्रकार से जनता की सेवा करेगा लेकिन अगर हम किसी गलत और अयोग्य व्यक्ति को नियुक्ति दे देते हैं तो वह अपनी सम्पूर्ण सेवा अवधि के दौरान सही ढंग से काम नहीं कर पायेगा और सरकारी खजाने पर एक अनावश्यक बोझ बनने का ही काम करेगा। वह सही काम तो कर नहीं पायेगा अगर काम करेगा भी तो गलत ही करेगा। इसलिए हमें यह कोई अधिकार नहीं है कि हम किसी अयोग्य, अपात्र और गलत व्यक्ति को नौकरी दें। जिसमें जनता की सेवा करने की योग्यता है और जिस कार्य के लिए उसको भर्ती किया जा रहा है अगर वह उस काम को करने की पूर्ण योग्यता रखता हो तभी उसको सरकारी नौकरी दी जानी चाहिए । इसके विपरीत अगर मेरा–तेरा करके हम सरकारी भर्ती कर रहे हैं तो हम समाज और प्रदेश का किसी भी प्रकार से भला नहीं कर रहे हैं। इसमें हम सभी का नुकसान है। केवल भर्ती के नाते, चाहे एच.सी.एस. की भर्ती हुई हो, चाहे पुलिस की भर्ती चल रही है, चाहे क्लर्क की भर्ती हुई है, चाहे इंजीनियर्स की भर्ती हुई है इन्टरव्यू के कम से कम अंक दे कर हमने तय किया है कि किसी भी नौकरी में 12 प्रतिशत से अधिक नम्बर इन्टरव्यू के नहीं होंगे । पहले अधिकतम 20, 30 और 40 प्रतिशत तक होते थे जबकि हमने अधिकतम 12 प्रतिशत रखा है । पुलिस में तो केवल 5 अंकों का ही इन्टरव्यू रखा है जो कि बोर्ड की डिस्क्रिशन है । 5 में से

कोई कितने अंक दे देगा? कहीं पर 3 तो कहीं पर 4 दे देगा । अगर कोई थोड़ा बहुत ऊपर–नीचे करना भी चाहे, किसी की नीयत में फर्क आ भी जाये तो वह ज्यादा अन्तर नहीं कर सकता । इस प्रकार से यह परम्परागत व्यवस्था परिवर्तन का काम हमने बहुत रिस्क लेकर किया है । यह इसलिए किया है कि हमको हरियाणा को आगे बढ़ाना है । हरियाणा को आगे बढ़ाने के लिए हमें जो भी रिस्क उठाने पड़ें हम उठायेंगे । निश्चित रूप से हमारा संकल्प यह है कि गरीब की सेवा कैसे हो और अंतिम व्यक्ति का उदय कैसे हो और हम उसी प्रकार की योजनाएं बनायेंगे जिनसे इन व्यक्तियों को लाभ पहुंचेगा । स्वर्ण जयंती वर्ष के लिए बहुत सी योजनाओं की घोषणा हमने की है जिनमें से कुछ की चर्चा अभी यहां बेदी जी ने की है और कुछ योजनाओं की चर्चा इनसे पहले भी हो चुकी है । एक बेरोजगार नवयुवक को कहीं न कहीं अपने पैरों पर खड़े होने के लिए, आगे बढ़ने के लिए सहारा चाहिए । बेरोजगार को केवल बेरोजगारी भत्ता देने तक सीमित नहीं रहना है । हमने कहा कि हम उसको मानदेय देंगे । पहले उससे 100 घंटे काम करवायेंगे और तब उसको 9000 रूपये मानदेय दिया जायेगा । अभी केवल पोस्ट ग्रेजुएट के लिए यह स्कीम शुरू की गई है ताकि हमारे पास पहली खेप में जो संख्या आये हम उनको लगा सकें । पहली बार चाहे 25–30 हजार पोस्ट ग्रेजुएट हों अगर उनको काम मिल जाये, चाहे सरकारी काम मिले या किसी संस्था में मिले

या प्राईवेट में काम मिले लेकिन सभी को पता होना चाहिए कि ये एक पोस्ट ग्रेजुएट हैं और इनको आप 100 घंटे प्रतिमाह के लिए 9000 रूपये में लगा सकते हैं । उससे ज्यादा दे कर कोई नौकरी पर रखना चाहे तो रख सकता है उसमें सरकार को कोई आपत्ति नहीं है। इसके बाद यह स्कीम ग्रेजुएट और 10+2 के लिए भी लागू की जायेगी लेकिन योग्यता के आधार पर लागू की जायेगी । पढ़ाई के साथ–साथ उनका हुनर उनकी स्किल कैसे बढ़े हम इसकी भी चिन्ता कर रहे हैं । इसके लिए हम स्किल डिवैल्पमैंट मिशन, स्किल डिवैल्पमैंट विश्वविद्यालय की स्थापना करने जा रहे हैं ताकि व्यक्ति को रोजगार लेने के लिए इधर–उधर भटकना न पड़े । हमारे यहां पर रोजगार के अवसर तो बहुत हैं लेकिन कई बार ऐसा अवसर आता है कि उस अवसर को हमारे हरियाणा का आदमी अवेल नहीं कर पाता । इसलिए हम ऐसी योजना बनाने जा रहे हैं ताकि हरियाणा की सरकारी संस्थाओं की और इंडस्ट्रीज की नौकरियों में हरियाणा के आदमी ज्यादा आयें । कुछ काम ऐसे भी हैं जो सामाजिक दृष्टि से 2 साल या 5 साल की अवधि में भले ही महत्वपूर्ण न लगें लेकिन सामाजिक बदलाव के लिए वे बहुत जरूरी हैं । इसी कड़ी में "बेटी–बचाओ, बेटी–पढ़ाओ" का अभियान आता है । इसमें ऐसा तो है नहीं कि आज बेटियां बढ़ जायेंगी और कल कोई परिवर्तन हो जायेगा और हमारा वोट बैंक बढ़ जायेगा । लेकिन अगर सामाजिक व्यवस्था में जैंडर रेशो बदल गया तो

सामाजिक तानाबाना बिगड़ जायेगा और परेशानी आयेंगी । इसके लिए प्रधानमंत्री जी ने आह्वान किया और हम इस कार्य में जुट गये और इसके सुखद परिणाम निकले । इसी प्रकार से स्वच्छता अभियान भी किसी सरकारी कार्यक्रम के माध्यम से होने वाला है ऐसा नहीं है । इसके लिए जनता में जागरुकता लानी पड़ेगी और सबको मिल कर चलना पड़ेगा । स्वच्छ भारत के अन्तर्गत स्वच्छ हरियाणा और स्वच्छ हरियाणा का हमने बीड़ा उठाया है तो निश्चित रूप से इसको सामाजिक संस्थाओं और एन.जी.ओज. के सहयोग से, शिक्षा विभाग के सहयोग से, लोकल बॉडीज के माध्यम से और विकास एवं पंचायत विभाग के माध्यम से तथा संस्कारों के नाते से हम इन चीजों को आगे बढ़ायेंगे ताकि एक स्वच्छ व्यक्ति, स्वच्छ स्थान, स्वच्छ घर, स्वच्छ गली, स्वच्छ मौहल्ला हमारे जीवन का अंग बने। इन कार्यों को

18.00 बजे

देखते हुए हमने बहुत सी योजनाएं चलाई हैं । सांस्कृतिक दृष्टि से हरियाणा की अपनी एक पहचान है । कला के नाते से हम कहें तो हमारे हरियाणा की एक कला है। इस लोक कला को कैसे आगे बढ़ाना है क्योंकि इसमें हम बहुत से पीछे रह गये हैं इसको कैसे आगे बढ़ाया जाए । इसके लिये भी हमारे पब्लिक रिलेशन विभाग की तरफ से जो उत्सव चल रहे है वह तो हम करेंगे ही लेकिन इसके अलावा विभिन्न प्रकार के उत्सवों में सरकार का भी सहयोग हो, हम उस सहयोग के अन्दर उत्सवों, लोक कलाओं को गांव–गांव में ले जाकर प्रदर्शन करें या

कार्यक्रम कराएं । उसमें चाहे वह गीता स्वर्ण जयंती के कार्यक्रम हों, चाहे अब अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर गीता जयंती का कार्यक्रम आएगा, इस तरह से गांव–गांव में स्वर्ण जयंती के कार्यक्रम होंगे । हरियाणा की अपनी फिल्म कला भी है । हरियाणवी फिल्मों का कैसे अधिक से अधिक बढ़ावा हो इसके लिये भी एक फिल्म पॉलिसी बहुत जल्दी 31 दिसम्बर से पहले–पहले ही आ जाएगी । उसके अनुसार हरियाणवी फिल्मों का दर्शन प्रदर्शन हरियाणा प्रदेश में तो होगा ही होगा देश के दूसरे प्रदेशों में भी उसका प्रदर्शन किया जाएगा । अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर भी उसका और ज्यादा प्रसार हो इसका हम प्रयत्न करेंगे । अध्यक्ष महोदय, स्वर्ण जयंती के अन्तर्गत हम ये फिल्म उत्सव कार्यक्रम करवाने वाले हैं ताकि हर गांव में हरियाणवी फिल्म का दर्शन प्रदर्शन हो इसके लिये हम योजना बनाएंगे । ऐसी बहुत सी चीजें करने वाली है । अध्यक्ष महोदय, किसानों की तकलीफ भी सरकार के ध्यान में है । किसानों की आय कैसे दुगुनी हो ? जैसे मैंने पहले बताया और धनखड़ जी ने भी उसमें बहुत विषयों की चर्चा की है । किसानों की जो समस्याएं हैं खासकर जैसे प्रदूषण का जो विषय है जिसमें पराली जलाने का विषय सामने आया उसके बारे में भी सरकार ने सोचा है कि हम इसकी रोकथाम कैसे करें । यह केवल एन.जी.टी. का निर्णय है इसलिये इसको करना है, ऐसा नहीं है । वैसे भी हमारे जीवन में जितना भी प्रदूषण होगा वह हानिकारक है । उसको कैसे ठीक किया जाए

उसके बारे में भी हम सोच रहे हैं । इसके साथ–साथ हम अपनी टूरिजम व्यवस्था को भी बढ़ाना चाहते हैं जिसमें मनोरंजन के साधन चाहे अपने प्रदेश के हों, चाहे आय के नाते से बाहर से जितने भी लोग यहां मनोरंजन के साधन जुटाने के लिये आएंगे उस नाते से भी हम बहुत से काम करने वाले हैं । कुल मिलाकर उस संबंध में बहुत से विषय आ चुके हैं । जैसा मैंने बताया कि इसमें बहुत सी योजनाएं बनी हैं । उसमें जो–जो सुझाव आए हैं उन सबका हम ध्यान रखेंगे । हर एक विधान सभा की जितनी भी डिमांड्स हैं उन डिमांड्स पर जितनी भी घोषणाएं हुई हैं या और भी डिमांड्स आई हैं उन सबके ऊपर हम विचार करेंगे और विचार करके जो भी सीमाएं हैं उन सीमाओं के अन्तर्गत प्रायरिटी के हिसाब से जो–जो काम पहले करने के हैं वह पहले होंगे, जो साल भर बाद करने के हैं उनको साल भर बाद करेंगे लेकिन अपने इन तीन साल के कार्यकाल में हमने क्या करना है वह तो हमारी सारी योजनाएं बन गई हैं और आगे आने वाले समय में भी हम इसको एक दिशा के नाते से, एक विजन के नाते से करेंगे ताकि हरियाणा की एक दिशा बने । इसको हम तय करके जाएंगे ताकि आने वाले समय में जिन कामों में कमी हमारे ध्यान में आती हैं उनको हम पूरा करें । व्यवस्था के प्रति जो एक बात मुझे और लगती है वह यह है कि कभी–कभी जब तक हम राजनीति से ऊपर उठकर विचार नहीं करेंगे और व्यवस्था के प्रति बगावत का काम जो राजनीति को आगे बढ़ाने के

लिये की जाती है उसके लिये भी मेरा माननीय सदस्यों से निवेदन है कि जहां कहीं प्रदेश का हित टकराए वहां इसको रोकना चाहिए । अध्यक्ष महोदय, राजनैतिक तौर से हमें अपने मुद्दे को लेकर कैसे आगे बढ़ना है या जन समस्या को उठाने के लिये कैसे सरकार को चेताना है वहां तक तो ठीक है लेकिन इससे आगे चलकर भी कई बार प्रदेश का अहित होने की जो बात आती है उस समय यह व्यवस्था के प्रति बगावत है । इसको रोकने का काम भी हम सबको करना है । हमारा यह भी रहेगा कि व्यवस्था के प्रति बगावत को जो सिरे चढ़ाते हैं अर्थात जो बगावत करते हैं उनको साही बोलते हैं । कुछ बगावत करवाने वाले साही होते हैं । यह पहचान भी हम करेंगे । कुल मिलाकर इसमें विनम्रता को कमजोरी न समझा जाए । हमें इन विषयों पर भी ध्यान करना है ताकि प्रदेश की जो तरक्की है, प्रदेश का जो हित है वह पूरा बराबर बना रहे उसमें कहीं कोई अड़चन न पड़े । इन सभी बातों को ध्यान में रखते हुए सरकार की ओर से मैं अपेक्षा करूंगा कि सभी विपक्षी दल सदन के सभी सदस्य इन बातों में सहयोग करें।बहुत–बहुत धन्यवाद । **(शोर एवं व्यवधान ।)**

अध्यक्ष महोदय द्वारा धन्यवाद

श्री अध्यक्ष : माननीय सदस्यगण, सदन की कार्यवाही के सुचारू रूप से संचालन में आप सभी के द्वारा प्रदान किए गए सहयोग के लिये मैं आपका आभारी हूँ । इसके

अतिरिक्त मैं प्रैस के प्रतिनिधियों, सरकार के अधिकारियों, हरियाणा विधान सभा सचिवालय के अधिकारियों और कर्मचारियों का आभारी हूँ जिन्होंने वर्तमान सत्र के सुचारू रूप से संचालन में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया । दर्शकदीर्घा में उपस्थित दर्शकगण ने बड़े आराम से सदन की कार्यवाही को देखा व सुना है इसके लिये मैं उनका शुक्रगुजार हूँ । इन्हीं शब्दों के साथ मैं आप सबका एक बार फिर आभार प्रकट करते हुए धन्यवाद काता हूँ । माननीय सदस्यगण, अब यह सदन अनिश्चित काल के लिये *स्थगित किया जाता है ।

***18.03 बजे** **(तत्पश्चात् सदन अनिश्चित काल के लिये *स्थगित हुआ।)**